६२१६

No ६२१६ - म २४२
२५

6217

पत्र २७२

पासुदयालः ४ चौ सकल कली मल हरं शाः नी
लसरोरुहस्याम तरुन अरुन वारिज नैन
करहु सो मम उर धाम सदा क्षीरसागर सयन शा
कुंद इंदु सम देह उमारमन करुना अयन शा जाहि
दीन पर नेह करहु कृपा मर्दन मयन शाः वंदौ गुर
पद कंजः कृपा सींधु नर रूप हरीः महा मोह त
म पुंज जासु वचन रवी कर नीकर वंदौ मुनीप
द कंज रमायेन जीन नीरमय चौ सघर सकोमल
मंजुः दोषरहीत दूषन सहीत वंदौ वीधी पद रेनु
त भव सागर जो कीन्ह यह संसौ धाम सी घेन प्रगटे
घल वीष वारुनीः वंदौ चारौ वेद भव सागर वो
हीत सरीसा जीन्ह हीं न सपनेहु षेद वरनत रघुवर वी
मल जसः वंदौ व्याघ्र वल्मीक कालसत प्रेम जेहीं राम
पद वीधु रत हीन दयाल प्रीयतन वीन इ परीह
रेउः चरन पवन कुमार षल वन पावक ग्यान घन
जासु हृदय आगार वसहीं राम सर चाप धरीः ४ की
जन्म महीं जानी ग्यान षानी अघ हानी करीः जह

रा॰ १

वससंभुभवानीसोकासीसेइयकसनःजर

तसकलसुरव्रीदवीषमगरलजेपानकरीःतेहि

नभजसीमतीमंदकोकीपालसंकरसरीसः श्रीग

रचरनसरोजरजनीजमन मकुरसुधारवरनोरघुव

रवीमलजसजोदायकफलचारीज्ञानघरज्ञानरघुन

ज्ञानोनहीगुरज्ञानउपायःरामचरीचचक्षुवरनो

श्रीगुरहेतुसहायःरमायनतुलसीकृतकथाकीन्ह

अनुसारभासनलीजेप्रेमहीतन्हावोपघनकुमार

No 51

6217

चौपाई

वंदौगुरपदपदुमपरा गा
सुरुचीसुवाससरीसअनुरागा
अमीयमुरीमयचुरनचा रु
समनसकलभवरुजपरीवा रु
सुकृतिसंभुतनवीमलवीभू ती
मंजुलमंगलमोदप्रसू ती
जनमनमंजुमुकुरमलहर नी
कीएँतीलकगुनगनवसीकर नी
श्रीगुरपदनखमनीगनजो ती
सुमीरतदीव्यदृष्टीहीऐहो ती
दलनमोहतमसोसुप्रका सु
वडेभागउरआवहींजा सु
उघरहींवीमलवीलोचनहीऐके
मीटहींदोषदुखभवरजनी के
सुझहींरामचरीत्रमनीमानी क
गुपतप्रगटजोजेहीषानी क

दो॰ ३ जथासोअंजनअंजदृगःसाधकसीधसुजा न
कौतुकदेखहींसैलबन भूतलभूरीनीधा न

चौपाइ

गुरपदरजमृदुमंजुलअंज न
नैनअमीएदृगदोषबीभंज न
3 तेहीकरबीमलबीवेकबीलोच न
बरनौरामचरीतभवमोच न
बरनौप्रथममहीसुरचर ना
मोहजनीतसंसयसबहर ना
सुजनसमाजसकलगुनखा नी
स करौप्रनामप्रेमसुबा नी
साधुसरीससुभचरीतकपा स
नीरसबीसदगुनमैफलजा स
जोसहिदुखपरछीद्रदुरा वा
बंदनीएजेहीजगजसपा वा
मुदमंगलमयसंतसमा ज
जोजगजंगमतीरथरा ज
रामभक्तीजहांसुरसरीधा रा
सरसयब्रह्मबीचारप्रचा रा

वीधीनीषेधमयकलीमलहर नी
कर्मकथारवीनंदनीवर नी
हरीहरकथावीराजतीवे नी
सुनतसकलमुदमंगलदे नी
वटवीस्वासअचलनीजधर मा
तीरथराजसमाजसुकर मा
सवहींसुलभसवदीनसवदे सा
सेवतसादरसमनकले सा
अकथअलौकीकतीरथरा ऊ
देइसद्यफलप्रगटप्रभा ऊ

दोहा

सुनीसमझहींजनमुदीतमनःमंजहींअतीअनुराग॥
लहहींचारीफलअछीततनःसधुसमाजप्रआग

चौपाई

मंजनफलपेषीअततका ला
कांकहोहींपीकवकउमरा ला
सुनीआचरजकरैजनीको ई
सतसंगतमहीमानहींगो ई
वालमीकनारदघटजो नी
नीजनीजमुषनकहीनीजहोनी

५

जलचरथलचरनभचरनाना
जेजड़चेतनजीवजहाना
मतीकीरतीगतीभुतीभलाइ
जबजेहीजतनजहांजेहीपाइ
सोजानबसतसंप्रभाउ
लोकहुवेदनआनउपाउ
बीनसतसंगबीवेकनहोइ
रामक्रीपाबीनुसुलभनसोइ
सतसंगतमुदमंगलमुला
सोइफलसीधसबसाधनफुला
सठसुधरहीसतसंगतीपाइ
पारसपरसकुधातसोहाइ
बीधीबससोसुजनकुसंगतीपरही
फनीमनीसमनीजगुनअनुसरही
बीधीहरीहरकबीकोवीदबानी
कहतसाधुमहीमासकुचानी
सोमोसनकहीजातनकैसें
साकबनीकमनीगुनगनजैसें

दोहा

वंदौसंतसमानचीतहीतअनहीतनहीकोउ

अंजलीगतसुभसुमनजीमीसमसुगंधकरदोइ

दोहा

संतसरलचीतजगतहीतःजानीसुभाउसने हु
बालबीनयसुनीकरीकृपाःरामचरनरतीदे हु

चौपाइ

बहुरीबंदीखलगनसतीभा ए
जेबीनुकाजदाहिनेबां ए
परहीतहानीलाभजिन्हके रे
उजरेहरषबीषादबसे रे
हरीहरजसराकेसराहु से
परअकाजभटसहसबाहु से
जेपरदोषलषहीसहसा षी
परहीतघृतजीनकेमनमा षी
तेजकृसानुरोषमहिषे सा।
अघअवगुनधनधनीधने सा।
उदयकेतुसमहीतसबही के
कुंभकरनसमसोवतनी के
परअकाजलगीतनुपरीहर हीं

५ जीमीहीमउपलकीषीहलगोर ही
वारे वंहीषलजसीमेषसरो षा
सहवहनवरनैपरहो षा
पुनीप्रनचौप्रथुराजसमा ना
परकाघसनैसहसहसका ना
5 वकुरीसंक्रसमचीनवौतो ही
संततसरानीकहीतजे ही
हि चचनवजुतैंसहापीका रा
सहसनैनपरहाषनीहा रा

दोहा

उहासीनकरीमीतहीत:सुनातजरहीषलरी ती
जानीपानीजगजोरीजनु:चीनतीकरउसप्रीती ।।

चौपाइ

मैमपनीहीसीकीनहनीहो रा
तीकनीजमोरनलाउचलो रा
चोएसपालीय [illegible] कातीकनरा गा
होहीतीरामीषकचकुकीका गा
चेहासंतकसंतनचर ना
दुषप्रहउमयचीचकछुवर ना

बीछुरतएकप्रानहरीले ईं
मीलतएकदारुनदुषदे ईं
उपजहिंएकसंगजगमा हीं
जलजजोंकजीमिगुनबीलगाहीं
सुधासुरासमसाधुअसा धु
जनकएकजगजलधीअगा धु
भलअनभलनीजनीजकरतु ती
लहतसुजसअपलोकबीभु ती
सुधासुधाकरसुरसरीसा धु
गरलअनलकलीमलसरीब्या धु
गुनअवगुनजानतसबको ई
जोजेहिभावैनीकतेहिसो ई

दोहा

भलोभलाइपैलहैः लहैनीचाइहिनी चु
सुधासराहिअमरताः गरलसराहियमी चु

चौपाई

षलअघअगुनसाधुगुनगा हा
उभयअपारउदधीअवगा हा
तेहितेकछुगुनदोषबषा नै

संग्रहत्यागनवीनुपहीचा ने

भलउपोचसववीधीउपजा ए

गनीगुनदोषवेदवीलगा ए

कहहिंवेदइतीहासपुरा ना॥

वीधीप्रपंचगुनअवगुनसा ना

दुषसुषपापपुंन्यदीनरा ती

साधुअसाधुसुजातीकुजा ती

दानवदेवऊंचअरुनी चु

अमीयसजीवनुमाहुरमी चु

मायाब्रह्मजीवजगदी सा

लछीअलछीरंकअवनी सा।

कासीमगसुरसरीक्रमना सा

मरुमारवमहिदेवगवा सा।

सरगनरकअनुरागवीरा गा।

नीगमागमगुनदोषवीभा गा।

दोहा

जड़चेतनगुनदोषमेःवीस्वकीन्हकरतार

संतहंसगुनगहहिंपैःपरीहरीवारीवीकार

चौपाई

असवीवेकजबदेइवीध ता
तबतजीदोषगुनहीमनुरा ता
कालसुभाउकर्मबरीआ ई
भलेउप्राकीतबसचुकइभला ई
सोसुधारीहरीजनजीमीले हीं
दलीदुषदोषबीमलजसदे हीं
षलउकरहींभलपाइसुसं गू
मीटइमलीनसुभाउअभं गू
लषीसुवेषजगवंचकजे ऊ
भेषप्रतापपुजीअहींते ऊ
उघरहींअंतनहोइनीबा हू
कालनेमीजीमीरावनरा हू
कीयेकुवेषसाधुसनमा नू
जीमीजगजामवंतहनुमा नू
हानीकुसंगसुसंगतीला हू
लोकहुवेदवीदीतसवका हू
गगनचढैरजपवनप्रसं गा

१ बाल

कीन्चहीमीलैनीचजलसं गा
साधुअसाधुसदनसुकसा री
सुमीरहीरामदेहीगनीगा री
धूंमकुसंगतीकारीहो ई
लीषीयपुरानमंजुमसीसो ई
जा सोईजलअनलअनीलसघा ता
होईजलदजगजीवनदा ता

दोहा

ग्रहभेषजजलपवनपटपाईकुजोगसुजो ग
होहीकुवस्तुसुवस्तुजगलषहीसुलछनलो ग

दोहा

समप्रकासतमपाषदुहूनामभेदवीधीकीन्ह ॥
ससीपोषकसोषकसमुझीजगजसअपजसदीन्ह

दोहा

जड्चेतनजगजीवजतसकलराममयजा नी
वंदौसवकेपदकमलसदाजोरीजुगपा नी

दोहा

देवदनुजनरनागखगप्रेतपीतरगंधर्व ॥

वंदोकीन्नररजनीचरकीपाकरहुअवस वे

चौपाइ

अकरचारीलाखचौरा सी

जातीजीवजलथलनभवा सी

सीयराममयसवजगजा नी

करौप्रनामजोरीजगपा नी

जानीकीपाकरीकीकरमो हु

सवमीलीकरहुछाडीछलछो हु

नीजवधीवलनरोसमोहीना ही

तातेवीनयकरौसवपा ही

करनचाहौरघुपतीगुनगा हा

लघुमतीमोरीचरीतअवगा हा

सुझनएकोअंगउपा ऊ

मनमतीरंकमनोरथरा ऊ

मतीअतीनीचउचीरुचीआ छी

चहीयअमीयजगजुरैनछा छी

छमीहहीसजनमोरीढीठा ई

सुनीहहीवालवचनमनला ई

बाल

जौबालककहतोतरीवा ता
सुनहीमुहीतमनपीतुकारमाता
हसीहहींकुरकुटीलकुंचीन्वा री
जेप्रुरदुघनलूघनघा री
नीजकुचीताकेहीलागननीका
सरसहोउकाथवाकतोकी का
जेपरलनीतसुनतहरषा हीं
तेवरपुत्रघवहतजगना हीं
जगवहनरसुरसरीसमना ई
जेनीजवाछीवछहोजलपा ई
सजनसुकीतसीघसमको ई
हेषीपरचीघुवाछैजो ई

दोहा

भागछोरकानीलाषचडकरौएकवीसुास
पैहहीसुषसनीसुजनजनघलकरीहहींउपहौ

चौपाई

घलउपहासहोइहीतमो रा
काकहहीकलकंठकठो रा

8

हंसहिंबाकदादुरचातक ही
हंसहीमलीनषलबीमलबाती कही
१ कवीत्तरसीक रामपदनेहुं
तीन्हकहंसुषदहासरसयेहुं
भाषाभनीत्तीभोरीमत्तीमो री
हंसबेजोगहसेनहीषो री
प्रभुपदप्रीतीनसमझनी की
तीनहीकथासुनीलागहीफी की
हरीहरपदरतीमत्तीनकुत्तर की
तीन्हकहमधुरकथारघुबर की
रामभ[illegible]भुषनजीयजा नी
सुनीहहीसुजनसराहीसुबानी
कबीनहोउंनहीबचनप्रबी न
सकलकलासबबीद्याही न
आषरअरथअलंकृत्तना ना
छंदप्रबंधअनेकबीधा ना
भावभेदरसभेदअपा रा
कबीत्तदोषगुनबीबीधप्रका रा
कबीत्तबीबेकएकनहीमो रे
सत्यकहोलीषीकागदको रे

बा॰
रा
९

दोहा

भनीतीमोरीसवगुनरहीतःवीश्ववीदीतगुनएकः१
सोवीचारीसुनहहीसुमतीजीन्हकेवीमलवीवेकः

चौपाई

एहीमहं[illegible]रघुपतीनाम[illegible]दारा
अतीपावनपुरानश्रुतीसा रा
मंगलभवनअमंगलहा री
उमासहीतजेहीजपतपुरा री
भनीतीवीचीत्रसकवीकृतजोऊ
रामनामवीनुसोहनसो ऊ
वीधुवदनीसवभांतीसंवा री
सोहनवसनवीनावरना री
सवगुनरहीतकुकवीकृतवानी
रामनामजसअंकीतजा नी
सादरकहहीसुनहीवुध[illegible]ताहीं
मधुकरसरीससंतगुनग्रा हीं
यदपीकवीतरसएकोना हीं
रामप्रतापप्रगटयहमां हीं
सोईभरोसमोरेमनआ वा

केहीनसुसंग वडपनुपा ए
युमातजैसहजकरवा ३
कागरप्रसंगसुगंधवसा ३
कनजीतोकेहसवसुभलकरनी
रामकथाजगमंगलकरनी
छंद
मंगलकरनकलीमलहरनीतुलसीकथारघुनाथकी
गतीकुरकवीतासरीतकीजैसरीतपावपातकी
प्रभुसुजससंगतीभनीतोभलिहोईहीसुजमनभावनी
भवअंगभलत्तमसानकीसुमीरतसहावनीपावनी ॥ दोहा
प्रीयलागहीअतीसवहीममभनीतीरामजससंग
दारुवीचारकरईकोरवावंहीमलयप्रसंग
सोहा
स्यामसुरभीपैवीसदअतीगुनहकरहीसवपान
गीराग्रामसीयारामजससःगावहीसुनहीसुजान
चौपाई
मनीमानीकमुकताछवीजैसी

बाल०

10

अहिगीरीगजसीरसोहनतैसी
न्रीपकीरीटतरुनीतनपा ई
लहहिसकलसोभाअधिका ई
तैसपमु कि कविबुधकह ही
उपजहिअनतअनतछबिलहही
भक्तिहेतुविधिभवनविहा ई
सुमिरतसारदआवतधा ई
रामचरीतसरबीनअन्हवाए
सोश्रमजाइनकोटिउपा ए
कवीकोवीदअसहृदयबीचा री
गावहीहरीजसकलीमलहारी
कीन्हीप्राकृतजनगुनगा ना
सीरधुनीगीरालगतपछता ना
हृदैसींधुमतीसीपसमा ना
स्वातीसारदाकहहिसुजा ना
जौबरषैबरबारीबीचा रु
होहीकवीतमुकतामनीचा रु

दोहा

जगतिबिधिपुनीयोहोऐरामचरीतबरताग
पहिरहिंसजनबीमलउरसोभाअतीअनुराग।।

चौपाई

जेजनमेकलीकालकरा ला।
करतधवाऐसुवेषमरा ला।
चलतकुपंथवेदमगछा डे
कपटकलेवरकलीमलभां डे
बंचकभकतकहाइराम के
कींकरकंचनकोहकाम के
तीन्हमहप्रथमरेषजगमो री
धींगधर्मधजधंधकधो री
जोअपनेअवगुनसवकह ऊं
बाढैकथापारनहीलह ऊं
तातेमैअतीअलपवषा ने
थोरेमहजानीहहीसया ने
समझीबीबीधीबीधीबीनतीमोरी
कोउनकथासुनीदइहीषो री
ऐतेहुपरकरीहहीतेअसं का
मोहितेअधीकतेजडमतीरंका

कवीनहोउंनहीन्चतुरकहावौं
मतीअनरुपरामगुनगा वौं
कहरघुपतीकेचरीतअपा रा
कहमतीमोरीनीरतसंसा रा
जेहीमारुतगीरीमेरउडा हीं
कहहुतुलकेहीलेषामा हीं
चेहकहहीअसहे[illegible]रघुरा ई
चहहीअकतीरतीनहीचातुरा ई
समुझीतअमीतरामप्रभुता ई
करतकथामनअतीकंदरा ई

दोहा

सारदसेससमेहसवीधीआगमनीगमपुरांन
नेतीनेतीकहीजासुगुनकरहींनीरंनतरगांन

चौपाई

सबजानतप्रभुप्रभुतासो ई
तदपीकेहवीनरहानकी ई
तहांवेदअसकारनरा षा
भजनप्रभाउभांतीबहुभाषा

एकबानीहकनुपमना मा
काजसबुधीसानंदपरधा मा
ब्यापकबीष्युरुपभगवा ना
तेहीधरीदेहचरीतकीतना ना
सोकेवलभगतनहीतला गी
प्रमकृपालप्रनातअनुरा गी
जेहीजनपरममताअतीछो हु
तेहीकरुनाकरीकीन्हनको हु
गाइबहोरीगरीबनेवा जु
सरलसबलसाहीबरघुरा जु
बुधबरनहीहरीजसअसजानी
करहीपुनीतसुफलनीजबा नी
तेहीबलमैंरघुपतीगुनगा था
कहीहौनाइरामपदमा था
मुनीन्हप्रथमहरीकीरतीगा ई
तेहीमगचलतसुगममोहीभाई

दोहा

अतीअपारजेसरीतवरजौंनृपसेतकराहीं
चढीपपीलकउपरमलबुबीनस्रमपारहीजाहीं

बाल

चौपाई

इहप्रकारवलमनहीदेखा ई
करीहौरघुपतीकथासोहा ई
ब्यासआदीकवीपुंगवनाना
जीन्हसादरहरीसुजसवखाना
चरणकमलवंदौतीन्हके रे
पुरवहुसकलमनोरथमो रे
कलीकेकवीन्हकरौपरना मा
जीन्हवरनेरघुपतगुणग्रा मा
जेप्राकीतकवीपरमसया ने
भाषाजीन्हहरीचरीतवखा ने
भयेजेहैजेहोइहहीआ गे
प्रनवौसवहीकपटछलत्या गे
होहुप्रसन्नदेहुवरदा नु
साधुसमाजभनीतसनमा नु
जोप्रवंधवुधनहीआदर हीं
सोश्रमवादीवालकवीकरहीं
कीरतीभनीतभूतीभलीसोइ
सुरसरीसमसवकेहीतहोइ

रामसुभकीरतीभनीतीभदेसा
असमंजसअसमोहीअंदेसा
तुम्हारीकृपासुलभसोउमोरे
सीअनीसुहावनीटाटपटोरे
करहुअनुग्रहअसजीयँजानी
वीमलजसहीअनुहरैसुवानी

दोहा

सरलकवीतकीरतीवीमल:सोईआदरहीसुजान
सहजवयरवीसराईरीपु:जोसुनिकरहीवखान

दोहा

सोनहोईवीनवीमलमती:मोहीमतीवलअतीथोर
करहुकृपाहरीजसकहउँ:पुनीपुनीकरउँनीहोर

दोहा

कवीकोवीदरघुवरचरीत:मानसमंजुमराल
वालवीनयसुनीसुरुचीलखी:मोपरहोहुकृपाल

सोरठा

वंदौंमुनीपदकंजु:रामायनजेहीनीरमयउ
सषरसकोमलमंजु:दोषरहीतदूषनसहीत:वंदौं

बाल चारीछेचस्मवधारीयवोहीतसरीस
जीन्हहीनसपनेहूषेहःचरनतनधपती
वीसहूजसचंदोवीवीपस्रेनः॥वसागरजी
१३ हीकीन्हइहःसंतसधाससीधेनप्रगटषल
वीषवारुनी॥ — **दोहा** —
वीवीधीवीप्रगरहरीचरनःवंदीकहेकरजोरी
हेरघप्रसंन्नपरवहसकलःमंजमनोरथमोरी॥

— **चौपाई** —

पुनीवंदोसारदसरसरी ता
जुगलपुनीतमनोहरचरी ता
मंजनपानपापहरीए का
कहतसुनतएकहरएअवीवेका॥
गरपीमातुमहेसभवा नी
प्रनवोंदीनवंधुदीनदा नी
सेवकस्वामीसषासीयापीके
हीतनीरुपाधीसवीवीधीतुलसीके
कलीवीलोकीजगहीतहरगीरजा॥

सांवरमंत्रजालजीन्हसीरजा।
अनमीलआषरअरथनजापु
प्रगटप्रभाउमहेसप्रतापु
सोउमहेसमोपरअनकूला
करहीकथामुदमंगलमूला
सुमीरीसीवासीवक्रपाबीनांती
ससीसमाजमीलीमनहुसराती
जेइहीकथाहीसनेहसमेता
कहिहहींसुनहींसमझीचितचेता॥
होइहीरामचरनअनुरागी
कलीमलरहितसुमंगलभागी

दोहा

सपनेहुसांचेहुमोहीपरजोहरगौरीपसाउं
तौफुरहोइजोकहउसबभाषाभनीतीप्रभाउ

। चौपाई ।

चंदौंअवधपुरीअतिपावनी
सरजूसरीकलीकलुषनसावनी
प्रनावौंपुरनरनारीबहोरी
ममताजिन्हपरप्रभुहीनथोरी

बाल

सीयनींदकअघओघनसा ए

लोकबीसोकबनाइबसा ए

बंदौंकौसल्यादीसीप्रा ची

कीरतीजासुसकलजगमा ची

प्रगटेउजहांरघुपतीससीचा रु

बीस्वसुषदषलकमलतुसा रु

दसरथराउसहीतसबरा नी

सुक्रीतसुमंगलमुरतीमा नी

करौंप्रनामकरममनबा नी

करहुक्रपासुतसेवकजा नी

जीनहीबीरंचीबडभयउबीधा ता

महीमाअवधीरामपीतुमा ता

सोरठा

बंदौंअवधभुआलसत्यप्रेमजेहीरामपद। बीछुर

तदीनदयालप्रीयतनत्रीनइवपरीहरे उ

चौपाई

प्रनवौंपरीजनसहीतबीदे हु

जाहीरामपदगुढसने हु

जोगभोगमहराषेउगो ई

रामवीलोकीतप्रगटेउसो ६

[illegible]रतकेचर ना

जासुनेमव्रतजाइनवर ना

रामचरनपंकजमनजा सु

लुबधमधुपइवतजैनपा सु

वंदौलछमनपदजलज ता

सीतलसुभगभकतसुषदाता

रघुपतीकीरतीवीमलपताका।

दंडसमानभएउजसजा का

सेससहस्रसीसजगकारन

जोअवतरेउभूमीभयटारन

सदासोसानकुलरहमोपर

क्रीपासींधुसोमीत्रीगुनाकर

रीपुसूदनपदकमलनमामी

सुरसुसीलभरतअनुगामी

महावीर[illegible]वीनवौंहनुमाना।

रामजासुजसआपुवषाना।

सोरठा

श्रीगणेश॥

कि॰ ६ प्रणावौंपवनकुमारखलबनपावकग्यानघन ५
जासुहृदयआगारबसहिंरामसरचापधर

चौपाई

कपीपतीरीछनीसाचरराजा
अंगदहिकपीकीससमाजा
बंदौंसबकेचरनसोहाए
अधमसरीररामजीन्हपाए
रघुपतीचरनउपासकजेते
षगमृगसुरनरअसुरसमेते
बंदौंपदसरोजसबकेरे
जेबीनुकामरामकेचेरे
सुकसनकादीभक्तमुनीनारद
जेमुनीवरबीग्यानबीसारद
प्रणावौंसबहिधरनीधरीसीसा।
करहुकीपाजनजानीमुनीसा।
जनकसुताजगजननीजानकी
अतीसयप्रीयकरुनानीधानकी
ताकेजुगपदकमलमनावौं

15

जासुक्रीपानिरमलमतीपावौ
पुनीमनबचनकर्मरघुनाएक
चरनकमलबंहौसबलाऐ क
राजीवनैनधरेधनसाऐ क
भकतीबीपतीभंजनसुषदाऐक॥

दोहा

गीराअरथजलबीचीसमःकहीऐतभीन्ननभीन्न
बंहौसीतारामपदःजीन्हहीपरमप्रीयषीन्न

चौपाई

बंहोनामरामरघुबर को
हेतुक्रसानुभानुहीमकर को
बीधीहरीहरमयबेदप्रान सो
अगुनअनुपमगुननीधानसो
महामंत्रसोजुजपतमहे स
कासीमकतीहेतउपदे स
महीमाजासुजानगनरा ऊ
प्रथमपुजीयतीनामप्रभा ऊ
जानआदीकबीनामप्रतापु
भएउसुधकरीउलटाजापु

ॐ
श्री

16

सहसनामसमसुनीसीववानी
जपजीसाप्रीयासंगभवानी
हरषेहेतुहेरीहरही को
कीएभुषनत्रीएभुषनतीको।
नामप्रभाउजानसीवनीको।
कालकुटफलदीनअमीको।

दोहा

१९

भ वरषारीतुरघुपतीभगतीतुलसीसालीसुदास
रामनामवरवरनजुग:सावनभादौमास

चौपाई

आखरमधुरमनोहरदो ऊ
वरनवीलोचनजनजीएजोऊ
सुमीरतसुलभसुषदसवकाहू
लोककाहुपरलोकनीवाहु
कहतसुनतसुमरतसुठीनीके
रामलषनसमप्रीयतुलसीके
वरनतवरनप्रीतीवीलगाती
व्रह्मजीवसमसहजसंघाती

नरनराऐरासरीससुभ्रा ता
जगपालकबीसेषीजनत्रा ता
भगतीसुतीयकलकरनबीभूषन
जगहीतहेतुबीमलबीधुपूषन
स्वादतोषसमसुगतीसुधाके
कमठसेषसमधरबसुधा के
जनमनमंजुकंजमधुकर से
जीहजसोमतीहरीहलधर से

दोहा

ऐकछत्रुऐकमुकुटमनीःसबबरननीपरजोउ
तुलसीरघुबरनामकेःबरनबीराजतदोउ

चौपाई

समुझतसरीसनामअरुना मी
प्रीतीपरसपरप्रभुअनुगा मी
नामरूपदुइईसउपा धी
अकथअनादीसुसमुझीसा धी
कोबडछोटकहतअपरा धु
सुनीगुनभेदसमुझहहीसा धु
देषीऐहीरूपनामआधी ना

17

जपग्यानतहीनामबी हीना
जपचीसेषनामचीनजा ने
करतलूगततनपरहीपहीन्याने
समीरीएनामजपचीनहे षे
ष्यवतहीस्यसतेवीसे षे
नामजपगतीकथकहानी
सहतसुषहनपरतवषा नी
गुरासुगुरावीचनामसुसाधी
एप्रवीधकवतुरजा षी

दोहा

हीएनीएगनतेनसगनःजीकरामसुनाम
मनकपुरटसंपुहलसततुलसीललीतल्लौं

दोहा

रामनामभनीहीपधरीःजीयदेहरीद्वारः
तुलसीभीतरबाहरेःजोचाहसीउजोधौ

चौपाई

नामजीहजपीजागहीजो गी
बीरतीवीरंचीप्रपंचवीयो गी
ब्रह्मसुषहीअनन्नवहीअनपा

अकथअनामयनामनरुपा
जानाचहहिंगूढगतिजेऊ
नामजीहजपीजानहितेऊ
साधकनामजपहिलयलाऐ
५ होइसीधअनीमादीकपाऐ
जपहिनामजनआरतभारी
मीटहिकुसंकटहोहिसुषारी
रामभगतजगचारीप्रकारा
सुकृतीचारीउअनघउदारा
चहुचतुरकहनामअधारा
ग्यानीप्रभुहीबीसेषपीआरा
चहुजुगचहुश्रुतीनामप्रभाऊ
कलीबीसेषीनहिआनउपाऊ

दोहा

सकलकामनाहीनजेःरामभगतीरसलीन
नामसुप्रेमपीयूषह्रदःतीनहुकीऐमनमीन

चौपाई

अगुनसगुनदुइब्रह्मसरुपा

थ

गात ५५

अकअगाधीअनाहीअनुपा
मोरेमतीवडनामसुकु ते
कुएजेहीजगनीजवसनीजध्ते
प्रेठसुजनाजीएजन्हीजीकी
कहठप्रतितीप्रीतीनचीमनी
एकहानगतीहिषीएए पु
पावकसमजगब्रह्मवीवेपु
ठलएअगमजगसुगमनामेते
कहेनामवडब्रह्मराम ते
व्यापकएकब्रह्मअवीनासी
सतचेतनघनआनंदरा सी
असप्रभहीहृएअकतअवीकारी
सकलजीवजगदीनदुषारी
नामनीरुपननामजतनते
सोठप्रगटजथामोलरतनते

दोहा

नीरगुणतेएहभांतीवडःनामप्रेभाठअ ५५

18

नामध५

कहउनामतेनीजबीचारअनसार

॥ चौपाइ ॥

रामअकतीहीतनरतनधारी
सहीसंकटकीयसाधुसुषारी
नामसप्रेमजपतअनआसा
अकुंहोहींमुदमंगलवासा
रामएकतापसत्रीएतारी
नामकोटीषलकुमतीसुधारी
रीषीहीतरामसुकेतसुताकी
सहीतसेनसुतकीनबीवाकी
सहीतदोषदुषदासदुरासा
दलइनामजीमीरवीनीसीनासा
भंजेउरामआपु[illegible]बबींपु
भवभयभंजननामप्रतापु
दंडकवनप्रभुकीनसोहावन
जनमनअमीतनामकीएपावन
नीसीचरनीकरहदीररघुनंदन
नामसकलकलीकलषनीकंदन

बाल ६

१९

दोहा

सेवरीगीधसुसेवकनीःसुगतीदीन्हरघुनाथ
नामउधारेअमीतषलःवेदवीदीतगुनगाथ

चौपाई

रामसुकंठवीभीषनदो उ
राषेसरनजानसबको उ
नामगरीबअनेकनेवा जे
लोकवेदबरबीरदवीरा जे
रामभालुकपीकटकबटो रा
सेतुहेतुश्रमकीन्हनथो रा
नामलेतभवसींधुसुषा हीं
करहुवीचारसुजनमनमा हीं
रामसकुलरनरावनमा रा
सीऐसहीतनीजपुरपगधा रा
राजारामअवधरजधा नी
गावतगुनसुरमुनीवरबा नी
सेवकसुमीरतनामसुप्रती ती
वीनुश्रमप्रबलमोहदलजी ती ६

कीरतसनेहमगनसुखअपने
नामप्रतापसोचनहिसपने

दोहा

ब्रन्हरामतेनामबड़ःबरदाएकबरदा नी
रामचरीतसतकोटीमहःलीएमहेसजीएजानी॥२५

चौपाइ

नामप्रसादसंभुअबीना सी
साजुअमंगलमंगलरा सी
सुकसंकादीसाधुमुनीजो गी
नामप्रसादब्रन्हसुखभो गी
नारदजानेउनामप्रता पु
जगप्रीएहरीहरीहरप्रीएआपु
नामजपतप्रभकीन्हप्रसा दु
भगतसीरोमनीभेप्रहला दु
ध्रुवसगलानीजपेउहरीनाउं २
पाएउअचलअनुपमठाउं
सुमीरीपवनसुतपावननाम
आपनेवसीकरीराखेरा मुं

बाल १

अपरअजामीलगजगनीका
भएमुकतहरीनामप्रभाउ
कहउंकहांलगीनामबडाई
रामनसकहीनामगुनगाई

40

दोहा

नामरामकोकलपतरुकलीकलयाननीवास॥
जोसुमीरतभएभांगतेतुलसीतुलसीदास

चौपाई

चहुजुगतीनीकालतीहुलोका।
भएनामजपजीवबीसोका।
बेदपुरानसंतमतएहु
सकलसुकृतफलरामसनेहु
ध्यानप्रथमजुगमखबीधीदुजे
द्वापरपरीतोषतप्रभुपुजे
कलीकेवलमलमूलमलीना
पापपयोनीधीजनमनमीना।
नामकामतरुकालकराला।
सुमीरतसमनसकलजगजाला।।

५

रामनामकलीकामनीभमतदा ता
हीतपरलोकलोकपीतुमा ता
नहीकलीकर्मनभक्तीवीवेकु
रामनामअवलंबनऐ कु
कालनेमीकलीकपटनीधान।
नामसुमतीसमरथहनुमान।

दोहा

रामनामनरकेसरीःकनककसीपकलीकाल ॥
जापकजनप्रहलादजीमीराखहीदलीसुरसाल ॥

चौपाइ

भायकुभायअनखआलसाहुं
नामजपतमंगलदीसीदसहुं
सुमीरीसुरामनामगुनगाथा
करौनाऐरघुनाथहीमांथा
मेरीसुधारहींसोसबभांती
जासुकृपानकृपाअघाती
रामसुस्वामीकुसेवकमोसे
नीजदीसीदेखीदयानीधीपोसे
लोकहुवेदसुसहेवरीती

बाल २

चीन्हऐसुनतपहिंचानतप्रीती
गनीगरीवग्रामनरनागर
पंडीतमूढमलीनउजागर
सुकवीकुकवीनीजमतीअनुहारी
नीपपहिसराहतसवनरनारी
साधुसुजानसुसीलन्रीपाला
ईसअंससलवपरमकृपाला
सुनीसनमनहिंसवहिसुवानी
भनीतिभवतिनतीगतीपहिचानी
एहप्राकृतमहिपालसुभाऊ
जानसीरामनीकोसुभाऊ
रीहतरामसनेहनीसाते
कोजगमंदमलीनमनमोते

दोहा

सठसेवककीप्रीतीरुचीरःषीहिंरामकृपाल
उपलकीएजलजानजेहिःसचीवसुमतीकपीभालु

दोहा

होहुकहावतसवककहतःरामसहतउपहास
साहिवसीतानाथसेःसेवकतुलसीदास

चौपाई

अतीवडीमोरीढिगाइवो री
सुनीअघनरकुनाकसीको री
सुमहीसहमीमोहिआपडरआपने
सोसुधीरामकोननहीसप ने
सुनीअचीलोकोसुचीतवषचाहि
नकीअमोरीमतीस्वामीसरां हीं
कआनसाइहोईहीऐनी की
रिहतरामजानीजनजी की
रहीतनप्रनचीतचककीऐ की
करतसुरतीसयचारहीऐ की
देहीअघवुध्योव्याधीजीमीवाली
कुरीसुकंउसोईकीनकृचा ली
सोईकरतुतीवनीवनके री
सपनेकुसोनेरामहीऐहे री
तअरतहीनेटतुसनमा ने
राजसभारघुवीरववा ने

दोहा

प्रनतनतारकपीडारपरहतेकीऐआपुसमान

पा २२

तुलसी कहु नाराम से: साहिब सील नीधान

दोहा

रामनीकाइ रावरी है: सबही को नी को
जौ एह सांची है सदा तौ नीको तुलसी को

दोहा

एहि बीधि नीज गुन दोष कहि: सबहि बहुरी सिर नाइ
बरनउं रघुबर बीसद जस: सुनी कली कलुष नसाइ

चौपाइ

जागबलीक जो कथा सोहा इ
भारद्वाज मुनीबरहि सुना इ
कहीहौं सोइ संवाद बखा नी
सुनहु सकल संजन सुखमा नी
संभु कीन्ह एह चरीत सोहा वा
बहुरी क्रीपा करी उमहि सुना वा
सोइ शीव काकभुसुंडीही दी न्हा
रामभगत अधीकारी ची न्हा
तेही सन जागबलीक पुनी पा वा
तीन्ह पुनी भारद्वाज प्रती गा वा
ते श्रोता बकता समसी ला

समदरसीजानहिहरिलीला
जानहितीनीकालनीजग्याना॥
करतलगतआमलकसमाना।२।
औरौजेहरीभगतसुजाना
कहहिसुनहिसमुझहिबीधीनाना॥

दोहा

मैपुनीनीजगुरसनसुनीःकथासोसूकरखेत॥
समझीनहितसीबालपनःतबअतीरहेउअचेत॥

दोहा

श्रोताबकताग्याननीधीःकथारामकैगूढ़ः७
कीमीसमझौमैजीवजडःकलीमलग्रसीतबीमूढ़

चौपाई

तदपीकहीगुरबारहिबारा
समुझीपरीकछुमतीअनुसारा।
भाषाबद्धकरबमैसोई
मोरेमनप्रबोधजेहिहोई
जसकछुबुधीबीबेकबलमोरे
तसकहिहौहीएहरीकेप्रेरे

बाल २३

23

नीजसंदेहमोहभ्रमहर नी
करौंकथाभवसरीतातर नी
बुधबीश्रामसकलजनरंज नी
रामकथाकलीकलुषबीभंज नी
रामकथाकलीपंनगभर नी
पुनीबीबेकपावककहुंअर नी
रामकथाकलीकामदगा ई
सुजनसजीवनमूरीसुहा ई
सोइबसुधातलसुधातरंगी नी
भयभंजनीभ्रमभेकभुअंगी नी
असुरसेनसमनरकनीकंदी नी
साधुबीबुधकुलहीतगीरीनंदी नी
संतसमाजपयोधीरमा सी
बीश्वभारभरअचलछमा सी
जमगनमुहमसीजगजमुना सी
जीवनमुक्तीहेतुजनका सी
रामहीप्रीयपावनीतुलसी सी
तुलसीदासहीतहीयहुलसी सी

सदगनसुरगनअंबअदीतीसी
रघुवरभक्तिप्रेमपरमीती सी

दोहा

रामकथामंदाकीनीःचीत्रकुटचीतचारु ३ः
तुलसीसुभगसनेहवनःसीयरघुवीरवीहारु १

चौपाई

रामचरीतचींतामनिचारू
संतसुमतीतीयसुभगसींगारू
जगमंगलगुनग्रामराम के
दानीमुक्तिधनधर्मधाम के
सदगुरग्यानवीरागजोग के
वीबुधवैदभवभीमरोग के
जननीजनकसीयरामप्रेम के
वीजसकलव्रतधर्मनेम के
समनपापसंतापसोक के
प्रीयपालकपरलोकलोक के
सचीवसुभटभूपतीवीचार के
कुंभजलोभउदधीअपार के
कामकोहकलीमलकरीगन के

केहरीसावकजनमनवन के
अतीथीपुज्यप्रीयतमपुरारी के
कामदघनदारीददवारी के
मंत्रमहामनीवीषयव्याल के
मेटतकठीनकुअंकभाल के
हरनमोहतमदीनकरकर से
सेवकसालीपालजलधर से
अभीमतदानीदेवतरुवर से
सेवतसुलभसुषदहरीहर से
सुकवीसरदनभमनउडगन से
रामभक्तजनजीवनधन से
सकलसुकृतफलभूरीभोग से
जगहीतनीरुपधीसाधुलोग से
सेवकमनमानसमराल से
पावनगंगतरंगमाल से

दोहा

कुपथकुतर्ककुचालीकलीःकपटदंभपाषंड
दहनरामगनग्रामजीमीःइंधनअनलप्रचंड

दोहा

रामचरीतराकेशकरःसरीससुषदसवकाहु

सजनकुमुदचकोरचीतःहीतवीसेषवडलाहु

चौपाई

कीन्हप्रस्नजेहीभांतीभवा नी
जेहीवीधीशंकरकहावखा नी
सोसवकथाकहवमैगा ई
कथावीचीत्रप्रवंधवना ई
जेहीएहकथासुनीनहीहो ई
जनीआचरजकरहीसुनीको ई
कथाअलौकीकसुनहीजेग्या नी
नहीआचरजकरहीअसजा नी
रामकथाकैमीतीजगना हीं
असप्रतीतीतीन्हकेमनमा हीं
नानाभांतीरामअवता रा
रामायनसतकोटीअपा रा
कलपभेदहरीचरीतसोहा एः ॥ त
भांतीअनेकमुनीसन्हगा ए
करीएनसंसेएअसउरआ नी
सुनीएकथासादररतीमा नी

दोहा

रामअनंतअनंतगुनःअमीतकथावीस्तार

बाल ५७

सुनीअवरजनमानीऐःजीनकेबीमलबी चार

चौपाई

एहीबीधीसंसैकरदू री
सीरधरीगुरपदपंकजधु री
पुनीसबहीबीनबौकरजो री
करउंकथाजीहीलागनखो री
सादरसीवहीनाऐपदमा था
बरनौबीसदरामगुनगा था
संबतसोरहसऐएकती सा
करौकथाहरीपदधरीसी सा
नौमीभौमबारमधुमा सा
अबधपुरीऐहचरीतप्रका सा
जेहीदीनरामजनमश्रुतीगावही
तीरथसकलतहांचलीआवही
असुरनागखगनरमुनीदे वा
आइकरहींरघुनाएकसे वा
जनममहोसवरचीहसुजाना।
करहीरामकलकीरतीगा ना।

दोहा

25

मंजहिसंजनञीहवकुःपावनसरजतीर
जपहिरामधरीध्यानउरःसुंदरस्यामसरीर

चोपाइ

हरसपरसमंजनअरुपा ना
हरैपापकहवेदपुरा ना
नदिपुनीतअमितमहिमाअति
कहीनसकैसारदाविमलमति
रामधामदापुरीसोहाव नी
लोकसमस्तविदितअतिपावनी
चारिखानीजगजीवअपारा
अवधतजेतनुनहिसंसारा
सवविधिपुरीमनोहरजानी
सकलसिद्धिप्रदमंगलषानी
वीमलकथाकरकीनअरंभा
सुनतनसाइकामुमदद्दंभा
रामचरीतमानसएहीनामा
॥ सुनंतश्रवनपाइहीवीश्रामा
मनकरीवीसैअनलवनजाइ
होइसुषीजोएहीसरपरइ

रामचरीतमानसमुनीभावन
बीरचेउसंभुसुहावनपावन
त्रीबीधीदोषदुषदारीदावन
कलीकुचालकलीकलुषनसावन
रचीमहेसनीजमानसराषा
पाइसुसमैसीवासनभाषा
तातेरामचरीतमानसबर
धरेउनामहीएहेरीहरषीहर
कहउकथासोइसुषदसुहाइ
सादरसुनहुसुजनमनलाइ

दोहा

जसमानसजेहीबीधीभएउजगप्रचारजेहीहेतु
अबसोइकहउप्रसंगसबसुमीरीउमाबृषकेतु

चौपाइ

संभुप्रसादसुमतीहीएहुलसी
रामचरीतमानसकबीतुलसी
करइमनोहरमतीअनुहारी
सुजनसुचीतसुनीलेहुसुधारी

सुमतीभुमीथलहृदेअगा धु

वेदपुरानउदधीघनसा धु

बरषहींरामसुजसबरबा री

मधुरमनोहरमंगलका री

लीलासगुनजोकहहींवषानी

सोस्वछताकरैमलहा नी

प्रेमभक्तिजोवरनीनजा ई

सोइमधुरतासुसीतलता ई

सोजलसुकृतसालीहितहो ई

रामभक्तिजनजीवनसो ई

मेधामहिगतिसोइजलपाव न

सकीलिश्रवनमगचलेउसोहावन

भरेउसुमानससुथलथीराना

सुषदसीतरुचीचारुचीरा ना

दोहा

सुठीसुंदरसंवादवरवीरचेबुधीबीचारी

तेईहृपावनसुभगसरःघाटमनोहरचारी

चौपाइ

सप्तप्रबंधसुभगसोपा ना

बाल२१

२४ स

ग्याननऐननीरखतमनमा ना
रघुपतीमहीमाअगुनअबा धा
बरनबसोईबरबारीअगा धा
रामसीऐजससलीलसुधास म
उपमाबीचीबीलासमनोर म
पुरइनीसघनचारुचौपा ई
जुगतीमंजुमनीसीपीसुहा ई
छंदसोरठासुंदरदो हा
सोइबहुरंगकमलकुलसो हा
अरथअनुपसुभावसुभा सा
सोइपरागमकरंदसुबा सा
सुक्रितपुंजमंजुलअलीमा ला
ग्यानबीरागबीचारमरा ला
धुनीअवरेबकबीतगुनजा ती
मीनमनोहरतेबहुभां ती
अरथधर्मकामादीकचा री
कहबग्यानबीग्यानबीचा री
नवरसजपतपजोगबीरा गा
तेसबजलचरचारुतड़ा गा
सुक्रितीसाधुनामगुनगा ना

तेबीचीत्रजलबीहंगसमाना।
संतसभाचहुंदीसीअंवराई
श्रधारीतुबसंतसमगाई
भक्तिनीरूपनबीबीधबीधाना।
छमादयादमलताबीताना।
संजमनेमफुलफलग्याना।
हरीपदरतीरसबेदबखाना।
औरोकथाअनेकप्रसंगा।
तेईसुकपीकबहुबरनबीहंगा।

दोहा

पुलकबाटीकाबागबनःसुखसुबीहंगबीहारु।
मालीसुमनसनेहजलःसींचतलोचनचारु।

चौपाई

जेगावहींएहचरीतसंभारे
तेईएहीतालचतुररखवारे
सदासुनहीसादरनरनारी
तेईसुरबरमानसअधीकारी
अतीखलजेबीषईबककागा॥
एहीसरनीकटनजाहीअभागा॥
५. संबुकभेकसेवारसमाना।
तहांनबीषयाकथारसनाना।

बाल ३८

४८

तेहीकारनआवतनहीऐहा रे
कामीकागबलाकबीचा रे
आवतऐहीसरअतीकठीराई
रामक्रपाबीनआइनजाई
कठीनकुपंथकुसंगकरा ला
जीन्हकेबचनबाघहरीब्याला।
ग्रहकारजनानाजंजा ला
तेइअतीदुरगमसैलबीसाला।
बनबहुबीषमेमोहमदमाना।
नदीकुतर्कभयंकरना ना।

दोहा

जेश्रधासंबलरहीतः नहीसंतनकरसाथ रघुनाथ
तीन्हकहुमानसअतीकठीनः जीनहीनप्रीऐ

चौपाइ

जौकरीकस्टजाइपुनीको ई
जातहींनींद्रजुडाइहो ई
जड़ताजाड़बीषमउरला गा।
गऐहुनमंजनपावअभा गा।
करीनजाइसरमंजनपा ना
फीरीआवैसमेतअभीमाना।

जोवहोरीकोउपुछनआ वा
सरनीद्दाकरीताहीवझा वा
सकलवीघ्नब्यापैनहींते ही
रामसुकृपांवीलोकहींजे ही
सोइसादरसरमंजनकर ई
महाघोरत्रैतापनजर ई
तेनरएहसरतजहीनका ऊ
जीनकेरामचुरराचीतला ऊ
जोनहीचहएहीसरभा ई
सोसतसंगकरोमनला ई
असमानसमानसचषचा ही
भइकवीवुध्दीवीमलअवगाही
भएउहीहहैआनंदउछा हू
उमगेउप्रेमप्रमोदप्रवा हू
चलीसुभगकवीतासरीता सो
रामवीमलजसजलभरीता सो
सरजूनामसुमंगलमू ला
लोकवेदमतमंजलकू ला
नदीपुनीतसुमानसनंदी नी
कलीमलतृनतरुमुलनीकंदीनी

बाल

दोहा

श्रोता त्रीबीधी समाज पुर ॥ ग्राम नगर दुहुँ कूल
संत सभा अनुपम अवधी ॥ सकल सुमंगल मूल

चौपाई

सीय स्वयंबर कथा सुहा ई
सरित सोहावनि सो छबि छा ई
सानुज राम समर जस पाव न
मीलेउ महानद सोन सोहाव न
मनी अनकथन परसपर हो ई
पथीक समाज सोह सरी सो ई
१) घोर धार भृगुनाथ रीसा नी
घाट सुबंध राम बर बा नी
सानुज राम बीवाह उछा हु
सो सुभ उमग सुखद सब का हु
कहत सुनत हरषहीं पुलका हीं
ते सुकृती मन मुदीत नहा हीं
राम तीलक हीत मंगल सा जा
परब जोग जनु जुरे समा जा
काई कुमती केकइ के री
परी जासु फल बीपती घने री

दोहा

समनक्रामीतछतपातसवःन्नरतनरीतजपजा॥१
कलीकखषबलक्नचउनकथवःजेजलमलवक का॥१

चोपाई

कीरतीसरीतछकुरीतु री
समषसाहावनपावनल री
नैमिद्गीमेसैलसुतासीवृध्या हु
सीसीरसुबहप्रलुजनमउकाहु
वानतरामचीवाहुसमा ज
सामहमंगलसमेएरीतुरा ज
ग्रीषमऋतुसहरामवनगच न
पंथकथाघरक्रातपपव नु
वरषाघोरनीसाचररा री
सुरकुलसालीसुमंगलका री
रामराजसुष्पूवीनवगा है
वीसदसुषदसपदसारदसुहा है
सुतीसीरोमनीसीलेउनगां था
सोईउनकामलकनृपममा थी
जरतसुनाउसुसीतलता है
सहाएकरसवरनीनजा है

दोहा

जलउ अवलोकनीबोलनीमीलनीःप्रीतीपरसपहांस
भायपभलीचहुंबंधुकीःजलमाधुरीसुवास

30

आरतीवीनयदीनतामो री
लघुताललीतसुवारीनथो री
अद्भुतसलीलसुनतगुनका री
आसपीआसमनोमलहा री
रामसुप्रेमहीपोषतपा नी
हरतसकलकलीकलुषगला नी
भवश्रमसोषकतोषकतो षा
समनदुरीतदुखदारीददो षा
कामकोहमदमोहनसाव न
वीमलवीवेकवीरागबढाव न
सादरमंजनपानकीए तें
मीटहींपापपरीतापहीए तें
जीन्हएहीवारीनमानसधो ए
तेकायरकलीकालवीगो ए
त्रीषीतनीरखीरवीकरभवबारी
फीरीहहींम्रीगजीमीजीवदुखारी

रेवातीरसुहंससुगा मा
बसईचीप्रऐकसंकरना मा
धर्मशीलसुचीसाधुसुज्ञा कु
म्भलीकुमगपगधरईनका कु
सुतचीतपतीपुजकना री
ग्रहसुमाजसवसाजसुधारी
रेघाम्भंजनसंजनसे या
प्रीऐगरऋतीथपीतरमहिदेवा
सुजनसीरामनीगजनगनये
सवसेवककहरिचरनसने हु
सुनइनीगमअगमवीधीना न
रामाऐनईतीहासपुरा ना
लोकचतुरपरलोकसेग्याना
जीवनधनुहरीहरगनगा ना
आश्रमधर्मचरजगधर मा
कर्मवीकर्मकुकर्मसुक मा

दोहा

ग्यानवीरागजपासनाः कर्मअनेकप्रकार
संकरसाहरधर्मसवः सनेवारहीवा र ५३

चौपाइ

गा ३०

31

सुनीपुनीतअनुपमतीमनबानी
नकुसरगुअपवरगकहानी
सहीतधर्मरहस्यबने रे
पुरानपुर्वचर्चीमहाकु ते रे
सुकवीसुन्नायोतसरलसुहाए
सुनेसकलजहजहजगपाए
जगप्रससकुलीकालप्रभाउ
सुनीसतीसोचअभीसुराउ
मतीअनहारीकहउकवीसो २
कलीकुचालीजगप्रगहगोई
कलीमलमसीअसकलनरनारी
चरनधर्मनहीआश्रमचारी
नीचनीरंकुसनीठुरलोपाल
सचीवसुस्वारथीकुरकराला
राजासरीसप्रजाअभागी
दुशहदुरीतदुष्महारीहहा गी

दोहा

दंभसहीतसवधर्मकलीःछलसमेतब्योहार
स्वारथसहीतसनेहसवःरचीअनहरतआचार १

चौपाई

बीप्रसमारंगपाछनहे हैं
बेचहीबेदधर्मदुही ले हैं
हरीहरपरीहरपुजहीप्र ता
सन्यासुबेषकुचालीनीके ता
बोलतकोकीलुकरसुतका गा
बीतहीतहोमसोमजपजा गा
कलतकरातषटकर्मसुजा ना
सेद्याकरीकरीलेहीकुद्दा ना
पुजनपठननहातप्रबी ना
छलमलीनमनघनक्याधी ना
बासरसोमपरातीसुरा पी
परम्मपकारपराएनपा पी
कलीएहीबीधीबुधबीप्रबीगो ए
मुछबीसेषीनदाढ़हीषो ए
परहीकुपजाहहीनडीहीक्या रे
कीहीक्यावलंबहीग्रंथबीच्चा रे

दोहा

धर्मसुतीरथमंत्रसुर॥ः मषमहीहेबुबीच्चारी
तेम्छलीकलीकीऐप्रथमबसीः॥ जोगाहंससुधारी

चारि ३६

चौपाइ

छत्रीछलमयकलीमलम ला
चंचकवीप्रवेसप्रतीकु ला
अपनेघरमनसपनेकुचलं हीं
समरसीकारसुरछलमरं हीं
नीचचीचारनीचकहा रा
नीचजीवकानीचकहा रा
छत्रीजातीअन्नीमानलले हीं
करममलीछजीतीजसलें हीं
सुरसहाईसवलजगाजे हुं
छत्रीसुजातीकलावृतसे हुं
तीसरवरनवीसेसीचीवा की
सवकरीजीवनजीवनीजा की
मलसहनहीसहसुजा ती
सकलवरनशंकरउपा ती
आश्रममध्यसवसंभ्या स
नहांकीन्हकलीकालनीवा स

दोहा

चचनवीवेकवीरागमयरूमानसकलीमलखानी

मुंडीत्तमुंडकबाऐपरःदंडकमंडलपा नी

चौपाइ

पीसनकलहप्रीयपात्तकपीना
समजमनीयमहयाइमाही ना
ब्रम्हकहावहिंब्रम्हनीज पी
जगवंचकचीत्तहीत्तवक्र पी
वासरसाधहिंजोगसमा धी
जोगपरा ऐनरा नीछपा धी
चोलतीवेषहंसबगकर नी
पंडत्तवीहीत्तजत्तीगत्तीग्वर नी
परमभृष्ठपरमारथचा री
परमहंसवपुवेषवीप्रा री
पछेधीप्रवीगरीहजत्तीहो त्ता
परमहंसपथपापनीसो त्ता
काशमनहीकलीकाननवासी
कुटीलकुहीत्चरकलीमलरा सी
वडुघ्रातरहीत्तसकलगनबा सी
पत्तीगनीगरवुलकरहीकुवासी

दोहा

नीलजनीरंकुसनीठुरसहपारथीरघुमाल

चारि

37

ले आश्रम बरनवीं गोऽसचः गासगाजत कलीकाल

चौपाई

गहिआश्रमधर्मवीहि ना
घरनीधामधनसोचमती ना
सगरपीतरमतीथमपवाहि
स्वारथरतीपरमारथवा ही
कपटकहकुमारगगा मी
कुपंथकुधामकुभामीनीस्वामी
कुमतीकुसीलकुजीवनजन्महि
सुसरीतीरकुपजलपीवहिं
करहिअधर्मकरमभनवा नी
चलहिधामपथगपानसमानी
अपगुनअचनअघाहिआगी
चलहिसुकीतकलयावपागी
आश्रमचरनसुधर्ममलीन से
जासकलीहिनएहलान से
चोरचहलकहकोइका ई
आश्रमकुशीएचरनपहीलाई

दोहा

सकलधर्मबीपरीती:कलीकलपीतकोटीकुपंथ
पुन्यपराइपहारबन:दुरेपुरानसुग्रंथ
नीजनीजधर्मबीमुखसबलोका
भोगहीनकतरागबीयो गा
क्षमाक्षीनपदुपीनप्रको पु
हीनहीनलसुनउहर्षसबलोग
सत्यसनेहसीलसुभवी ते
समदमसुनसयाजनरी ते
धर्मचंचौधीकलसमलल्लां रे
सबहीबजाईबेदपथयथा रे
कर्मकलापउपासनग्रा ला
जपतपतीरथनेमबहुदा ला
बीतहीतसकलंइलसहे तु
बलमुनीयीकलीकपटनीके तु
कलीछितपालहोहीवकुते रे
लंपीकंपनीरघानचने रे
उलकापातहोगसाहचीसा ला
नीसीसुरसयनकेतुकरा ला

दोहा

गाल ३५

काइ सर सरीता मल जलः भरतीं मलीन सपा न

फूल हि फल हि कुमंतरुः सच चक्र यु सम्मनीयान ः ४८

चौपाइ

तीन कर कूल हृ थइ रीत हृ का ला

चौ चौ घव्याधीव स प्रजा चौ हल ॥

श्री गीत तीमहा कौ थी मली ना

कल हि कु चीर पसत्त कु ल हि ढ ॥

घरही स व सु स ना म जो गा

क रही कु व स्त्र क हं व न कु जो गा ॥

चौ घा व नी जक थी से वृका इ

नीपर थोर कल भ्रम म्का थीक इ

अन्न पान कल रस लघु स्वा हा

पार थोर व घा हृ चौ घा हा

घैन भोर पय पय घृत थो रा

भ्रवल भा धु जन घ स व र जो रा।

सु मती पं च को स घ घु नलो पे

क पर मं च चौ घ कली मलो पे

चरी स हि उ सर सालो स घा हीं

उल टी रीती स क ल क ली मा हीं

दोहा

गोरखआरमचारत्रीपरजवनमहामहीपाल
सुणबनसामननेहकसीःकेवलहंऽकरा   ल

चौपाई

चोरचाकलबलंपटजो   गी
सबीवसहैंलजमहीजो   गी
सजसरीससबराजसमी   जी
प्रजावीकलबडराजवीरा   जी
हैसकजारनरेसप्रता   पा
जरहीजीवजगतीनीकृता   पा
नृपतीचंचकप्रजाकाना   गी
प्रजाजरहींकनवनीपकनखकागी
प्रजारोहम्रीदुचीहंगसमा   जा
राजाचीसमचाबब्बकवा   जा
महीपमदीसुनीप्रजाकाका   ज
प्रजाकहींकवजाइत्तीरा   ज
राजाप्रजापरसपरसौं   है
जगाजनमहींकरीवकवीमलमो   है

बालअं

सुखहितकरहिंकुचालीकले सा

सहहिंदुसहदुखदेसबीहे ॥ सा

दोहा

प्रीतीसगाईसकलगुनःबनीजउपाईआनेक

कलबलछलकलीमलमलीनःदुहवतसेकहि ५५

चौपाई

बनीकमहाजनसाहुसुना ॥ मा

बोलनीदाहिनीकरनीबा मा

छलबपरदहरकरहींकीसा ना

जातहिगोमगसंरसरथा ना

बोधीबरस्मंहहाय्रीहे हीं

तेहीमाघसबनीसीबरहलें हीं

धरनीधामघनरमायीही ना

प्रीयपराजनक्मपमानमलीना

मसनवसनवसबीनबुंधुवीवोगी

कुमतीकुसाजकुनपकुरो गी

कलहीकुहीलयहीनकदवा ही

कीरतीबीकलबीलघ्रातबीबाही

हीलकृष्णकालासवसीकी है
सुखसहृगनकलीमलहरीली है
आरतक्षधीकानाथकाला गी
सवनरनारीअरहीजवरा गी

दोहा

ठाकुरकुरकुसचीवसः पुरुषतारीआधी न
गरवीनहीतसवसीअवसः भरषवीवसप्रवी न

चौपाई

धनीकुलीनधनीगुनसाग र
धनीसाधुसवजानीछजाग र
वीवुधवेहगरवीप्रवीरे धी
धनीपुजीअहीपापपवो धी
वीनुधनगुनीगनगरहीगला नी
रहनीराहरघरघरभा नी
धनहीतकहहींहीवसकरा ती
नीचहीववहीचोसवभां ती
साधुसुजातीसुसीलसुजा ना
वीनधनजनसुखहोयनीघा ना
कलीवैंवलधनमहतूला है
वुधीवीवेकवलवीनऐवरा है

पालउ

76

प्रीतीसहेतुम्हकारनको ही
सवपीतुवंधुमातुगरह्वे ही
पीसुनपापपंडीतछलवा ही
वकतालावरकवीम्हपवा ही

दोहा

चोरचतुरवटपारलटःप्रभ्रप्रीयेम्हकम्हाल्लां॥
सवम्हखकरपरमारथीःकलीसुपंथपाथं॥

चौपाई

सवकवीकोवीदकुरनीके ता
साधकसीधेसयंभसवे ता
हमसवम्हांतीवेडेसवछो है
हमवीनबोरीबोरसवघो है
सकलकहहीहमसरीसनह जा
कोकेहीमानइकोकीहीपु जा
सोवकवेहमरजाइचीसा री
सवनरनारीजथाम्हचीका री
वकतासवकोसुनुरसीवा नी
सवजाचकुजगकोवीनहा नी
सवसीधावहींजगसुनइनको उ

गुनसीलसंधवधीरसमसो हु
सुतपीतुमातुहाथवीनव्या है
पनीरीपुलोहीनारीमंहवा है
नीजवसतनयव सहीससुरारी
परीहरीलोकलाजकुलगा री

दोहा

कांमचारनीकरकसा: घरघरनारीप्रघात
नीयगुनसीलवीहीनसव: दुषनदुरीनीघात

चौपाइ

चीषवावकुलसुवासीनीथो री
कठीनकर्मममनवोलतम्रो री
चीषवाल्षनवसनवीसे षी
सोभागीनीसीलाहींसुनीहे षी
हींकुतुरकठल्लघकलीजी ते
नीजलीजकर्मधर्मवीपरी ते
ग्रीहीहरीदुजतीयनवा ना
नागकुरगवारसुजा ना
सहूपरानीकवीप्रकीसा ना
जवाजनठरगनजठरजवा ना
वीप्रचर्मकम्मीसरंघलघा री
प्रस्तकपानीनीचनरला री

37

बीप्रकछोतीपहीनता हीं
सुद्रसंहरलांतीमजनतज हीं
जातीपांतीचकुलेसकाचा रा
ऐकवरनसवकोऐवीचा रा॥ सुंद्र
सवऐकवरनवीचारकीन्हे॥ कीलकुली
कलीकलीमलमई॥ चहुवेववकुमनसेव
सावंतसोरसुरसेवानहीं॥ सवजातीजती
जमतीजीरहीं॥ जटीलन्तीमयाचीने
कतीरोबहोयनीचानमानी॥ यानपान
कपावन॥ —— सोर ठ ——
कलीपाषंडप्रचारप्रवल॥ पापपामरपतीत॥
तुलसीउभयअधार॥ रामनामसुरसरीजल
—— चौपाइ ——
सम्पासरावीसरवीसे सी
ब्रवनआगमकहअंधीहीहैसी
करीप्रपंचवचेपरचा री
सोवरवीरतासुवडीछा री
कोटीकारलकहहीकुसा ली
रीतीअधनीकभरतकलीलाची
सठसुमतीसाहसीजवा री
जीवनघोरहरासकपा ली

सचीवाजीहीसलावषा नी
तसहीलोगवडबुकसजा नी
जलाहीसुजपजागपरा ना
धीरतीवीवेकधीरेनचननाना।
कथाकीरतनसाधुसभा जा
तहांचीसेषीकलीकालवीराज।

दोहा

सुरसहबनीतीरचपुरतीःकपटकुचीकुसाज
मनकुसवासेमारीकलीःराजनसहीतसमाज

चौपाई

वेचहीगाइचेसकहींछे री
हुलगासतीयसोहागीचे री
परपुरघरसुरघरसुलहे नु
दुरीकरहीलीकीरतीहि नु
हरीपरग्रंथकरहीनीजग्रंथा
चहहीसुजससुभवकहीकुपंथा।
कारहीसरतनवोलहीयात रे
नीजघरवरहीवनावहीरु रे
कलीकचोनासकहहींगातगंगा।
तुलसीहीहसहीसराहहीलंगा

बालि॰

गुरुपीतुमातुसाधुसीखपे है
नीरथचलहिंसमानसके दो
सथलसुतीरथचरसुरथ्या ना
महातुरककलीकरहिंममा ना
प्रीतिप्रतीतिनकाहूकीका हु
सबहगचारमहाजनसा हु

दोहा

मैंहोरमरत्तीमलीनकसी:तहप्रहानवीस्वा॥२॥
तेसबसाहरपुजीकहिं:कलहीलनात्तिमन हा॥२॥

चौपाई

बीस्सलनक्तिमहीमाकथीकाइ
चहुजुगवडीचहुवेदबचा इ
कालकर्मगतप्रक्रीतसुना उ
मक्तिसमीपजाहिंप्रहिंकाउ
कपिकहंवगयानवीज्ञा ना
तपजपजोगउपासनला ती
मक्तिमनगृहजापरहे इ
सोवःसवलसंतकलसो इ
पछपातनहीकवसुमा उ
सोकवेदयःमक्तिप्रमा उ

आपँवीमलकलीकालमलीन।
आसवीचारीहरीभक्तिप्रवी नी।
आलयअनुपनीरुपतजा ई
रहीसुपाललघुनृपसमा ई
वसभगवंतसुग्रंथसया नी
जीमीमाधुरीरसालसमा नी

दोहा

तुलसीकाननसाधुमनःगुरपदप्रेमप्रानाम
नराचरीतसुरसरीतजलःरामभक्तिवीश्राम

चौपाई

आमलभक्तिथलआमकुलनेका।
लषहिवीमलजनवीमलवीवेका।
भक्तिवीसेषभक्तिवीप्रा मा।
तेथीरजगाजलघीलला मू।
भक्तिनीवासभक्तिजनहे ही
कलीहिसकुचसंतापवीसे षी
भक्तिभानकलीकलुषषंडु पा
सोचप्रपंचवीलोचनहु षा
भक्तिवासवसस्वकसमा नी
वामहेतकलीकपरसया नी

बाल

३१

रामभक्तिकहुंकहुसोचा री
कलानचकामानकामलकवीकारी
तेमहिमंगलसमंगल पा
प्रीतिरामपदकवलकानपा
तीनककवीकलजगसमसाज
सकलीकुसमयरनपावजमराज

दोहा

जेहरीलक्तिकहाइजग:चीतहितकरतकुफेर
हंसकपटपाखंडलनरपरहकीएकलीजेर

चौपाई

तेकलीवसवहुनाचहींना चा
चलीनवेलहीसपनेहुसंचा
तीलवीचीवमनोहरमा ला
वसनचीलमयतवचनरसाला
मीलमधुरगावतप्रीसुवा नी
कर्मकठीननहींजातवखानी
मछगरवकाचककवगनगाह २
रामप्रेमपरमारथहरु ३
हृयपीतरमहीसुखवीरा धी
मोहलोवसलंपरको धी

ग्यानबीरागसुनतजरीमर हीं
आश्रमवरनधर्मपरीहर हीं
तजीसुकर्मकुरीतीसोहा ई
कलपककुपंथकुचालीचला ई
खानपानकरघोरवीचा रा
ऐकाहसीवीसेखीकाला रा

दोहा

वेन्नकजेजगगुरुःउपदेसहिसवका ऊ
सरवसगुरहीसमरपीकोःकावलेऊजन्मकरला ऊ

चौपाई

हीमुनकनारीनरहीं जा
सवकहहेहीसमसवी जा
वेचीनीचहरीनमनगी ता
लोलपलेहीवीखेकचभी ता
वेहपुरासान्नागपागी ता
पठीगनकहहीकथवीपरी ता
सहनसतारीधनीचसहो ई
परखारस्वपरमारथसो ई
वीप्रवचहरीकलिकीवीरा जा
हीऐहूलसतकलीसहजसमा जा

वाल्यः

शंकरनामसनातमरजा हि
सेवतजवनसुजन्मसीरा हि
चीतहीतकंगममाहकेचा सी
40 चीतीचीनचाइलगावहीका सी

दोहा

उपदेसकम्माचरनक्मासःपछहीसनरहस्संथ
तीनकउपदेसेनारीनरःकालेनवलरकुपं प

चौपाइ

जेगरवेनीचउपरे से
कालपाइपछीताहिरगे से
गरगनहीएनक्मवगत्तगा री
गाइउवेचीतहंवराजेमा री
चीनवीतल्लाक्तिनल्लाक्तिसोहाहीं
सवसंतापसोखमनमा ही
चकृतउपाइकीएचनला गी
हीनहीनदुनीदुरासरवा गी
समतीनसनीएनस्वामीसीखाइ
चीनवीतसवहीसमीपवठा इ
मेइनकबीवतीजवनीसे वा
गएकुहसम्नेगरहे वा

अवरउ एकनपेलोकगतीथो री
बिनुसधर्मनजेतीनतो री
सीख्यकहाइबडेगुरके रे
करीश्वलहंसकपूवकुते रे

दोहा

जेहिवीधीउहकेअपगुरःसहजअनौतीसोईरीती
करहिप्रपंचवंचतसबहिः रतनकरलकनीती

चौपाई

सधनसधर्मनारीनरअंतो रे
लोकवेदगतीसमहीथो रे
तेकरीशीष्यसकलअपनाए
कलीनिक्तिमयवचनसुनाए
गरचीमठसीबनीपूकुसे धा
धरामममाजवामज्ञाए वे धा
सोवीधीकहहींजाहीजोइआवा
सोइनीखेधजोउनहीहोइआवा
आपुगएगुरगएवीगा रे
चालवचानरवीक्षीमा रे
सोवरनीअकुचालीकीहिभांती

गाल

एकपांत्तीजेहहीसवजाती
कोरीचमारीगोडगरेहवा
तीन्हकहूकरहूमहीसुसेवा
अजहीतजीनातीजनेउ
नवसराहीसीघकरीमहीतेउ

दोहा

साखीसवदहेोहराःकहीकसीतीरूमान
भक्तिनीरुपनभक्तिकलीःतीहवेदपुरान

चौपाई

नामसनामवामपथगामी
कायरकुरकुनूरखीकामी
सकसूमारगनीहकमंहा
कलकूहारतेनरकलीचंहा
कलीपाषंडप्रवंडप्रचारा
संकलेसववीधीवल्हहारा
भगतुकहाकघाइसमानेरे
हसूकामलकर्मकरेरे
भक्तिनारीनरन्नाक्तिवीहीना
हंसनीघानप्रपंचप्रवीन

लोककहवेदनक्तिपथमो रा
जोनहकेलीऐलागसोलखो रा
तीनकेकरसवकीमकहोजा हीं
ऐकहिअंकमलाहि नाहीं
कहतसकलकलीकालकुचाली
चाहकथाहोइसरिखा ली

दोहा

नीहीतेकलिसहितुकलीःकथासमाससमेत
सुनीसहंमसठसकुचहींःहर्षहींसजसचेत॥

चौपाई

कलीगनकहहुसुमतीमनहारी
सुनेउमाउनजेहकुचा री
कलीजुगमाहसपातीकना हीं
गुनपुनीतमनोरथमा हीं
वाचीकपापजाहीपरखीता हे
बिषुसमीरतसरीतनहा हे
काइकलुषकहीकुलीका ला
सचकलहीपरीनामकरा ला
प्रतीसंसारगनहोयकहीघोरा
करनहीकहनगतीघोरकठोरा

वालक करइजोसंगमानसलोभा
जानवहरीकरतासामसोभा
A2 हरिषिकरहिभाएभजन्मो रे
पावहिसुजनसुकलभ्रमभ्यो
जोध्वलछाडिविमरतीहो ई
कलरसुसाधनसीद्धिनरसो ई

दोहा

कोंन्तसुनसबजगमयःनीनपाखीधिमनी
तपतीरथसुरसरीतजलःहसनीमजूपांनःधान

चौपाई

कलीकेवलपरमारथहे तु
रामनामभवसागरसे तु
साधननामसीद्धकलना प्रु
जेहीनप्रतीतीताहिवीधीवाम्रु।
क्रीतजुगजोगतोजोगसमाधी।
त्रेताकर्मधर्मनीरउपा धी
द्वापुरहरिपदपुजनसप्री ती
पावहिपरमगतीनरजुगजीती
कलीजपभामानसर्वचीवीस्वासा।
सोकलसम्मसबहिम्लसघासा।

तेसुकृतीसुचीसाचसुजाना।
सद्गुनसागरसीलनीधना।
तेहरीनामजपहींहीनरा ती
प्रीतीप्रतीतीसमेतसुभांती
राममजनमहंचहुंजगना री
कलीविसेषीहाएककलचारी

दोहा

जथाभूंमीसबबीजमयःनखतनीवासअकास
रामनामसबधर्ममयःजानततुलसीदास

चौपाई

ऐहकीसुरासजासजीऐनाहीं
जानीउजारजानजगमाहीं
धर्मकीनकलीपातकपीना।
जथाकोयधुनीसतीकनककाना।
बीचीबीचीहोइहीकलीकमलाई
फनसीलसमीपत्तीपा ई
चहुंजगकालरूपकानहारी
होइनामंगलमंगलकारी

काल ७

43

द्वीपअधीनकाननगृहरो ष्या
लोकवेदमतनाहीनहे ष्या
भएचेनमहीआदिकुराजा
पुन्यकालकलीकालवीराजा।
वीक्रमाहीअवनीपकलीजऐ
कतत्रेतासमधर्मचला हे
कालीचालीमहीपालकधीन।।
कलापुरानवेदनीतीप्रवीन।

दोहा

जथाअमलपावनपवनपाइकुसंगसुस।।
कहीअकुवाससुवातीमी=कालमहीसप्र
संग।।

चौपाई

संकरकालचालीसनीरे ष्यी
हीनहीनवरनचीप्याह्वीसेवी
वीप्रजन्मग्रहभारधीसाला।
कमिलंभीकलीकालकराला।
सवहीभांतीसवसंचरपाचा।
मुरसरीसंन्नसीवसंकरसेचा।
ऋसतनहीलणमईषो ही

ग्रहग्रसतकरतहोतीमतीन्योरी

जागतन्नागतसोवतसप ने

समीरीसीवहीसोन्वूमतन्मपदे

वीनृष्मकामरक्मगामतनलाधा

गयेछजइहपरलोकनसा घा

पेलतष्यातवालपरावी ता

न्हेसनतनतीमनजो ता

वटहैसम्मनीवटदुरा सा

वृष्मीवीवेकुवलतेजहरासा

दोहा

हमहमारूमवीचारवक्रन्नरीन्नारबरीसीस

हरीसरपरवसन्लऐछजीमी:कीरकोसकमीकीस

सोरठा

कहीसंकरमतीसंत:वेदपुरानवीचारीसव

इवेजानकीकंत:तवन्छुरैसंसारन्न घ

सोरठा

मनवचीनवैामनतोहीः होहींरामपदकमरैती: ल

मापथनप्रेरहींमोहीसवहःसीघावनुपरमहीत

दोहा

बाल ४५

44

ऐहीबीधीसबगुनदोषकहीं:सीवहीधहरीसी
रनाई:बरनौरघुपतीबीसदजस:सुनकली
कलुषनसाई॥ —— दोहा ——
मतीअनुहारीसुवारीगुन:गनगनीमन
नअन्हवाई॥सुमीरीभवानीसंकरहि
कहकवीकथासोहाई॥ —— दोहा ——
भरद्वाजजीमीप्रसकृति ऐ:जागबली
कमनीपाहि॥ [illegible]॥
प्रथमसुसंबादसो:कहीहौंहेतुबुझा

दोहा

ऐ

आघरघुपतीपदपंकरुह:हीयधरीपाइप्रसाद
कहौंजुगलमुनीबर्जकरमीलनसुभगसंबाद

चौपाइ

भारद्वाजमुनीबसहीप्रया ग॥
तीन्हहीरामपदअतीअनुरा ग॥
तापससमदमदयानीधा न॥
परमारथपथपरमसुजा न॥
माघमकरगतरबीजबहो ई
तीरथपतीहींआवसबको ई

देवदनुजकीनरनरश्रे णी
सादरमंजहिसकलत्रीवे णी
पुजहिंमाधवपदजलजा ता
परसीअखयवटुहरषहिंगा ता
भारद्वाजआश्रमअतीपाव न
परमरम्यमुनीवरमनभाव न
तहांहोइमुनीरीषयसमा ज
जाहितेमंजनतीरथरा ज
मंजहिप्रातसमेतउछा हा
कहहिपरसपरहरीगुनगा हा

दोहा

ब्रह्मनीरुपनधर्मवीधीः वरनहितत्त्ववीभाग
कहहिभक्तिभगवंतकेः संजुतग्यानवीरा ग

चौपाइ

इहप्रकारभरीमाघनहा हीं
पुनीसवनीजनीजआश्रमजा हीं
प्रतीसंवतअतीहोइअनं दा
ज मकरमंजगवनहिंमुनीवृं दा
एकवारभरीमकरनहा ए

सवमनीसन्मानसीधाऐ
जागवलीकमुनीपरमवीवेकी
न्नारद्याजराषेपदरेकी
साहरचरनसरोजपष्यारे
न्मतीपुनीतन्मासनवैठारे
करीपुजामुनीसुजसववानी
वोलेन्मतीपुनीतमृदुवानी
नाथएकसंसएवडमोरे
करगततवेदतत्वसवतोरे
कहतसोमोहीलागतन्मघलाजा
जौनकहोवडहोइन्नकाजा
दोहा
संतकहहीन्मसीनीतीप्रभुस्रुतीपुरानमुनीगाव
होइनवीमलवीवेकउरगुरसनकीएदुराव
चौपाई
न्मसवीचारप्रकटोनीजमोहु
हरहुनाथकरीजनपरछोहु
रामनामकरन्मीतप्रभावा

संतपुरानउपनीषदगा ये
संतहजपतसंभुअवीनासी
सीवुभवानकृपानगुनरासी
काकरववारीजीवजगकाह हीं
कासीमरतपरमपदलह ही
सोपीयामममहीमामुनीरा या
सीषउपदेसकरतकरीहा या
रामकवनप्रभुपूछौंतो ही
कहीऐवुझाइकृपानीधीमो हीं
ऐकरामअवधेसकुमा रा
तीनहकरचरीतवीदीतसंसा रा
नारीवीरहदुषलहेअपा रा
भएरोषरनरावनमा रा

दोहा

प्रभुसोइरामकेअपरकोउ ः जाहीजपतत्रीपुरारी
सत्यधामसर्वग्यतुम्ह ः कहहुवीवेकवीचा री

चौपाई

जैसैमीटैमोरभ्रमभा री

राम

कहहुसोकथानाथबीसतारी

जागबलीकबोलेमुसकाई

तुम्हीबीदीतरघुपतीप्रभुताई

राममगततुम्हमनक्रमबानी

चतुराइतुम्हारीमैजानी

चाहहुसुनैरामगुनगूढा

कीन्हहुप्रस्नमनहुअतीमूढा

तातसुनहुसादरमनलाई

कहउरामकैकथासुहाई

महामोहुमहीषेसुबीसाला

रामकथाकालीकाकराला

रामकथाससीकीरनसमानी

संतचकोरकरहीजेहीपानी

ऐसेइसंसयकीन्हभवानी

महादेवतबकहाबखानी

५

दोहा

कहोसुमतीअनुहारीअबउमासंभुसंबाद

भएउसमयजेहीहेतुजेहि सुनीमुनीमीटीही

चौपाई बीखाद

ऐकबारत्रेताजुगमा हीं
संभुगऐकुंभजरीषीपा हीं
संगसतीजगजननीभवा नी
पुजेरीषीअषीलेस्वरजा नी
रामकथामुनीवरजवषा नी
सुनीमहेसपरमसुषमा नी
रीषीपुछीहरीभगतीसुहा ई
कहासंभुअधीकारीपा ई
कहतसुनतरघुपतीगुनगा था।
कछुदीनतहांरहेगीरीना था।
मुनीसनवीदामागीत्रीपुरा री
चलेभवनसंगदछकुमा री
तेहीअवसरभंजनमहीभा रा
हरीरघुवंसलीन्हअवता रा
पीतावचनतजीराजउदा सी
दंडकवनवीचरतअवीना सी

दोहा

हीरदऐवीचारतजातहरःकेहीवीधीदरसनहोइ
गुप्तरूपअवतरेउप्रभुःगऐजानसवकोइ

वालकी

47

सोरठा

संकटरूपतीछोन्हः सतीनफ्तालहिमभिसोर्हे

तुलसीहरस लोभः मन रलोचनलालरी

चौपाई

रावनमरनमनुजकरजा चा

प्रभुवीधीवचनुकीन्हचहसां चा

जौनहीजाउरहैपछीता वा

करताबीचारुनबनतबना वा

एहीबीधीमनएसोचबसई सा

तेहिसमयजाइदससी सा

लीन्हनीचमारीचहींसं मा

भएउतुरतसोइकपटकुरं गा

करीछलमूढहरीवैदे ही

प्रभुप्रभाउतसवीदीतनते ही

मृगवधीबंधुसहीतहरीआ ए

आश्रमदेखीनएनजलछा ए

वीरहवीकलनरईवरघुरा ई

खोजतबीपीनीफीरतदोभा ई दो

कवहुंजोगवीयोगनजा के

हेषाप्रगरहुसहहुषता के

दोहा

कतीबीचीत्ररघुपतीचरीतःजानहीपमसुजान।
तेमतीमंदवीमोहघसःहीहृदेधरहीकुकुग्यान

चौपाई

संतसमयतीहीरामहीदे घ।
उपजाहीएकतीहघवीसे घ।
भरीलोचनछबीसींनीहारी
कुसमयजानीनकीन्हचीन्हारी
जएसंचीतानंहजगपावन
कसकहीचलेमनोजनसावन
चलेजातसीवसतीसमे ता।
पुनीपुनीपुलकीतक्रपानीकेता।
सतीसोहसासंतकेदे षी
उरउपजासंदेहवीसे षी
शंकरजगवंदजगहो सा
सुरनरमनीसवनावहीसी सा
तीनहत्रीपसुसहकीनप्रना मा
कहीसंचीतानंदपरधा मा

वालक

अऐमगलकवित्तासुवीलो की
अजहुंप्रीत्तीऊरहीनरो की

दोहा

ब्रह्मजोव्यापकवीरजअजःअकलअनेह
अनेहःसोकीदेहधरीहेअज्ञःजाहिनजानत वेद

चौपाई

वीस्नजोसुरहीतनरतनुधा री
सोउसरवग्यजथाश्रीपुरा री
घोउजेसोकीअजइवना री
ग्यानधामश्रीपतीअसुरा री
संभुगीरापुनीश्रीघानहो ई
सीषसायत्तरानसबको ई
असससंसयमनल्वउअपा रा
होइनहिंहृदेप्रबोधप्रचा रा
जद्दपीप्रगटनकेहेउअमया नी
हरअंतरजामीसबजा नी
सुनाहुसतीतवनारीसुभा उ
संसेअसनधरीयउरका उ
जासुकथाकुंभजरीषीगा ई

नहिजासभैमनीहीसूना ३
सोममइस्देवरघुवी रा
सेवतजाहीसदामनीधी रा

छंद

मनीधीरजोगीसीखेसंततवीमलमनजेहीधावही
कहीनतीनीगमपुरांनआगमजासुकीरतीगावही
सोइव्रह्मव्यापकवनंचूडामनीकारे
पतीमयाधनीःनवततेरउपनेनकहीतत
नीजतेरघुवीरघुकुलमनीः— सोरठाछंद
लगनकरउपहेसजहपीकेहेवसीवारवह
वोलेवीहसीमेहेसःहरीमायावलजानीजी

चौपाई

जोतुम्हरेमनअतीसंदेहु
तोकीनजाइपरीछालेहु
तवलगीवैठरहोंवटछांहीं
जवलगीतुम्हआवहुमोहीपाहीं
जैसेजाइमोहभ्रमभारी
करहुसोजतनवीवेकवीचारी
चलीसतीसीवआएसपाइ

करहिवीचारकरौंकाभा ई

इहांसंभुअसमनअनुमाना

दछसुताकहुनहीकल्या ना

मोरेकहेनसंसएजा हीं

वीधीवीपरीतभलाइना हीं

होइहसोइजोरामरचीरा खा

कोकरीतर्कवढावैसा खा

असकहीलगेजपनहरीना मा

गईसतीजहांप्रभुसुखधा मा

दोहा

पुनीपुनीहृदएवीचारकरीधरसीताकर रू

आगेहोइचलीपंथुतेहिजेहिआवतनर

चौपाई ॥ भूप ५२

लछीमनदीखउमाकृतवेषा।

चकीतभएभ्रमहृदएवीसेषा।

कहीनसकतकछुअतीगंभीर।

प्रभुप्रभाउजानतमतीधीरा

सतीकपटजानेउसुरस्वा मी

सबदरसीसवअंतरजा मी २

सुमीरतजाहीमटैअग्याना।
सोइसरबग्यरामभगवाना।
सतीकीन्हचाहतहदुराउ
देषहुनारीसुभाउप्रभाउ
नीजमायाबलहृदयबषानी।
बोलेबीहसीराममृदुबानी।
जोरीपानीप्रभुकीन्हप्रनाम
पीतासमेतनीज[illegible]लीन्ह[illegible] नाम
कहेउबहोरीकहांबृषकेतु
बीपीनअकेलफीरहुकेहिहेतु

दोहा

रामबचनमृदुगूढसुनी उपजाअतीसंकोचु
सतीसभीतमहेसपहिं चलीहृदयबडसोचु ॥५२

चौपाई

मैसंकरकरकहानमाना।
नीजअग्यानरामपरआना।
जाइउतरअबदेहौकाहा
उरउपजाअतीदारुनदाहा

बाल पं

५०

जानारामसतीदुषपा वा।
नीजप्रभाउकछुप्रगटजनावा॥
सतींदेषकौतुकमगजाता।
आगेंरामसहितश्रीभ्राता॥
फीरिचीतवापाछेंप्रभुदेषा।
सहितबंधुसीयसुंदरवेषा॥
जहांचीतवहितहांप्रभुआसीना।
सेवहिंसीधमुनीसप्रवी ना॥
देषेसीवबीधीवीष्नुअनेका।
अमीतप्रभाउएकतेंएका॥
वंदतचरनकरतप्रभुसे वा।
वीवीधीवेषदेषेसवदे वा॥

दोहा॥

सतीवीधात्रीइंद्रीरादेषींअमीतअनुप
जीहिंजीहिंवेषाअजादीसुरतीहीतीहीतन
अनुप१८

चौपाई

देषेजहांजहांरघुपतीजे ते
सक्तिन्हसहितसकलसुरते ते

जीवनचरा वरजेससा रा
हैबेसकलक्कनेकप्रका रा
पुजहींप्रन्नहींदेववकुबे ष्पा।
रामनुपतीहींदुसरदे ष्पा।
कर्मनाचूं लोकेरघपतीविकृत्ते रे
सीतासहीतसवेषघने रे
सोरघवरसोऽलछीमनसी ता
देषीसतीकृतीअतिभईसभी ता
हीरष्वकंपतनसुधीकछुना हीं
नैनमूंदीवैठीमगमा हीं
वहुरीवीलोकेउनएनउघारी
कछुनदीषतहांदछकुमा री
पनीपुनीनाऽरामपदसी सा
चलीतहांजहांरहेगीरी सा

दोहा

गइसमीपमहेसपुहंसीपुछीकुसला त
लेन्हपरीछ्याकवनवीधींःकहहुसत्यसववात ८

चौपाई

सतीसमहीरघुवीरप्रभा उ
भयवससीवसनकीन्हदुरा उ

बाल ५

कछुनपरीछालीन्हगोसांई
कीन्हप्रनामतुम्हारहिनाई
जोतुम्हकहासोम्रीषानहोई
मोरेमनप्रतीतीअतीसोई
तबसंकरदेष्योहरीध्याना
सतीजोकीन्हचरीतसबजाना
बहुरीराममायहिंसीरुनावा
प्रेरीसतीजीहींझुठकहावा
हरीइछाभावीबलवाना
हीर्दयबीचारतसंभसुजाना
सतीकीन्हसीताकाबेषा
सीवउरभएउबीषादबीसेषा
जोअबकरौ सतीसनप्रीती
मीटैभक्तिपथहोइअनीती

दोहा

परमपुनीतनजाइतजीः कीएप्रेमबडपाप २९
प्रगटनकहतमहेसकछुःहीर्दयअधीकसंताप

चौपाई

तबसंकरप्रभुपदसीरनावा
सुमीरतरामहीर्दयअसआवा

२ एहीतनसतीहींभेंटमोहीना हीं
१ सीवसंकल्पकीन्हमनमां हीं
असबीचारीसंकरमतीधी रा
चलेभवनसुमीरतरघुबी रा
चलतगगंनभैगीरासुहा ई
जैमहेसभलीभक्तिदृढा ई
असपनतुमबीनुकरैकोआना ना
रामभक्तिसमरथभगवा ना
सुनीनभगीरासतीउरसो चा
पुछासीवहीसमेतसंको चा
कीन्हकवनप्रणकहहुकृपा ला
सत्यधामप्रभुदीनदया ला
जदपीसतीपुछाबहुभां ती
तदपीनकहेउत्रीपुरआरा ती

दोहा

सतीहृदयअनुमानकीएः सबजानेउसरबग्य
कीन्हकपटमैसंभुसनः नारीसहजजडअ ग्य

सोरठा

जलपयसरीसबीकाइः देखहुप्रीतीकीरीतीभली
बीलगहोतरसजाइः कपटखटाईपरत्त हो ८२

वालप२

52

चौपाई

हीहऐसोचसमझमननीजकरनी
चींताकमीतजाइनहीवर नी
कीपासीधुसीवृपभकागा धा
प्रगटनकेहछमोक्षपरा धा
संकरमखकवीसोकीन्नवानी
प्रनमोहीत्तजेछहीहमककुवानी
नीजकाघसमझीनकछुकहीजाई
तपैकवाइचछरकांधीका ई
सतीहीऐसोचजानीवृषके तु
कहीकथासुंदरसुषहे तु
वरनतपंथवीवीधइतहां सा
वीस्वनाथपहुंचेकैला सा
तहांपुनीसंभुसमझीपनआपन
वैठेवटतरकरीकमलास न
संकरसहजसरूपसंभा रा
लागीसमाधीअखंडअपा रा

दोहा

सतीवसहीकैलाससतवःअधीकसोचमनमाहीं
मरमनकोछजानकछुःजगसमझीवसरसीराहीं॥८३

चौपाइ

सीतनवसोऽवसतीउरमा रा
कवजैहौंसुखसागरपा रा
मैजकीन्हरघुपतीअपमा ना
पुनीपतीवचनमृषकरीजा ना
सोफलमोहीवीधातादी न्ह
जोकछुउचीतरहासोकी न्हा
कावबीधीअसबुहीएनहीता हीं
संकरबीमषजीअआपुसीमो हीं
कहीनजाइकछुहीइअगला नी
मनमहरामहींसुमीरसेया नी
जौप्रभुहीनहमालकहा वा
कारतहरनवेहजसगा वा
तौमैंबीधीकरीकाव्हो री
कुटीवेगीदेहीएहमो री
जोमोरसीवचरनसने हु
मनकर्मवचनसात्यबृतए हु

दोहा

तौसमहरसोसुनीएप्रभुः करोसाबेगीउपा इ
होइमरनजोहीबीनहीप्रभमः ऽसहबीपतीबीहाइ ॥२८

चौपाई

ऐहीवीधीदुषीप्रजेसकुमा री
अकथनीयदारुनदुषभा री
वीतेसंवतसहस्रसता सी
तजीसमाधीसंभुअवीना सी
रामनामसीवसुमीरनला गे
जानेउसतीजगतपतीजा गे
जाइसंभुपदवंदनकी न्हा
संनमुषसंकरआसनदी न्हा
लगेकहनहरीकथारसा ला
दछप्रजेसभएतेहीका ला
देषावीधीवीचारीसवला इक
दछहीकीन्हप्रजापतीना इक
वडअधीकारदछजवपा वा
अतीअभीमानहीरदयतवआ वा
नहींकोउअसजनमाजगमा ही
प्रभुतापाइजाहीमदना ही

दोहा

दछलीएमुनीवोलीसवकरनलगेवडजाग
नींवतेसादरसकलसुरजेपावतमषभा ग २५

पारवती

53

चौपाई

कीन्नरनागसीधगंधर्बः ा

बंधुसमेतचलेसुरसर बा

बीस्नबीरंचीमहेसबीहा ई

चलेसकलसुरजानबना ई

सतीबीलोकेब्योमबीमा ना

जातचलेसुंदरबीधीना ना

सुरसुंदरीकरहीकलगा ना

सुनतश्रवनछुटहीमुनीध्याना

पुछेउतबसीवकहेउबखा नी

पीताजग्यसुनीकछुहरखा नी

जौमहेसमोहीआएसुदे हीं

कछुदीनजाइरहौमीसए हीं

पतीपरीत्यागहृदेदुखभा री

कहैननिजअपराधबीचा री

बोलीसतीमनोहरबा नी

भयसंकोचप्रेमरससा नी

दोहा

पीताभवनउछवपरमः जौप्रभुआएसुहोइ ६०

तौमैजाउकृपाएतनः सादरदेखनसो इ

चौपाई

कहहु नीक मोरे मन भा वा
ऐहु न चीत नहिं नवत पठा वा
दछ सकल नीज सुता बुला ई
हमरे बैर तुम्ह बीसरा ई
ब्रह्म सभा हम सन दुख मा ना
तेहि ते अजहुं करहि अपमा ना
जौं बीनु बोले जाहु भवा नी
रहै न सील सनेह न का नी
जदपी मीत्र प्रभु पीतु गुर गे हा
जाइय बीनु बोले न संदे हा
भांती अनेक संभु समुझा वा
भावी बस न ग्यानु उर आ वा
कह प्रभु जाहु जो बीनहीं बुला ए
नहीं भली बात हमारी भा ए

दोहा

कहि देखा हर जतन बहु रहै न दछ कुमा री
दीये मुख्य गन संग तब बीदा कीन्ह त्रीपुरारी ६१

चौपाई

पीताभवनजवगइभवा नी
दछत्रासकाहुनसनमा नी
सादरभलहिमीलीऐकमाता।
भगीनीमीलीवहुतमुसकाता।
दछनकछुपुछीकुसला ता। ५८
सतीहिवीलोकीजरेसवगाता।
सतीजाइदेखातवजा गा।
कतहुनदीखीसंभकरभा गा।
तवचीतचढेउजोसंकरकहेऊ
प्रभुअपमानसमुझीउरदहेऊ
पाछीलदुषनहृदैअसव्यापा।
जसऐहभएउमहापरितापा।
जद्यपीजगदारुनदुषना ना।
सवतेकठीनजातीअपमाना।
समुझीसोसतीहिभएउअतीक्रोधा।
वहुवीधीजननीकीन्हप्रवोधा।

दोहा

सीवअपमाननजाईसहि:हीदयनहोइप्रवोध

बाल ५५

सकलसभहिहठकीतवःबोलीबचनसक्रोध
६३

चौपाई

सुनहुसभासदसकलमुनीं दा
कहिसुनीजीन्हसंकरनि दा
सोफलतुरतलहउसबका हू
भलीभांतीपछीताहुपीता हू
संतसंभुश्रीपतीअपबा दा
सुनीएजहांतहांअसमरजा दा
करीतासुजीभजोबसा ई
श्रवनमंदीनतचलीऐपरा ई
जगदातमामहेस पुरा री
जगतजनकसबकेहितका री
पीतामंदमतीनींदतते ही
दछसुक्रसंभवएहदे ही
तजीहौंतुरतदेहतीहीहे तू
उरधरचंद्रमौलीब्रषके तू
असकहिजोगअगनीतनजा रा ।।
भएउसकलमषहाहाका रा

५५

दोहा

सतीमरनसुनीसंभुगनः लागेकरनमषबीस
जग्यबीधंसबीलोकीभ्रीगुःरछाकरीमनीस २४

चौपाई

समाचारसबसंकरपा ऐ
बीरभद्रकरीकोपपठा ऐ
जग्यबीधंसजाइतीन्हकी न्हा
सकलसुरन्हबीधीवतफलदीन्हा
भैजगबीदीतदछगतीसो ई
जसीकछुसंभुबीमषकेहो ई
एहइतीहासकलजगजा नी
तातेमैंसंछेपबखा नी
सतीमरतहरीसनबरमां गा
जन्मजन्मशीवपदअनुरा गा
तेकारनहीमगीरीग्रहजा ई
जनमीपारबतीतनपा ई
जबतेंउमासैलग्रहजा ई
सकलसीधीसंपतीतहाछा ई
जहंतहांमुनीन्हसुआश्रमकीन्हे
उचीतबासहीमभूधरदीन्हे

बालपंद

दोहा

सदासुमनफलसहीतसबद्रुमनवनानाजां ती
प्रगटीसुंदरसैलपरमनीआकरबहुभां ती॥६५॥

चौपाई

सरीतासबपुनीतजलबह हीं
खगम्रगमधुपसुखीसबरह हीं
सहजबैरसबजीवन्हत्या गा
गीरीपरसकलकरहीअनुरा गा
सोहसैलगीरीजागृहआ ए
जीमीजनुरामभक्तीकेपा ए
नीतनुतनमंगलगृहता सु
ब्रह्मादीकगावहीजसजा सु
नारदसमाचारसबपा ए
कौतुकहीगीरीगेहसीधा ए
सैलराजबडआदरकी न्हा
पदपषारीबरआसनदी न्हा
नारीसहीतमुनीपदसीरना वा
चरनसलीलसबभवनसींचावा॥
नीजसौभाग्यबहुतगीरबरना॥
सुताबोलीमेलीमुनीचर ना

दोहा

श्रीकालज्ञसरवज्ञतुम्हगतीसरवत्रतुम्हा री
कहहुसुताकेदोषगुनः मुनीवरहृदयेवीचा री ॥५९

चौपाइ

कहेमुनीवीहसीगुढमृदुवानी ।
सुतातुम्हारीसकलगुनखानी ।
सुंदरीसहजसुसीलसया नी
नामउमाअंबीकाभवा नी
सकललक्षनसंपन्नकुमा री
होइहीसंततपीएहीपीया री
सदाअचलएहीकरऐवा ता
एहीतेजसुपइहहींपीतुमा ता
होइहींपुज्यसकलजगमा हीं
एहीसेवतकछुदुरलभना हीं
एहीकरनामसुमीरीसंसा री
त्रीयचढहींपतीव्रतअसीधारा ।
सैलसुलक्षनसुतातुम्हा री
सुनहुजेअबअवगुनदुइचा री
अगुनअमानमातुपीतुहीना
उदासीनसबसंसेएक्षी ना

बालपे

57

दोहा

जोगीजटीलअकाममनः नगनअमंगलवेष
असस्वामीऐहीकहमीलीहीं:परीहस्तअसरेष

९६ चौपाई

।। सुनीमनीगीरासत्यपजीऐजानी
दुषहंपतहीउमाहरषा नी
नारदहुऐहमेदनजा ना
सहाऐकसमहुवीलीगा ना
सकलसषीगीरीजागीरीमे ना
पसकीसरीरअरेजलने ना
होइनम्रीहृदरीषीला षा : ५।
उमासोवचनहीहृदेधरीरा षा
उपजेउसीषपदकमसते हु ८
मीसनकठीनमनअसदे हु
जानीकुअवसरप्रीतीदुरा ई
सषीउछंगवैठीपुनीजा ई
हुठीनहोइहरीषीया नी
सोन्यहींदंपतीसषीसेया नी
नयरीधीधीयकैहोगीरीरा क

कहहुनाथकाकरीऐउपा उ

दोहा

कहामुनीसहिमवंतसन:जोधीधीलीखालीलार
देवदनुजनरनागमुनी:कोउनमेटनहार:१८

चौपाइ

महपीऐकमैकहोउपा उ
होइकरैजोदेवसहा उ
जसवरमैवरनेउतुम्हपा हि
मीलीहीउमहीतसंसऐना हि
जेजेवारकेसोसवया न
तेसवसीवपहीमैकनुमा न
जोवीवाहसंकरसनहो उ
दोषगुनसमकहसवको उ
जोमहीसजसैनहरीकर हि
वुधकछु[illegible]नकरहोषनधार हि
भानुकसानुसवीरसखा हि
तीन्हकहमेदकहाकोउना हि
सुन्नकनुक्मासुन्नसलीय[illegible] हि
सुरसरीकोउकापुनीसनकाह हीं
समरथकहनहीदोसगोसां उ
रवीपावकसुरसरीकीना उ

बाल५८

दोहा

जोन्हासहीरबाकरहीनरःजड़बीवेकअभीमान

परहींकल्पभरीनर्कमहुंजीवकीईससमा न

चौपाई

सुरसरीजलकृतबारुनीजा ना

कबहुनसंतकरहींतेहीपा ना

सुरसरीमीलेसोपावनजै से

ईसअनीसहींअंतरतै से

संभुसहजसमरथभगवा ना

एहीवीवाहसबवीधीकल्या ना

दुराराध्यपैअहहींमहे सु

आसतोखपुनीकीएकले सु

जौतपकरैकुमारीतुम्हा री

भावीउमेटीसकहींत्रीपुरा री

जदपीबरअनेकजगमा हीं

एहीकहंसीवतजदुसरना हीं

५ बरदायकप्रनतारतीभंज न

कृपासींधुसेवकमनरंज न

ईछीतफलबीनसीवअवरा धे

लहीएनकोटीजोगजपसा धे

दोहा

58

दो

असकहिनारदसुमीरिहरीः गीरिजहिदीन्हअसीस
होइहींअबकल्यानअबवासंसएतजहुगीरीसः ७५

चौपाइ

असकहिब्रह्मभवनमुनीगएऊ
आगीलचरीतसुनहुजसभएऊ
पतीहिएकांतपाइकहमै ना
नाथनमैंबुझेमुनीबै ना
जौंघरुबरकुलहोइअनू पा
करीएबीवाहसुताअनुरू पा
नतकन्याबररहउकुंआ री
कांतउमाममप्रानपीया री
जौनमीलहींबरगीरीजहीजो गू
१ गीरीजडसहजकहिसबलो गू
सोइबीचारीपतीकरीहुबीवा हू
जेहिनबहोरीहोइउरदा हू
असकहिपरीचरनधरीसी सा
बोलेसहितसनेहगीरी सा
बरुपावकप्रगटैससीमा हीं
नारदबचनअन्यथाना हीं

दोहा ७१ प्रियासोचपरीहरहुसबःसुमीरहुश्रीभगवान
परवतीनीरमएउजेहिंःसोइकरीहिंकल्यान ६८

चौपाइ

अवजौंतुमहीसुतापरने हु
तौअसजाइसीषावनदे हु
करैसोतपजेहीमीलहीमहे सु
आनउपाइनमीटहींकले सु
नारदवचनसगर्भसहे तु
सुंदरसवगुननीधीवृषके तु
असवीचारीतुम्हतजहुअसं का
सवहीभांतीसंकरअकलं का
सुनीपतीवचनहरषमनमां हीं
गईतुरतउठीगीरीजापा हीं री
उमहीवीलोकीनैनभरीवा री
सहीतसनेगोदवैठा री
वारहीवार लेहिंउरला ई
गदगदकंठनकछुकहीजा ई
जगतमातुसर्वग्यभवा ...। नी

मातुसमुझबोलीमृदुबा नी

दोहा

सुनहुमातुमैंदेषअसःसपनसुनावौंतोहीं

सुंदरगौरसुबीप्रबरःअसउपदेसेउमो हीं ७

चौपाइ

करहिजाइतपसैलकुमा री

नारदकहसोसत्यबीचा री

मातुपीतहिपुनीएहमतभा षा

तपसुषप्रदद्दुषदोषनसा षा

तपबलरचेप्रपंचबीधा ता

तपबलबीस्नुसकलजगत्राता

तपबलसंभुकरहीसंहा रा

तपबलसेसधरैमहीभा रा

तपअधारसबसृष्टीभवा नी

करहिजाइतपअसजीयजानी

सुनतबचनबीसमीतमहतारी

सपनसुनाएगीरीहीपेका री

मातुपीतहीबहुबीधीसमुझा ई

चलीउमातपहीतहरषा ई

प्रीएपरीवारपीताअरुमा ता

भएबीकलमुषआवैनबा ता

बाल ६८

60

दोहा

बेदशीरामुनीआइतबःसबहीकहासमुझाइ ॥

पारबतीमहीमासुनतःरहेप्रबोधहीपा इ ॥ ६८

चौपाई

उरधरीउमाप्रानपतीचर ना ॥
जाइबीपीनलागीतपकर ना ॥
अतीसुकुमारीनतनतपुजोग ॥
पतीपदसुमीरीतजेउसबभोग ॥
नीतनवचरनउपजेअनुराग ॥
बीसरीदेहतपहीमनला ग ॥
संबतसहसमूलफलखा ए ॥
सागखाइसतबरखगमा ए ॥
कछुदीनभोजुबारीबता सा ॥
कीएकठीनकछुदीनउपवासा ॥
बेलपातमहीपरेसुखा इ ॥
तीनसहस्रसंबतसोइखा इ ॥
पुनीपरीहरेसुखानेपर ना ॥
उमहीनामतबभएउअपर ना ॥
देखीउमहीतपखीनसरी रा ॥
ब्रह्मगीराभइगगनगंभी रा ॥

दोहा

भएउमनोरथसुफलसबःसुनगीरीराजकुमारी
परीहँ दुसहकलेससबःअबमीलीहहिंत्रीपुरारी ५८

चौ :: अससतपकाहुनकीन्हभवानी
भएअनेकधीरमनीग्यानी।
अबउरधरहुब्रम्हबरबा नी
सत्यसदासंतत सुचीजा नी
आवैपीताबुलावनजब हीं
हठपरीहरीघरजाएहुतब हीं
मीलहींतुम्हहीजबसप्तरीषे सा
जानेहुतबप्रमानबागी सा
सुनतगीराबीधीगगनबखा नी
पुलकगातगीरीजाहरखा नी
उमाचरीत्रसुंदरमैंगा वा
सुनहुसंभुकरचरीत्रसोहा वा
जबतेंसतीजाइतनुत्या गा
तबतेंसीवमनभएउबीरा गा
जपहींसदारघुनाएकना मा
जहेंतहंसुनहींरामगुनग्रा मा

दोहा

चीदानंदसुखधामःसीउबीगतमोहमदमान ५९
बीचरहींमहीधरीहृदएँहरीसकललोकआराम

वाल ७६

चौपाई

कतहुमुनीन्हउपदेसहीग्याना

कतहूंरामगुनकरहीवखा ना

जदपीअकामतदपीभगवाना।

भक्तवीरहदुखदुखीसुजा ना

एहीवीधीगएउकालवहुवीती

नीतनइहोइरामपदप्री ती

नेमप्रेमसंकरकरदे षा।

अवीचलहृदैभगतीकैरे ष

प्रगटेरामक्रतग्यक्रपा ला

रुपसीलनिधतेजवीसाला।

वहुप्रकारसंकरहीसरा हा

तुम्हवीनुअसव्रतकोनीरवाह

वहुवीधीरामसीवहीसमुझावा।

पारवतीकरजन्मसुना वा

अतीपुनीतगीरीजाकैकरनी

वीस्तरसहीतक्रीपानीधीवरनी

दोहा

अववीनतीममसुनहुसीवजोमोपरनीजनेहु

जाइवीवाहहुसैलजहिएहिमोहीमागेदेहु

॥

चौपाई

कहसोष्ठजहपीउचीतकसनाहीं
नाथवचनपुनीमेरीनाजां ही
सीखधरीकाएसकरीऐतुम्हारा
परमधर्मएहनाथहमा रा
मातुपीताग्ररप्रनकैबा नी
वीनाबीचारकरीऐसन्नजानी
तुम्हसबभांतीपर्महीतका री
अंज्ञसीरपरनाथतुम्हा री
प्रभुतोसेसुनीसंकरवचना
भक्तिवीवेकधर्मजुतरच ना
कहप्रभुहरतुम्हाप्रनरहे उ
कबउरराखहुजोहमकेहे उ
कोंतरधानभएअसभा षी
संकरसोहमूरतीउरराषी
तबहीसप्तरीषीसीवपहआ ए
बोलेप्रभुअतीवचनसोहाए
दोहा
पारवतीपहजाहुतम:प्रेमपरीक्षाहे उ
गीरीजहीप्रेरीपठवहुभवनःदुरीकरहसंहे हु
चौपाई

बाल ८९

रीषीन्हगौरीदेष्यीतहंकै सी
मुरतीवंततपस्याजै सी
बोलेमुनीसुनुसैलकुमा री
करहुकवनकारनतपुभा री
केहिअवराधहुकातुम्हचह हू
हमसनसत्यमरमकिनकह हू
सुनतरीषीनकेवचनभवा नी
बोलीगूढमनोहरवा नी
कहतमरममनअतीसकुचा ई
हसीहहुसुनीहमारीजडता ई
मनहठपरानसुनेसीष्या वा
चहतवारीपरभीतीउठा वा
नारदकहासत्यसोइजा ना
वीनुपंषनहमचहहिउडा ना
देषहुमुनीअवीवेकुहमा रा
चाहिएसीवुहीसदाभरता रा

दोहा

सुनतवचनवीहसेरीष्यए॥गीरीसंभवतवदेह॥
नारदकेउपदेससुनी॥कहहुवसेउकेहिगेह॥
१३

चौपाई

स्वसाल्हउपदेसीन्हीजा ई
तीन्हकीलिन्हवृनन्देखाब्बा ई
चीयकेन्हकरधरउन्हघा सा
कनककशीपकरपतीब्बसहासा
नारदसीष्यजेसुनहीनरना री
कायसीहोहीमयजल्लवृनम्नीप्यारी
मनकपरीतनसंजनची न्हा
कापसरीससवहीयहकी न्हा
तेहीकेवचनमानीवीस्वा सा
नुमचाहहुपतीसहजउदा सा
नीरगुणानील्जकुवेषकपा ली
ब्बकुलब्बगेहहीगंवरखा ली
कहहुकवृनसुखब्बसवरूपा ऐ
ब्बलब्बीहृगकेचेरा ऐ
पंचकेहेंश्रीवृसतीवीवा है
पतीब्बवप्रीमिराऐ ता है

दोहा

ब्बवसुखसोवृसोचनहीं:ब्बीसमांगीब्बवृषा हैं

63

सहजएकाकीन्हकेभवनकवहुकीनारीषटाहि।

७९ ॥ चौपाई ॥

अजहुमानहुकहाहमा रा।

हमतुम्हकहुवरनीकवीचा रा।

अतीसुंदरसुचीसुषदसुसी ला।

गावहींवेदजासुजसली ला।

दुषनरहितसकलगुनरा सी।

श्रीपतीपुरवैकुंठनीवा सी।

असवरतुम्हहिमिलाउवआनी।

सुनतवीहसीकहावचनभवानी।

सत्यकहहुगीरीभवतनऐ हा।

न हठ छुटैछुटैवरुदे हा।

कनकौपुनीपषानतेहो ई।

जारेसहजनपरीहरसो ई।

नारदवचननमैपरीहर ऊ।

वसौभवनउजरउनहींडर ऊ।

गुरकेवचनप्रतीतीनजे ही।

सपनेहुसुगमनसुखसीधीते ही।

दोहा

महादेवऔगुनभवनःवीस्नुसकलगुनधाम
जेहीकरमनरमजाहीसनःतेहीतेहीसनकाम

चौपाई

जौतुम्हमीलतेहुप्रथममुनी सा
सुनतीउसीखतुम्हारीधरीसीसा
अबमैजन्मसंभुहीतहा रा
कोगुनदुसनकरैबीचा रा
जौतुम्हरेहठहृदयबीसे खी
रहीनजाइबीनकीएबरे खी
तौकौतुकीअन्हआलसना हीं
बरकन्याअनेकजगमा हीं
जन्मकोटीलगरगरहमा री
बरौसंभुनतरहौकुआ री
तजौननारदकरउपदे सु
आपुकहहींसतबारमहे सु
मैपाएपरौंकहैजगदं बा
तुम्हग्रहगवनहुभएउबीलं बा
देखीप्रेमबोलेमुनीज्ञा नी
जयजयजगदंबीकाभवा नी

बाल ६६

दोहा

तुम्हमायाभगवानसीवःसकलजगतपीतुमात॥
नाइचरनसीरमनीचलेःपुनीपुनीहरखीतगात॥

चौपाई

जाइमनीन्हहीमवंतपठा ए
करीवीनतीगीरीजहीग्रहल्या ए
वहुरीसप्तरीषीसीवपहीजा ई
कथाउमाकैसकलसुना ई
भएमगनसीवसुनतसने हा
हरखीसप्तरीखीगवनेगे हा
मनकरीथीरतवसंभुसुजा ना
लगेकरनरघुनाएकध्या ना
तारकअसुरभएउतेहीका ला
भुजप्रतापवलतेजवीशा ला
तेहीसवलोकलोकपतीजी ते
भएदेवसुखसंपतीरी ते
अजरअमरसोजीतीनजा ई
हारेसुरकरीवीवीधीलरा ई
तववीरंचीसनजाइपुका रे

हृष्येवीधिसवचहेवरहष्पा रे

दोहा

सवसनकहावुझाइवीषीः रनुजनीधनजवहोइ
संत्नसक्रसंत्नत्तसत्तः ऐहीजीतेरन सो ई

चौपाई

मोरकहासुनीकरहुँपा ई
होइहींइस्वाकरहींसहा ई
सतीजोतजीदछमषरे हा
जन्मीजाइहीमनचलगे हा
तेइतपकीन्हसंक्रपतीला गी
धीषसमाधीवैठेसघला गी
जद्पीप्रहैंभजसल्ना री
तदपीवातएकसनहुहमा री
पठवहुकांमजाइशीषपा हीं
कैरछोक[illegible]संकरमनमा हीं
तवहमजाइसीवहिसीरना ई
करवाउवीवाहवरीआा ई
एहीवीधीभलेहीहीदेवहीतहो ई
मतअतीनीकहैसबको ई
असतुतीकीन्हसरनहेतमहे तु

बाल ६५

प्रगटेवीषमचारीचारके — तु

दोहा

सुरन्हकहीनीजवीपतीसवःसुनीमनकीन्हवीचार

संभुवीरोधनकुसलमोहीःवीहसकहेउकसमार

१८ चौपाई

तहपीकरवमैकाजतुम्हा — रा

श्रुतीकपमेंधर्मभेउपका — रा

परहीतलागीतजैजोदे — ही

संततसंतप्रसंसहीते — ही

असकहीचलेसवहीसीरना — ई

सुमनधनुसकारसहीतसहा — ई

चलतमारअसहीयहैवीचा — रा

सीउवीरोधकवधमानहमा — रा

तवआपनप्रभाउवीस्ता — रा

नीजवसकीन्हसकलसंसा — रा

कोपेउजवहींवारीचाके — तु

छीनमहमीटेसकलश्रुतीसे — तु

ब्रह्मचाजब्रतसंजमना — ना

धीरजधर्मग्यानवीग्या — ना

सहाचारजपजोगवीरा — गा।

भएचीचेकुकरकसचला ॥

छंद

भागेउवीवेकसहाएसहीतसोःसुभटसंजुगमहिमुरे
सदग्रंथपर्वतकंदरनमहःजाइतेहिअवसरदुरे
होनीहारकाकरतारकोरखवारजगखरभरपरा
दुइमाथकेहिरतीनाथजेहिकहुकोपीकरसर
धनुधरे: दोहा

जेसजीवजगचरअचरःनारिपुरुसअसनाम
तेनीजनीजमरजादतजीःभएसकलवसीकाम

१५ चौपाई

सवकेहिरदेमदनअभीला षा
लतानीहारीनवहिंतरुसा खा
५५॥ : नदीउमगिअंबुधकहधा ई
संगमकरहिंतलावतला ई
जहांअसदसाजडनकैवर नी
कोकहिसकैसचेतनकर नी
पसुपंछीनभजलथलचा री
भएकामवससमैवीसा री
मदनअंधव्याकुलसवलो का ५
नीसदिननहिंअवलोकहिंकोका।

वदनुजनरकिन्नरव्या ला
प्रेतपीचासभूतवेता ला
इनकैदसानकहेउबखा नी
सदाकामकेचेरेजा नी
सीद्धबीरक्तमहामुनीजोगी
तेपीकामबसभएबीयो गी

छंद

भएकामबसजोगीसतापसः पांवरन्हकीको
कहैः देषहींचराचरनारीमैएः जेब्रह्ममैदेष
तरहैः अबलाबीलोकहींपुरुषमैएः जगपु
रुषसबअबलामयंः दुइदंडभरीब्रह्मंडभी
तरः कामकृतकौतुकअयंः — सोरठा
धरीनकाहुधीरः सबकेमनमनसीजह रे
जेराषेरघुबीरः तेउबरेतेहीकालमहु ८५ः

चौपाइ

उभएघरीअसकौतुकभए उ
जवलगीकामसंभुपहीगए उ
सिवहीबीलोकीससंकेउमा रु
भएउजथाथीतीसबसंसा रु
भएतुरतसबजीवसुषा रे

जीमीमहउत्तरगएमाया रे
गृहहिहिसीमहनलएमा ना
हुराधरसहुरगमनगया ना
वीरतलाजकछुकहीनहीजाई
मरनठानीमनरवेसीउपा ई
प्रगेहनुरतनवीररीतुरा जा
कुसमीतनयतन [illegible] जिवीराजा।
वनउपवननवापीकातडा गा
परमसुलगासवहीसावीना गा
जहंतहंजनउमगतअनरा गा
हेसीमएहेंमनमनसीजजा गा

छंद

जागेमनोलवृमएहेंमनःसुमनगवानपरेकहे
सीतलसुगंधसुमंदमाजनमहनकननससहि
वीकसेसर [illegible] कुंजगुंजततपुंजमंजलम
धुकरःकलहंसपीकसकरसावकरीगाननं।
चहींअपछा॥

दोहा

सकलकलाकरीकोरीवीधीःहारी उसेनसभे॥
चलीनअचलसमाधीश्रीवृःकोपेउहिहरैनीवे॥

67

चौपाइ

देषीचीत्रशालचीरपवरसा षा
तेहीपरचलेउभरत्नमनमां षा
सुमनचांपनीजसारसंया ते
भ्रतीरीसताकीष्ट्रुनलगीताते
छाडेचीषमचीषकउरला गे
युरीसमाधीसंकृतवजा गे
नएउरसमनछोनचीसेषी
नैनउचारीसकलहीसेषी
सौरलपत्नयुमहनचीलोक।
नएउकोपकंपेउत्रैलो का
नवरीवृतीसरनैनउघा या
चीतवृतकामनएउजरीछार।
हाहाकारभएउजगमा हीं
डरपेसुरनएभ्रसुरसषा हीं
सामहकामसषसोचहीन्नोगी
नएअकंटकसाधकजो गी

छंद

जोगीग्रंकंटकन्नऐपतीगतीःसुनतरतीम
रक्षीतन्नपुःरोहतीवद्दतीवहुभांतीकउ। ६
नाकरतसंकरपहीगईःअप्रतीप्रेमकरीवी।
नतीवीवीधीचीधीःजोरीकरसनमुषरही।
प्रनअग्रासतोषक्रपालसीषअप्रवलानीषी
वोलीसही॥ ——— दोहा ———
अवतेरतीतवनाथकरहोइहीनामअनंग।
वीनवपुव्यापीसवहीपुनीःसुननीजमी
लनप्रसंग ——— चौपाई ———

जवजदुवंसकस्नअवता॥
होइहीहरनमहामहीभा॥
कीस्नाततैएहोइहीपतीता॥
वचनअप्रमीथ्याहोइनमो॥
रतीगइनीसुनीसंकरवा नी॥
कथाअपरअवकहौविसानी
हेयनसमाचारसवपा ऐ
चुन्हहीकवैकुंठसीधा ऐ
सवसुरचीरजवीरंचीसमेता
गएजहोसीवक्रपानीकेता॥
प्रथकप्रथतीकरकीअनप्रसंसा॥

पात ८८

भएप्रसंन्नचंद्रअवतंसा
चलेउकृपासींधुब्रषकेतु
कहहुअमरआएकेहिहेतु
कहबीधीप्रभुतुम्हअंतरजामी
तदपीभगतीबसबीनवौस्वामी

दोहा

68

सकलसुरन्हकेहृदयअसःसंकरपरमउछाहु। ८
नीजनैनन्हदेषाचहहिंःनाथतुम्हारबीवाहु। ८

चौपाई

एहउत्सवदेषीअभरीलोचन
सोइकछुकरहुमदनमदमोचन
कामजारीरतीकहुबरदीन्हा।
कृपासींधुयहअतीभलकीन्हा।
सासतकैपुनीकरहीपसाउ
नाथप्रभुन्हकरसहजसुभाउ
पारवतीतपुकीन्हअपारा
करहुतासुअवअंगीकारा
सुनीवीधीवीनैसमझीप्रभुवानी
ऐसेइहोउकहासुषमानी
तवदेवन्हदुंदभीवजाई

वरषीसुमनजैजैसुरसा ई
अवसरजानीसप्तरीषीआए
तुरतहीबीधीगीरीभवनपठाए
प्रथमगएजहांरहीभवा नी
बोलेमधुरबचनछलसा नी

दोहा

कहाहमारनसुनहुतबनारदकेउपदे स
अबभाझुठतुम्हारपुनःजारेउकाममहे स

चौपाई

सुनीबोलीमुसकाइभवा नी
उचीतकहेहुमुनीबरबीज्ञानी
तुम्हरेजानकामअबजा रा ५
अबलगीसंभुरहेसबीका रा
हमरेजानसदासीवजो गी
अजअनवद्यअकामअभोगी
जौंमैसीवसेएअसजा नी
प्रीतीसमेतकर्ममनबा नी
तौहमारपनसुनहुमुनी सा
करीहहीसत्यकृपानीधीई सा

तुम्हजोकहाहरजारउमा रा
सोइम्पातीयइमावीवेकतुम्हा ॥
तातम्रनलकारसजसुन्ना उ
हमीतीमिलीकरजाइनहीका ए

61. गएसमीपसोम्मबुसनसा इ

म्मसमम्रमउभहेसकैना ई

दोहा

हरिएहरपेमुनीवचनसुनीः देषीप्रीवीस्वास
चलेम्मवानीनाइसीरः गएहीमनचलपास

चौपाई

सवप्रसंगगीरीपतीहिसुनाइ
महनहहवसुनीम्मतीदुष्यपाइ
चहरीषकेहउतीकारवरहा ना
सुनीहीभवंनवकुनसुसमाना।
हरिहएचीचाहीसंकाप्रम्मता ई
साहरमनीवरलीएवुला ई
सुहीनसुनछत्रसघरीसोहाइ
वेगावेहवीधीलगनधरा ई
पत्रीसप्तरीषीनसोही ही

गहीपदबीनएहीमंनचुकीन्हीं
जाइबीधीहीतीन्हदीनसुपाती
बांचतप्रीतीनहृदेसमाती
लगनबांचीअजसबहीसुनाई
हरखेमनीसबसुरसमुदाई
सुमनब्रीष्टीनभबाजनबाजे
मंगलसकलदसहुंदीसीसाजे

दोहा

लागेसवांरनसकलसुरबाहनबीबीधबीमान
होहींसगुनमंगलसुभदकरहींअपछरागान

चौपाई

सीवहीसंभुगनकरहींसींगारा।
जटामुकुटसीरमौरसवांरा
कुंडलकंकनपहीरेब्याला
तनबीभूतीपटकेहरीछाला
ससीललाटसुंदरसीरगंगा
नैनतीनीउपबीतभुजंगा
गरलकंठउरनरसीरमाला
असीवबेखसीवधामकृपाला।

बाल ९

70

करत्रीस्सलग्ग्रनन्यचनवीरा जा
चलेवसहचछीवाजहीवा जा
हेवीशिवमिषस्त्रीयमसका हीं
वासाएकटुलहीनीजगना हीं
वीरत्ववीरंचीक्रमाहीसुरवा ता
चछीनचछीवाहनचलेवरा ता
सुरसमाजसवनातीग्रन पा
नहीवरातदुलहग्रनग पा

दोहा

वीरत्वकहाकसचीहसीतवःचोलीसकलह
॥ सीराजःगावीहगवीबुहोईचलठुसवःनीज
बीजसहीतसमाजा

चौपाई

चरकनहारवरातनना ई
हसीकराइहौंपरपुरजा ई
चीरत्वचचनसनीसुरमसकाने
नीजनीजसैनसह्मिवीलगाने
मनहीमनमोहसमसका हीं
हरीकेचींगवचनहीजा हीं

आतीप्रीश्रवचनसुनतहरीकिरे
स्त्रीगीहीप्रेरीसकलगनरे रे
शिवअनुशासनसुनीसवआए
प्रभुपदजलजसीसतीनुना ए
नानावाहननानावे सा
वीहसेषीचसमाजनीजरे सा
कोउमुषहीनवीपुलमुषका हु
वीनुकरपदकोउवहुपदवा हु
वीपुलनैनकोउनैनवीही ना
रसपुष्टकोउअतीतनषी ना

छंद

तनषीनकोउअतीपीनपावुनकोउअपा
वृनगतीधरेःकमुषनुकरालकपालकरशव
सघशोनीततनकरेःषरस्वानकसुरहीका
लमुषगनवेषअगनीतकोगनेःचहुजीनी
सप्रेतपीशाचजोगीनीजमातीवरनततनही
चनेता सोरठा
नाचहींगावहींगीपमीतरंगनीजतस व

बाल १

हेमवत अतीवीपरीत [illegible] वोलहीवचन
चीचीत्रवीधी

चौपाई

जसदूलहात्तसवनीवरा ता
कौतुकवीवीधीहोहीमगजाता
इहांहीमा[illegible]चलरचेउवीत्ता ना
अतीवीचीत्रनहीजाइवखाना
सैलसकलजहलगीजगमा हीं
लघुवीसालनहीवरनीसीराहीं
वनसागरसवनदीत्तला वा
हीमगीरीसवकहनेवतपठावा
कामरूपसुंदरतनधा री
सहीतसमाजसकलवरना री
गएसकलतुहीनाचलगे हा
गावहीमंगलसहीतसने हा
प्रथमहीगीरीवहुग्रहसंवरा ए
जथाजोगतहंतहसवछा ए
पुरसोभाअवलोकीसुहा ई

लागेलखवीरचीनीपना ॥

छंद

खचुलागीवीथीकीनीपुंताअड़ीलोकीपरसो
भासहीं॥वनवागकुपतड़ागसरीताासुभग
तासवकोकहीं॥मंगलवीपलतोरनपताका
केतुग्रहग्रहसोहहीं॥वनीतापुंजकेसुरूपसुर ॥४
छवीहिथीमुनीमनमोहहीं॥ दोहा
जगहंवाजहअवतरीसोपुरवरनीनजा ॥
रीधीसीधीसंपतीसकल नीतनतनअ
धीकाई ॥ चौपाई

नगरनीकरवराता नीका ॥
पुरवरनरसोभाअधीका ॥
करीवनावसजीवाहननाना
चलेबेनसाहरअगवाना
हीयहरखेसुरासेननीहारी
हरीहीहेरीअसीलअसुघारी
शिशुमाजजचहेयनला गो

बालसं बीडरीचलेवाहनसवभा गे
72 धरिधीरजतंहरेहसया ने
स बालकंबुलैजीवपरा ने
गएभवनपुछहींपीतुमा ता
कहहींवचनभयकंपीतगा ता
कहीएकाहीकहीजाइनवा ता
जमकरधारीकीधौंवरा ता
वरबौराहवदहअसवा रा
व्यालकपालवीभुषनछा रा

छंद

तनछारव्यालकपालभुषनःनगनजटीलभ
यंकराःसंगभुतप्रेतपीचाच जोगीनीवी
कटमुखरजनीचराःजोजीअतरहहीवरात
देखतपुनबडतेकरसहीःदेखीहीसोउमावी
वाहघरघरवातअसलरीकनकही ।

दोहा

समझीमहेससमाजसवजननीजनक
मुसकाहींवालवुझाएवीवीधीवीधीनीडरहो ६
हुडरनाहीं

चौपाई

लै अगवान बरातहि आए
दीए सबहि जनवास सोहाए
मैना सुभ आरती सवारी
संग सुमंगल गावहिं नारी
कंचन थार सोह बर पानी
परछन चली हरहि हरषानी
बीकट बेष रुद्रहि जब देषा
अबलन उर भय भयेउ बीसेषा
भागि भवन पैठीं अति त्रासा
गए महेस जहां जनवासा
मैना हिदै भएउ दुष भारी
लीनी बोलि गीरीराजकुमारी
अधीक सनेह गोद बैठारी
स्याम सरोज नैन भरि बारी
जेहि बीधि तुम्हहि रूप अस दीन्हा
तेहि जड़ बर बाउर कस कीन्हा

छंद

कस कीन्ह बर बौराह बीधि जेहि तुमहिं सुंदर
ताई दई जो फल चहिए सुरतरुहि सो बरबस

पाटि ७३

चवुरहीलागईशातुम्हसौंतगीरीतेगीरी [illegible]पा हि
वूकजैराजलनीधीमहपैरेःघरजाउक्क
६ पजासहौंजग [illegible] ःभ्रीएतवीवाहुनमैंकै

दोहा

म्नइवीकलम्ववलसकलःदुधीतेहवीगीरी
नारिःकरीवीलापरोहृती [illegible] स्तासने
हनीहारी॥ चौपाई

नारहकरमैकाहवीगा॥ रा
म्वुनमोरजेहिवसतछजा॥ रा
म्सउपदेसउमहीजे [illegible]ही॥ कौ
वौरवरहीलागीतपुकी॥ हो
सांचेकुउन्हकेमोहनमाए॥ म्ना
उदासीनधनधामनजाए॥ म्ना
परघरघालकलाजनली॥ रा
वांहृधीजानेप्रसवतीकैपी॥ रा
जनवीहीवीधकवूीलोकीम्नवानी
वोलीजतवीवेकम्रदुधा॥ नी
म्नसवीचारीसोचमतीमा॥ ता
सोनरौजोरचेवीधा॥ ता

कर्मलीपाजोवर्छरनां ह
तौकसहोषलगाइऐका ह
तुम्हसनमीरहीकीषीषीकेअं का
मातुमीचपजनीलिहकलंका

छंद

जनीलेहुमातुकलंककचरााापरीहरहुअव
सरनहीः दुषसुषलीप्यालीलारहमरेःजा
वजहापाछवसहीःसुनीछमावचनवीदी
तकोभवसकलअवलासोचहीःवकुमा
तीवीषीहीलगाइदुसनःनेनवारीवीमो
चहीा

दोहा

तेहीअवसरनारहसहीतःअनरीषीसप्रसमेत
समाचारसुनीतुहीनगीरीःगवनेतुरीतनीकेत

चौपाई

तवनारदसवहीसमझा वा
पुरवकथाप्रसंगासुना वा
मैनासात्पसुनहुभमवा नी
जगहंवातवसताभवा नी
अजअनाहीसक्तिअवीनासी नी
सदासंगअरधंगनीवासी नी

बाल० ७९

74

जगसंभवपालनलयकारनी
नीजलीलाइछावपुधारनी
जन्मीप्रथमदछगृहजाई
नामसतीसुंदरतनुपाई
तहहुसतीसंकरहीबीवाही
कथाप्रसीधसकलजगमांही
एकवारआवततशिवसंग
देखेउरघुकुलकमलपतंग
भएउमोहसीवकहानकीन्हा।
भ्रमवशवेषसीयकरलीन्हा।

छंद

सीयवेषसतीजोकीन्हतेहीअपराधसंक
रपरीहरीःहरबीरहजाइबहोरीपीतुकेज
ग्यजोगानलजरीःअबजन्मतुम्हरेलवृत
नीजपतीलागीकठीनतपुकीयाःअसज।
नीसंसयतजहुगीरीजासर्वदासंकरप्रीया।

दोहा

सुनीनारदकेवचनतवसवकरमीटावि
षादःछीनमहुव्यापेउसकलपुरःघरघरएह
संवाद

चौपाई

तबमैनाहिमवंतअनंदे
पुनीपुनीपारबतीपदबंदे
नारिपुरुषसीसुजुवासेयाने
नगरलोगसबअतीहरषाने
लगेहोनपुरमंगलगाना
सजेसबहीहाटकघटनाना
भांतीअनेकभएजेवनारा
सूपशास्त्रसबबीधीब्योहारा
सोजेवनारकीजाइबखानी
बसहीभवनजेहींमातुभवानी
सादरबोलेसकलबराती
बीस्नबीरंचीदेवसबजाती
बीबीधीपांतीबैठेजेवनारा
लगेपरोसननीपुनसुवारा
नारीबृंदसुरजेंवतजानी
लागिहिनगारीम्रीदुबानी

छंद

गारी गारीमधुरस्वरदेहिंसुंदरिव्यंगवचनसुनावहीं
भोजनकरहिंसुरअतीविलंबबीनोदसुनी
सुषपावहिं: जेंवतजोवढोअनंदसोमु
षकोटीहुनपरेकहीं: अचवाएदीन्हेपान
75 गवनेवासजाकहजहांरहीं: — दोहा
२१५ बहुरीमुनीन्हहिमवंतकहलगनसुनाईआइ
समैबीलोकीबीबाहकर: पठएदेवबुलाइ

चौपाई

बोलीसकलसुरसादरलीन्हे
सबहिजथोचीतआसनदीन्हे
वेदीवेदवीधानसवारी
सुभगसुमंगलगावहिंनारी
सींहासनअतीदीव्यसोहाइ
जाइनवरनीवीरंचीबनाइ
वैठेशिववीप्रनहसीरुनाइ
हिर्देसुमीरीनीजप्रभुरघुराइ
[illegible]इ
बहुरीमुनीसनउमाबुलाइ
करीसींगारसषीलेआइ

हेयतरूपसकलसरमो हे
वरनैस्रुवीकासजगकवीको हे
जगरंवीकाजानीअवघा मा
सुरहीमनहीमनकीन्हप्रणा मा
सैहैतामरजाइअवा नी
जाइबकोटी [illegible] कुयहनवणा नी

छंद ।

कोटीवहनन्हीवनैवरनाःजगज
नीसोन्नामहः सकुचहीकृत भ्र
तीसेषसारहः मंहमतीनुलीकहै सी
छुवीण्यानीमानुन्नवानीगवनी
मस्वीमेंडपाशिभजहां ॥
मवीलीकीसकहीनसकुचपती
पहकमलमनमयेकरत हैं

दोहा

मनीमानसासनगानपतीहिः पुजेकशंम्भवानी
कोउसबीसंसैकरेजनीः सरग्रनाहीप्नीएजाती

चौपाई

वालि९६

जसचीवाहकेचीघीभृतीगा इ
महांमुनीन्हसोसवकावा इ
गहीगीरीशाकुशाकन्यापा नी
अवहीसमेधीजानीअपा नी
पानीग्रहनजाचकीन्हमोह सा
सिएहरष्येतवसकलसरे सा
वेहमंयमनवाछ्छुरं हि
जैजैजैसंकरसुरकर हि
वाजहींवाजनवीवीधीवीधाना
सुमनवृष्टीनभभैवीधीनाना
हरीगीरीजाकरन्लएकवीवा हु
सकलभवुनन्नरीरहाछ्छा हु
हासीहासतुरंगरथना गा
घेनवसनमनीयस्तुवीभा गा
कंबकनककन्याजननरीजा ना
हाइजहीन्हनजाइवष्पा ना

छं६

हाइजहीषवकन्यांजीपुनीकाजोरीहीमलधु
केहवो:काहेकपुरराकामसंकरचरनपंकज

५

गहीरेषोः गिरिकीपात्रनागारससुरकरसंतोष्यस
सबभांतीहीकीवोः पुनीपदगोहपाथोजमैनाप्रेम
परीपुरनहीषोः

दोहा

नाथउमाममप्रानसमग्रीहीकींकरीकरेहुःछ
महुसकलअपराधअबःहोइप्रसंन्नबरदे हु

चौपाइ

बहुबीधीसंभसासुसमझा ई
गवने [illegible] भवनचरनसीरना ई
जननीऊमाबोलीतबली न्ही
लेइउछंगसुंदरसीष्यदी न्ही
करेहुसदासंकरपदपू जा
नारीधर्मपतीदेवनदू जा
बचनकहतभरेलोचनबा री
बहुरीलाइउरलीन्हीकुमा री
कतबीधीसीरजानारीजगमाहीं
पराधीनसपनेहुसुख ना हीं
भैअतीप्रेमबीकलमहता री
धीरजकीन्हकुसमैएबीचा री
पुनीपुनीमीलतपरतगहीचरना
परमप्रेमनहीजाइनबर ना

चौपाई सवनारीन्हमीलीलीन्हेलवाा नी
जाइ्जननीपरपुनसपरा नी
छंद
जननीहिअबहुरीमीलीचलीःउचीतन्हासीस
सवकहइंदूःकीरीकीरीवीलाकत्तमातुत्तन
तवसखीलीसीवपहगईःजावकसकलसंतो
षसंकरखमासहीतवनवहीचलेःतवको
मरहरसेसुमनवरखीःनीसानननवाजेधदे
दोहा
चलेसंगहीमयंततवःपहुंचावबकत्तहीहतु
वीवीघीभांतीपरीतोष्णकरीःवीदाकीनवृ
षकेतुःगाः
चौपाई
तुरतभवनकाएगीरीरा ई
सकलसैलसरहीएवुला ई
काहवदानवीनएचहमा ना
सवकरवीदाकीन्हहीमवाना
जवहीसंभकल्यासहीआए
सरसवनीजनीजकाजसीघा
जगतमातुपीतुसंभवानी

तेहीगीरीजासनकहेउबषानी

देषतरूपसकलसुरमो हे

बरनैछबीअसजगकबीको है

जगदंबीकाजानीभवभा मा

सुरनमनहीमनकीन्हप्रनामा

करहीबीबीधीबीधीभोगबीलासा

गननसमेतबसहींकैला सा

हरगीरीजाबीहारनीतनए उ

एहीबीधीबीपुलकालचलीगएउ

तबजनमेउषटबदनकुमा रा

तारकअसुरसमरजेहीमा रा

आगमनीगमप्रसीधपुरा ना

षनमुषजनमसकलजगजाना

छंद

जगजानषनमुष जनमकरमप्रतापपुरषार
थमहा॥तेहीहेतुमैबृषकेतुसुतकरचरीत्रसं
छेपहीकहा॥एहउमासंभुबीवाहजेनरना
रीकहहींजेगावहीं॥कल्यानकाजबीवाहमं
गलसर्बदासुषपावहीं॥ दोहा
चरीतसींधुगीरीजारमनबेदनपावहीपा र

बाल॰ बरनै तुलसीदास कीमी: अती मती मंद गंवार

चौपाई

संभु चरीत सुनी सरस सोहा वा
भारद्वाज मुनी अती सुख पावा
बहु लालसा कथा पर बा ढी
नैनन नीर रोमावली ठा ढी
प्रेम बीवस मुख आव न बा नी
दसा देखी हरखे मुनी ज्ञा नी
अहो धन्य तव जन्म मुनी सा
तुम्हहीं प्रान सम प्रीय गौरी सा
सीव पद कमल जीन्हहीं रती ना हीं
रामहीं ते सपने न सोहा हीं
बीनु छल बीस्वनाथ पद ने हू
राम भक्त कर लच्छन ए हू
सीव सम को रघुपती ब्रतधा री
बीनु अघ तजी सती अस ना री
प्रन करी रघुपती भक्ति दिखा ई
को सीव सम [illegible] रामहीं प्या ई

दोहा

प्रथम कहीमैशीवचरीत्र:वुझामर्मतुम्हार
सुचीसेवुकतुमरामके:राहीतसमस्तवीकार

चौपाई

मैजानातुम्हारगुनसी ला
कहौंसुनहुअवरघु पतीलीला
सुनीमुनीआजसमागमतो रे
कहीनजाइजससुषमनमो रे
रामचरीतअतीअमीतमुनीसा
कहीनसकहींशतकोटीअहीसा
तदपीजथाश्रुतीकहौंवखा नी
सुमीरीरमापतीप्रभुधनपा नी
सारदहारुनारीसमस्वा मी
रामसुत्रधरअंतरजा मी
जेहीपरकृपाकरहीजनजा नी
कवीउरअजीरनचावहींवानी
प्रनवौसोइकृपालरघुना था
वरनौवीसदतासुगुनगां था
परमरम्यगीरीवरकैला सु
सदाजहांशिवउमानीवा सु

बाल७९

दोहा

सीधतपोधनजोगजनसुरकीनरमनीव्रीद
वसहीतहांसुक्रीतीसकलसेवहीसीवसु

चौपाइ ॥षकंद

हरीहरवीमुखधर्मरतीना — ही
तेनरतहंसपनेहुनहीजा — हीं
तेहीगीरीपरवटवीटपवीशाला
नीतनुतनसुंदरसबका — ला
त्रीवीधसमीरसुसीतलछाया
शिववीश्रामवीटपश्रुतीगा — या
एकवारतेहीतरप्रभुगये — उ
तरुवीलोकीउरअतीसुषभयेउ
नीजकरडासीनागरीपुछा — ला
वैठेसहजहीसंभुकृपा — ला
कुंदइंदुदरगौरसरी — रा
भुजप्रलंबपरीधनमनीचीरा
तरुनअरुनअंबुजसमचरना
नषदुतीभगतहृदयतमहर — ना
भुजगभूतीभुषनत्रीपुरा — री

आननसरदचंद्रछबिहा   री

दोहा

जटामुकुटसुरसरीतसीरःलोचननलीनवीसाल
नीलकंठलाव[illegible]नीधीःसोह वालवीधुभाल

चौपाई

वैठेसोहकामकरीकै   से
धरेसरीरशांतरसजै   से
पारवतीभलअवसरजा   नी
गइसंभुपहिमातुभवा   नी
जानीप्रीआआदरअतीकीन्हा
वामभागआसनहरदी   न्हा
वैठीसीवसमीपहरषा   ई
पुर्वजन्म[illegible]कथाचीतआ   ई
पतीहीऐहेतुअधीकअनुमा नी
वीहसीउमावोलीप्रीयवा   नी
कथाजोसकललोकहितकारी
सोइपुछनचहसैलकुमा   री
वीस्वानाथममनाथपुरा   री

चालरु श्रीमद्भवनमहीमाचीहीत्तनुम्हारी
चारुमनकन्यचरनागनरहे वा।
सकलकरहीपहपंकजसे वा।

दोहा

प्रभुसमरथसारवगपसीवः सकलकलगुनधाम।
जोगग्यानवैरागनीधीः प्रनतकलपतरुनाम।

चौपाई

जोमोपरप्रसन्नसुखरा सी
जानीऐमोहीसहनीजहासी
तौप्रभुहरहुमोरअग्या ना।
कहीरघुनाथकथावीधीनाना।
जासुभवनसरतरुतरहो ई
सहीकीहहीदुखजनीतहुघसोई
शशीभूषनअसहृदयवीचारी
हरहुनाथममवीमतीभारी
प्रभुजेमुनपरमारथवा दी
कहंहीरामकहुप्रनहमनानाही
शेशसारहावेहपुरा ना

सकलरहिरघुपतीगुनगा ना।
तुमपुनीरामरामहोनरा ती
साहरजपहींकानंगकारा ती
रामसुकावृधीव्रीपतीसुससोई
कीकाजकागुरागकालषगतीकोई

दोहा

जोव्रीपतनऐतवृम्हकीमीःनारीवीरहमतीभोरी
हेषीचरीतमहीमासुनतःभ्रमतवुध्धीकातीमोरी

चौपाई

जौकनीहवीयापकवीलके। ६
कहहुवुद्दाइनाथमोहींसोऊ
काजाजानीरीसछराजीमधारहु
जुहींवीधीमोहमीटैसोाइकरहु
मैवनहीघरामप्रभुता ई
अतीसीवीकलनतुम्हींसुनाई
तदपीमलीनमनवोधनआवा
सोकलजलीलोतीतमपा वा
आजहुंकखुसंसऐमनमो रे

बाल

करहुकृपाबीनवौकरजो रे
प्रभुजबमोहिंबहुभांतीप्रबोधा।
नाथसोसमुझिकरहुजनिक्रोधा।।
तवकरअसबीमोहअबनाहीं
रामकथापररुचीमनमा हीं
४ । कहहुपुनीतरामगुनगा था
भुजंगराजभूषनसुरनाथा

दोहा

बंदौपदधरीधरनीसीरःबीनैकरौकरजोरी
बरनौरघुबरबीसदजसःश्रुतीसीधांतनी चोरी

चौपाई

जदपीजोषीताअनअधीका री
दासीमनक्रमबचनतुम्हा री
गुढौततपनसाधुदुरा वें
आरतअधीकारीजहांपा वें
अतीआरतपुछौंसुरराऐ ।।
रघुपतीकथाकहहुकरीदऐ।।
प्रथमसोकारनकहौबीचा री
नीरगुनब्रह्मसगुनबपधा री

पुनीप्रभुकहहुरामअवता रा
बालचरीत्तपुनीकहहुउदा रा
कहौजथाजानकीबीवा ह
राजतजेसोदुसनकाह ॥
बनबसकीन्हचरीत्रअपा रा
कहहुनाथजीमरावनमा रा
राजबैठकीन्हेबहुली ला
सकलकहहुसंकरसुखसीला

दोहा

बहुरीकहौकरुनायतनःकीन्हजोअचरजराम
प्रजासहीतरघुबंसमनीःकीमगवनेनीजधाम

चौपाई

पुनीप्रभुकहहुसोतत्तबखानी
जेहिबीज्ञानमगनमुनज्ञानी
भक्तज्ञानबीज्ञानबीरा गा॥
पुनीप्रभुबरनौंसहीतबीभा गा॥
औरौरामरहसअने का
कहहुनाथअतीबीमलबीबे का॥
जोप्रभुमैपुछानहीहो ई

सोहैभालरासोजीनगो ६

तुम्हत्रीभुवनगुरुवेदवखाना।

आ॰नजीवपांवरकाजाना।

परस्नउमाकेसहजसोहाई

छलवीहीनसुनीसीवमनभाई

हरहीएरामचरीतसबआए

प्रेमपुलकलोचनजलछाए

श्रीरघुनाथरूपउरआवा।

परमानंदअमीतसुषपावा।

दोहा

मंगनध्यानरसदंडजुगःपुनीमनवाहरकीन्ह

रघुपतीचरीतमहेसतवःहरषीतवरनेलीन्ह

चौपाई

झूठौसत्यजाहीवीनुजाने

जीमभुजंगवीनरजुपहीचाने

जेहीजानेजगजाइहेराई

जागेजथासपनभ्रमजाई

वंदौवालरूपसोइरामू

सबबीधीसुलभजपतजेहीनाम

मंगलभवनअमंगलहारी

द्रवौसोदसरथअजीरबीहारी

करीप्रनामरामहींत्रीपुरारी

हरषीसुधासमगीराउचारी

धंन्यधंन्यगीरीराजकुमारी

तुम्हसमाननहींकोउउपकारी

पुछेहुरघुपतीकथाप्रसंगा

सकललोकजगपावनगंगा

तुम्हरघुबीरचरनअनरागी

कीन्हहुप्रस्नजगतहीतलागी

दोहा

रामक्रपातेगीरीजासपनेहुतवमनमाहीं

सोकमोहसंदेहभ्रमःममबीचारकछुनाहीं

चौपाई

तदपीअसंकाकीन्हीहुसोई

कहतसुनतसबकरहीतहोई

बालका

83

जीन्हहरीकथासुनीनहीकाना॥
श्रवनरंध्रअहीभवनसमा ना॥
नएनहीसंतदरसनहीदे खा॥
लोचनमोरपंखकरले खा॥
तेसीरकटुतुंबरीसमतू ला॥
जेननमतहरिगुरपदमू ला॥
जीनहरिभक्तिह्रीदयनहीआनी॥
जीवतसवसमानतेप्रा नी॥
जोनहीकरैरामगुनगा ना॥
जीहसदादुरजीहसमा ना॥
कुलीशकठोरनीठुरसोइछाती॥
चरी :सुनीहरीतनजोहरषा ती॥
गीरीजासुनहुरामकेली ला॥
सुरहीतदनुजवीमोहनशीला॥

दोहा

रामकथासुरधेनसमःसेवतसवसुखदानी
संतस[illegible]सुरलोकसवःकोनसुनेअसजा नी॥

चौपाई

रामकथासुंदरकरता री
संसऐबीहंगउडावनिहा री
रामकथाकलीबीटपकुठा री
सादरसुनगीरीराजकुमा री
रामनामगुनचरीतसोहा ए
जनमकरमअगनीतश्रुतीगा ए
जथाअनंतरामभगवा ना
तथाकथाकीरतीगुनना ना
तदपीजथाश्रुतजसीमतीमोरी
कहीहौंदेखीप्रीतीअतीतो री
उमाप्रश्नतवसहजसुहा ई
सुखदसंतसंमतमोहीभा ई
एकबातनहींमोहींसोहा नी
जदपीमोहबसकहेहुभवा नी
तुमजोकहारामकोउआ ना
जेहीश्रुतीगावधरहींमुनीध्यान।

दोहा

कहहीसुनहीअसअधमनरःग्रसेजेमोहपीसाच

पाषंडीहरीपदवीमुषःजानहीझूठनसांच

चौपाई

अग्यअकोवीदअंधअभा गी।
काईवीषयमुकुरमनला गी।
लंपटकपटीकुटीलवीसे षी।
सपनेसंतसमाजनहिदे षी।
कहहीतेवेदअसंमतवा नी।
जीन्हकेसुझलाभनहीहा नी।
मुकुरमलीनअरुनएनवीहीना।
रामरूपकीमदेषहीदी ना।
जीनकेअगुनसगुनवीवे का।
जल्पहीकलपतवचनअने का।
हरीमायावसजगतभ्रमाहीं।
तीन्हहींकहतकछुअघटीतनाहीं।
वातुलभुतवीवसमतवा रे।
तेनहीवोलहींवचनवीचा रे।
जीनकृतमाहमोहमदपा ना।
तीन्हकरकहाकरीएनहीका ना।

सोरठा

कासनीजहृदयेवीचारी॥तजसंसैभजराममपद

सुनुगीरीराजकुमारि॥भ्रंमतमरवीकरवचनमम

चौपाई

सगुनहिअगुनहिनहिकछुभेद॥

गावहिंमुनीपुरानबुधबे दा॥

अगुनअरुपअलखअजजोई॥

भक्तप्रेमवससगुनसोहो ई॥

सोगुनरहतसगुनसोइकै से

जलहीमउपलबीलगनहीजै से वी

जासनामभ्रमतीमीरपतं गा॥

तेकीमीकहहींवीमोहप्रसं गा॥

जै [illegible] सच्चीदानंद [illegible] ने सा॥

नहीतहांमोहनीसालवले सा॥

सहजप्रकासरुपभगवा ना॥

नहीतहांपुनीवीग्यानवीहान॥

हरषीवीषादग्यानअग्यां ना॥

जीवधर्मअहमीतीअभीमा ना॥

बालकांड

85

रामब्रह्मब्यापकजगजा ना।
परमानंदप्रेसपुरा ना।

दोहा

पुरुषप्रसीधप्रकासनीधीःप्रगटपरा [illegible] वरनाथ
रघुकुलमनीममनाथसोइ कहीसीवनाएउमाथ

चौपाइ

नीजभ्रमनहींसमुझहींअग्यानी
प्रभुप्रमोहधरहींजड़प्रा नी
जथागगनघनपटलनीहा री
झंपेउभानुकहहिंकुबीचा री
चीतवजोलोचनअंगुलीला ए
प्रगटजुगलससीतीनकेभा ए
उमारामबीषइकअसमो हा
नभतमधू [illegible] मधूरीजीमसो हा
बीषयकरनसुरजीवसमे ता
सकलएकतेंएकसचे ता
सबकरपरमप्रकासकजो ई
रामअनादीअवधपतीसो ई

जगतप्रकाश्यकरघुपतीरा मू
मायाधीसग्यानगुनधा मू
जासुसत्यतातेंजड़मा या
भाससत्यइवमोहसहा या

दोहा

रजतसीपमहुँभासजीमीःजथाभानुकरबारी
जदपीमृषातीहुँकालसोइःभ्रमनसकैकोउटारी

चौपाई

ऐहीबीधीजगहरीआस्रतरह ई
जदपीअसत्यदेतदुखअह ई
जौंसपनेंसींकाटैको ई
बीनजागैंनदूरीदुखहो ई
जासुकृपाअसभ्रममीटजा ई
गीरीजासोइकृपालरघुरा ई
आहीअंतकोउजासुनपा वा
मतीअनुमाननीगमअसगा वा
बीनुपदचलैसुनैबीनका ना
करबीनुकर्मकरैबहुना ना

आननरहितसकलरसभो गी
बीनुबानीबकताबडजो गी
तनबीनुपरसनएनबीनदे खा
ग्रहैघ्रानबीनुबासअसे षा
असीसबभांतीअलौकीककर नी
महीमाजासुजाइनहीबर नी

८०

दोहा

जेहिइमीगावहिबेदबुधजाहिधरहिमुनिध्यान
सोइदसरथसुतभगतहितकौसलपतीभगवान

चौपाइ

कासीमरतजंतुअवलो की
जासुनामबलकरौबीसो की
सोइप्रभुमोरचराचरस्वा मी
रघुबरसबउरअंतरजा मी
बीबसहुजासुनामनरक हहीं
जनमअनेकसंचीतअघद हहीं
सादरसुमीरनजेनरक रहीं
भवबारीधीगोपदइवत रहीं

रामसोपरमात्माभवा नी
जहभ्रमअतीअवीहीततवबा नी
अससंसएआनतउरमा हि
ग्यानवीराँसकलगुनजा हि
सुनीसीवकेभ्रमभंजनवचन
मीटीगैसवकुतर्ककैरच ना
भइरघुपतीपदप्रीतीप्रती ती
दारुनअसंभावनावी ती

दोहा

पुनीपुनीप्रभुपदकमलगहीःजोरीपंकरुहपानी।
बोलीगीरीजाबचनवरःमनहुप्रेमरससानी।

चौपाई

शशिकरसमसुनीगीरातुम्हा री
मीटामोहशरदातपभा री
तुम्हकृपालसवसंसएहरे उ ५
रामस्वरुपजानीमोहीपरे उ
नाथकृपाअवगएउवीषा दा
सुखीभएउँप्रभुचरनप्रसा दा

87

अवमोहिआपनीकींकरीजा नी

जदपीसहजजड़नारीअया नी

प्रथमजोमैंपुछासोइकह हु

जोमोपरप्रसंन्नप्रभुअह हु

रामब्रह्मचीनमैअवीना सी

सर्वरहितसबउरपुरबा सी

नाथधरेउनरतनकेहिहे तु

मोहिसमुझाइकहहुब्रषके तु

उमावचनसुनीपरमवीनी ता

रामकथापरप्रीतीपुनी ता

दोहा

हीयंहरखेकामारीतव:संकरसहजसुजान

बहुवीधीउमहीप्रसंसीपुनी:वोलेकृपानी

सोरठा धान

सुनसुभकथाभवानी:रामचरीतमानसवीमल

कहाभुसुंडीवखानी:सुनवीहगनाएकगरु

सोसंवादउदार:जेहीवीधीभाआगेकहव

सुनहुरामअवतार:चरीतपरमसुंदरअन

घ:हरीगुननामअपार:कथारूपअगनी

नीतक्रमीतःमैनीजमतीअनुसारःकहौं
उमासाहरसुनहु ——— चौपाई
सुनीगीरीजाहरीचरीतसोहाए
बीपुलबीसदनीगमागमगाए
हरीअवतारहेतुजेहीसो ई
इदमीथ्यंकहीजाइनको ई
रामअतर्क्यबुद्धीमनवा नी
मतहमारअससुनहसया नी
तदपीसंतमनीवेदपुरा नी
जसकछुकहहीसुमतीअनुमाना
तसमैसुमुखीसुनवौंतो हीं
समुझीपरैजसकारनमो हीं
जबजबहोइधर्मकैहा नी
बाढहीअसुरअधमअभीमा नी
करहीअनीतीजाइनहीबर नी
सीदहींबीप्रधेनसुरधर नी
तबतबप्रभुधरीबीबीधसरी रा
हरहीकृपानीधीसज्जनपी रा

वाराह

88

दोहा

असुरमारीथापहीसुरन्हःराषहींनीजश्रुतीसेतु

जगविस्तारहींवीसदजसःरामजन्मकरहे तु

चौपाइ

सोइजसगाइभक्तभवतर हीं

५ कृपासींधुजनहींततनुधर हीं

रामजन्मकेहेतुअने का

परमवीचीत्रऐकतेऐ का

जन्मऐकदुइकहौवखा नी

सवाधानसुनसुमतीभवा नी

द्वारपालहरकेप्रियदो ऊ

जैअरुवीजेजानसवको ऊ

वीप्रस्रापतेदोनोभा ई

तामसअसुरदेहजीन्हपा ई

कनककशीपुअरुहाटकलोच न

जगतवीदीतसुरपतीमदमोच न

वीजयीवीरसमरवीख्या ता

धरीवराहवपुऐकनीपा ता

होइनरहरीदुसरपुनीमा रा
जनप्रह्लादसुजसवीस्ता रा

दोहा

भऐनीसाचरजा[illegible]तेइ महावीरवलवा न
कुंभकरनारावनसुभटसुरवीजइजगजान

चौपाई

मुक्तिनभऐहतेभगवा ना
तीनजन्मदीजवचनप्र[illegible] ना
एकवारतीन्हकेहितला गी
धरेउसरीरभक्तअनुरा गी
कस्यपअदीतीतहांपीतुमाता
दसरथकौसल्यावीख्या ता
एककल्पऐहीवीधीअवता रा
चरीतपवीत्रकीऐसंसा रा
एककल्पसुरदेखीदुखा रे
समरजलंधरसनसवहा रे
सं[illegible]कीन्हसंग्रामअपा रा
दनुजमहावलमरैनमा रा
परमसतीअसुराधीपना री
जेहीवलताहिनजीतपुरा री

बाल ९९

दोहा

छलीकरीटारेतासुव्रतप्रभुसुरकारजकीन्ह
जवतेहजानेउमरमतवश्रापकोपकरीदीन्ह

चौपाई

तासुश्रापहरीदीन्हप्रमाना
कौतुकनीधीकृपालभगवाना।
तहांजलंधररावनभयऊ
रनहतीरामपरमपददयऊ
एकजन्मकरकारनएहा
जेहिलगीरामधरीनरदेहा
प्रतीअवतारकथाप्रभुकेरी
सुनीमुनीवरनीकवीनघनेरी।
नारदश्रापदीन्हएकवारा
कलपएकतेहिलगीअवतारा।
गीरीजाचकृतभइसुनीवानी
नारदवीस्नुभक्तमुनीग्यानी
कारनकवनश्रापमुनीदीन्हा
काअपराधरमापतीकीन्हा।
एहीप्रसंगमोहीकहहुपुरारी
मुनीमनमोहआचरजभारी सो।

दोहा

चोलेचीहसीमहेसत्तववज्ञानीमु छनकोई

जेहीछनतरचुपतीकरहीजसःसोतसतीह

सोरठा छनहोई

करौरामगुनगाथःनारद्याजसारसुनहु

नवलंजनरघुनाथःजपतुलसीतजीम।

चोपाइ नमह

हिमगीरिगुहाएकअतीपावनी

बहेसमीपसुरसरीसोहावनी

आस्रमपर्मपपुनीतसोहवा

देखीदेवरीषीमनअतीभावा

नीरखीसैलसरोवीपीनीवीभा॥

भएघोरमापतीपदकमलनराग॥

समीरतहरीहीस्रापगतीबाधी

सहजवीमलमनलागीसमाधी

मनोगतीहरखीसुरेसडरा ना

कामहीबोलीलीन्हसनमाना

सहीतसहाइजाहुमम हे तु

चलेहरखीहीअंजलचाके तु

सुनासीरमनमहअसत्रा सा

चौ २ चाहतद्देवरीषीममपुरवा सा
जेकामीलोलुपजगमा हीं
कुटीलकाकएवसवहीडरा हीं

दोहा

90 सुषहाडलैभागसठस्वाननीरषीमृगराज
छीनीलेइजनि जानीजडतीमीसुरपतीनलाज

चौपाई

तेहिआश्रमहिमदनजवगएउ
नीजमाएवसंतनीरमये उ
कुसुमीतवीवीधवीटपवहुरंगा
प. कूजहि कोकीलगुंजहिभ्रींगा
चलीसोहावनत्रीवीधीवयारी
कामकृसानवढावनीहा री
रंभादीकसुरनारीनवी ना
सकलअसमसरकलाप्रवीना
करहीगानवहुतानतरं गा
वहुवीधीक्रीडहीपानीपतं गा
देषीसहायमदनहरषा ना
कीन्हेसीपनीप्रपंचवीधीनाना

कांमकलाकछुमनीहीनव्यापी
नीजलजघरेरुमनोलवुपापी
सीमक्षियांपीहाकेकोऊता सु
चरुखवारमापतीजा स

दोहा

सहितसहाईसन्नीतन्जातीः मानीहारीनमदन
गहेसीजाईमनीचरनः कहीसहीभारतवचन १८

चौपाई

नहनन्नाईमनकछुरो धा
कहीप्रीऐवचनकोमपरीतो धा
नाइचरनसीनक्काएसपा ए
गएछमहनतवसहीतसहा ए
मनीसुसीलताक्कापनीकर नी
सरपतीसलाजाइसवचर नी
सुनीसवकेमनक्कचरजकस चु
मनीहीप्रसंसीहरीहीसीना चु
सवनाएगवुनेश्रीचुपा हीं
जीताकोंच्चहमोतीमनमा हीं
मारचरीतसंकहीसुना ए

91

आतीप्रीयजानीमोहेंसीया ए
वारवारचीनवो [illegible] मनीतो हीं
जीमीएहकथासुनाएहुमो हीं
तीमीजनीहरीहीसुनाएहुकवहुं
चलेप्रसंगदुराएहुतवहुं ।।

दोहा

संन्तहीनहंपेहसहीतः नहींनारहहीसोहा त
नारघ्राजकौतुकसुनहुः हरीइंछावलवान

चोपाइ

रामकीन्हचाहहींजसहो ई
करैअन्नमीथ्याकासनहींको ई
संन्तवचनमनीमनहींमा ए
तवबीरंचीकेलोकसीधा ए
ऐकवारकरतलसवबी ना
गावतहरीगुनगानप्रवी ना
छीरसींधुगवनेमनीना था
जहबसश्रीनेवासश्रुतीमा था
हरखीमीलेउठीरमानीके ता
वैठेआसनरीखाहीसमे ता
बोलेवीहसीचाराचरराए था

बहुतदीनन्हकीनमुनीहाए॥
कांमचरीतनारदसभषा षे
जद्यपीप्रथमबरजीशीवरा खे
अतीप्रचंडरघुपतीकैमाऐया।
जेहीनमोहअसकोजगजाया।

दोहा

सूखवदनकरीवचनम्रदुःबोलेश्रीभगवान
तुम्हरेसमरनतेंमीटहीं:मोरमा[illegible]मदमान॥

चौपाई

सुनीमुनीमोहहोइमनता के
ज्ञानवीरागहृदैनहीजा के
ब्रह्मचरजव्रतरतमतीधी रा
तुमहीकीकरैमनोभवपी रा
नारदकहेउसहीतअभीमान॥
कृपातुम्हारीसकलभगवान॥
करुनानीधीमनदेखबीचा री
उरअंकुरेउगरबतरुभा री
बेगीसोमैडारीहौउपा री
[illegible]नहमारसेवकहीतका री

मनीकरहीतममकौतुकहो ई
अवसीउपायकरबमैसो ई
तबनारदहरीपदसीरना ई
चलेह्रदयअहमीती अधीकाई
श्रीपतीनीजमायातबप्रे री
गीरीजासुनकरनीतहीके री

दोहा

बीरचेउमगमहनगरतेहि: सतजोजनबीस्तार
श्रीनीवासपुरतेअधीक: रचनाबीबीधप्रकार॥

चौपाई

बसहीनगरसुंदरनरना री
जनबहुमनसीजरतीतनधारी॥
तेहीपुरबसहीसीलनीधीराजा॥
अगनीतहयगयसेनसमाजा॥
सतसुरेससमबीभवबीलास॥
रुपतेजबलनीतीनीवा स॥
बीस्वामोहनीतासुकुमा री
श्रीबीमोहजसीरुपनीहा री
सोइहरीमायासबगुनषां नी

सोभातासुकीजाइबषा नी
कैसधंवरसोभ्रीपवा ला।
आऐतहंआगनीतमहीपा ला।
मुनीकौतुकीनरत्तहीगऐ ऐ
पुरवासीन्हसवपुछ्नलऐ ऐ
सुनीसवचरीतन्नपग्रहगऐ ऐ
करीपुजान्नीपमनीवैठाऐ ऐ

दोहा

आनीदेषाइनारदहिः भ्रपतीराजकुमा री
कहहुनाथगुनदोषसवः ऐहीकेहृदयवीचा री

चौपाई

देषीरुपमुनीवीरतीवीसा री
वडीवारीलगीरहेनीहा री
लछनतासुवीलोकीभुला ने
हृदयहरषीनहीप्रगटवषा ने
जोएहीवरैअमरसोइहो ई
समरभुमीतेहीजीतनको ई
सेवहींसकलचराचरजा ही
वरैसीलनीधीकन्याता ही

लछनसवचीचारीछरा छे
कछकचनाइलपसलला छे
सुतासुतछराकहिल्लीपपा हीं
नारुचलेसोचमनमा हैं
कसोजाइसोउजतनचीवा री
जेहिपुकारमोहींचौरकुमा री
जपततपकछुनहोइएहिका ला
हेवीघीमीलैकवनचीघीचा ला

दोहा

ऐहिञ्चवसरव्याहाऐपमिः सोल्लाकपवीञा स
सोवीलोकीरीहिकुंवरीःतवमेलैजघमा स

चौपाइ

हरीसनमागोसंहरना ई
होइजतगहलकातीला ई
मोरहितहरीसमनहीको ऊ
ऐहिञ्चवसरसलाइसोहो ऊ
वहचीघीचीनैकानहतेहीका ला
प्रारेछपुलकौतुकीञ्किपा ली
पुलचीलोकीमनीलैनजड़ ने

होइहीकाजहीएहरषा ने

अतीआरतीकहीकथासुना ई

करहुक्रीपाप्रभुहोहुसहा ई

आपनरूपदेहुहरीमो हीं

आनभातीनीहीपावौंओ हीं

जेहीबीधीनाथहोइहीतमो रा

करहुसोबेगीदासमैंतो रा

नीजमायाबलदेखीबीसा ला

हीएहसीबोलेदीनदया ला

दोहा

जेहीबीधीहोइपरमहीत॥ नारदसुनहुतुम्हा र

सोइमैकरबनआनकछु॥ बचननम्रीषाहमार

चौपाई

कुपथमागरुजब्याकुलरो गी

बैदनदेइसुनहुमुनीजो गी

एहीबीधीहीततुम्हारमैंठय ऊ

अस कहीअंतरहीतप्रभुभए ऊ

मायाबीबसभएमुनीमू ढा

समुझीनहीहरीगीरानीगू ढा

बाल ५५

गवनेतहांतरत्त [illegible] भु नीरा रे
जहांसयंवरमंभी [illegible] वना रे
नीजनीजआसनवैठेरा जा
चहुयनायकरीसहीतसमा जा
मुनीमनहरषनपमंतीमो रे
मोहीतजीआन [illegible] चरै [illegible] नलौ रे
मनीहीतकारीश्रीपानीया ना
हीनहकुजपनजाइवषा ना
सोचरीअलषीकाहुनपा षा
नारहजानीसवहीसीनना षा

दोहा

रहतहांदससहगानःतेजानहीसवने के
वीप्रवेषहेसतकीरहीःपरमकौतुकीते के

दोहा

तेहीसमाजमुनीचैठेजा रे
ह्यु [illegible] नपमहमीत [illegible] षीका रे
तहवैठे [illegible] गंगगनहु के
वीप्रवेआतिलक्षुनको के
करहींकुठीनारह [illegible] मुना रे

नीकाहीन्हीहरीसुंदरता ई
रीझहीराजकुंवरीछबीदे षी
इन्हहीबरहीहरीजानीबीसे षी
मुनीहीमोहमनहाथपरा ऐ
हसहींसंभगनअतीसचुपा ऐ
जदपीसुनीमुनीअटपटीबा नी
समझीनपरैबुधीभ्रमसा नी
काहूनलषासोचरीतबीसे षा
सोसरुपनृपकन्यादे षा
मरकटबदनभयंकरदे ही
देषतहृदयक्रोधभातते ही

दोहा

सषीसंगलैकुवंरीतबचलीजनुराजमराल ॥
देषतफीरैमहीपसबकरसरोजजैमाल ॥

चौपाई

जेहीदीसीबैठेनारदफू ली
सोदीसीतेंनबीलोकीभू ली
पुनीपुनीमुनीउकसहींअकुला हीं
देषीदसाहरगनमुसका हीं
धरीनृपतनतहंगएकृपा ला

वास५

95

कुंवरीहरखीमेलीजैमा रा।
दुहनीलैगएदखीनीचा रा।
नीपसमाजसवच्नेएँउनीरा रा।
मनीभातीवीकचमोमंतीता ती
मनीगिरीगएकुरीजनगा ती
तहाँहसमनवोलेमसका कु
नीपमंखमकुरघीलोकहुजा कु
कसकहीहोकलागेलयका री
चहनहीयमनीवारीनीह री
नेमचीलोकीक्रोधकातीवा छा।
तीन्हहींसरापहीन्हकातीमा छा।

दोहा

हेकुनीसाचराजातुम्हःकपटीपापीहो ७
हसेहुहमहींसोलेकुफलःचकुरीहसहुमनीको ७

चौपाई

पुनीजवहीं खनपनीजपा वु।
तहपीहीयखसंतखनका वु।
कारकतन्लधुकोपमनमां हों।
सपहीचलेकमलापतीपां हों।

रहैहोअ्रापकहीमरीहोजा ई
जाताभोरुधहासकरा ई
बीचहींपंथभीलेरुनजा री
संगरमासोइराजकुमा री
बोलेमधुरबचनसुरसा ई
मुनीकल्नचलेवीकलौना ई ४१
सुनातबचनउपजामनको था
लागीघसनरहामनबो घा
प्रसंप्रहासकहनहीहे खी
तुम्हेइरवाकपरधीसे खी
मथतसींधुजडूहींचोरा रे
सन्हप्रेरीघयालकरा रे

दोहा

कसरसराचीघसंकरहीःआपरमामनीचा ३
स्वारथसाधककुटीलतुम्हःसहाकपरब्योहार

चौपाई

पभिरचतंत्रनसीरपारको ई
आवेमनहींकरहुतुम्हसो ई
मलेहुभंहमंहहुनलकर हु

चौसमयहरसनकछुउरधर । हु
प्रहकीप्रहकीवंचेहुसवका । हु
कतीकसंकमनसहाठछा । हु
कंमिसन्नासन्नतुमहीनचा । घा
कवनगीतुमहीनकहुसा । घा
नहेन्नवूनकवचायेनरी । न्हे
पावूकुगेकनन्नापनकी । न्हा
वंचेकुमोहीजीसहीयरीहे । हे
सोजनजनघरहुग्रापममए । हे
कपीकजीतीतुमहकीन्हहमा । री
करीहहींकीससहाग्रतुम्हा । री
ममकपकारकीन्हतुम्हम्मा । री
नारीवीरहतुम्हहोहुदुसा । री

दोहा

ग्रापसीसधरीहरखीहोघेःप्रन्नवकहुचीनतीकीन्ह
नीजमायाकीप्रबलताकरखीकीपनीधीतीन्ह

चौपाई

प्रन्नमायातवदूरीनीवा । री
नहींतहांरमानराजकुमा । री

तवमनीभ्कतीसुनीतहीचर ना।
गहेजाइप्रनतारत हर ना।
भ्रीघाहोउमम श्रापकोपा सा।
ममइछाकेहीनहैया सा।
मैदुरवचनकहेवहुते रे।
कहमनीमेरहींपापकभीमे रे।
जपहुजाइसंकरसतना मा।
होइहिहीह्यतुरतवीश्रा मा।
कोउनहीसीवसमानप्रीयमो रे।
कासपतीतीप्रकाहुजीदीनो रे।
तेहीपरकोपानकरहीपुरा री।
सोनपाइमुनीभगतीहमा री।
कासउरधरीमहीचीचारहुजा ई।
काचतुम्ह [illegible] हीमायानीवारा ई।
दोहा
वहुवीधीमनीहीप्रवोधप्रभः तवभएअंतरध्यान
सतलोकनारदचलेः करतरामगुनगा न
चौपाई
हरगनमुनहीजातपथदे खा।

बीगतमोहमदहरषबीसे षा
कातीसब्लीतनारदपहि आ ऐ
गहीपदआरतबचनसुना ऐ
हरगनहमनबीप्रमनीरा या
चक्रअपराधकीन्हकृपा या
श्रापकन्यग्रहकरहुकोपा सा
चोलेनारदहीनदया सा
९८ नीसचरजाइहोहुतुम्हहे ऊ
बैभवबीपुलतेजबलहे ऊ
भजचलबीस्वजीतबनुम्हजब हीं
धरीहहीबीस्नुमानुजतनतब हीं
समरमरनहरीहाथतुम्हा रा
होइहीमुक्तिनपुनीसंसा रा
चलेजगल्भनीपदसीरन इऐ
भएनीसाचरकल हि पा ऐ

दोहा

एककलपएहीहेतुप्रभु : लीन्हमानजनमवृत्ता र
सुररंजनसज्जनसुखद : हरीभंजनभुवभा र
चौ॥ एहीबीधीजनमकर्महरीके रे

सुहासबसबीचीयचने रे
कल्पकल्पप्रतीप्रभुअवत रहीं
चारुचरितनानाबीधीक रहीं
तबतबकथामनीसनगा ई
परमपुनीतप्रबंधबनसबहा ई
बीबीधप्रसंगअनूपबखा ने
करहीनसुनीआचरजसया ने
हरीअनंतहरीकथाअनं ता
कहहिंसुनहीबहुबीधीसबसं ता
रामचंद्रकेचरीतसोहा ए
कल्पकोटीलगीजाहीनगा ए
एहीप्रसंगमैंकहाभवा नी
हरीमायामोहहीमनीज्ञा नी
प्रभुकौतुकीप्रनतहीतका री
सेवतसुलभसकलदुखहा री

सोरठ

सुरनरमनीकोउनाहीं: जेहीनमोहमायाप्रबल
अससबीचारीमनमाहीं: भजीएमहांमायापतीहि

चौपाई

अपरहेतुसुनसैलकुमा री

बाल॰

18

कहेउबीचीत्रकथाबीसता री
जेहीकारनअजअगुनअरूपा १
ब्रम्हभएकोसलपुरभू पा
जोप्रभुबीपीनफीरततुम्हदे खा
बंधुसमेतधरेमुनीबे षा
जासुचरीतअवलोकीभवानी
सतीसरीररहीहुबौरा नी
अजहुनछायामीटीतुम्हारी
तासुचरीतसुनुभ्रमरुजहा री
लीलाकीन्हजोतेहीअवता रा
सोसबकहीहौमतीअनुसा रा
भरद्वाजसुनीसंकरबा नी
सकुचीसप्रेमउमाहरखा नी
लागेबहुरीबरनैब्रृषकेत ु
सोअवतारभएजेहीहे तु

दोहा

सोमैतुमसोकहेउसब:सुनीमुनीसमनला इ
रामकथाकलीमलहरनीमंगलकरनीसोहा इ

चौपाई

स्वयंभुमनुअरुसतरू पा
तीन्हतेभेनरस्त्रीष्टीअनू पा

दंपतीधर्मआचरननी ॥ का
अजहुंगावश्रुतीजीन्हकेली ॥ का
नृपउतानपादसुतता ॥ सू
ध्रुवहरीभगतभयेउसुतजा ॥ सू
लघुसुतनामप्रीयव्रतता ॥ ही
वेदपुरानप्रसंसहीजा ॥ ही
देवहूतीपुनीतासुकुमा ॥ री
जोमुनीकर्दमकेप्रीयाना ॥ री
आदीदेवप्रभुदीनदया ॥ ला
जठरधरेउजेहीकपीलकृपा ॥ ला
सांख्यसास्त्रजीन्हप्रगटबषा ॥ ना
तत्वबीचारनीपुनभगवा ॥ ना
तेहीमनुराजकीन्हबहुका ॥ ला
प्रभुआयसुसबबीधीप्रतीपा ॥ ला ॥ धी

सोरठ

होउनबीषैबीरागभवनबसतभाचौथेपन
हीहृदयबहुतदुषलागीःजनमगएउहरीभगतिबीनु ॥ १

चौपाई

बरबसराजसुतहीतवही ॥ न्हा

नारीसमेतगयनतचकी रह।
तीरथ [illegible] निमी[illegible]वी ध्या ता
क्षतीपुनीतसाधकसी [illegible] धीहाता।
घसहीतहोमनीसीहंघसमा जा।
तहंहीहरषीचलेउमकारा जा।
पंथजातसोहहीमतीधी रा
ज्ञानभक्तिजनुधरेसरी रा।
पहुंचेजाइघनमती [illegible] ती रा
[illegible] रा
हरषीनहानेनीरमलनी रा
आएमीलनसीधमनीज्ञा नी।
धर्मधुरंधरत्रीपरीखजा नी
जहंजहंतीरथरहेसोहा ए
मनीनहसकलसाहरकरया ए
कीससरीरमनीपहुपरया ना।
संतसभा [illegible] नीतसुनहीपुराना।

दोहा

षपाहूमांत्रंचरमंत्रपुनीःजपहीसहीतअनुराग।।
वामदेवपदपंकजहहइंपतीमनअनुतीवा ग।

करहीं महासाककलंके हा
समरहींबृम्हसखीदाने हा
पुनीहरीहेतुकरनसला गे
चारीकांधारमलकलपा गे
उन्मनीवासनीरंतरहो ई
देखीयतैनपमिप्रकासो ई
मगनकांघंउमनंतामना ही
जेहीचीतहीपरमारथवा ही
नेतीनेतीजेहीवेस्तीन पा।
नीजानंस्तीनपाखीमान पा।
रोन्चरीरंचीवीस्नुलगवा ना।
उपजहीजासुकासतेना ना।
ऐसेउप्रन्नसेवकयसकाह हीं
मकिहेतुलीलातनगह हीं
जोएहवचनसपप्रतीला बा।
तौहमारपुजहीकालीला बा।

दोहा

रहवीधीवीतीवरषबटःसहस्त्रचरीकहार र
समनतसपप्तसहस्त्रपुनीःरहेसमीरकायी र

चौपाई

चौपा॰

१००

चरखसहससहसत्पागोछसो ठ
ठाछेरहेएकपदहो ठ
चीथीहरीहरतपहेखीम्नपा र
मनुसमीपम्नहेवेकुचा र
मागाकुवरचकुम्नांतीलोम्ना हे
पमिथेरिनहीम्चलहीचला हे
म्नस्थमाथ्रहोछरहेम्नारी र
तहपीनमानमहीनहीपी र
प्रम्नसाचजहासनीजजा नी
गतीम्नानबपतापसव्रीरा नी ५
मांगमांगचम्नडूनम्नचा नी
पमिगंम्नीरम्कीपाम्रीतसा नी
म्रीतकजीयावुनीगीरासोहा ऽ
म्रवुनरेपहोइछरजवम्ना हे
रिसु पुस्ततनम्नणसोहा हे
मानकुम्नचहिंम्नवुतेम्ना हे

दोहा

सरवुनसुधासमवच्चनसुनीःपुलकप्रफुल्लीतः
गातः चोलेमनचकहीडंयुतःप्रेमनहीम्रसामु॥

चोपाइ

सुनु सेवकसुरतरुसुरधे नु
बीधीहरीहरबंदीतपदरे नु
सेवकसुलभसकलसुखदाए क
प्रनतपालसचराचरनाए क
जोंअनाथहीतहमपरने हु
तोप्रसंन्नहोइहबरदे हु
जोसरुपबससीवमनमा हीं
जेहीकारनमुनीजतनकरा हीं
जोभुसुंडीमनमानसहं सा।
सगुनअगुनजेहीनीगमप्रसं सा।
देषहीहमसरुपभरीलोच न
क्रीपाकरहुप्रनतारतीमोच न
दंपतीबचनपरमप्रीयला गे
म्रीदुलबीनीतप्रेमरसपा गे
भगतबछलप्रभुक्रीपानीधाना।
बीस्वबासप्रगटेभगवा ना।

दोहा

नीलसरोरुहनीलमनीः नीलनीरधरस्या म

लागहितनसोभानीरधी:कोटीकोटसतकाम

चोपाइ

नीलसरोजहयहन्छबीसी — पो।
चारुकपोलसचीबुकसग्री — पो।
अधरअकरनासुसुंदरना — सा।
सारदमयंकचीतीसकहां — सा।
नवअंबुजअंबकछबीनी — की।
चीतवनीललीतभावतीजी — की।
भ्रीकुटीमनोजचापछबीहा — री।
तीलकललाटपटलदुतीका — री।
कुंडलमकरमकुटसीभ्रा — जा।
कुटीलकेसजनमधुपसमा — जा।
उरश्रीवत्सरुचीरबनमा — ला।
पदीकहारभुषनमनीजा — ला।
केहरीकंधरचारुजने — उ
बांहुबीभुषनसुंदरते — उ
करीकासासमसुभगलुजरं — ड।
कटीतीषंगकरसारकोह — ड।

दोहा

तरीतवीनींहतपीतपरः छ्दरोखचात्ती नी
नात्नीमनोहरलोतजनः जमनम्मंवरच्छचीछ्री

चोपाइ

पवराजीवृवरनीनहीजा ही
जहंमनमधुपवसहीजेहीमा ही
चामन्मागसोन्नीतम्मनकु नी
म्माहीसनिकचपीनीधीजगमस।
जासुम्मांसछपजहीगनवा नी
म्मगनीतलच्छछमावरन्हा नी
म्मीकुरीचीचासजासजगहे ई
रामचामहीससीतासो ई
छचीसमंद्रहरीहरीनपवीलो की
ऐकटकरहैनैनपररो की
चीतवृहीसाहसपम्मन पा
श्रीपुनमानहीमनसतन पा
हरवचीवसतनससाम्नसा नी
परेसंद्युगहीपसपा नी
सीरपरसेप्रभ्ननीजकरवं ना

बाल १२

तुरतउठाऐकनरगा [illegible] पं — जा

दोहा

बोलेक्रीपानीधानपुनीःअतीप्रसन्नमोहिजानी
मागहुबरजोइभावमनःमहादानीअनुमानी

चौपाई

सुनीप्रभुबचनजोरीजुगपा — नी
धरीधीरजबोलेम्रीदुबा — नी
नाथदेखीपदकमलतुम्हा — रे
अबपूरेसबकामहमा — रे
ऐकलालसाबडीउरमा — हीं
सुगमअगमकहीजातीसोना — हीं
तुम्हहींदेतअतीसुगमगोसा — ईं
अगमलागीमोहिनीजक्रीपना — ईं
जथादरीद्रबीबुधतरुपा — ई
बहुसंपतीमागतसकुचा — ई
तासुप्रभाउनजानहिसो — ई
जथाहिरदयममसंसयहो — ई
सोतुम्हजानहुअंतरजा — मी
पुरवहुमोरमनोरथस्वा — मी

१०२

सकुचीबीहासमांगेनीपयो ही
मोरेनहीकोंउकछुतो हि

दोहा

८ दानीसेमनीकोपातीपीराः नाथक हैसतीनाउ
चाहैतुमहैंसमानसुतः प्रभुसनकपुनसुर ७

चौपाई

ऐसीप्रीतिसुनीवचनककामो हे
ऐहमस्तुकरगानीवींवो ये
कपसरीससबोजोकहफा इ
तीपतवततैनयहावभेमका इ
शातगपहिवीलोकीकाजो र
हेवीमागवरजोकचीता रे
जोवक नाथचतुरनीपमा गा
सोइकीपालमोहिमतीप्रीघलागा
प्रभुपरंतुसनीमोरीछीछ इ
जहपीनगाहितनुमाहिसुख इ
तुम्हप्रमादीजनकजगस्वा मी
चन्हसकलउरअंतरजा मी
अससमहृतीमनसंसयहो इ

पान्ह३

107

कहाजौप्रभुप्रयानपुनीसो ई
छेनीजनभक्तिनाथतवगह ही
छोसुसपावहीजोगतीलह ही

दोहा

सोइसुषसोइगतीभगती:सोइनीजचरनसनेहु
सोइबीवेकसोइरहनीप्रभु:हमहीक्रीपाकरीदेहु

चौपाइ

सुनीमुनीहृजछबीरचराच ना
क्रीपासींधुबोलेमुनीदुबच ना
जोकछुरुचीतुम्हरेमनमां ही
मैसोदीन्हसबसंसयना ही
मातुबीवेकअलौकीकतो रे
कबहुंनमीटहीअनुग्रहमो रे
बंदीचरनमनकहउबहो री
अबबरएकबीनतीप्रभुमो री
सुनतबीषइकतवपरसाते हुँ
मोहीबरभुछकहइकीनको हु
मनीबीनकनीजीमीजलबीनमीना॥
ममजीवनतसीतुमहींअधी ना॥

अस बर मागि चरन गहि रहे ऊ

एवमस्तु करुनानिधि कहे ऊ

अब तुम्ह मम अनुसासन मा नी

बसहु जाइ सुरपति रजधा नी

सोरठ

तहँ करि भोग बिलास तात गएँ कछु काल पु नी

होइहहु अवध भुआल तब मैं होब तुम्हार सुत

चौपाइ

इछामय नरबेष सँवा रे

होइहउँ प्रगट निकेत तुम्हा रे

अंसन सहित देह धरि ता ता

करिहौं चरित भगत सुखदा ता

जे सुनि सादर नर बड़भा गी

भव तरिहहिं ममता मद त्या गी

आदिसक्ति जेहिं जग उपजा या

सोउ अवतरिहि मोरि यह मा या

पुरउब मैं अभिलाष तुम्हा रा

सत्य सत्य पन सत्य हमा रा

पुनि पुनि अस कहि कृपानिधा ना

बाल ९८

१०९

अंतर्ध्यान भए भगवा ना
दंपती उर धरि भक्त कृपा ला
जेहि आश्रम नीवासे कछु का ला
समय पाय तन तजि अनया सा
जाइ कीन्ह अमरावति बा सा

दोहा

इहि इतिहास पुनीत अति: उमहि कहा ब्रिषकेतु
भारद्वाज सुनु अपर पुनि: राम जन्म कर हेतु

चौपाई

सुनि मुनि कथा पुनीत पुरा नी
जो गिरिजा प्रति सौं बखा नी
बीस्व बीदित एक कैकय दे सु
सत्यकेतु तहं बसै नरे सु
धर्म धुरंधर नीति नीधा ना
तेज प्रताप शील बलवा ना
तेहि के भए जुगल सुत बी रा
सब गुन धाम महा रनधी रा
राजधनी जो जेठ सुत आ हि
नाम प्रतापभानु अस ता हि

अपरसुतहिअरीमरदनना मा।
भुजबलअतुलअचलसंग्रा मा।
भाइहिभाइपरमसप्री ती।
सकलदोषछलबरजीअने ती।
जेठेसुतहीराजन्रीपदी न्हा।
हरीहीतआपुगवनबनकी न्हा।

दोहा

जबप्रतापरबीभेऐउन्रीपफीरीदोहाइदेस
प्रजापालअतीबेदबीधीः कतहुंनहीअघलेस

चौपाइ

न्रीपहीतकारकसचीवसया ना।
नामधरमरुचीसुक्रसमा ना।
सचीवसयानबंधुबलबी रा।
आपुप्रतापपुंजरनधी रा।
सैनसंगचतुरंगअपा रा।
अमीतसुभटसबसमरजुझा रा।
सैनबीलोकीराउहरखा ना।
अरुबाजेगहगहेनीसा ना।

वात॰ ५

105

बीजयेहतुकरहकुं चना ई
सुहीनसाधीनत्रीपचलेउचजा ई
जहंतहंपीकनेकसपा ई
जीतिसकलनपचरीका ई
सप्तद्वीपनलजचलचसकी ले
लैलैहंडकाडीलीपरी ले
सकलकाचनीमंडहतेहीकाला
एकप्रतापनलानमहीपा ला

दोहा

स्वचसवीखकरीवाहुचलःनीजपुरकीनप्रवेस
कथिधर्मकामाहीसुभःसेवैसनलयनरे स

चौपाई

नपप्रतापनलानचलपा ई
कामधेनलइलंभीसोहा ई
सवडुखवाग्नी तप्रजासुखा री
धर्मशीलसुंहरनारना री
सचीघधर्मजचीमहीपहप्री ती
त्रीपहीतहतुसीघावहीनी ती

गरसरसेतपीतामहिहि पु।
कौसहान्नीपसवकेस पु।
रूपयंमेजेवेहवधा ने
सकलकौसाहरसुषमा ने
हीनप्रीहेदवीवीयीवीधीहा ना।
सुनैसाखवावेरपुरा ना।
नानावापीकुपतडा ग।
सुमनवाटीकासुंदर[illegible]वा ग।
वीप्रभवनसरभवनसोहा ऐ
सवैतीरथन्हवीवीग्रचना ऐ

दोहा

जहंसगीकेहपुरानश्रुतीःऐकऐकसवजा ग
चारसहस्त्रसहस्रन्नीःकीऐसहीत्तअनरा ग

चौपाइ

हीस्यनकष्टकजभोनसंधा नी
भपवीचेकीपभेसुजा नी
कोरजेयभकभेमनवा नी
चामहेचमारपीतन्नीपकता नी

बालि॰

106

चढीचरखाजीवारेकरा जा
श्रीगयाकरसवसाजीसमाजा
चींथाचलगांभीरखनगाए ए
धीगपुनीतचहुमारतनाए ए
(कि्रतचीपीनीऐकरीसवच हुं
जनुचदाहुरेउकाकीहिग्रसेरा हु
चउचींधनहोसमातमघमा हीं
मनहुक्रोधचसउगीवतना हीं
कोलकरालरसनछचीगा ई
तनचींखालपीवरूलंघीका ई
घुरघुरातहयकौरीपा ए
चक्रीचचीजोकतकानछठाए

दोहा

नीलमहीधरसीधरसमः हसीवीजालवरा हु
चपरीचलेउहयसटकीबीपः होकीनहोइनी

चौपाइ वाहु

जावतहेखीजंधीचरवा जी
चलेउचपाहमारुतगतीला जी
तुरतकीनजीपसारसंघा ना

महीमीलीगएछवीलोकतावा ना
तकीतकीतीरमहीसन्चला वा
करीछलसयरसरीखचा वा
प्रगटतरुतजायम्रीगला गा
रीसवसल्लपन्चलेछसंला गा
गएछकुरीवनगाहनवरा ह
जहंनहीगजवाजीपीवा ह
ल्लतीलकेलवनचीपुसफले सु
तरुपीनम्रीगामगतजेतरे सु
कोलवीलोकील्लपवड्वी रा
ल्लागीपहुठगीरीगहल्लांभी रा
ल्लागमेहवीनल्लीपल्लतीपछीता ई
कीरीछमहांवनपोछेल्लला ई

दोहा

मेहवीनल्लीपे श्रीघीतःराजावाजीसमें त आती
मोजनव्याकुलसरीतासरःजलवीनल्लंएछल्लवे॥

चौपाई

कीरतवीपीतीन्लाश्रमएकेरे सा
नहवसन्नीपतीकपरमनीचे सा

चमत्रु७

107

जासुहेसन्नोपत्नीहेछोड ६

समसैनतजीगहे७परा ६

समयप्रतापन्नानर्कजा नी

न्नापनन्नतीन्नसमयन्ननमानी

गहे नग्रहमनवकुगोंला नी

मीला राजहीवकुकन्नीमानी

रीसउमारीरंकजीमीरा जा

चीपनचसैतापसकेसा जा

तासुसमीपगवनन्नोपकी न्हा

इहप्रतापरवीतेज्ञवची न्हा

राउत्रीसीतनहीसोपहीचा ना

हेषीसुचे महामनीजा ना

उत्रीतुरंगर्त कीन्हप्रना मा

प्रमचतुर न्नोपकेहितनामा

दोहो

न्नपतीन्नीखीचीवासोकीत्तेहीःसरवुरहीनहीमाउ

मंजनपानसमेतहयःकीनन्नोत्तीहारमाउ

चौपाई

गऐ श्रम सकल सुखी न्रप लऐ ऊ
नीज आश्रम तापस लै गऐ ऊ
आसन दीन्ह अस्तर चीजा नी
पुनी तापस बोलेउ म्रीदुबा नी
को तुम कस वन फीरहु अके ले
सुंदर जुवा जीव परहे ले
चक्रवर्ती के लछन तो रे
देखत है मालौ काती मो रे ॥
नाम प्रताप भानु अव[illegible]नी सा
तासु सचीव मैं सुनहु मुनी सा
फीरत अहेरें परेउँ भुला ई
बडे भाग देखीउँ पद आ ई
हम कह दुरलभ दरस तुम्हा रा
जानत हौं कछु भल होनहा रा
कह मुनी तात भएउ अंधीया रा
स[illegible]जोजन [illegible] नगर तुम्हा रा

दोहा

108

नीसाघोरगंभीरबनःपंथनसूझ सुजा न
बसहुआजुअसजानीतुम्हःजाऐहुहोतबीहा न॥

दोहा

तुलसीजसभवतब्यतातैसीमीलैसहा इ
आपुनआवैताहीपहिंःलैताहीतहांलैजा इ॥

चौपाइ

भलेहीनाथआयसुधरीसी सा॥
बांधीतुरंगतरुबैठम ही सा॥
नीपबहुभांतीप्रसंसेउता ही॥
चरनबंदीनीजभागसरा ही॥
पुनीबोलेउमृदुगीरासोहा इ॥
जनीपीताप्रभुकरौढीठा इ॥
मोहिमुनीससुतसेवकजा नी॥
नाथनामनीजकहहुबखा नी॥
तेहीनजाननीपनीपहीसुजान॥
भूपसुहृदसोकपटसया ना॥
बैरीपुनीछत्रीपुनीरा जा॥
छलबलकीन्हचहइनीजका जा॥
समुझीराजसुखदुखीअरा ती॥

आपुनलइयु सलोगछाती।
सरलवचननीपकेसनीकाना।
येसंलारीहीस्यहारषा ना।

दोहा

कपटचोरीचानीम्रीसुलःचोलेसउजगतासिमेत
मामहमान्मीयारीकावःनीधेनरहितनीकेत

चौपाई

कहनीपजेवीज्ञाननीधा ना।
तुम्हसारीवैगलीतकलीमा ना।
सहारहहीकायननपेखा हे
सववीधीकुशलकुचेवचना हे
तेहीतिकहही संतसुरे रे
परमकाकीचनप्रीएहीके रे
तुम्हसमकाधननीयारीकाये हे।
होतुवीरंचीसीयहीसहे हे।
८ जोसीसीसी चरननमा मी ६
मोपरकीपाप्रीएकचसया मी

बालप्र

सहजप्रीतीनिपतीकेरे सी
आपुचीसुयचीसयासचीसे सी
सवप्रकारराजहीआपना ई
चोयेउसकीकसनेहजना ई
सुनीसत्तीनाउकेहोमहीपा ला
रहाचसत्तचीतेचहुका ला

दोहा

आवलगिमोहिनमीलेउकोउःमेनजनाएछका हु
लोकमान्यताआनलसमःकरतपकाननदहा हु

सोरठ

तुलसीदेसुसवेसःभलहीमछनचातुरन र
संसाकेकीपोषिःवचनसुधासमआसनआहि

चौपाई

तातेगुप्तरहोजगमा हीं
हरीतजीकोआनंप्रयोजननाहीं
प्रभजनातसवचीनीहीजनाऐ
कहहुकबुसीढीलोकरीहा ऐ

तुम्हसमतीपमिप्रीयभो रे
प्रीतिप्रतीतिमोहिपरत्तो रे
अवजौतातदुरावौत्तो हीं
दपनसेषवचैकातीमो हीं
जीमीजीमीतापसकैहठहा स।
तामीतीमीन्यपहीउपजेवीसा।।
हेषास्ववसकपिमनवा नी
तवचोलातापसवकथ्या नी
नामहमारऐकततनला ई
सुनीव्रीपवोलेउमनीसीरना ई
कहहुनामकरआथिवषा नी
मोहीसेवककातीआपुनजानी

दोहा

आहिंघ्रीसरीउपजीजवहि: तवउत्तपातलमोरे।
नामएकातनेहतुतेहिंइहनदरीवहो ।।

चौपाई

जनीआवराजकहुमनमा हीं
सततपातेहुसनकउना हीं

बाल

तपबलतेजगसीजैबीधा ता।

तपबलबीस्नुभऐजगत्रा ता।

तपबलशंभुकरहीसंघा रा।

तपबलसेसधरहीमहीभा रा।

110 त्रपैहैबीपतीसुनभ्रातीकठ रा॥

कथापुरानकहैसोला गा॥

कमियसिद्धीहोसभने का।

कौनीकपनबीरत्तीचीचे का।

उह्लनृपालनप्रलयकहा नी।

कहीसीक्ष्मीतभ्यचरजबृथा नी।

सुनीमहीसतपसबसम्भऐ छ,

आपननामकहनतबलय छ,

कहतापसन्त्रीपजानौतो ही।

कैफेहुकपटबागाम्लसमो ही।

दोहा

सनमहीसश्मसनीतीजहांःतहंनामनकहहीभूप

मोहीतोहीपाभ्रातीप्रीतीःसोइचतुराइबीचारी॥ ५

चौपाई

नामतुम्हारप्रतपहने सा
सत्यकेतुतवपीतातो सा
गयप्रसारजानीयसवा जा
कहीऐनआपनजानीआका जा
देखीताततवसहजसु[illegible]धा ई
प्रीतीप्रतीतीनीतीनीपुना ई
उपजेपर[illegible]प्रीतमनमो रे
कहीकथानीजपुछेतो रे
आवप्रसंनमैसंसयना हीं
मागुजोअपनवुमनमां हीं
सुनीसवचनअप[illegible]हरषा ना
गहीपदवीनैऐवीलकवीधीना ना
श्रीपासीयुमनीर[illegible]संतो रे
चारीपहारथकमलमो रे
प्रलहीतथापीप्रसन्नवीलो की
मंगीआगामवरहेछआसो की

दोहा

जरामरनदुषरहीततनःसमराजीतेजनिको उ,

ऐकछत्रीपृहीनमहीःराजकल्पसतहो ऊ

[illegible]

चौपाई

करतापसत्रीपकौसेहो ऊ
कारनऐकपठीनसुनसो ऊ
कायैतुउपरहनाइहीसी सा।
ऐकचीपृफूलछाडीम हो सा।
तपचलचीपृसहाचरीको रा
तीनकेकोपनकोछरबचा रा
तोचीपृनहचसकरफूनेर सा।
तौतपूवसचौधीचीस्तभेहे सा।
चलेनपृनफूलसनचरीका ई
सतपकहैहोछनकजाछहा ई
चीपृसखापघोनसुनमहीपा ला।
तोरनासनहीकपनेकुफा ला।
हरषेछाछिचचनसुनीता सु
नाधनहोइमोरकाव ना सु
तपप्रसादपृनकीपानीधा ना
मोकहसर्वकालकल्पा ना

दोहा

ऐचमस्तकहीकपरमनीःधोलाकुटीलवहे१
मीलवहमाग्नुलावनीजःकहतहमहीनषे।२

चौपाई

नातेमैतोहिवरजोरा जा।
कहेकथातवपभैकमका जा।
छोरभ्रयनमहपरतकहा नी
नासतुम्हारसत्पममघा नी
रहप्रगोरकथयाहीजभ्रा पा।
बासतोरसुनन्नानप्रता पा।
भ्रानउपायुनासतयुना ही
जौहरीहरकोपहीमनमा ही
सत्पवथपरगाहीत्रपना बा।
हीजगरकोपकहहुकोरा बा।
राषेग्यनजोकेपचीया ता।
गरवैराघनहीकोपजगात्रा ता।
जोलचलहुमकेहतुम्हा रे
हाउनासहीसोचहमा रे
ऐचकहीरारापत्तमनमो रा।

२

बार

प्रथममहीहिग्रन्थपकत्तीघो ॥

दोहा

होहिंचीप्रवसकयुनचीघीःकहकृकीपाकीसो ७

तुम्रत्तजीसीनस्यसनीजःहित्तनदैखैको ८

चौपाई

समझोपवीचीघजतनजगमाहिं

कमसाघपुहीहोइकीना हि

कोहैएकमत्तीसगमछा ई

तहांपांत्तुएककहीना ई

प्रभमकांघीनजगतीकौंसा ई

मोरमांघतवनगरनहो ई

काजबोगकनजचत्तलए ए

काहुकेग्रहग्रामनगए ए

जौनजावतवहोइकाका ज

चनीमाइकासमंजसका ज

सुनीमहासचोलेप्रीइचा नी

नाथनीगमकासबीतीघवा नी

चोसनेहसघपाकरहीं ॥

गीरीजीजसीरसहाग्नीनघर ही
जलन्कागाधीमैलीवहके न
संततघरनीधरतसीरैं न

दोहा

कासकहीगोहेनरेसपहःस्यामीकोइक्रीपा ल
मोहीवागीस्रुससहीएपुत्रःसंजहीनस्या ल

चौपाइ

जानीकीपहीक्नापनक्नाधी ना
चोलातापसकपरप्रची ना
सतकेहीन्पतीसनत्तो हो
जगनाहीनदूसनकछु मो है
अवसीकाजमैकरीहोंत्तो रा
मूकमिचचननगत्तेमो रा
जोगाजगीतपमैत्रप्रना व
कलैतवहीजवकरीएस्रा व
जोनेरसमैकोएसो है
तुम्हपासकुमोहींजाननको है
कानसोउजोगीजनकर है

113

सोऽसोऽत्तवक्माऐसकनसर ई

पुनीतीनकैयरजेघैजो उ

तयबृहोइम्पसलसो क ५

जाउपाइस्यकुब्रीहे ह

संवत्सरीसंकल्पकरे ह

दोहा

तीनकातनहीजसहसूत:चोरहसहितपरीवा र

मैतुम्होसंकल्पलगीःद्वीतनहीकरवजेपना र

चौ॥ ऐहीवीधीत्पपकसकातीयो र

होइकहीसकलवीप्रवसतो र

कहींहींवीप्रहोमभयसे व

तेहिप्रसंगासहजेवसरे व

कौरएकतोहीकेहेलषा छ

मैएहीवेषनकाउचका छ

तुम्होउपाहीतकहरा घ

हीन्कानवमैकैलीजमा घ

नषवलतेहीकरीन्कापुसमा ता

रषीहींहहंचारवपर मा ता

मैंघरीतासुवेघसनरा जा
सवचीधीतेरसवराखका जा
गइनीशिवकृत्तसैनक्कचकी जै
मोहितोहिमपन्नेहसैनत्ती जै
मैंनपवसत्तोहितुरंगसमे ता
पहुचैहैंसोयतहीनीके ता

दोहा

मैंमाइवसोइवेषघरीःपहीचानेहुतवमो हीं
जवएकोतचोलाइसवःकथासुनवैात्तो हीं

चौपाई

सैएनकीनहन्नीपक्काएसमा नी
क्कासनजाइवैठक्कसत्ता नी
घमीतन्नपनद्विक्कातीक्का ई
सोकीमीसोवैसोचक्कायीका ई
कावकेसुनीसीचरत्तहांक्का रा
जेहीसकाहोइन्नपहीक्कला रा
पमैमीन्नत्तापसन्नीपके रा

वाल्मी

114

जानैसोकतीकपर[illegible]घनेरा

तेहिकेसततसतकनरससन्ना १

सतकतीकाजयदेपरहसहा १

प्रथमहिन्नपसमरसवमा २

चीप्रसंततसरदेखीइखा २

तेइसलपाछीलचैनसंन्ना ३

तापसन्तीपमीलमंचवीवारा

जेहीरीपुछेयसंदस्चेउपा ४

मावीचसनजानकछुका ४

दोहा

रीपुतेजसीकाकेलकापीः लघुकरीगनीऐनताहु

स्रजाहुहेत दुघरवीरवीहीः शीरकावकेघत

ताहु

चौपाइ

तापसन्तीपतवसघहीनीहा १

हरखीमीलेउउठीनऐउसखा १

मात्रहीकहीसवकथासना २

जातुधानवोलासखपा २

अचसोवेछरीपुसुनहुनरे सा
जोतुम्हकीन्हमोरउपरे सा
परीहरीसेयरहहुतुम्हसो ई
वीनकोमोसयच्याधीयवेसो ई
कुलसमेतरीपुमलवहा ई
चौथेहीपुसमीलवमैका ई
तापसत्वपहीवकृतपरीतो षो
यसामहांकपरंत्मातीरो षो
भानप्रतापपहीचाजीसमे ता
पकृचाएसीस्छनमाहनीके ता
भीपहीनारीप हंसैनकरा ई
हैम्रहचांघेसीवा जीवना ई

दोहा

याजाकेउपरोहीतहीः हरीलेगएउचलो री
सेद्रराषेसीगीरीषोहमहुः मायाकरीमतीभ्रो॥

चौपाई

भापवीरंचीउपरोहीतन पा

पार ५५

पोउजाइतेहीसेजकान पा।
जागेउन्नीपकनलऐचीहल ना।
हेंघीलयुनमतीकायाजमा ना।
मनीमहिमामनमहमनमा नी।
उउगयुहीजेहीजानेनरा नी।
काननगऐउचाजीवछिते हि।
पुरनरनारीनजानेउके हि।
गऐजामज्ञापतीमा वा।
वावाउसव वाजवघा वा।
उपरोहीतहिंहेंघीजचरा जा।
चमातचीलोकीसमीरीसाऽकाज॥
फुगसमन्नीपहिगऐहीनती नी।
कपटीमनीपहरहमतीली नी।
समयजानीउपरोहीतमा वा।
न्नीपहिमतेमहुसवसमहा वा।

दोहा

न्नीपहसेउपहीचाहीगिरः मवसरहनचा
वरतुरजसतसहससवःचीप्रकुंमसमे त

चौपाई

उपरोहितजेवनारबना ई
छरसचारिबिधिजसश्रुतिगा ई
मायामयतेहिंकीन्हरसो ई
बींजनबहुगनिसकैनको ई
बिबिधमृगनकरआमिषरांधा
तेहिमहबिप्रमासुखलसा धा
भोजनकहसबबिप्रबोला ऐ
पदपखारिसादरबैठा ऐ
परसनजबहिंलागमहिपा ला
भइआकासबानीतेहिका ला
बिप्रबृंदउठिउठिग्रहजा हु
हैबडिहानिअंन्नजनिखा हु
भऐउरसोंईभूसुरमा सु
सबद्विजउठेमानिबिस्वा सु
भूपबिकलमतिमोहभुला नी
भाबीबसनआवैमुखबा नी ५

दोहा

बोलेबिप्रसकोपतबनहिकछुकीन्हबिचा र
जाउनिसाचरहोउनृपमूढसहितपरीवा र

बाल ९६

116

चौपाई

छठीवंसतेचीप्रबोला ई
चालैलीऐसहीतसमहा ई
रघुवरराधायमिहमा रा
दैहैतैसमेतपरीवा रा
संचतमध्यनासतवहो ऊ
जलहातानरेहकुलको ऊ
बीपसृनीसापवीकसकातीवास।
जइवहोरीचरगीराकका स।
चीप्रहसापवीचारीनहींहीन्हा
नहीकपरायरूपकछुको न्हा
चकीतवीसबसैनीनलचा नी ५
आगेएजहांमोजनथा नी
तहकसनन चीप्रसका रा
कीरेउराउभूसोचकपा रा
सवप्रसंगामहासुरनसना ई
असीतपोउकवृतीकुला ई

दोहा

अपतीलावीमीरैनाःजहपी सुखनतो र
कीऐकअथाहोइनहीःचीप्रसापकातीघोर

चौपाई

लौकरीकपरछलैजाका हु
हेद्र इसकायमगतीता हु
चीप्रुवचनसुनीन्नीपकाकुलाला
उठीपुनीवीनयकीनैंयीना ना पी
पुनीपुनीपरगाहीकहाल्पा ला
स्वापकलन्ग्रहकद्कृक्रीपा ला
जवतुमहेवनीसावरजा ई
व्रम्हचंसततामसतनपा ई
काजरक्मारकानुलीनप्रलता ई
तागवीक्ष्मातवीरहोउला ई
होइहीजवहीपरालवृवा री
तवतुम्हसेउवदेहपुरा री
सीवप्रसादवलपारव्हो री
होइहीसवजगप्रुम्नतातो री

दोहा

तुम्हपुंछेहुनीसनारतीजः साहरसुनहुनोस
सवपरीग्राउधीयातवः होइहीमनीउपदेस

चौपाई

कामककहीसवमहीहेवसीया हे

वाल ६१

117

समाचारपुरलोगनपा ए
सोचहिंसबनरैदुखहीरे हिं
वीरचीततहंसकाककीऐजे हिं
उपरोहीततहीभयनपहुंचा ई
कसुत्तापसहीसवराजना ई
तेहीसमजहंतहंपत्रपठा ए
सजीसजीसैनलप संचला ए
खेरी नाएनीसानवजा ई
वीवीधभांतीनीतहोइसरा ई
जहेंसकलसल्लस्करीका नी
वंधुसमेतपरेउत्नीपघर नी
सपकेतकुलकेउनहीचा चा
वीप्रश्रापकीमीहोंइकासा चा
री प्रतीतीभक्तीपनागरवसा ई
नीजपुरगएनेजयजसपा ई

दोहा

भात्ननुजमुनजाहीजवःहोइवीधातावा म
धुरीमेनसमजनकजाइ ताहीव्यालसमराम

चौपाई

कालपाइमुनीपुनीसुनसोइराजा।

अणेहनीसाचासहींसमा जा। स

हससीरत्ताहिंवीसल्लजदं ऽ।

चाबुकनामवीरचापं ऽ।

अपअन्नजअरीमारहनना म।

अणैहसोकुंभकरनवलधा म।

सवीवुजोरहाथभिनवीजा स

अणैहवीमंत्र वंधुलचुत्ता स

नामचीलीघनजेहीजगाजा न।

वीरबलक्रवीज्ञाननीघां ना।

रहेजोसुतसेवकनीपके रे

अणैनीसाचाचोषके रे

कांमरुपमलजीनीसअनै का।

कुदीलनथंकरवीगातवीवेका।

क्रीपारहीतहींसा सचपा पी

चरनीनजाहुवीख्यापरीता पी

दोहा

उपजेजहरपीपुसस्तकुचः पावुनअमअनप

॥ ॥ तद्पीमहीसुरस्त्रापबसभऐसकलकलंकचाय

चौपाइ

कीनहुवीवीयजपतीनीहुम्ना २
पभिउप्रनहींवातसीरा २
गऐनीकरतपहुंबीवीधा ता
मागाकुवरप्रसंन्नमैता ता
करीबीनतीपरसगहिसिसीसा
बोलेहुवचनसुनहुजगदीसा
हमकाहुकेमरहीनमा रे
वानरमानुजजातीदुइवा रे
ऐहुमसुतुम्हघ्यातपुकी न्हे
मैवृम्हाभीसीतिहीवचनहि न्हे
पुनीप्रलकुंभकरनपहागऐउ
तेहीवीलोकीमनवीसमैभऐउ
जोनीतमखलएहकरवकाहार
हेउहीसवउजारीसंसा नु
सारप्रीतितासमतीकी री

118

मांगेनीं इसमासयद्दुके — री

दोहा

गएवीलीवनपासपुनीः कहेऊपुत्रकरामा॥
तेइमांगेकगयंतपद्दःकमलकामलकनरा॥

चौपाई

तीनहीदेइवरबुलसीधा — ऐ
हरषीततेकपनेग्रहका — ऐ
मैतनजामेंहोसीना — मा
परमसुंदरीनारीलला — मा
सोइमेएहीनहिनाउनहिकां — नी
होइहीजानुधानपतीरा — नी
हरषीतमनएकनारीजलीपा — इ
पुनीहोऊवंपुचीचाहसीजा — इ
गीरीनीलुहीएकसंयुमक — री
वीथीनीरमींतछ्रोमकातीमा — री
सोइमयसानवुचकुरसंचा — रा
कनकरचीतमनीलचुनकापार।
भोगावतीजसीकहींपुखचास।
अमरावतीजसीसर्कनीवास।
तीकजेकाधीकरम्यकातीवं — का

118

जागवीध्यानतनमतीहीलं का

दोहा

बांरं सीं युगंम्भीरकाती॥ चारीहुरीसीवीरीं कों ६
कनककोटीमनीखचीतहीठि॥ [illegible] धरनी
नजाइबनाइ॥ दोहा
हरीप्रेरीतजहीकल्पजोइ॥ जातुधानपतीहो ६
सरप्रतापीकातुलबल॥ कुलसमेतबससो १

चौपाई

119

रहेजहांनीसीचरभटला १
जेसनसालसमरसंघा १
कायतरहहींसबकेपु १
रचकेकोटीजक्षपतीके १
हसमबकहुंसबपीकसपा ६
सेनसाजीगढघेरीजा ६
हेबीबीकरकत्रपीकरका ६
जक्षजीवलेगएपरा ६
कुरीसबनगारहसानहे धा
गएछसोचसबलहेछबीसे धा
सुंदासहजकागमकनमा नी
कीनहांरावनराजधा नी

जेहीजसजोगचाहीयहहीन्हे
सुषीसकलरजनीसवरकीन्हे
एकवारकुवेरपरधा वा
पुष्पकजानजीतीलैआ वा

दोहा

रेवपावणगंधर्वनरःकीन्नरनागकुमा री
जीतीवालीजवाहुवलःवहुसंदरीना री ५८

सोहा

कौतुकहीकैलासपुनीःलीव्हीसीजाई
मनहोतोलीतीजवाहुवलःचलावहुतास

चौपाई सपाई

सुषसंपतीसुतसैनसहा ई
जैप्रतापवलवुधीवडा ई
नीतनतनसववाछजजा ई
जीमीप्रतीलाललोल्कभीकाई
करतीलनककुंलकरतकसल्ता।।
जेहीकहुनहीप्रतीलरजगाजा।।
कैरपानसोचेसरमा सा

जागतहोइती कपुरवा सा
जोप्रतीसीबकाहारवा सोई
वीसुवेगीसवचौपरहो ई
समरधीरनहीजाइचषा ना
तेहीसमकामीतवीरषसवा ना
चारीदीनासपुहसाता सु
नरमहप्रथमलीकजाना सु
जेहीनहोइसनमषको ई
सरपुरबीतहीपरायनहो ई

दोहा

कुमुषकापनकुलीहःधमकेतुकातीकाय
ऐकऐकजाजीतीकेःकोससलरनोक। ध

चौपाई

कोमनुपजानहीसवमा घा
सपनेहुजीनकेधमेनदा घा
हसमुषवैसमाएकवा रा
हेरीकामीतकापनपरीवा रा
सुतसमहजनपरीजननाती

गनैकोपारनीसाचरजा ती
सैनबीलोकीसहजअभीमा नी
बोलाबचनक्रोधमदसा नी
सुनहुसकलरजनीसचरजू था
हमरे बैरीबीबुधबरू था
तेसनमुखनहीकरहीलरा ई
देषीसबलरीपुजाहिपरा ई
तीनकरमरनएकबीधीहो ई
कहौबुझाइसुनहुअबसो ई
द्वीजभोजनमषहोमसरा धा
सबकैजाइकरहुतुम्हबा धा

दोहा

क्षुधाछीनबलहीनसुरःसहजहिमीलीहहिंआइ
तबमारीहौंकीछाडीहौंःभलीभांतीअपना इ

चौपाई

मेघनादकहुंपुनिहंकरा वा
दीन्हीसीषबलवैरबढा वा
जेसुरसमरधीरबलवा ना

वार ९६

121

लीन्हकेसरीचेकरकालीमा ना
तीनहिंजीतीरनकानसुवां धी
उठीसतपीतुकानसासनकां थी
ऐसीचीधीसबकहूकोंजाही ही
कपनीचलेगहाकरती नें
चलतहसानिनडोलतकाव नी
गरजतगलिश्रवहींसरम नी
रावनकाबुतसबेउसकों हू
हेहबातकेउमेंकगीरीधो हू
द्रोगापालनकेलोगसी धा हे
सुनेसकलहसानिनका ऐ
पुनीपुनीसोंहनाहकरीला री
हेहेहवतनगारीपुरवा री
रनमहमंसो कीरजागधा चु।
प्रतीत्निरखोजकतहूनहिपावा।
रचीकाकीपवनवसनधनधारी
कामीकालजमसवकाधीकारी
कीन्हसीधमनजसरना ॥।
हमसवहीकेपंथहिला। ॥।

ब्रह्मसृष्टिजहलगितनधा री
दसमुखबसबर्तीनरना री
आयसुकरहिसकलभयभी ता
नवहिआइनितचरनबिनीता॥

दोहा

भुजबलबिस्वबस्यकरिराखेसिकोउनसुतंत्र
मंडलीकमनीरावनःराजकरहिनिजमंत्र॥

चौपाई

नारदमीलेकहसीमसका ई
देवकहामनीसिहदेवा ई
सुनतमनमनारदहीनभा वा
सेतहीपतेहितुरतपठा वा
सागरकतरीपारसोआये ६
नारिबीहततेहेसतलये ७
तीन्हसनकहसीपतीन्हपहीजा हुं
केहेकीआपानीसीचरना हु
तबमैतीन्हहिजीतीसंग्रा मा
लैजैहोंतुम्हकहनीजथा मा

चार ६६

सबतवैनऐकजठरीसा नी
घाट्चरनाहिगांनूछा नी
गढ्ढरीघरीघरी हकहै रा
डोरसीसीपमघम्मातीजो रा

दोहा

गऐपतालकचेतहिः मैरनचौप्रप्रसाद
सबंघानछठीगरजपुनीःहीयेनहरखचीधौ

चौपाई

जीतिसीनागतगारसबहा री
गरूचहुरीचलीकोकस[illegible]रा री
वायूनरायूनकावृतजा नी
कीऐहेयूरीखी सनकम्नीमा नी
षेलतरहेनगारसीसना नी
नीजवलतीनहीलम्भावा न
याखरातीनपुरखैका ऐ
नागनारीनारेहवनथा ऐ
वीसवाहंहसकेधारता हैं
चीरीएहगाछनीकहाकेमा हैं

चाप्येसीवांधीसीजावे लागी
नामनकेहसेहवनमा री
चामनहीसवकुतसकुचा ना
तवकुराइहीनकीपानीधान
चलातुरंतनीसावाना ह
लाजसंककछुनहींमनमा ह
तवतुरंतपंपापुरका चु
वालीनामकपीपतीजेहिठा पा।
हीयजाइकससरघुरासो ना।
जेहीमनमहामनीलकरखोला।
तहांकपीसकौनीजधा ता
माहरसेसंक्यासुभा ना।
जामठाक्षहेमरऐरजनी सा
ठोकेउवाकुंग्रजालजवी सा
तवकपीसचीतवामसका ई

पाठ ३ ध्यानकेअवुसारीसवीसराई
तवरावनवोलाकरीअमो घा
वकध्यानीकपीसठसनवोधा।

दोहा

123 मोहीपजीतिवीनसमरसुनःनकेधधुकपीइस
अंपजलीहिइनपावहुःसपथकरोकाजई स

चौपाई

तववालीवोलावीहसा ई
वलतुमारकोसइहैभा ई
रवीकोंपजलीभिरिउसपी ती
ठाढहोहुजाएहुमोहींजी ती
तवनीसचरपतीउठिउरीसा ई
हेकपीजधध्यारीकहरा ई
तवकपीसपतीमनहींवीचार।
सीउवलहीनहमरहीनहींमार।

हसकंधरखरजाकृवीचा री

काजयचातुम्हार छीदलजना॥

यहुतन्नांवालीसमह्य वा

कौनीहृभांतीवोधनहीका वा

तवसकोपहोईछेछकपी सा

धरीतवकांसच्वापेछहससीस॥

कांजलीहीत्हरवीहीमनवाली

कायएछसान छहृधीकपा नी

जपेछकाहीसंकारमनजा नी

तेहीछनसंध्यावंदीसीता नी

दोहा

कावाघरहीकपीसतकःकांघरहेलंके स

एहीचीधीवीतेमासघटःपावेवहृतकले स

चोपाई

वहुप्रसेहृकंवरीमहृजा मा

काती दुरगंधतहां जैषा मा

कलमलाहीसहसकाटा ना

कचकरजीयमनकुभ्रम ॥१८॥
ऐकहीयसखीकोंजलीसाजा
कांधतेनीसरीमहाधुनगजा
सोपुनीधरीकपीसतचबांधा
लैआएकोंगरहकेरां धा
चीसलजाहससीससधा रा
चारनहकौपुनीधरीउरमा रा
धरीसमेटीसुमरीसमकी न्हा
बांधीसेजपरसोलाही न्हा
कांगरहखेलतलातसीरमा रा
कौलकीलाईकीलकेकीलकारा।

दोहा

ताराचीनेआवनहींनेहीयछनहीन्हछोडाई
जाहुजलंकेसग्रहःचहुरीधरहींकपीराई

चौपई

नी प्रायनकाएऐतेहीठां ई
सहसवाहुजहांहैवना ई स
जलक्रीडाकरसंगसवना री

धीधी धीलातीसोलाकातीलारी

कारइरचापंडलतेरे वा

सुरनरनागकरहीसबसे वा

जाइरीपराबनसबमा ना

हरषसमेतहीरयसकु[illegible]था ना

तहोलंकेराजाइसीछेदे था

मनकुचीरसंचीरचेछवहेरे था

तुलसीकमलपत्रसबका ना

वे[illegible]पत्रका[illegible]पुष्पप्रमाना

जाइप्रचंडजललयीहसंसीस।

यांलेछमंत्रसुमरीगौरी स।

दोहा

जबप्रचंडजललएतवःचुरछसबईसमाज

सहसबाहुकातीसंकमनःसकलबीकानछ

चौपाई छरलाज

जबराजासनबोलहीना री

कातीसंहीसबराजकुमा री

सनकन्नीपतीकाछेछकछगाछ।

घाटहटट

125

काकसमाहमहांलसूचा छा
सुनीराजहिनोकोधकापा रा
जसश्रीनेश्रीपुराकेहमा रा
जाहीथराप्नतहेन छा
जासमेंयजनजलनीधीवा छा।
मायाप्रचलमहांचलना री
लंकेसएकहघेसीपूचा री
लेपुनीबांधीगाएश्रीएपा सा।
गहनीहथी मनपैकुलासा।
करीकासनानपुजीगोरी सा।
हैसालवांधेसीहससी सा।

दोहा

कहासंलगीरिजासुनकुःकावदहकथारसाल
लाहैसालावांधेसीःचीसलजाहसलाल

चौपाइ

सकलकाझेवहिनारना री
मारहीलातहंसहीदेता री
नामनकेहेहैसकुचा ना।

चहुचौधीपुछहींब्रौपतीसुजाना
ब्रीतकरहिंभाहींकना री
हसहुभाथरसोहीपकवा री
कछुकहीवसऐहींभांतीगवड़ा
सोपुलस्तमनजाइछका वा
चलातुरंतमहांकालीमा ती
नखंके श्रापकाइनीऐरा नी
मागजातहीखचीवुधा री
कातीकानपसंहावरना री
चंदनपुछपत्रकरथ्या री
पुजनचलीजाइब्रीपुरा री
हेसीठरवसीमनसकुचा नी
तवराचनवोलेछम्मीदुवा नी

दोहा

नीकटजाकुहसकेबा : गहीकांकलरीलीन६
पचवधुकुचेरकी : नहींचीचाकछकीन६

चौपाई

चीनहीश्रीएहीमनचीसमैंलऐ६

वालपूँ

120

लंकेस्वरलंकाकहाये उ
चलीतवछैरवसीकाइत्ता हो
अलकापुरीनलकुवेरजा हो
समाचारसवपतीहिसुना ई
सुनतकथामनमहदुखपा ई
हीनस्रापकरीक्रोधकापा रा
रावनवंसहोइछैका रा
चलीस्रापलंकामेंआ ई
हसकंधरकैकीनहीठां ई
आगेकाइहठाइलि[illegible]खा पा
नवलंकेसुमआतीलैकां पा
सरासकोपखीनवत्तहोवा रा
नलकुवरकेस्रापआतघो रा

दोहा

स्रापहिअंगीकारकरीः मनमहकीनवीचार
रीसीनहंइनहींहीनेहुउः को पैउलंककमआर

चौपाई

इत्तचारीत्तहीपठवनवा नी
आरक्षाजमुनीकथवचसा नी

काऐद्रुतरीषीनवेगे ह
हैषतसवहीलगछसंदे ह
पुछहीरीषी कहांपगुबा ग
कहकुशललंकेशलका ग
तातकुशलकावकैवीपरी ता
तुम्हसनमागहींहंऽक्ली ता
देहुंदक्रावकेहवरीसा ई
कीगीगिकंहराजाहुपरा ई
सुनौन वचनसवहीदुषपावा
तुरतवेगीऐकघावमभा वा
सवमीलीकरीवीचारसेठाएं ई
मरीपचरधीरीविलैकाऐ ॥
दूतनक्सौपापमनजा नी
होऽसकोपवोलैनय वा नी

दोहा

चरछघात यै होइ सकलसहीपरीषा॥
व लेदूतकाऐतुहां:जांहरेहलंकलका १

चौपाई

जनहू

1,28

आगेज्ञानघराधरहला री
हेखीसकललंकापतीना री
चोलहिंवचनकाहरहला ई
सकलकथातीनव्यपहिसुनाई
ऐहीचलेलंकापतीना सा
सवदूतनकोसवचपूगा सा
मुरुधरलेउतारहीसीजा हं
जतनसमेतेहुसवका हु
सुनीबोपवचनचलेसवकैसे
जनकराएकेहेसहीको से
छेवधरऐधीचलेवीचा री
तहापुगारनऐहेवकुमा री
जगाजननीहिकोवरखेपा रा
राजाजनकत्तहांपगधा रा
कंन्याहेखीकाजपलग्रा ही
सुनायेलीराजाग्रहको ही
नामजानकीपरमपुनी ता

वारस्याऽकहे॑पुनीसी ती

दोहा

सकलकथान्रीपजनककोः नारस्कहावषानी
सकलसलस्छनलक्षगुनः जगाइंचामनजानी

चौपाई

कहतकथारीधीराउसीधा ऐ
वहुरीहतकुपारमा ऐ
केहेहुजाइमा एहमया यी
सोसंकरगीरीजासनला यी
जागवलकसुनीकथारसा ला
साधुसाधुमनीपर्मक्रोपा ला
सुनीमनीकेहेउकथाउपरे सा
जाजीतेउसवलंकनोर सा
चारीतापाफ्रारन येग्या सा
सकलदेवकोलेनीज द्दा सा

दोहा

दोहा

देवजछगंधर्बनरःकिंनरनागकुमा री
जीतीबरीनीजबाहुबलःबहुसुंदरीबरनारी

चौपाई

इंद्रजीतसनजोकछुकहे ऊ
सोसबजनुपहीलेहींकरिरहे ऊ
प्रथमहिजीन्हकहुआएसुदीन्हा
तीनकरचरीतसुनहुजोकी न्हा
देषतभीमरुपसबपापी ॥
नीस्चरनीकरदेवपरता पी
करहिउपद्रवअसुरनीका या
नानारुपधरहिकरीमा या
जेहिबीधीहोयधरमनीरमु ला
सोसबकरहिवेदप्रतीकु ला
जेहिजेहिदेसधेनद्वीजपाव हिं
नगरगांवपुरआगीलगाव हिं
सुभआचरनकतहुंनहिहो ई

रेखचीप्रगरमानन्को —— रै

नहिहरीलक्रीजजततपजा —— ना

सपनेहूसनीएनवेरपुतो नौ

छंद

जपजोगवीरागातपमषलागाष्रवनसवे
रससीसाः॥कापुनछठीघांवेरहननपाघे
धरीसवचासैषीसाः॥कसलक्रकचार।
लासंसारायभिसनीएनहीकानाः॥तेहि
चकुचीधीत्रासैहेसनीकासेजोकहचेरपुरं।
नाः॥

सोरठ

चरनीनजाइकनीतःचोरनीसाचरजोकरहि
हैंसाप्रकतीप्रीतीतीनकेपापहीकवनमी

चोपई॥ चाठेषलवकुचोरजकार।

जेलंपटपरधनपरहा —— रा

मानहीमाततपीतानहीरे —— वा

साधुबसनकरवपुहीसे —— वा

जीनकेएहकावेंतनभवा —— नौ

चालीसै

121

तेजानहूनीसीचारसमप्रा — नी
गरीसोरसौघुल्लारनहीमो — हि
जसमोहिगजयएकप्रहि — हि
सकलधर्मसोषवीपरी — तो
कहिनसकेरावनलघली — ता
घेनजपधरीहीस्यवीचा — री
गजाहंजहांसरमनीहा — री
नीजसंतापसनायसुरो — ई
काह्रलेकछुकाजनको — ई

छंद

सरमनीगंधर्वामीलीकरीसरवा॥ गेवीरंवी
केलीका॥ कसुंगागेतनघारीलमीवीचारीप
र्मवीकललैसोका॥ ग॥ वृल्हासवजानामन
मनमानासोरकछुनवसाईंग॥ जाकरतेह
सीप्रलभवीनासीहमरोतोरसहाई॥ स्रोह॥
सोरठागाघष्जीघरहूमनधीर॥ कहवीरंवीहरी
पहसमीन॥ जानतजनकीपीर॥ प्रलनंजदाह
नगावीपती चौपाई

बैठसुरासबकरहींबीचा रा

कहपाइेप्रभुकरीअपुका रा

पुरबैकुंठजानकहेको ई

कोउकहपयनीधीबसप्रभुसो ई

जाकेहृदेभक्तिजसप्री ती

प्रभुतहंप्रगटसदातेहीरी ती

तेहीसमाजगीरीजामैरहे ऊं

अवसरपाइबचनएककहे ऊं

हरीब्यापकसर्बत्रसमा ना

प्रेमतेप्रगटहोहींमैजा ना

देसकालदीसीबीदीसीहुंमा हीं

कहहुसोकहांजहांप्रभुना हीं

अगजगमैसबरहतबीरा गी

प्रेमतेप्रभुप्रगटैजीमीआ गी

मोरबचनसबकेमनमा ना

साधुसाधुकरीब्रह्मबखा ना

दोहा

सुनीबीरंचीमनहरषतन पुलकनैनबहनीर

अस्तुतीकरतजोरीकर सावधानमतीधीर

ॐ

130

छंद

जैजैसुरनाऐकजनसुखदाऐकप्रनतपालभ
गवंता:गोद्विजहितकारीजैअसुरारीसींधुस
ताप्रीयकंता:पालनसुरनीअद्भुतकरनी
मर्मनजानैकोई:जोसहजकृपालादीनदय।
लाकरहुअनुग्रहसोई:जैजैअविनासीसब
घटवासीव्यापकपर्मानंदा:अबीगती
गोतीतंचरीतपुनीतंमायारहितमुकुंद ।।
जेहिलागीवीरागीअतीअनुरागीवीगतमो
हमुनीवृंदा:नीसवासरध्यावहिगुनगनगावु
हिंजैतीसच्चीदानंदा:जेहिसृष्टिउपाइत्रीवी
धीवनाइसंगसहाइनदुजा:सोकरउअघारी। ८।
चींताहमारीजानीएभगतीन पूजा।।
सोभवभैभंजनमुनीमनरंजनगंजनवी
पतीवरुथा:मनवचक्रमजानीछाडीस
यानी:सरनसकलसुरजुथा:सारदश्रुती
सेषारीषीएअसेषा:जाकहुकोउनजा।
ना:जेहिदीनपीयारेवेदपुकारेद्रवउसोश्री
भगवाना:भवबारिधिमंदरसबवीधीसुं

हरगणासंदीरसखपुंजाः मुनीसीधसकलसुख
मिलयाजुरनमीतनाथपसंकंजाः — दोहा
जानीसलैऐसरलमी[illegible]ःवचनसमेतसनेह
गगांनगीरागंलीरलईः हरनसोकसंदेहः चौपाई

जीनीऽरपकुमुनीसीधसरे — सा।
नृमहींयागीयरीहोनरले — सा।
कांसन सहीतमानजकावतारा।
होहींदीनकरावंसउदा — रा।
कसीपअदीतमहांतपकी — ना।
तीनकौमैपुरखबरही — ना। हिं
तेहदरथकौसील्याप — पा।
कौसलपुरीप्रगटेनरल — पा।
तीनकेग्रेहकावतरीहोंजा — ई।
रघुकुलतीलसोचा[illegible]योला — ई। क
नारदवचनसतीसबकरी — हैं।
परमेसक्तिसमेतकावतरी — हैं।
हरीहेसकलकभीगमवा — ई।
नीरलैहेफुरेपुसमहा — ई।
गगानचुलकवानीसनीका — ना।

वाली पुरतकीरेसराहीहुजनुरा ना
तवबुल्काधरनीहीसमहा घा
कालपेलईलरोसजीऐका घा

दोहा

131 नीजलोकहातजोचीरंचीःगएरेरवननइहेसीखाइ
चानरतनधरीधरीमहः हरीपदसेवहजाइ

चौपाई

गएरेहेसवनीजनीजधा मा
कंभीसौंमनकरुचीथ्रा मा
जोकछुकाजेसवुम्हहीहि न्हा
हरखेहेयवीलंचनकी न्हा
चनयाहेहधरीछीतमा हिं
कातलीतवलप्रतापतेहीमा हिं
गीरीतनुनसमकाछधवावी प
हरीमायाचीतवूहांमतीधी रा
गीकिाननजहंतांहांकरीपु ी
रहेनीजनीजकानकेकचीघ री
रहसवनचीखरीनसवल्ला या
कानवसनफजोचीचहीरा या

आवधपुरीरघुकुलमनीराऊ:
बेदबीदीततीन्हदसरथनाऊ:
धरमधुरंधरगुननीधीग्या नी
हृदयभक्तिमतीसारंगपा नी

दोहा

कौसील्यादीकनारीप्रीऐःसबआचरनपुनीत ॥
पतीअनकुलप्रेमदृढःहरीपदकमलबीनीत ॥

चौपाई

ऐकबारभूपतीमनमा हीं
भइगलानीमोरेसुतना हीं
गुरग्रहगऐतुरतमहीपा ला
चरनलागीकरबीनऐबीसाला
नीजदुखसुखसबगुरहीसुनाऊ
कहीबसीस्टबहुबीधीसमझाऊ
धरहुधीरहोइहैंसुतचा री
त्रीभुवनबीदीतभक्तभैहारी
२ पुत्रकामसुभजग्यकरा वा

१ सौंगीरीषी हीवसी सुखलाषा।
मज्ञीसहीतमनीयाकृतहीन्हा।
प्रुगसेन्हुगीनीचाग करलीन्हा।
जोवसीस्सकसुहीखवीचारा।
सकलकाजल्लासीधतुम्हारा।
रहाछ्रीवोरीरहुन्हीपजा ६
जथाजोगजेहीन्लागावना ६

दोहा

तवल्लाद्वीसुन्नैपायक [illegible] सकलसवहीससमहा ६
प्रेमानंदमगनन्हीपः हरवनहीस्यसमा ६

चौपाइ

तव [illegible] राजाप्रीयानारीवुलाइ
कौसील्याहीत्तहोचलीम्लाइ
अर्धभागकौसील्याही न्हा।
उत्लएल्लागमाथकाकी न्हा।
केकइफहन्हीपसोलैहहे ७
रहेकसोक्तएल्लागपुनील ७६

कौसील्याकेकइहाथध र
दीन्हसुमीत्रहीमनप्रसंनकर
एहीवीधीगर्भसहीतसबनारी
भइहीर्दयहरखीतसुखभा री
जाहीदनसेहरीगरभमेंआ ए
सकललोकसुखसंपतीछाए
मंदीरमहराजहीसबरा नी
सोभासीलतेजकीखा नी
सुखजुतकछुकालचलीगए ॥
जेहीप्रभुप्रगटसुअवसरभएऊ ॥

दोहा

जोगलगनग्रहवारतीथी: सकलभएअनकूल
चरअरुअचरहरखजुत: रामजनमसुखमू ल

चौपाई

नौमीतीथीमधुमासपुनी ता
सुकलपछअभीजीतहरीप्रीता।
मध्यदीवसअतीसीतनघांमा।

रामा ३

133

पावनकासलोकचीश्रा भा
सीतलमंदसरलीचैहवा ६
हरखीतसुरसंतनमनचा ६
चनकुसमीतगीरीगंदमनीका ॥९॥
सुरहीसकलसरीतामृतघा ॥
सोभवसुखीरचींजचजान ।
चलसकलसुरसाजीचीमान ।
गावचीमलसंकुलसरज था
गावहींगुनगोरचि च ठ था
चरसहीसमनसुकंजलीसाजी
गहागहे हेवडंदुलीचा जी
नसुतीकरहीनागामनीद वा
वहुचीघीलायुहींनीजनीजसवा ।

दोहा

सुरसमहमीलीचीनैकरी: पहुंचेनीजनीजधां ॥
जानीवासप्रभप्रारे: भाषीसलोकचीश्रा ॥

छंद

भऐप्रगटश्रीपालाहीनइआलाकोसील्या।
हीतकारीःहरखीतभक्तारीभनीमनहारीअ
इअनतनपवीचारीःसोचननअल्लीरामंतन
चनरुचामंनीजआयुधऐजचारीःभखन
चनमालातैनचीसालासोभासींधघरा री
कलुकरजोरीआसतुतीतोरीकेहीवीधीक
रोंअनंताःमायागुराज्ञाना तीतअमाना।
वेदपुराणानअनंताःकरुनाइख सागरसवगु
णाआगरजेहीगावहींश्रुतीसंताःसोममही
तलागीजनअनरागीभऐउप्रगटश्रीकंता
ब्रह्मंडनीकायानीर्मीतमायारोमरोमप्रती
वेदकैहीाममउहरसुचासीयहउपहांसीस
नतधीरमतीथीरनरहेःउपजाजवज्ञानाप्र
भमसुकानाचरीतबहुवीधीकीचैहीसकही
कथासोहाइमातुबुझाइजेहीप्रकारसुतप्र
मलैहींाामातापुनीवोलीसोमतीडोलीतज
हुतातसरुपााकीजेमीसुलीलाअतीप्रीय।

134

सीताहरसुषपर्मक्षानुपा॥२॥ सुनीवचन
सुजांनारोहनठानाहोऐचालकसुरल पा
रहच्चरीतजोगावहींहरीपदपावहींतेनप
रहींक्षुवकुपा॥३॥ —— दोहा ——
चीप्रयेनसुरसंतहीतःचीन्हमानजक्षव
ताररनीनरक्षा वीमीततनःमायागरा॥
गोपारा॥ —— चोपाइ ——

सुनीसीसुरोस्नपर्मप्रीऐचानी
संभ्रमसवचलीकाईरा नी
हरषीतजहंतहंधाईरा सी
क्षानंदमगनसकलपुरवा सी
दसरथपत्रजन्मसुनीका ना
मानहुब्रह्मक्षानंदसमा ना
पर्मप्रेममनपुलकसरी रा
चाहतउठतकरतमतीधी रा
जाकरनामसुनतसुभहो ई
मेंग्रहक्षावाप्रभुसो ई

परमानंदपरमनराजा ॥
कहाचुलाइयजावहृचा ॥
गरवसीसकहगायेहेका ॥
अहेस्रीजनसहीतत्वीपरवा ॥
अनपमवासकरहेसेजा ॥
नपक्षीलग्रणाकहीनसीरा ॥

दोहा

नंदीमुखसराधकरीःजातकर्मसवकीन
हाटकधेनवसनमनीःद्वीपचीप्रनकहीन

चौपाई

मुपताकत्तोरनपरम्मा ॥
कहीनजाइजेहीभांतीवनाथ ॥
सुमनद्वीस्टीअकाकासतेहोई ॥
ब्रम्हानंदमगानसवकोई ॥
वीरुवाहमीलीचलीलगाई ॥
सहजसींगारकीएंऊथाई ॥
कनककलसमंगलकरीथारा

गावतपैठहींभूपतीदुआरा ॥
करीआरतीनीछावरीकरहीं
बारबारसीसुचरननपरहीं
मागधसूतबंदीजनगायेक
पावनगुनगावहींरघुनायेक
सरबसदानदीनसबकाहू
जेहीपावाराखानहीताहू
म्रीगमदचंदनकुंकुमकीचा ॥
मचीसकलबीथीनीबीचबीचा ॥

दोहा

गृहगृहबाजबधावसुभप्रगटेसुखमाकंद
हरखवंतसबजहंतहंनगरनारीनरब्रींद

चौपाई

केकैसुतासुमीत्रादोउ
सुंदरसुतजनमतभैंओउ
वहसुखसंपतीसमयसमाजा ॥
कहीनसकैसारदअहीराजा ॥
अवधपुरीसोहएहीभांती

प्रभहीमीलनआइजनराती
देखीभानजनमनसकुचानी
तदपीबनीसंध्याअनमा नी
अगरधुपजनबहुअधीआरी
उडइअबीरमनहुअरुनारी
मंदीरमनीसमहजनता रा
५ न्रीपग्रहकलससइंदुउदा रा
भवनवेदधुनीअतीम्रीदुबानी
जनखगमुखरसमयजनुसानी
कौतुकदेखीपतंगभुला ना।
एकमासतेइजातनजा ना।

दोहा

मासदीवसकरदीवसभाःमरमनजानैकोइ
रथसमेतरवीथाकेउःनीसाकवनीवीधीहोइ

चौपाइ

इहरहस्यकाहुनहीजा ना।
दीनमनीचलेकरतगुनगा ना।
देखमहोत्सवसुरमुनीना गा।

बाल

136

चसेलखनवरानतनीजरुमा ॥
कौतोएककहौंनीजचो री
सुनीगीरीजाअतीद्रीढमतीतोरी
काकभसुंडीसंगहमदो उ
मानजरुपजानेननहीको उ
परमानंदप्रेमसुखकु ले
वीथीनीकीरमगनमनभुले
रहसुअचरीतजानपै सो ई
कृपारामकीजापरहो ई
तेहीअवसरजोजनहीवीथीकं ९॥
दीनहभंमजाजेहीमनभा वा ॥
गजरथतुरंगहेममोहो ही ॥
दीनेहीलीपनानावीधीचीर ॥

दोहा

मनसनतोषसवनीके: जंहतहंदेहीं आसीस ॥
सकलतनए चीरंजीव [illegible] : तुलसीदासके ॥ ५५

चौपाई

कछुकदीवससवीतेएहीभांती

जातनजानीएहीनअनराती
नामकरनकरश्रावुसरजानी
अपवोलीपठेमनीजा नी
करीपुजाअपतीअसला ध।
धरीअनामजोमनगनरा ध।
इनकेनामअनेकअन पा।
मैत्रीपकरयसुमतीअननुपा।
जोअनाहिसींधुसुवरा सी
सीपकरत्तेत्रैलोकसुपा सी
सोसुखधामरामअसना मा।
अाधीललोकहाएकवीश्राम।
वीस्यअरनपोषनकरजो र
ताकरनामअरथअसहे र
जाकेसुमीरनतेरीपुना सा।
नामश्राचुहनवेदप्रका सा।

सोहा

लछनधाम [illegible] रामप्रीए: सकललोक
काधार: गऊवसीस्ततेहीरामै ६: लछीमन
नाम ६ हर

चौपाई

चारुसी

घोनाम्मग्नक्रीस्वचीचारी
चेहत्तव्ननीपतनुस्ततचारी
मतीजनयनसर्वससीवप्रान।।
वालकेलीरसतेहीसुखमान।।
चारहीतेनीजपतीहीतजानी
सुछीमनरामचरनरतीमानी।
अर्थसब्रहृनहोतोत्ना १
प्रक्रसेवकजसीप्रीतीवछार
स्यामगौरसंहरहोउजो री
नीरखहीखछपीजननीत्रीनतो।।
चारीउसीलरुपगुनधा मा।
तहपीम्भधीकसुखसागराम।
क्रीस्वमनग्रंडदप्रका स।
सुचतकीनमनोहरहां स।
कवहुंउछंगाकवहुंचापल न।
मातदुलारेकहीप्रीयलल न।

दोहा

व्यापकब्रम्हनीरंजनः नीरगुनवीगतवीनोदः सोअजप्रेमभक्तिवसकौसल्याकेगोद

चौपाई

कामकोटीछबीस्यामसरीरा।
नीलकंजबारीदगंभी रा।
अरुनचरनपंकजनखजोती
कमलदलनबैठेजनमो ती
रेखकुलीसलजअंकुससो हे
नुपुरधुनीसुनीमुनीमनमोहे
कटीकीकीनीउदरत्रयरे खा।
नाभीगंभीरजानजेहीदे खा।
भुजबीसालभूखनजुतभू री
हीएहरीनखसोभाअतीभ री
उरमनिहारपदीककीसो भा।
बीप्रचरनदेखतमनलो भा।
कंबुकंठअतीचीबुकसोहाई
आननअमीतमदनछबीछाई
दुइदुइदसनअधरअरुना रे
नासातीलककोबरनैपा रे
सुंदरश्रवनसुचारुकपो ला।

बाल ६

१३८

अतीप्रीयाममुरत्नोतरीवोध।
नीलजलजनयनवीसाल। ८८
वीकसभ्रीकुरीसरकनवलभाल।
वीकुरकचकुंचीतचंचुवारे
वहुप्रकारसोभानुसवारे
पीतहीगुलीयातनपहीराई
जानपानीवीचारनमहीलाई
रुपसकहीनहीकहीश्रुतीसेष।
सोजानैसपनेहुजीनदेख।

दोहा

सुखसंदोहमोहपरज्ञानगीरागोती त
रंपतीपरमप्रेमवससकरसीसुचरीतपनी॥

चौपाई

इहवीधीरामजगतपीतुमा ता।
कौसलपुरवासीनसुखदा ता।
जीनरघुनाथचरनरतीमानी।
तीनकीएहगतीप्रगटभवानी।
रघुपतीवीमुखजतनकरकोरी।

कवनसकैभवबंधनछोरी
जीवचराचरवसकैराखे
सोमायाप्रभुसोंभयभाखे
भ्रिकुटीबीलासनचावैताही
असप्रभुछाडीभजीऐकहुकाही
मनकर्मवचनछाडीचतुराई
भज[illegible]ता[illegible]कृपाकरीहैंरघुराई
एहीबीधीसीसुबीनोदप्रभुकीन्हा
सकलनगरवासीनसुखदीन्हा
लैउछंगकबहुंकहलरावै
कबहुंपालनाघालीझुलावै

दोहा

प्रेममगनकौसील्याःनीसीदीनजातनजान
सुतसनेहसबमाताःबालचरीतगुनगान

चौपाई

एकबारजननीअन्हवाए
करीसींगारपालनापौढाए

चात९६ 139

नीजकुलरसहेवुलागया न॥
पुजाहेतुकीलभासना न॥
करीपुजानैवेदचढा वु॥
भापगाइजहांपक [illegible] वना॥
चकुरीमातुतहांवलीभा ३॥
भोजनकरतहेषीसतना ३॥
गइजननीसुतपहालएली॥॥
देषाचासतहांपुनीस ना॥
चकुरीभाइदेषासुतसो ३॥
हिरदेएकंपमनधीरनहो ३॥
इहांछहो [illegible] वालकरे षा॥
मतीभ्रममोरकीभानवीसेष॥
देषीरामजननीभकुला ती॥
प्रभहंसीदीन्हमधुरमसकाना॥

दोहा

दीषरायानीजमातुकह: अदभुतरुपअषंड।
रोमरोमप्रतीभ्राजहीं: कोटीकोटीब्रहमं ८

चौपाई

जानी तब श्री आशिसी युबालुकु
यह गीरी सरीत सींध महीकालु
काल कर्म गुन ज्ञान सुभा उ
सो ईश्वर जो सुना न का ऊ
देखी माया सब बीधी गा ढी
अती सभीत जोरे कर ठा ढी
देखा जीव नचावे जा हीं
देखी भगती जो छोरे ता हीं
तन पुलक कीत मन न बचन काऊ
नैन मुंदी चरनन सीर ना ऊ
बीसमय वंत देखी महता री
भए बहुरी सीसु रुप ख रारी
असतुती करी न जाये भय माना
जगत पीता मै सुत करी जा ना
हरी जननी बहु बीधी समुझाई
यह जनी कत हुं कहसी सुन माई

दोहा

140

दोहा बारबारकौसील्याःबीनयकरतकरजोरी
अबजनीब्यापैकबहुंप्रभुःमोहीमाया।
प्रभुतोरीः —— चौपाइ

बालचरीतबहुबीधीप्रभुकीन्हा।
अतीअनंदहदासनकहुदीन्हा॥
कछुककालबीतेसबभाइ
बडेभएपरीजनसुखदाइ
चुडाकरनकीनगुरजाइ
बीप्रनहपुनीबहुदछीनापाइ
परममनोहरचरीतअपारा॥
करतफीरतचारीउसुकुमारा।
मनक्रमबचनअगोचरजोइ
दसरथअजीरबीचरप्रभुसोइ
भोजनकरतबुलावैराजा
नहीआवैतजीबालसमाजा।
कौसील्याजबबोलनजाइ
ठुमुकठुमुकप्रभुचलहीपराइ
नीगमनेतीसीवअंतनपावा॥

ताहिघरऽजननीहठीया वा
यूसरघुरीभोजनका चा
भपतीची हसीगोहवैठांबा

दोहा

भोजनकरतचपलचीतःइतऊतकावुसरपाइ
भाजीचलेकीलकतमषःदधीवोठनबपटाइ

चौपाइ

वालचरीतअतीसरलसोहाइ
सारसेषसंभश्रुतीगा इ
जेहिकरमनऽहि सनहीराता
तेजनवंचीतकीऐचीधा ता
भऐकुमारजवहीसवभ्राता
दीनजनेउगरपीतमा ता
गरुअहपठ नागेरपुवा इ
५ कालैकालवीद्यासवका इ
जाकीसहजस्वासश्रुतीचा री
सोहरीपठयहकौतुकभा री

बाल

141

बीद्याबीनैनीपुनगुनसीला

षेलहींषेलसकलन्रीपलीला

करतलबानधनुषअतीसोहा

देषतरूपचराचरमो———हा

जेहिबीथीनीबीहरहींसबभाई

थकीतहोहींसबलोगलुगाई

दोहा

कौसलपुरबासीनरःनारीबृधअरुबाल

प्रानहूतेप्रीयलागहींःसबकहुरामक्रीपाल

चौपाई

बंधुसषासबलेहींबुलाई

बनम्रीगयाषेलहींनीतजाई

पावनम्रीगमारहींजीयजानी

दीनप्रतीन्रीपहींदेषावहींआनी

जेम्रीगरामबानकेमा———रे

तेतनतजीसुरलोकसीधा———रे

अनुजसषासंगभोजनकरहीं

मातपीताकंज्ञाकानसर हीं
जेहिवीधीसुखीहोहीपुरलो॥
करहींक्रीपानीधीसोइसंजो॥॥
वेदपुरानसुनहीमनला ई
आपुकहहीकरजहिसमझाई
प्रातकालउठीकेरघुना था
मातपीतागुरनावहीम था
आएसुमांगीकरहीपुरकाजा
देखीचरीतहरखेमनरा जा

दोहा

ब्यापकअकलअनीहअज:नीरगुननाम
नरुप:भगत हेतुनानाबीधी:करतचरीत्रअनप ५

चौपाई

यहसबचरीतकहाहमगा ई
आगीलकथासुनहुमनला ई
वीस्वामीत्रमहामुनीज्ञा नी
बसहीबीपीनसुभआश्रमजानी

रा॰ ७

152

जहंजपजोगजग्यमनीकर हीं
अतीमारिचसबाहुहीडर हीं
देषतजग्यनीसाचरधाव हीं
करहीउपद्रवमनीदुषपाव हीं
गाधीतनैमनचींताब्या पी
हरीबीनमरहीननीसीचरपापी
तबमनीबरमनकीन्हबीचारा।
प्रभुअवतरेउहरनमहीभारा।
ऐहीमीसदेषौंपदजा ई
करबीनतीआनहुदोउभा ई
ग्यानबैरागसकलगुनअय ना।
सोप्रभुमैदेषबभरीनै ना।

दोहा

बहुबीधीकरतमनोरथ जातलागि नहिंबार
करमंजनसरजूजलगएभूपदरबार

चौपाई

मनीआगमनसनाजबरा जा।

मीलनगाऐलैसचीवसमाजा
करीडंडवतमनीहीसनमा नी
नीजआसनवैठाऐआ नी
चरनपषारीकीन्हीमनीपुजा
मोसमआजुधन्यनहिंदू जा
वीवीधभांतीभोजनकरवावा
मनीवरहीदयहरषअतीपावा
मुनीचरननीमेलेसुतचा री
रामदेषीमुनीदेहवीसा री
भऐमगनदेषतमुषसो भा
जनुचकोरपुरनसशिलो भा
तवमनहरषीवचनकहरा ऊ
मुनीअसक्रीपानकीन्हीकाऊ
केहीकारनआगमनतुम्हा रा
कहहुसोकरतनलावहुंवा रा
असुरसमुहसतावैंमो हीं
मैंजांचनआऐउंनृपतो हीं
अनुजसमेतदेहुरघुना था
नीसचरवधमैंहोवसना था

ॐ

दोहा

रहस्यपमनहरखीत्तःतजकुमोहअंज्ञान
धर्मसुजसप्रल्लतुमूकहंःइनकहम्मतीक
स्यानः

चौपाई

सुनीराजाअत्तीसुएप्रीयावानी
हीस्यकंपमुबहुत्तीकुम्मलानी
चौथेपनपाएहुसुत्तचा री
चीप्रवचननहीकहुछबीचारी
मांगहुअंमीयीनयनको सा
सावसहेउँआजसहरो सा
हेहुप्रानत्तेप्रीयाकछ्छना हीं
सोउमनीहीउँनीमीषीएकमाहीं
सबसुत्तप्रीयाप्रानन्नकीनाईं
रामसुतनहींचनहींगोसाईं
कहंनीसचारअत्तीघोरकठोरा
कहंसेरासुत्तपमीकीओरा
सुनीवीपगीरप्रेमरसरानी
हीस्यहरखभानाभनीहानी
नववसीहरूचकुचीधीसमहाथा।

त्रीपसंदेहनासकोपा ५

कातीकारहरोउत्तनऐबुलाऐ

हीरयलाउवहुभांतीसीखाऐ

मैरेप्रानानाथतुमहो ७

तुमबीनीपीताभानननहींकोऐ ८

——दोहा——

सोपेउभपरीषीहीसृत: बहुवीधीदेही

कासीस: जननीभवुनगऐप्रभ: चलेना

पदसीस: ——सोरठा——

पुनघसींहहोउचीत: हरषीचलेमननीऐ

हरन: श्रीपासीयमतीधीर: भावीलवी

ह्याकारनकरन: ——चौपाई——

कनकरानैनउखवाहूंबीसाला।

नीलजलहुतनस्यामतमाला।

करीपरपीतकसैवरभा था।

नचीरचापसाएकहुहाथा।

स्योगेगासंदरहोउभा ९

बाल ५८

145

वीसठामीं अमहंगमैंनीपीपकै
प्रभवुम्हान्पहेवुमैजा ना।
मोहितपीतातजेछलगया ना।
चलेजातमनीहीनहेया ई
सुनीताइकाक्रोधकरीया ई
एकहीवांनप्रानहरीली न्है।
हीनजानीतेहीनीजपरहीन्है।
तवरीषीनीजनाथहीजीएखी न्है
वीसठानीथीवकुथीसठासीन्है।
थातेलागीना [illegible] छुथापीया स।
अतुलीतवलतनतेजप्रीयकास।

दोहा

आयुधसकलसैभरपीकैः प्रभुनीजआश्र
मआनीः कंदमलसकलभोजनः हीलक्ष्मानि
हीतजानीः

चौपाइ

प्रातकहामनीसनराघुरा ई
नीरभैजनसकरहुतुमजा ई
होमकरनलागेमनीहा री
आपरेहमखकीरखवा री

सुनीमारीचवनीसाधाको हि
लैसहाइघायुमनीद्रो हि
चीनुफुवानरामत्तेहीमा र
सत्तजोजनगासागपा र
पावुकसर सुबाहुप्रजा र
कनुजनीसाधाककरकसंघा।
मारिकासुरहीजनीरमैकारी
कसतृतीकरहिंरघुमनीहारी
नहेपुनीकछुकेरघुसरघाग।
रहेकोएवीप्रनवास्य य।
भगहितप्रकथापुरा ना।
कहोचीप्रनरुपीप्रलना ना।
तवमनीसाहरकहावृह्म ई
चतितएकप्रलरखीएजा ई
धनधनजसुनीरघुकुलनाथ।
हरखीवलेमनीयुक्केसा थ।
कासुमएकहीवमागमा हि
समाश्रीगजीवुजंतुतहना हि
पुष्पामनीहीसीलाप्रलरे वी

बाल ६

145

सकलकथामुनि कहीबीसे बी

दोहा

गौतमनारीश्रापवसःउपलदेहधरी
धीरःचरनकमलरजचाहितःकृपाकरहु
रघुबीरः

छंद

परसतपदपावनसोकनसावनप्रगटभईत
पपुंजसहीःदेखतरघुनायकजनसुखदाये
कसनमुषहोइकरजोरीरहीःअतिप्रेमअ
धीरापुलकसरीरामुषनहींआवेबचनकही
अतिसयबडभागीचरननलागीजुगल
नैनजलधारवहीःधीरजमनकीन्हाप्रभु
कहचीन्हारघुपतीकृपाभक्तिपाई
अतिनिरमलवानीअस्तुतीठानीज्ञान
गम्यजैरघुराईःमैंनारीअपावनप्रभुजग
पावनरावनरीपुजनसुषदाईःराजीवबिलो
चनभवभयमोचनपाहिंपाहिंसरनैआई
मुनीश्रापजोदीन्हाअतिभलकीन्हापरम
अनुग्रहमैमानाःदेषउभरीलोचनहरी
भवमोचनइहैलाभसंकरजानाःबीनती

प्रभुमोरिमैंप्रतीमोरीनाथनवरमोतोरिआ॥
नाःपदकमर्पपरागारसकाननागानमममन
मधुपकरइपानाःजेहीपदसुरसरितताप
भिपुनीतताप्रभसन्नइसीवुसीसधरीःसांई
पदपंकजजेहिपुजत [illegible] अजममसीरध
रहुकीपायलहीःइहीभांतीसीविचारीगोतम
नारीचारखारहीबारनपरीःजोअतीमन
भावासोवरपद्मागाइपतीलोकअनंहन
रीः॥ —— दोहा ——
असप्रमलहीबवंधुहीःकाररनरहीतअथा॥
सःसुतसीहासुकृतेहीलजःछाडीसकल
जंतजासः —— चौपाई ——
चलेरामलछीमनमुनीसं ॥
गएजहांजगपावुनी ॥॥
काननसहीतप्रभकीऐप्रनाम॥
वहुप्रकारसुवपाऐछरा ॥
पुनीसारसरीऊतपतीरघुराई

कौशिकपहीपुछासीएना १
कहमनीप्रन्नतवकुलएकरा॥
नामसगरतीकलोकवीराजा।
५ तिहिद्वीकेजगन्नामीनी नाा॥
प्रथमकेसीनीसुमतीलघुप्ता॥
सवप्रकारसंपतीगरान्नाजा।
सुतवीहीनमनवीस्मयराजा।
एकसमयहोरुन्नामीनीसाथ।
द्वीप तपेहतुगएरघुनाथ।
सघनसकलवासंदरना ना।
तहांन्द्वीगमनी तपतेजनीधाना।

दोहा

सहीतनारीन्द्रीपमहीतमनःतहांचारवसत्ते
कःकीन्हातपमनलहेद्वीन्नीगःकालजीकी
नन्मन्नेकःस

चौपाई

कहानीजन्हुसप्रनामद्वीपकीनह।
हैरन्नासीसमनीपुरवारी नह।
द्वीपघानीसनमनीकासला॥५।
लेहुसोवजोजहीकान्नीलखा।

सुनीमनीवचनसीसतीनुलाथ॥
हेकुनाथतुमकूजोभा चौ
ऐकहीऐककोछैसतहो ना
दुसरी [illegible] सहससाठीगनलोना।
हरषीतलएछैसुतलागवरूपा हे
हाथजोरीचारननसीरनो हे
सहीतनामीनीहीकावधहीभा२६
हरषसहीतकछुदीवसगवाए६
जानीसुघरीसुंदरासुषसा रु
नामकेसतीकासमंजसजा रु
संमतीप्रसंवानुवनीऐकसो रु
ऐसुतप्रगटकहेमुनिको रु
हरषसहीतहीएहानतरे सु
पुत्रीचीप्रगटगोरीगारा सु
[illegible]तपरसुंदरवीचीधमगा हे
तेसवसुतन्यीपतीनकहेना ऐ

दोहा

ऐहीधीधीत्नऐसकलसुत:पुत्रीसवमनकाम
जाहीहीवसनीसीहरषजत:सनहरामचनस्याम

बाल॰ ७

147

चौपा[illegible]

परीजनसवघरघालीनेस
कृतीकानंहानमीराकलेस
हारसकाबसकलमनचीं ते
एहीसुषसवतवहुतहीनवीते
वालकेलीकरीन्हएकुमा रा
लीलाकरहींकागमससा रा
सरजनहींकवुधीजोकहइ
वीमलसलीअतरहीसीवहइ
प्रजालोककेवालकना ना
नीतउठीतहांकरहींअसनाना।
कासमं[illegible]जसतहांतरनीकाली
तेनहींचछाइवोरनीजपा नी
भरेप्रजासवपरमसुषा री
वालकवृ[illegible]यमुनीसुनहुभारी।
सकलाएतहांवैठन्नीपा ली
वोलेवचननाइपरभा ली
तुमन्नीपचहहुप्रजाप्रतीपाल।

सुततुम्हर्गांसवकारका ला
ननवेहेसवनसुनहुतोर स
वीनातजेनहीभीरहींकसे स

दोहा

नृपसुतकीन्हेपापवहुःमारेवालकवृंद
तुमकहुप्रानसमानरहुःहमकहतेमतिमंद

चौपाई

प्रजागीरासनीधीरजही न्हा
सुतहीहेसतेवाहरकी न्हे
तासुतनऐजगवीहीतप्रना छ
गननीधीकांसुमानतुहीना छ
चसतहीस्यन्त्रोपकेसोके स
कनीमनीमीनसलीलाहजेसे
गऐप्रजासवनीजनीजधा म
भऐतीसोचमनकहुनीश्राम।
चहुरीत्रीपतीमनकीन्हवीचारा।
व्हाडाऐपनचौथहमा ।।

वाल्मी

148

दीजमंत्रीगरसुतनहचुला हे
हीभीगोरीचींघमय्यतवकाहे
उचीरवैंदीकाऐकचला है
देखतचैलनचरनीनहीजा है
मयक्काएंभीतवछाडेछतुरं ॥
चेगवंतहेखीएजीमीछं ॥

दोहा

सरपतीसनीमबहापुलः मनमहकरीम्नमा ८
म्ताइसुंगतवलीकेछः मंमनकोछजा ८

चौपाई

रावेछम्मानीकपीलमनीपाहे
कोछनजानुकाहुगमना हे
जोगयतरोहेसलमससया ते
लेततुंगतीनहुंनहीजा ते
तीनहसवम्माइकहाच्चीपपाहे
महाराजहमकहतया हे
लीवमंगागेमजानलको ह

काहकेऐसोकाजेसुहोई
सुनतवचनत्रीपवीसभैपाए
सकलसुतनकफतुरीतवुलाए
मातुतुरंगसुमेहरफुजाई
सकलचलेचाननसीपनाई
सुरपतीसमसेवीचलवी ।।
सकलयुरं धरकातीरीथी ।।
तीकिंचलतधरनीअकुलाई
चलीपसुजीवभएसवकाई
सुमनवारीकाउपवनवाग।
सरीताकुपवापीकातड़ाग।
नगरगांवमेंहोरथलना ना।
गिरीकाननकेसरकास्थाना।

सोरठा

ऐहिवीधीसोयीफुरंगःक्राएसवमीलीलप
पहिःचरननमाथानाइःवोलेप्रभकहीखः
खनहीः

चौपाई

सोहम्महीसुतकेरीपठाऐ

चारिम्

(149)

चलेसकलसपूर्वरीसीआा ६
जीनकेकरजीमीकुलीसमाना।
जोजननभरीघोरहींचलचुाना।
हेषीअनलचलचीवुधराने
मरहीकहीचीसंचीसनमाने
सोघातमहीपत्तालसवआए
श्रीगजेएकेरबीसीरना ६
तेहीपुकासवकथासुना ६
चहरीसकलसरखीनहीसकाए
एहीचीधीपुनीहसरगजेरुखा।
कातीषतंगग्राचीर्मसचीसेख।
ताक्रुकहप्रनामतीनकी न्हे।
चलेसकलपरवीमचीतहीन्हे।
तीसोहेसीप्रहसीनकी न्हे।
पुनीछारहीसीसोधैली न्हे
श्रीभमनेतरखीरुधपा ६
सकलकपीलमनीरापहिआए
घोरमहीकोईपारनपा वा।

सोजनावकहँसिजलधीसोहाव

दोहा

देखाजनाइतुरंगतवःचांधामनीवरपास
बोलेवचनकोपयहुंजनावहसवकरवास

चौपाइ

सोहामहीहमचारिउभाे या
रोहुसवकतोहीसो या
कोउकहेचोरहीसवकहो ई
एहीसमकलीकावरनहिकोइ
सुनतवचनमनीचीतवराजवहीं
मएलनसमजनमहसवजवहीं
उमावचनजेहीसमजीनवोल।
सुधाहोइवीषतेहिक्रैरलो
पावकजानीधरहीकरप्रानी
नरहीनकाहतेअलीमानी
जानीगरलजेसग्रहकर हीं
सुनहुरामतेकाहेनमर हीं
कोधकीन्हिचीनकीएचीचार।

ग्रातसुं

150

नऐसकलत्तेहीतिजरीछ्वारा।
कुहान्नीपतीकासमानवलाऐ६
नहीकाऐजचतीन्हीपठाऐ६

दोहा

दीन्हेंनीपतीकासीसतवःकाती ही
तवारहीवारःचेगीकीरहुलेइके तुरंगसत्त
मैरपानकजयाःः — चौपाई
चलेऐनाइपहसीसकुमा रा
चीरुनलक्षितिहुपुर ऐजीका॥
जहांकहुंतीरिखीमनीनकेधाम।
पच्चीसवरकरीदंडप्रना म।
चलेमनीन्हसनपाइकासीस।
सोजहुपेहकुजाकुमही स।
पन्नाऐऐगासनपाइकासीस।
चालीहुंगजकहनाऐऐसीस।
एहवीधीसोधतमगामहजात।
मीलेऐनांडुसमतीकेव्रात।
चानपरातखकासीसहऐ ६

जोसकलजगतेहीविधीसोकेहे६
सुनतहीवचनसोचलालारी
लैघ्रासेहेसठथलचारी
श्रुंसमानतहंमंजनकीन्हा
कुमकुमसवहीतीलंजलीहीन्हा
चकृगिगनंद्वोलेसुनतात
मैतोहीकहौकरौएकवात

सोरठ

कासतसोमपाउगंगा:कचहिकवनीमह
हासनतैलघजाइमेजन्कीनेपरमसुख

चौपाइ

सस्टीसहस्त्रतीवके ऐहीवीधी
गंगापाहेपमपावनती धी
सुनीकासवचनहिहयकनुभाऐ
सहीतगाङुमनीचीरपहकाऐ
तवस्रोस चरनूसीरनाऐ६
पावकथाल्नीपकेसुनाऐ६

रामायण

151

आसीसदेइतुरंगामनीही न्हे।
हरषीतहीस्यगाद्नातवकीन्हे।
नगरसमीपागनंदपहंचा ३
गएलभवननीजतवाधुरा ३
महांतुरंगलैन्त्रीपहीसीननाइ
सरसहसमनकयासुना ३
वीसमै हरववीवसन्त्रीपल्लर६
कीन्हाजज्ञहानवहूहए ६
वहूचीधीन्त्रीपतीराजपुनीकीन्हे।
प्रजालोगकहकाते तीसुखहीन्हे

दोहा

आंसमानकोराजसू आयागरेस
ध्याम:साससीचीनआएसहीःमननहै

चौपाइ

वीश्राम:

तासुतनैहसीपत्रीपलए ६
मनातपकाईइसीगए ६
आतीहीकागामतपकीन्हन्त्रीपाला

अऐकाल चीतिकछकाल।
कहउकयनरदीपप्रजत्ता ईू
सेवाजासचकृन्दीपरहेमाई
गेगा बातजेति मयसपतीरहेई
महीमात्तासुकवीथीकह ई
भागीरथकासस्ततजऐताम
पीत्तुसमनीत्तीकाथकिछताम
तीकहीचोलीन्दीपहीनेछाज।
कापचलेछठीत्तपकेका जा।
मनमकुकात्तपथकातमा ना।
सुरसरीकावत्तजोत्तनप्रा ना।
जामीमनत्तनहीन्हेत्तीमीहे छ
कीरीनीजनगरकेनाछनले छ

सोरठ

ऐहीबीथीकत्तवीचीपरन्दीपःकीन्हत्तवप्र
चलत्तपःचीत्तिकछुऐककालःहेहीत्तजेको
छप्रगारनहि

चौपाई

बाल ५९

15[illegible]

सुरसरीलागीतजनहीतनलपा
स्रोतजीमछपीचुहींजलकूपा
रहांलागीरथमनलसलरै
पीतुनलयुवहुहीनचलीगऐ
ककुस्थनामतनैएकरहे
हीनहाराजनीतीवकुकेहे
कहहीपुर्वकथासतपा हां
हीनहसीसचलेछनरना हा
नीकसतनगरसगनसला ऐ
मनतीहीनीचपवनतहलीपआऐ
देषीलागीरथवनसुषपा ह्वा
सुरसरीतुल्लीपकहुमनलाचु
ऐकचरनहीममजाछठा ऐ
रवीसनमुषचीतचुहींमनलाऐ
चरमसलखचीतेएहीलां ती
जातननानेहीनकमरा ती

देखीअग्रतपकानवसीका ए
बोलेतिपिसन वचनसोहाए
चहहिंत्रीपतीसोहेघरसान।
बोलेत्रीपकरिकाजहिपू मान।
जोमांगोसोजानत काहू
मोहिसन मागनपुलसन्मा॥६५॥

सोरठ

तहपीकेहिपूनेरहुवरःममसंत नकीघ्रीधीव
॥ हुसपकहुसेतिहु गंगाकावहीकिरनीकं

चौपाई

एवमसुकहीपुनीतीजकरु ई
सुरसरीहिकिकघनचीधीरह ई
खरेजाहिजाहिपुनीतुरत्तरसातल
कीरीहिनवकरीत्रीपतीसकलमाल
तेहिं तेंकहींएकत्ताहि पांहीं
कातीहियालसंकरमनमा ही

पातालखं

153

सोइसंकराधीहिवसरीआज ।
उनहिंजपेतचहोइहीका ।। ७ ।।
आसकहीवीथीअंतरहीतभए ६
चहुआगीएथसीवतपठए ।। ८ ।।
वीधुचासअंधुसआंधा ।। ९ ।।
चाचासीवनामअचा ।। १० ।।
सीवहथालप्रगेरतचआ ।। ११ ।।
हाथजोरीथ्रीपचीलेसना ।। १२ ।।
मैपासचसरसीहे—आ ।। १३ ।।
चहरीउमापतीगिएकेला ।। १४ ।।

दोहा

कहोंहिवसरीसीववचनःसुनीमनकीन्हधी
पारःजाअरसातसीवसहीतःजातनलाग्रीवार

चौपाई

कंतराजामीसीवरचेउपा ।। १ ।।
नीजसीरजरासोआगमचला ।। २ ।।
हीहंआथीरथआसतूतीकीन्ह

सुनीधीधीधीशखाडीलीधीहीनं

छुटेसोतलैएकचराभा री

चक्रीतेहेधुमकाहिगंगजचा री

सुरसरिजाडसीवृजराससा नी

ऐकचारसतवाहिजेसा नी

कैसेतुकेसीसकलसुराहर से

कहीजेएजैएतीसमनतीलसारे

चहुरजागीरथसमानकी न्हा

सीवतवडारीचुंहएकहि न्हा

तेहातिलडतीनीतवधा रा

गंगतपतोलएकप्रहिसा रा

गउनमसोज्ञाघकोसांपी नी

हेवुबधरानामुमंहाकी नी

सोरठ

इसरीगाइपताय:नामप्रजावृतीहरनदुख
तीसरीलइसोगांगा:सबसंतनकहूकरतसुध

चौपाइ

बालक

154

काइकागीरथत्तपसीतना ऐ
चौलैसुरसरीचन्यतसोह ऐ
चेगीयुंतन्वीपरथलैका न
तेत्रपूलंजनतजीसीससीलां न
तेहिरथचछीचलुन्वीपमम्का ॥
चलीहिमैत्तचपाछेला ग
सुनीन्वीपहीव्यात्तुरत्तरथका न॥
चेछभूहिहयेसुमीपत्तनगपा न॥
चलीकाप्रकरीन्वीपसुरस री
हेवनभहीत्तसुमनहरीक री
चलत्तभेजकछुवरलीनजा ई
इ रहीत्तमगीरिसीसाछेरा ई
करहिकुलाहलजीवुवहुजाती
कमठनीफनलंबा चकुमांत्ती
मंजनकरहिहयुत्तहुका ई
मनीगनसीघरेहसवछा ई

सोरठ

नरपनकरहीवीथीथीवीथीगाहस्थनहीदेखेसमं६
दसंतनैनमधजाइ॥ मंजनकीनेपमहीतन॥

चौपाई

करहिजोमंजनजैमनलाई।
तेहिकेमहिमाकहीनसीराई।
स्पंदनपरज्नीपसोहत्तके से
तेजवंतरवीहैंधीऐजै से
लागतसैलसोहायुनहे सा
पाछेसुरसरीक्योगेनेरो सा
१ हरीखुवासमीपतचलो
तीरथकुमनलोसुखलो री
काइप्रयागपहुंचीकगहा री
तहंमंजनकीनेसुखजा
चकुरीहेवसरीकासीकाईं
सोसीवपुरीसहजसुखदा
चरनीनजाइमनोहरता
कावरीतीरथवीथीधीवीथीजानी

बालप्प

155

गइसहांकोमीकेहोवसा नी
मग्रलोगनीकहकातसमान्॥
जाहीचलीएहीवीथीरघुनाथ॥

दोहा

मोलीविहोरीउन्हधीगइ: उन्हधीहीहियसाथ
मानःलागेउसयहनन्नागीरथहि:तुमस
मधनपननमान:

चौपाई

कीन्हिकामुजसकौनको २
तपमहिमाचलकमनहीहो २
सागरतैतोरतनका ३॥
हासवतनवलएउलकाल॥
काचौरीहेजिकलमहको ४
तीन्हकेसंगातरसचको ४
सकलसुरन्हसंगातहांचीघात॥
त्रीपसचकाइकहीकासवात॥
घन्यूलागीरथजसजगलिए ६
नृन्हसमानन्नीकधुरनलएड ६
कापतीसातप्रतापा रा धी

संभत्तवेदजीव॰ सयसखि।
गंगासागरसबकोउकहहीं
अघउलुकेदेवत्तावीर हीं
भागीरथीअसनामकहैं हीं
सुरमनीसीधनागजसौं हैं
असकहीवीथीनीजलोकहिआऐ
तहांभागीरथकातीसुखपाऐ

छंद

पाऐअभीतसुखचढीपुजीसुरसरीहिमन
लाइकैःतबहीलक्ष्मनसीयसहीतगंगान्हवत
गेउसुखपाइकैः एहीभांतीसुनीगंगाक
थातबरामरीखीचरननहीनऐःकहहा
सनुससीरामलछनहीमसमनीकासी
घहऐः

दोहा

कौसीकआसीसआभीऐसमःसुनीहर
षीरघुनाथःपुलसुखपाऐरोमाहैउभी
चेगीचलीरिमनीनाथ

चौपाई

बाल ९९

150

रामनामतेसंसैजा ई
रेहीघेकरकलहहन्ना ई
गाधीसुतसबकथासुना ई
जेहिप्रकारसुरसरीमहिआ ई
तबप्रभरीषीनसमेतनहा ए
बीबीधीदानमहिसुरनपा ए
हरषीचलेमुनीब्रींदसहा य।
बेगीबीदेहनगरनीअरा या।
पुररम्यतासरामजबदे खी
हरषेअनुजसमेतबीसे षी
बापीकुपसरीतसरना ना।
सलीलसुधासममनीसोपा ना।
गुंजतमंजुमत्तरसभ्रीं गा।
कुंजतकलबहुबरनबीहं गा।
बरनबरनबीकसेबनजा ता।
त्रीबीधसमीरसदैसुखदा ता।

दोहा

सुभगवाटीकाबागबनःचीपुसचीहंगनीवृस
कूलनकदूसुपलवृसोहतपुस्चहुंपा स
चोपाइ चबैनवरनतनगरनीका ई
जहांजाइमनतहांलोला ई
चातृवजाकचीवीनकांचारी
मनीमिजनुचीधीसुकरसवांरी
घनीकचीकूचाघनहसमाना
बैठेसकलवस्तुलेना ना
चौहठसुहागलीसोहा ई
संततरहहीसुगंधसीचा ई
मंगलमयमंदीरसबके रे
चीत्रीतजनलतीनाथचीतेरे
पुरनरनारीसुभगसबसंता
धर्मसीलज्ञानीगुनवंत ता
कातीकनृपजहजनकातिपास
दीव्यकहांचीवृपचीलोकीधीमास
होतचकीतचीतकोरचीलोकी

चास्पए सकलनयनसोनाजनरोकी

दोहा

धवलधामधनीपुरयपरुःसुचरीतनाता

भांतीभीसीयनीवासमुंदरसदनःसोता

कौसीकहीजातः चौपाई

सुनगरसुरसवकुलीसकपाटा

भपलीरनरभागयकाटा

वनीवीसासवाजगिजसाला

हैगजरथसंकुलसवकाला

सुरसचीवसैनावहुते रे

नीपग्रहसरीससहनसवकेरे

पुरवाहरसरसरीतसमीपा

उत्तेजांजंहवीपुलमहीपा

देवीकाननपरएकभमरा दु

सवसुपाससवभांत्तीसोहा

कौसीककहीमोरमनमाना

ष्हांरहीएरघुवीरसुजाना

असाहीनाथकहीक्रीपानीधे॥
जीतेतंहमनीवुरीस्रमे ता
चीस्वामीत्रमहांमनीका ऐ
स्रमाचारमीथलापतीप ऐ

दोहा

संगसचीवसुचीलरीमहः असुरवरगरु गाती
चलेमीलनमुनीनायकहीः महीतराछेहरुखां ती

चौपाइ

कीनप्रनामचरनधरीमाथा।
दीन्हआसीसमुदीतमुनीनाथ।
वीप्रवृंदसवसादरवं दे
जानीभाग्यवडराउअनतं दे
कुसलप्रस्नकरीवारहीवारा
वीस्वामीत्रनीपहीवैठारा
तेहीअवसरआएदोउभाई
गएरहेदेखनकुलवाई
स्यामगौरम्रीदुवैसकीसोरा
लोचनसुखदचीस्वाचीतचोरा।

बालपुर उठेसकलरघुपतीकेभ्राऐ
वीसवामीअनीकरवैठाऐ
भऐसवसुखीहसीहेउनभ्राता।
वारीबीलोचनपुलकीतगाता।
158
मुरतीमधुरमनोहर — वी
मयोवीहेहर्षीहसर्वीसे वी
— दोहा —
प्रेमभगनमनजानीन्रीपःकरीवीवेक
धरीधीरजःबोलेमनीपहनाइसीरःगहगही
रांभीरत्र — चौपाइ —
कहहुनाथसुंदरदोउबालक
मनीकुलतीलककीनृीपकुलपालक
ब्रम्हजोनीगमनेतीमकहीगावा।
उभएभेषधरीकैसोइआवा।
सहजवीरागरुपमनमोरा
थकीतहोतजीमीचंद्रचकोरा॥
तासेप्रभपेछउसतभाउ
कहहुनाथजौ [illegible] नकरहुदुराउ

ईनहीचीलोकतमनकनुरा॥३॥
पारवसब्रम्हसुखहीमनकसा॥३॥
केहमनीचीहसीकहउलीपतीध॥
वचनतम्हारनहोईकाली का
ऐप्रीऐसवहीजहांसगप्रा नी
मनमसकाहींरामसनीचानी
रघुकुलमनीहसरथकेजा ऐ
ममहीतलागीनेऐसपठा ऐ

दोहा

राम लखन दोउ बंधु वर रूप सील बल धाम
मखराखेउसबसाखीजगःजीतिअसुरसंग्राम

चौपाई

मनीतवचरनदेखीकहरा उ
कहीनसकोनीजपुन्यप्रभा उ
सुंदरस्यामगोरदोउभ्रा ता
आनंदहुकेआनंदहदा ता
इन्हकीप्रीतीपरसपरपाव नी

157

कहीनजाइमननमावुसोहावुनी

सुनहुनाथकहमहीततचीरे ६

चुम्हाजीवुहसहजसने ६

पनीपनीपुलहोच्चीतवुनाना ६

पुलकगातउरञघीकउछा ६

मनोहीपुसेसीनाइ परसीस

चलेलेवुाइनगाकनवुनी स

संहरसहनसुमसखका ला

तहांवासलैहीलछमना ला

करीपुजासवचीधीसेवुका ६

गयेरावुमहचीहाकरा ६

दोहा

रीसीएसंगरघुवंसमनीः करीभोजनचीश्री

चैठपुमञ्जनतासहीतःहीवुसरहासरीजाम

चौपाई

लखनहीहैएलालसाचीसखी

जाइजनकपुरआइएहे खी

प्रन्मनैसेचहरीमनोहीसकुचाहीं
प्रगरनकहहीमनहीमसकाही
रामभ्रातजनमनकीगतीजानी
नगमवछलताहींकृपालसानी ४
पभिचीनीतसकुचीमसकाई
बोलेगरभ्रतसासतपाई
नाथलषुपरिषबनचह हीं
प्रभसकीचरप्रगरनकहहीं
जोगाषुरीकाषेसुमेपा ऊं
नारेहवासुतुरीतलेभा ऊं
सुनीमनीसकहावचनसप्रीती
कसनरामतुमराषहुनी ती
धमिसेतुरछकतुमता ता
प्रेमचीवससेचुकसमहाता

दोहा

जाहिहसीभ्रचहुनगारः सुषनीयानहोउभाइ
काहसकलसवकेनैनः संहहचरनहीवाई

चौपाई

160

मनीपदकमलबंदीदोउभ्राता।
चलेलोकलोचनसुषदा ता
बालकब्रींदहेषीअतीसो भा
चलेसंगलोचनमनलो भा
पीतवसनपरीकरकटीभाथा।
चारुचापसरसोहतहाथा।
तनअनुहरतसुचंदनषोरी
स्यामलगौरमनोहरजो री
केहरीकंधरबांहुबीसा ला
उरअतीरुचीरनागमनीमाला।
सुभगसोनसरसीरुहलोचन
बदनमयंकतापत्रयमोचन
काननकनकफुलछबीदेहीं
चीतवतचीतहीचोरीजनुलेहीं
चीतवनीचारुभ्रीकुटीबरबांकी
तीलकरेषसोभाजनचा की

दोहा

नयनिन्हचीतनीसुभगासीरः मैचोक
कुंचीतकेसःनषसीषसंहरषंपुहोउः
सोभासकलसुहेसः —— चौपाइ
हेषीनगरलपसुतका । ऐ
समाचारपुरवासीनपा । ऐ
धाइधामकामसवत्रा । गी
मानहुरंकनीधीलुटनला । गी
नीरषी सहजसंहहोउभौ । इ
होइसषीलोचनकलपा । इ
जवतीलवनहरोषनला । गी
नीरषहीरामनपकनरा । गी
कहहीपरसपरवचनसप्रीती ।
सषीइनकोटीकामछबीजीती ।
सुरनरअसुरनागमुनीमा । हीं
सोभाअसकहुंसुनीअतनाहीं
चारीभुजाबीधीमषधारी
चीवकुबेसमषपंचपुरा । री
अमप्रहेवअसकोउ नआहीं

बाल

16'

एहछबीसखीपटतरीएजाही

दोहा

वैकीसोरसुषमासदन:स्यामगौरसुषधा।
म:अंगअंगपरीवारीए:कोटीकोटीसत
काम:

चौपाई

कहहुसखीकासकोतनधारी
जोनमोहहृयपनीहा री
कोउसप्रेमबोलीमृदुबा नी
जोमैसुनासोसुनहुस्या नी
एहोउबंधुसुथकेछो टा
बालमरालनीकेकसजोटा
मुनीकोसीकमषकेरखवारे
जीनरेनकाजीरनीसचरमारे
स्यामगातकलकंजबीलोच न
जोमारीचसुभुजमदमोचन
कौसील्यासुतसोसुषषानी
नामरामधनुसायकपा नी
गौरकीसोरवेसबरका छो॥

कासरचांपरामकेपा छे
लछीमननामरामलघुभ्राता॥
सुनसखीतासुसमीप्यामाता॥

दोहा

चीप्रकाजकरीचंदुहोछेःमऽमनीघघुछथा॥
माहेहैषनचांपमझःसुनीहरषीसवनारी॥

चौपाई

देषीरामछवीकोउएककहैं
जोगजानकीहीइहवरमाही
जोसखीइनहींदेषीनरनाहू
प्रनपरीहरीहठीकरौबीवाहू
कोउकहएकपतीपहीचानें
मनीसमेतसाहसनमानें
सखीपजंपुनराउनतजई
बीधीवसहैकाघीवेकहीमनई
कोउकहजोभलबहौहैघीघाता॥
सवकहसनीएउचीतकहाता॥

रामः ६६

तौजानकीहीमीलीचाऐ ॥
मोहिनामालीरहोंसदैहे ॥
जोचीधीवसकासवनेसंजोग
तौरकीतत्कोतपुहोइसवलोग
सखीहमेएकवातीमन्तीन्मतें
कयहुंकएकनायुहीमेएहीनाते

दोहा

नहीतहमकहसुनहुसखीःरनहुकररास
नहुरीःऐहीसेघाततवहोइजवःपुरपु
राकीतन्मरीः

चौपाइ

चोलेकापाकेहुसखीनीक।
ऐहीचीवाहमतीहितसवहीक।
कोउकहसंकरचांपकठेरा।
ऐसुरामलघ्रोदुगातकोथोरा।
सखीइनकहुकोउकेउनासकहहि
चाप्रभाउहेसत्तलघुपाहहै
परसाजासुपदपंकजघु ॥

तातिन्हहीव्याप्तकीतन्काघनूरी
सोकीरहहींचीनसोचुघनुसारे
इहप्रतीतीपरीतहीकानन्नारे
जेहीचीरंचीप्योसीआस्या॥
तेहीस्यामसवरस्चोचीचारी
तासवचनसुनीसवहरषानी॥
कैसहीहोइकहहीप्रीइवानी॥

दोहा

हिऐहनवहिवरवहीसुमनःसुमबीसुलोख
नघीहःजाउजाहंजहंवंषुहोछंःतंहंतहंग्र
मक्कानंद॥

चौपाइ

पुरपुरवहीसीगएहोछनाइ
जहंधनसमसमंभीचनाइ
कंतीवीस्ताख्वकावछारी
चीमलवेंहीकानचीमसधारी
चहुंहीसीकंचनमंचवीसाल॥
रचैजहांवैठेमहीपा सा
तेहीपाकहीसमीपचहूपास॥

बाल १६३

अपर मंच मंडली बिलासा।
कुंकुम कंचन सब भांती सोहाई॥
बैठहिं नागर लोग जहां जाई।
तिन्ह के निकट बिसाल सोहाए।
धवल धाम बहु भांती बनाए॥
जहं बैठें देखहिं सब नारी।
जथा जोग निज कुल अनुहारी॥
क पुर बालक कहि कहि मृदु बचना।
सादर प्रभुहि देखावहिं रचना॥

दोहा

सब सीसु तेहि मीस प्रेम बस परसी मनो।
हर गात तन पुलक अति हरष हीऐ।
देखी देखी दोउ भ्रात:॥ चौपाई
सीसु सब राम प्रेम बस जाने।
प्रीति समेत निकेत बखाने॥
नीज नीज रुची सब लेहिं बोलाई।
सहित सनेह जाहिं दोउ भाई॥
रामे देखावहिं अनुजहि रचना।

कहीश्रीहनुमंधुरमनोहरवचन।
लखनीमेघमहल्लवननीकाछेधा।
रवेजासन्मनसासनमासेघा।
जातीझसोप्पहीनहैका ला।
चीनगृतचक्रीतधनसमसहा।
कौतुकदेखीचलेगरपाहीं
जानचीलंकव्यासमनमाहीं
जासच्यासुनरकरहे है
भजनप्रलापनहींबापतसोई
कहीवातेभ्रीहनुमंधरसोहाई
कीलेचीहावालककवरीछाई दोहा
सन्लऐसप्रेमचीनीतकातति
सकुचसहीतहोडका
गुणपहपंकजनाइ सीर
चैठेन्याएसपाईः॥ चौपाई
नीसीप्रवेसमनीमाएसहीनहा।
सवहीसंध्याचंहनकी नहा।
कहतकथाइतीहासपुरानी

बाल ९८

164

रचीरजनीजुगजामसीरानी
मनीवरसैनकीन्हातवजाई
लगेचरनचांपनदोउभाई
जीनकेचरनसरोरुहलागी
करतबीबीधजपजोगबीरागी
तेदोउबंधुप्रेमजनुजी ते
गुरपदकमलपलोटतप्री ते
बारबारमुनीआग्यादीन्ही
रघुबरजाइसैनतबकी न्ही
चांपतचरनलखनउरलाए
सभेसप्रेमपरमसचुपाए
पुनीपुनीप्रभुकहसोवहुताता॥
पौढेधरिउरपदजलजा ता

दोहा

उठेलखननीसीबीगतसुनीःअरुनसी
खाधुनीकानःगुरतेपहलेजगतपतीःजा॥
गेरामसुजानः॥

चौपाई

सकलसोचकरीजाइनहाऐ
नीतनीवाहीमुंनहीसीरनाऐ
समऐजानीगुरआऐसुपाई
लेनप्रसूनचलेदोउभाई
भूपबागुबरदेखेउजाई
जहांबसंतरीतुरहीलोभाई
लागेबीटपमनोहरनाना
बरनबरनबरबेलबीताना॥
नवपलवफलसुमनसोहाऐ
नीजसंपतीसुररुखलजाऐ
चातककोकीलकीरचकोरा
कुंजतबीहंगनटतकलमोरा
मध्यबागसरसोहसोहावा।
मनीसोपानबीचीत्रबनावा॥
बीमलसलीलसरसीजबहुरंगा॥
जलखगकुंजतगुंजतभृंगा॥

दोहा

बालकांड

165

वागतडागवीलोकीप्रभु:हरषेबंधुसमेत
परमरम्यआरामएहे:जोरामहीसुषदेत

चौपाई

चहुंदीसचीतैपुछीमालीगन
लागेलेनदलफुलमुदीतमन
तेहीअवसरसीताताहेंआई
गीरीजापुजनजननीपठाई
संगसषीसबसुभगसयानी
गावहींगीतमनोहरवानी
सरसमीपगीरीजाग्रहसोहा
बरनीनजाइदेषीमनमोहा
मंजनकरीसरसषीन्हसमेता
गइमुदीतमनगौरीनीकेता
पुजाकीन्हअधीकअनुरागा
नीजअनुरुपसुभगवरमागा
एकसषीसीयासंगवीहाई
गइरहीदेषनफुलवाई
तेहीदोउबंधुबीलोकेजाई

प्रेमबीबससीतापहीआ ई

दोहा

तासुदसादेखीसखीन्हःपुलकगातजलनैन
कहुकारननीजहरखकरःपुछहींसबम्रीदुबै

चौपाई

देखनबागकुंवरदोउआ ए
बयकीसोरसबभांतीसोहा ए
स्यामगौरकीमीकहौंबखा नी
गीराअनयननयनबीनबानी
सुनीहरखींसबसखींसया नी
सीयहीऐंअतीउतकंठजानी
एककहैन्रीपसुततजेआ ली
सुनेजेमुनीसंगआएका ली
जीननीजरूपमोहनीडा री
कीन्हेस्वबसीनगरनरना री
बरनतछबीजहंतहांसबलोग
अवसदेखीअऐंदेखनजो ग
तासुबचनअतीसीऐहीसोहाबे

बाल ६६ सरसलागीलोचनअकुलाने
चलीअग्रकरीप्रीयासखीसोइ
प्रीतीपुरातनलखैनको — इ
दोहा
सुमीरीसीयानारदवचनःउपजीप्रीतीपुनीत
चकीतवीलोकीतसकलदीसीःजनुसीसु
म्रीगीसंभीतः — चौपाई
कंकनकींकीनीनपुरधुनीसुनी
कहतलखनसनरामहृदयगुनी
मानहुमदनदुंदुभीदीन्ही
मनसावीस्वबीजैकहुकीन्ही
असकहीफीरचीतएतेहीओरा
सीयमुखससीभएनैनचकोरा
भएवीलोचनचारुअचंचल
मनहुसकुचीनीमीतजेदीगंचल
देखीसीयसोभासुखपावा
हृदयसराहतवचननआवा
जनुवीरंचीसवनीजनीपुनाई

बीरचीबीसयुकहप्रगटदीषा ई
सुंदरताकहसुंदरकर ई
छबीग्रहदीपसीषाजनुबर ई
सबउपमाकबीरहेजुठा री
केहीपटतरीऐबीदेहकुमा री

दोहा प

सीयसोभाहीऐबरनीप्रभुआपनीदसाबीचारी
बोलेसुचीमनअनुजसनबचनसमैअनुहा री॥

चौपाई

तातजनकतनयायहसो ई
धनुसजग्यजेहीकारनहो ई
पूजनगौरीसखीलैआ ई
करतप्रकासफीरतफुलवा ई
जासुबीलोकीअलौकीकसोभा।
सहजपुनीतमोरमनछो भा।
सोसबकारनजानबीधा ता
फरकहींसुभगअंगसुनुभ्राता।
रघुबंसीनकरसहजसुभा ऊ

167

पाठ (६) मनकुपंथपगधरइनका ऊ
मोहिअतीसएप्रतीतीमनकी
जेहिसपनेपरनारीनहे री
जीनीकेलहहीनारिपुरसापीठी
नहिआनहीपरत्रीयापमनडीठी
मागासदहहिअभंगरनांहिं
तेनरवरथोरेजगमाहिं

दोहा

करतवात हीअनजसनःमवसीयागुपवोना
मयमसोजमकरेंहृकवीःकरतमधुपइवपान

चौपाइ

चीतवतचकीतचहुंदीसीसीता
कहंगएनीपकीसोरमनचींता
जहंवीलोकीम्रीगसाएकनेनी
जनतहंवासीकमलसीतश्रेनी
लतावोटतवसखीनलखाऐ
स्यामलगोरकीसोरसोहाऐ
देखीरुपलोचनललचाने

नाथेजननप्रनीथीपहीचाने
थकेनएनरघुपतीछबीदेषी
पलकनहपरीहेरेनीमे सी
अधीकसनेहदेहभेभोरी
सारदससीहीजनबीतबकोरी
लोचनमगरामहीऊरआ नी
दीन्हेपलककपाटसयानी
जबसीयसषीन्हप्रेमबसजानी
कहीनसकहीकछमनसकुचानी

दोहा

लताभवनतेप्रगटभेःतेहीअवसरदोउभाइ॥
नीकसेजनजुगबीमलबीधुःजलदपटलबीलगाइ॥

चौपाइ

सोभासीवसुभगदोउबी र
नीलपीतजलजाभसरी र
मोरपंखसीरसोहतनी के
गुछबीचबीचकुसुमकली के

पत्र ९६ मालतीलकश्रमवीऽसोहाऐ

श्रवनसुलगाश्रुबनछवीछाऐ

चीकरलीकुटीकचपुंघुरारे

नयसरोजलोचनरत्तनारे

चारुचीबुकनासीकाकपोला

हासवीलाससेत्तमनमोला

भ्रुबछवीकहीनजाइमोहीपाहीं

जोवीलोकीचहुकामलजाहीं

उरचनमालकंबुकलग्रीवा

कामकलभकरभुजबलसीवा

सुमनसमेत्तवामकरदोना

सांवरकुंवरसखीसुठीलोना

१६८

दोहा

केहरीकटीपटपीतधरःसुखमासीलनीधान

देखीभानकुलभुषनहीःबीसराससीन्हआपान

चौपाइ

धरीधीरजएकआलीसयानी

सीतासनवोलीगहीपा ती
वहरीगौरीकरध्यानधरे ह
न्पकीसोरंरेवीकीनले ह
सकुचीसीयातवनऐतछचारे
संनमसहोऊरघुवीरनीहा रे
नमरीसहेवीरामकीसो भा
समीरीपीताप्रनमनभातीछोभा
परवससखीनलखाजवसी ता
भऐगहलसवकहहीसलीता
पुनीआऊवऐहीवारहीका ली ५
कासकहीमनवीहसीऐकआली
गर्छागीरासुनीसीयसकुचानी
भइवीलंवमातुभैभा नी
धरीवडीधीररामउरआ नी
कीरीआपनपोपीतुवसजानी
दोहा
देखनमीसुखीहंगातसःकीरतचहीवली ॥
भ्री ७।

नीरखीनीरखीरघुबीरछबीबाढीःप्रीतीनथौ

चौपाई

बाल २६

जानीकठीनसीवचापबीसुरती
चलीराखीउरस्यामलमूरती
प्रभुजबजातजानकीजा नी
सुखसनेहसोभागुनखा नी
परमप्रेममैम्रीदुमसीकी न्हें
चारुचीत्तभीतरलीखीली न्हें
गइभवानीभवनबहो री
बंदीचरनबोलीकरजो री
जैजैजैगीरीराजकीसो री
जैमहेसमुखचंद्रचको री
जैगजबदनषडाननमा ता
जगतजननीदामीनीदुतीगाता।
नहितवआदीमध्यअवसाना।
अमीतप्रभावबेदनहीजाना।
भवभवबीभवपराभवकार नी
बीस्वबीमोहनीस्वबसबीहारीनी

दोहा

पतीहियगतासतीऐमकुःमातप्रथमतवरे ५
महीमाजानीतनकहीसकहीःसहसारोहसु ५

चौपई

सेवततोहीसुलभकलचा री
चरहाऐतोश्रीपुरारीपीया री
देवीपुजीपहकमलतुम्हा रे
सुरनरमुनीसवहोहीसुभा रे
मोरमनोरथजानतनी के
वसहुसदाउरपुरसवही के
कीन्हेप्रगटनकारणाते हि
असकहीचरनगहेवैदे हि
वीनयप्रेमवसभइभवा नी
खसीमालमुरतीमुसका नी
सादरसीयप्रसादुसीरधरे उ
वोलीगौरीहरखहीयेभरे उ
सुनीसीयसतीकासीसहमारी

चास १ पुजहींमनकामनातुम्हारी

नारदबचनसदासुचीसांचा

सोबरमीलहीजाहीमनराचा

छंद

मनजाहीराचेउमीलहीसोबरसहजसुंदर

सांवरोःकरुणानीधानसुजानसीलसनेह

जानतरावरोःएहीभांतीगौरीअसीससुनी

सीयसहीतहीयहरखीतअलीतातुलसीभ

वानीहीपुजीपुनीपुनीमुदीतमनमंदीरचली

सोरठा

जानीगौरीअनुकुलःसीयाहीयाहरखनजा

इकहीःमंजुलमंगलमुलःबामअंगफरकनलगे।

चौपाई

हीरदेसराहतसीयालोनाई

गुरसमीपगवनेदोउभाई

रामकहासबकोसीकपाहीं

सरलसुभावछुवाछलनाहीं

सुमनपाइमुनीपूजाकीन्ही
पुनीआसीसदोउभाइनदीन्ही
सुफलमनोरथहोहुतुम्हारे
रामलखनसुनीभैएसुखारे
करीभोजनमुनीवरवीज्ञानी
लगेकहनकछुकथापुरानी
वीगतदीवसगुरआएसुपाई
संध्याकरनगएदोउभाई
प्राचीदीसीससीउदयसुहावा
सीयमुखदेखीसरीससुखपावा
बहुरीवीचारकीन्हमनमाहीं
सीयेवदनसमहीमकरनाही

दोहा

जनमसींधुपुनीवंधुवीखःदीनमलीनसकलंक
सीयामुखसमतापावकीमीःचंदबापुरोरंक

चौपाई

चाल २

171

घैरवैछवीरहीनसुखहा ई
गरसैराहुनीजसंथहीपा ई
कोकसोकसहपंकजद्रो हि
कमयुगनचतचंद्रमातो हि
चैहेहीमसपरतसही हे
होइहोयघड्कमनचीनकी हे
सीयेमघछचीवीयुव्याजँखानी
गरपहँचलेनीसावडीजा नी
करीमनीचरनसरोँपुना मी
कमाइसुपाइकीनुचीश्वा मी
वीगतनीसारघुनाऐकजा गे
चंधुवीलोकीकहनकमसलागे
उद्यकमरागाकवलोकहुताता
पंकजकोकलोकसुखहा ता
चोलेलखनजोरीजगपा नी
प्रनप्रनावसचककरोइद्वानी

दोहा

अरुनउदैसकुचेकुमुदउडगनजोतीमलीन।
तीमीतुम्हारआगमनसुनीभएन्रीपतीवलहीन॥

चौपाई

न्रीपसवनखत्तकरहीउजीयारी
टारीनसकहीचांपतमभा री
कमलकोकमधुकरखगनाना।
हरषेसकलनीसाअवसाना।
ऐसेहीप्रभुसवभगततुम्हा रे
होइहीटुटेधनुषसुखा रे
उऐभानवीनश्रमतमनासा।
दुरेनखतजगतेजप्रका सा
रवीनीजउदयेव्याजरघुराया
प्रभुप्रतापसवन्रीपन्हदिखाया।
तवभुजवलमहीमाउदघाटी
प्रगटीधनवीघटनीपरपा टी
वंधुवचनसुनीप्रभुमुसकाने
होइसुचीसहजपुनीतनहाने

बाल १

174

नीसश्रीयाकरीगुरपहीओ ९
चरनसरोजसुभागसीरना ९
सतानंदसतयजनकबुला ९
कौसीकमनीपहीतुरितपठा ९
जनकचीनतीतन्काइसुनाइ ।
हरषेबोलीलीएहोछन्ना ।

दोहा

सतानंदपुनवंदीपरःचैठगुरपहीजा य
यलहुतातमनीकेहेञ्जतव:पठयाजनकबु
लाइ

चौपाइ

सीएसयंवरसीएजा ।
इसकाहीघीहेहीवरा ।
लषनकहीजसभाजनसो ।
नाथश्रीपतयुजापाहो ।
हरषेमनीपुरसनीचरबा नी
हीलन्मसीसिसयहीसुषमानी
पुनीमनीप्रीहसमतश्रीपाल ।
देषनचलेधनसमषसा ला

रंगभूमी आए दोउ भा ई
अस सुधी सब पुरवासीन पाई
चले सकल ग्रह काज बीसारी
बाल जवा जठर नरना री
देखी जनक भीर भइ भा री
सुची सेवक सब लीए हंका री
तुरीत सकल लोगन पहि जाहु
आसन उचीत देहु सब काहु

दोहा

कही म्रीदु बचन बीनीत तीन्ह बैठारे
नरनारी: उत्तम मधीम नीच लघु नीज नीज थ
ल अनुहारी: — चपाइ

राजकुंवर तेहि अवसर आए
मनहु मनोहरता तन छा ए
गुन सागर नागर बर बी रा
सुंदर स्यामल गोर सरी रा
राज समाज बीराजत रू रे
उडगन महु जनु जुग बीधु पू रे

वाल॰३

173

जीनकेरहीलाछनजे सी
प्रभमुरतीसेषीतीनोत सी
रेखलीनपमहारणधी रा
मनहुचीरएसयेरसरी रा
उरकुटीलनीपप्रभहीनीहरी
मावहुमयांनकमूरतमा री
रेंमाघरछुंमोटीपचे घा
तीनप्रनप्राराकासमेरघा
पष्वासीने हे सेहोविना ई
नरभषनलाचबसघदा ई

दोहा

नारीबीलोकहीहारीहीहीए॰नीजनीजनबी
कानपः॰जनसोहासीयारवरीह॰मसतीपभक
कानप

चौपाइ

वीहुसनप्रभचीरारमेहो सा
वहुमसकरपगसोचीनसीस
जनकजातीमरलोकहीके स
सजनसंगपुीयलागहके से

सहितवीरहचीलोकहिश नी
सीसमपुीतीनजाइयसा नी
जोगीनपरमनतापमैयभासा
शांतमुयसमसहजप्रका सा
हीभक्तनतीरसेहोष्कभा ता
ईस्टंपप्रवृसवसुसहा ता
रामहिचीतवुभावुजेहिसी या
सोसतेहसुखलहीकपती का
छभ्नवृत्तीवककहीसवकैकोई
कैनप्रकारकै हकवीको ई
एहीवीधीरहजाहिजुला ६
तहितसरीखकैसबा ६

दोहा

राजतराजसमाजमहःकौसलराजकीशो र
संस्ससाभलोरतनःचीरवीमोयवचो र

चौपाई

सहजमनोहरमरतीहोष्ठाकोटीकमभ्छपमासघुसछ
संस्वंदनौसकमभवनीकोानीरजनैनलावतनीके
चीतवनीचारुमारमहरनीाभाक्ताहिदजातनहि
वानी

पारा १

184

कसकपोलश्रुतीकुंडलहोला
चीबुकअधरसुंदरश्रीदुचा ला
कुमरुचंधुकरनीरुकहा सा
श्रीकृपीधीकरमनोहरता सा
भालवीसालतीलकहूसका हि
कचवीलोकीअलीअवलीसजांघि
पीतचौतनीसीरनसोहा है
कुसुमकलीवीचवीचवना है
रेखाअवींकंचुकसग्री ची
जनश्रीलखनसुषमाकोसी रा

दोहा

कुंजरमनीकंठ कसीत्तःउरतुलसीकामा ल
श्रीसंलकंधकेहरीठवनीःचलनीधीवांहुवीसु ल

चौपाइ

करीतुनीरपीतंर्भवा धे
करसाधनअवामकरकां धे
पीतजग्यउपवीतसोहा ऐ
नखसीखमंजुमहांछवीछा ऐ
देखीलोगसकलभएसुखा रे

ऐकरककसोनयनरहीनररे
हरषेजनककेरषीहोऊंमा   रे
मनीपहकमलगहेजवजा   रे
करीवीनतीसवकथासुना   रे
रंगऋयुनीसवमनीहिदीवा   रे
जहंतहंजाइकुवारहो   उ
तहंतहंचकीरषीतऐसवको   उ
नीजनीजनकरामहीसवहे   बा
कोउदतजानकष्टकुर्मसवासीका
मेल रवनामनीदीपमुषकेउ
राजाप्रहं मूरतीतसुषलह

दोहा

सवमंचनतेमंचएक सुरषीसरषीसाल ॥
मनीसमेतहेउचंमृतहेवेहरेमहीपा   ल ॥

चौपाई

प्रलहीरषीसवनीपएहा   रे
जनरकेसउदेऐलऐता   रे
कसप्रतीतीसवकेमनमा   हीं
रामचांपतोरचसंष्ठा ना   हीं
चौनमंजहरनचवनसवीसाला।

बाल १७५

175

मैसीहीसीयारामछाभा ला
कसचीत्रारीगुनहुवाल्ला इ
जसप्रतापवलतेजा [illegible] पा इ
वीहसेम्मपाल्मपसुनीचा नी
जेम्कचीवेकमधमम्कमीभानी
नोरेहुधलसवच्याहुम्कायुगा हा
वीनतोखोकुंवरीचीचा हा
ऐकवारकवैवीकीनहो ७
सीयहीतसर्मजीतवहमसा ७
ऐहसुनीकापम्नपमसुका ह
धमिसीयारीनाकसेका ते

सोरठ

सीयवीवाहवराम: गवेविणीसवर्नापन के
जीतीकेपमकेसंग्राम: हमसरवकेरनवांकु रे

चौपाइ

द्रीथामरहुजनीगासवजा इ
मनमोहक [illegible] कमम्मवब्ता इ
सीयकमारीसुनीपमिपुनी ता
जमहंवा [illegible] जानकीनीरसी ता
नातपी [illegible] तारघुपतीकिवीवा ए

मरीलोचनक्छवीलिकुनीलि ग
सुंहासुखहसक लगनग सी
स्होछचंधुसंलछगवासी ॥
सुवासमनदुसनी वील दू
स्त्रीगजलनीसीपाकुकत वा रू
काकुजहजाकहसीड़ आ वृं
हमतीकाजुनमकलपा वृ।
कासकहीजलेपकाला गे
नपकानपवीलीकुनद्या गे
हैयहीसुनमकछेवीभा ना
चरसकीसुमनकाहिकला ना

दोहा

मानीसुकचुरसीएितवत्पठयुजनकुवला दू
चनुासखीसेहसकलसाहवलीलिवा दू

चोपाइ

सीवसोमलहीजाइवसा नी
जगहंवीकाजपानसा नी
उपमासकलमोहीलपुला गी

बाल १८

178

प्रान्कीत्तनारीन्संगम्लनरा गी
सीयवरनीयते ३ उपमाहे ई
कोकवीकहैं॥नसकोले ई
जैोपटतरीन्जतीयसमसी या
जगन्कसीजवतीकहलकमनीया
मीराममयत्तनन्कायेल्लवा नी
रतीन्कत्तीदृष्टीतकात्तनृपतीजानी
वीयवानुनीवंयुप्रीयजे हि
कहीएमासमकौमोचैहै हि
जौक्छवीसुधापयोनीधीहो ई
परमनपमैकच्छपसो ई
सोलाराजमंदरुसींगा रु
मथैपानीपंकजनीजमा १

दोहा

एहवीधीउपजेलछीजवः सुंदरताससुषम ल
तदपीसकोचसमेतकवीःकहहीसीयसमतुल

चौपई

चलीसंगलैससीसया ती
गावतगीतमनोहरवा ती
सोहनव[illegible]नसंहरसा री
जगजननीकातुलीतछबीला री
केसनसकलसुहेससोहा ए
कांगकंगरचीससीन्हचना ए
रंगलंभीजवसीयपगधा री
रेखीनपमोहेनरवा री
हरसीसुरन्हईंदुभीवजा ई
वरसीप्रसुनकापच्छ[illegible]गा ई
पानीसरोजसोहेजेएमा ला
काचनकंचीजेसकललल्लाला
सी[illegible]कैरीत[illegible]रामहीचाला ना
मनमोहवससवनरना हा
मूतीसमीपपरखेहोउला ई
लागलकीलीनयननीरीपा ई

दोहा

बाल २१ गुरजनलाजसमाजवड़ःदेखीसीयासकुचा।
नीःलागीवीलोकनसखीन्हतनःरघुवीरहि
उरआनी ———— चौपाई ———— ४४४

रामरूपअरुसीयछबीदेखे बी
नरनारीन्हपरीहरेनीमि बी
सोचहींसकलकहतसकुचाहीं
वीधीसनवीनैएकरमनमाहीं
हरुवीधीवेगीजनककजड़ता १
मतीहमारीअसदेहुसोहा २
वीनवीचारपुनततजीनरनाहु २
सीयरामकरकोवीवाहु ३
जगभलकहहीनाासबकाहु ३
एहीलायसामगनसबलो ४
वरसांवरोजानकीजो ४
तववंदीजनजनकवुला ५
वीहावलीकहतचलीआ ५
कहनीजाइकहहुपनमो ६ ५

177

चलेलोगसबहीऐसबनथोरी ।

दोहा

वोलेवंदीवचनवरसुनहुः सकलमहीपाल ॥
प्रनवीदेहकरकहहिहमः भुजाउठाइवीसाल

चौपाइ

नृपभुजबलवीधुसीवधनराहु
गरुआकठोरवीदीतसबकाहु
रावनबानमहाभटभारे
देखीसरासनगवहीसीधारे
सोइपुरारीकोदंडकठोरा
राजसमाजआजुजेहीतोरा
त्रीभुवनजैसमेतवैदेही
वीनहीवीचारवरैहठीतेही
सुनीपनसकलभूपअभीलाषे
भटमानीअतीसैमनमाखे
परीकरवांधीउठेअकुलाई
चलेइष्टदेवनसीरनाई
तमकीताकीतकीसीवधनधरही
उठइनकोटीभांतीवलकरही

जालप९

178

जीनकेकछवीचांमनमा हीं
चांपसमीपमहीपनजा हीं

दोहा

तमकीतमकीघनघरहीन्दीपः ऊठऊबन्चलहीं
सजाईमनलूपाइकमच्वाहुंवसः कवीकन
यीकागमकाहु:ा —— चौपाई
मपसहसहसऐकहीवा रा
लगेऊठापुलटफनटु रा
द्रौनसंभसरासनके से
कामीवचनसामीमनौजे से
सवन्नीपलऐजोगऊपह सी
जैसेंवीनवीगसेना ही
कीरतीवजिवीरताला री
चलेचांपकरवसवसहा री
श्रीहतजऐहारीहीऐरा अ
वैठेनीजनीजनाफ्रसभा जा
न्नीपहीवीलोकीजनंकुसा रे
वोलेवचनसोषजनसा दे
हीपहीपकेमपतीनाना ॥

आपसनीहमजोप्रनठा ना
हेवुहनजयरीमनजसरी ग
चीपुलचीस्काऐरैनधी ग

दोहा

कुंवरीमनोहरवीजयचंद्रीःकीरतीक्रातीकमनीय
पायूनीहारवीसंचीजनःस्चेउनयनहमनीय

चौपाई

कहहुकाहुहलालिननला चु
काहनसंकरचापचला चु
रेहोचलाउचतोखला ई
तीसलरीलंमनसकेस्क्या ई
काचजनीकोउआमैलरमानी
चीरवीहीनमहीभिजा नी
तजकुमासनीजनीजग्रहजा हु
लीमानचीयीवैस्हीवीवा हु
सुकीतजाईसोप्रनपरीहर क
कुंवरीकुंवरीरहेकाकर क

बालकांड

जौंजानतेछवीनल्लसकीमिलाई
तौप्रनकरीहोतेछनहसा ई
जनकवच्चनसुनीसचनरनारी
देखीजानकीहोम्मएदुखा रे
मासेलधनकुटीललेलों है
५८ रहैकसकत नयनरीसो है

दोहा

कहीनसकतरघुवीरसःसागेवचनजनचांन
नाशामपहकमलसीरःबोलेगीराप्रमा न

चौपाई

रघुवंसीनकमहजनंहंकोउहो इ
तेहीसमाजअसकैहनको इ
कहैजन्कअसअनचीतबानी
वीद्यामानरघुकुलमनीजानी
सुनहुभानकुलपंकजभा न
कहौसुभावनकछुअभीमान
जोतुम्हार अनसासनपा वौ

कंदुकइवब्रह्मांडउठा वौं
कांचेघटजीमीडारौंफो री
सकौंमेरुमूलकजीमीतो री
तुवप्रतापमहिमाभगवा ना
कोवापुरोपीनाकपुरा नी
नाथजानीआसआयसुहो ऊ
कौतुककरौंबीलोकीअसो ऊ
कमलनालजीमीचांपचढावौं
जोजनसतप्रमानलैजा वौं

दोहा

तोरौंछत्रकदंडजीमीः तुवप्रतापबलनाथ
जौंनकरौंप्रभुपदसपथः करनधरौंधनुभाथ

चौपाई

लषनसंकोपवचनजबबो ले
डगमगानीमहीदीगजडो ले
सकललोगसवभूपडरा ने
सीयहीयाहरषनजनकसकुचाने

बाल॰ ९०

180

गुररघुपतीसबमुनीमनमाहीं

मुदीतभएपुनीपुनीपुलकाहीं

सैनरघुपतीलखननेयारे

प्रेमसमेतनिकटबैठारे

बीस्वामीत्रसमयसुभजानी

बोलेअतीसनेहमयबानी

उठहुरामभंजहुभवचापा

मेटहुतातजनकपरितापा

सुनीगुरबचनचरनसीरनावा

हरखबीखादुनकछुउरआवा

ठाढ़भएउठीसहजसुभाए

ठवनीजुबामृगराजलजाए

दोहा

उदीतउदयगीरीमंचपरःरघुबरबालपतंग॥

बीकसेसंतसरोजसबःहरखेलोचनभृंग॥

चौपाई

नृपनहकेरीआसानीसीनासी

बचननखतअवलीनप्रकासी

मानीमहीपकुमदसकुचा ने
कपटीभूपउलूकलुका ने
भऐवीसोककोकमनीदे वा
वरसहीसुमनजनावहीसे वा
गुरपदवंदीसहीतअनुरा गा
राममनीन्हसनआऐसुमा गा
सहजहीचलेसकलजगस्वा मी
मत्तमंजुवरकुंजरगा मी
चलतरामसवपुरनरना री
पुलकपुरीतनभऐसुखा री
वंदीपीतरसुरसुक्रीतसंभा रे
जोकछुपुन्यप्रभाउहमा रे
तोसीवधनम्रीनालकीना ई
तोरहीरामगनेसगोसां ई

दोहा

रामहीप्रेमसमेतलखी:सखीन्हसमीपवुलाइ
सीतामातुसनेहवस:वचनकहैवीलखा इ

चौपाई

चाल१९

सखीसबकौतुकेहसनीहा रे
जेऊकहाचुत्तहीतुम्हा रे
कोऊनवृहाइकैहेन्द्रीपपा हि
ऐचालकमासीपिछ्नलना हि
रावनचांनझुयानहिचां पा
हरीसकसन्पकरीहां पा
सोधनुराजकुंयुरकाहे हि
चालमरालकीमंहरहे हि
रूपसयानीपसकलसीरानी
सखीवीचीगतीकछुजातीनजानी
चोलीचतुरसखीपिसुवा नी
तेजधुंतलधुगनीऐनरा नी
कहकुंन्नजकहेसीधुकसपारा
सोसेऊसुजससकलसेसा रा
रवीमंडसेहेसतलघला ॥
ऊहयतासखीभयनतमला ॥

दोहा

मंत्रपभिलधुजासुवसः वीथीहीहरसुरसर्वे

महांमंत्रराजराजकः वसकरणांकुसबंधं

चौपाई

कामकुसुमधनसायकलीन्हे
सकलभुवनआपनेवसकीन्हे
देवीतजीकासससेजानी
भंजवधनसरामसुनरानी
ससीवचनसुनीलछुपातीती
मीरावीसाहवाछीकातीप्रीती
तवरामहीवीलोकीवैदेहीं
सनैहीहियवीनवहीजेहीत्तेहीं
मनहीमनमनावअकुलानी
होउप्रसंन्नमहेसभवानी
करहुसकलआपनीसेवकाई
करहीतहरहुचांपगरुआई
गननायेकवरदायेकदेवा
आजलगेकीन्हीतवसेवा
वारवारवीनतीसुनीमोरी
करहुचांपगुरुताअतीथोरी

बालकां

दोहा

हेखीहेखीरघुवीरतनःसुरमनावधरीधीर
भरेवीलोचनप्रेमजलःपुलकावलीसरीर

चौपाई

नीकेनीरखीनयनभरीसोभा।
पीतुप्रनसुमीरीबहुरीमनछोभा।
अहहुतातदारुनीहठठानी
समुझतनहीकछुलाभनहानी
सचीवसभैसीखदेइनकोई
बुधसमाजवडअनुचीतहोई
कहंधनुकुलीसहुचाहीकठोरा।
कहंस्यामलम्रीदुगातकीसोरा।
वीधीकेहीभांतीधरौमनधीरा।
सीरससुमंकीवेधीऐहीरा
सकलसभाकेमतीभैभोरी
अवमोहीसंभुचापगतीतोरी
नीजजडतालोगनपरडारी
होहीहरुअरघुपतीहीनीहारी

182

८

कातीप्रतापसीयामनमा हीं
लवनीमिवजगसहसमजा हीं
——— दोहा ———
पलहींचीतइपुनीचीतवमहीराजतलोचन
लोलःखेलतमनसीजमीनजगःजनवीधु
मंडलडोला ——— चौपाइ
गीराकलीनमसपंकरो की
प्रगटनलाजनीसाकवली की
लोचनजलरहलोचनको ने
जैसेंपमिकीपीनकरसो ने
सकुचीव्याकुलतावडीजा नी
धरीधीजप्रतीतीउरका नी
तनमनवचनमोरप्रनसां चा
रघुपतीपदसरोजमनरा चा
तौभगवानसकलउरवा सी
करहीमोहीरघुवरकेदा सी
जेहीकेजेहीपरसत्यसनेहु
सोतेहीमीलेनकछुसंदेहु

बाल २८३

183

प्रभुमनचीतप्रेमपनठा ना
कृपानीधानराममनजा ना
सीयहीबीलोकीतकेउधनुकैसे
चीतवगरुडलघुब्यालहीजैसे

दोहा

लषनलषेउरघुबंसमनीताकेउहरकोदंड
पुलकीगातबोलेबचनचरनचांपीब्रह्मंड

चौपाई

दीसीकुंजरहुकमठअहीकोला
धरहुधरनीधरीधीरनडो ला
रामचहहीसंकरधनुतो रा
होहुसजगसुनीआएसुमोरा
चांपसमीपरामजबआ ए
नरनारीन्हसुरसुक्रीतमनाए
सबकेसंसउअरुअग्या न
मंदमहीपन्हकरअभीमा न
भ्रीगुपतीकेरगर्बगरुआ ई
सुरमुनीबरन्हकेरीकदरा ई

सीऐकरसोचजनकपछीता

रानीनकरहाजनदुखहा ५।

संजमांपवइचोहीतपा ६

जऊजाइसवसोगचना ६ ५

रामवाहुवलसीकापा ७

चाहतपारनकोउकहहा ७

दोहा

रामवीलोकेसोगसवःचीत्रलीखीसेहे सी

चीतएसीऐकीपाएतवःजानीवीकसवीसी सी

चोपाइ

हेखीवीपलवीकहूहू हे

नीमखीवीहाइकलसमत हे

त्रीखीतवारीचीनजोतनसा गा

मएकेकेकासयातरा गा

कावरखाजवक्रीखीसरा ने

समोचकपनीकापछीता ने

सी

कासजीएजानीजानकीदे

पा० ९८

184

प्रनपलकेलखीप्रीतीचीत्र वी
गरहीप्रुनामनहीमनकीन्हा
क्रत्तीलाचवूठठाइघनलीन्हा
हमकेछहामीनीजीमीजचलसे ६
पुनीनन्त्रघनखमंडलसमन्ले ६
लेत्तचछावृत्तमैंचत्तगा ६
लखानकाकेहसखवठा ६
तिहीच्छीनराममघ्यघनत्तो रा
मऐन्नयुनयूनीघोरकठो रा

छंद

मेरन्नयुनघोरकठोरखुरखीचाजीतजीमारा
चलेःचीकरहीद्दीगजडोल क्रहीमहिकोल
॥ कुरकेलमलेःसुरन्नासुरम नीकरकानहीने
सकंचुकिलवीचारहीःकोइंडखंडनरामतुल
सीजितीवचनउचारहीः सोरठ
संकरचांपजहाजःरघुवरसागरवाहुबल
चुडेसकलसमाजःचढेजोप्रथमहिमोहबस

चौपाई

प्रभुहोउचापखंडमहीसा रे
हैघीलोगसवजनऐसुसा रे
कौतुकजनपपयोनीवीपव न
प्रेमवारीकावगाफसोहाव न
रामनपराकेसनीहा री
चाछतवीवीपुलकावलीमारी
चाजेजमगहगाहेनीसा ना
हैघुवधुनाचैकरीगा ना
वृंमहादीकसरसीयमनी सा
प्रभुहीपुसंसहींहेहीकासीसा
वरसहीसुमनांगवहुमा सा
गावहीकीकनरगीतरसा सा
रहालपुनलरीजेंजैंचा नी
धनसलंगधुनीजातनजा नी
महीतकहीजहंतहंनरना री
मंजेउरामकांकधुनलना री

वालकाण्ड

185

दोहा

वंदीमागधसूतगनःवीरीदहाली मत्तीधी र
कपहीनीछावरलोगसवःहैकेगएधनम
नीचीरः चौपाई
हंहत्रीहंगसंगसहना ई
मोरीठोलढुलीसोहा ई
याजहीवङचाजनेसोहा ये
जहंतांजपतीनहमेगासग ये
ससीनहसहीतहमयीतकातीयनी
सुखनधानपराजनपा नी
जनकसहेहसुससोच्चवीहाई
पैजतयकेथाहजनपा ई
श्रीहमजनमेहेलपयनङ रे
जैसहीवसहीपसवीयू रे
सीयसुमहीपवरनीयकेहीलांती
जनचाचीवकपाजवासा ती
रामहीलसनवीचीवकतकै से
ससीहसवकोरकीपसपकजे से

सतानंदतवआएसुदी न्हा।
सीतागवनुरामपहिंकी न्हा।

दोहा

संगसखीसुंदरचतुरःगावहिंमंगलचा र
गवनीबालमरालगतीःसुखमाअंगअपार

चौपाई

सखिन्हमध्यसियासोहतिकैसी
छबिगनमध्यमहाछबिजैसी
कारसरोजजैमालसोहा ई
वीश्वबिजयसोभाजेहिंछा ई
तनसकोचुमनपरमउछा हु
गूढप्रेमलखीपरैनका हु
जाइसमीपरामछबिदे खी
रहिजनककुंवरीचित्रकावरे खी
चतुरसखीलखीकहाबुझा ई
पहिरावहुजैमालसोहा ई
सुनतजुगलकरमालउठा ई
प्रेमविवसपहिराइनजा

वाल ९९

186

सोभाजनजगजननीना ला
ससहिसलीतंहतजएम ला
गावहिसुकिमवलोकिसहेली
सीयजैमालरामउरमेली

सोरठा

रघुवरउजैमालःस्वीहिहुवरसहिपसुम न
सकुचेसकलभूआलःजनवीलोकिरवी
कुमुदगनः

चौपाई

पुरअरुव्योमवाजनेवा जे
खलभएमलीवसाधुसवराजे
सुरकिनरनरनागमुनी सा
जैजैजैक[illegible]हिदेहिआसी सा
नाचहिगावहिवीवुधवधु टी
वारवारकुसमावलीछु टी
जंहतंहवीप्रवेदधुनीकर हिं
वंहीवीरदावलिउचर हि
महीपतालसनाकजसव्या पा
रामवरीसीएभंजेउचां पा

करहींआरतीपरनारना री
देहींनीछावरीचीरचीसा री
सोहतीसीयारामकैजो री
छबीसींगारमानहुएकठौ री
सखीकहहींप्रभुपदगहसी ता
करतीनचरणपरसआतीलीता

दोहा

गौतमश्रीएगतीसुरतीकरी:नहीपारसती
पगपानी:मनवीहसेरघुवंसमनी:प्रीतीक
बौकीकजानी: चौपाइ

तबसीएहेवीनयपअनीलाये
कुरअपततमछमनमा ये
छठीछठीपहीरीसनाहअमा गे
जहंतहंगालवजावनला गे
लेहुअउासीयाकहयो छ
धरीबांधहुनीपवालकसे छ

बाल १

187

तौखंडनधकाजनहीसर ।
जौपुत्तहमहींकुपरीकोचर ।
जौवीहिहकछुकैसहा ।
जौत्तहुंसमरसहीत्तरोछमा ।
सावृन्नपचोलेसुनीवा नी
राजसमाजहीलजलजा नी
चलप्रत्तापचीरत्तावडा ।
नाकपीनाकहीसंगसीधा ।
सोइसुरत्ताकीन्नवककहुंपा ।
भसवुधीत्तोचीधीमहमसीला ।

दोहा

हेषकुरामहीनैंनमरीः त्तजी [illegible] रीधामह्मा १०
लषनरोसपावकप्रबलः जानीसर्जनी ६

चौपाइ ५

चैनतेवलीजीमीचहका ।
जीमीसमचेहनागकारीमा ।
जीमीचहकुससम्नकारनकोही

सवसंप्रहाचौहसीवह्रो ही
लोकोलोलुप [illegible] कीरत्तीचहई
कायकलंकीकीकामीलह ई
हरीपदचीमसपमेगत्तीचा ह
त्तसत्तुमारलालचनरना ह
कोलाहलसुनीसीयसकानी
ससीलिवाइ[illegible] जहंरा नी
रामसुनायचलेगरपा हैं
सीयसनेहचरनत्तमनमा हैं
रानीन्हसहीत्तसोचवससीया
मनचयौचीथीहीकाम्फरनीया
न्मपवचनसुनीछत्तउत्तकहहीं
लखनराम[illegible] बोलनसक हीं

दोहा

मनुननैनलीकुटीकुटीलःचीत्तवात्ती
पलहसंकोपःमनहंभंत्तगजगणानीखी
सीयचकीसोरहिचोपः चौपाई

पत्र ९८

188

घरन्नहेमीवीकलन्भरना री
सवमीलीहेहीमहीपनगा री
तेहीन्नयूसारसुनीपीयूयनलं॥
न्नायेछन्नीगिकुलकमसपतं॥
हेयीमहीपसकससकुचा ते
याजहपटजनसयालका ते
गौरसीरक्नतीलन्नीन्ना जा
भालवीसालत्रिपुंड्वीरा जा
सीसजटाससीवहनसोहा वा
सीसवसककका नगाहेड्न्न॥५॥
न्नीकुरीकुरीलनैनीराइराते
सहजकचीतयुतमनहीसाते
ग्रीवंन्नकंघछचाड्वीसाल।
यान्जनेछमालन्नीगन्नाला
कटीमनीवसनतंनदुग्वा घे
यनसाकाकुठाकलकां घे

दोहा

सांतवेसुकरनीकठीनःचरनीनजाइसजप
यरीमनीत्तनजनवीरसःआएजहांसवलु

चौपाइ

हेसतल्मीगपत्तीविसकरा ला
ठेसकलम्नयवीकललमाखा।
पीत्तसमेतकहीकहीनीजनाम।
लगोकरनसवहइप्रना मा
जेहीमुलायचीत्तवहीहीतजानी
सोजानेजनकाइखोरा ती
जनकवहोरीआइसीर नाव।
सीयावलाइप्रनामकरा वा
आसीसहीनीसखीहरखानी
नीजसमाजलैगइसया नी
चीपूआमीचमीलपनीआ ई
पदसरोजमेलेहोठआ ई
रामलखनदसरथकेढो टा
हीनहीआसीसदेहीमलजो टा
रामहीत्वीतरहेथकीलोच न

रूपकानेकमारमस्मोच   न

दोहा

चहुरीवीलोकेवीहहसनःकहङ्कहाकती
भिःपुरुखतजानीकाजानेजमीःध्यापेउ
कोपसरीरः

चौपाई

189 समाचारकहिजनकसुना   ए
जेहीकारनमहीपसबका   ए
सुनतवचनकुरीकानतनीहा   रे
हेखेवांपसंभमहीदा   रे
कातीरीसवोलेवचनकठो   रा
कहुजड़जनकधनसकेहीतोरा
वेगीहिबाउमढनतका   ज
ऊलटौमहिजहंलगीसवरा   ज
कातीदरखातरहेतन्वीना   हीं ५
दो: कुँवलनपहरखेमनमा   हीं
सुरमनीनागनगानरना   री
सोचसकलञ्चासठाला   री
मनपछीतातीसीयामहतारी

वीधीञ्चवसंघरीवातवीगारी
श्रीग्पत्तीकरसल्लावसुनीसीत॥
श्रथनीमेसीकल्पसमवीत॥

दोहा

सलेवीलोकेलोगसव॥ जानीजानवीवीर
वौहनहषवीमास्कच्छ॥ बोलेश्रीरघुवीर

चौपाई

नाथसंलघनलंजनहा॥
होइहीकोउएककहासतुम्हारा॥
काएसकाहुकहीञ्चकीनमोही
सुनीरीसाइवोलेमनीकोही
सेवकसोजोकरैसेवका
अरीकरनीकरीकरीअलराई
सुनहुरामजेहीसीवधनतोरा॥
सहसवाहसमसोरीपुमो॥
सोवीलगाइवीहाइसमाजा॥
नतमारेजहहींसवराजा॥
सुनीमनीवचनलसनमसकाने

पत्र ९

190

बोले परम प्रेम ...करुणा मा ने
बहु धन होत तो लीला रीका ज्ञि
कबहूं न जस रीस की नहीं गोसांई
इहां धन न पर्म मता के ही है नु
सुनी ही सारुक हन्यो गकुल केतु

॥ दोहा ॥

देव्वी प बालक काल वस: बोलत तो हीन सं
ताप: धन ही सम श्री पुरारि धनः वी ही तास व
ल संसार: ॥ चौपाई ॥

सब धन कहे लोजा ना
सुन हेरु सब धन सस मा ना
कात्कालीसल जीरघ न तो रे
देखाराम न धंकेभा रे
छुवत टुरस धपती ही न दो ष
मुनी बीन काज करी ऐक तीरोष
बोले चीती परस की वो रा
देस ठ सने ही सुन्य वनमो रा
बालक बोली वधौ न ही तो ही

कैंवलमनीजऽजानहीमो हीं
वालब्रम्हचारीक्रीतिको हीं
वीरवुवीहीत छत्रीकुलमोहीं
कजवलकंभीलपवीनकीनहीं
वीपुलपेमहीहेवुनकरी नहीं
सहसवाहकेजपछेदनीहा रा
परसवीलोकीमहीपकुमा रा

दोहा

मातपीतहीजनसोचवस:करसीमहीसकी
सोरू:गरभनकेऽालककदलन:परसमोरी
तीघोर:

चौपइ

वीहसीलखनवोलेम्रीदुवा नी
कहौमनीसमहांभटमा नी
पुनीपुनीमोहीहेसावूकुठार
चाहतउडावनफुकपहा र
ईहांकुम्हडावतीकोउनाहीं
जोतरजनीहेखतमरीजा हीं
हेखीकुठारसरासनवा नी

गालप

मैकछुकहासहीतकलीमान॥
२ नोकछुकहकसहोरीसरो की
१ कोग्यकुलसमहीजनेषवीलोक॥
सरमहीपसाहीजनकनगा ६
हमारेकुलाहनहपरनेसुरा ६
चंधपापकापकीरत्तीहा २
मारत्तहुंपांएपरीएत्तमहा २
कोटीकुलीससमवचनत्तम्हरा॥
वीप्याघरहघनचानकुठा २॥
दोहा
जोचीलोचीकानचीतकेहेः छमहमहा
मनीयीरः सनीसरोवकोगचंसमनीः चोले
गीरागंलीरः चौपाइ
१९।
कौसीकसनहमंहरहचाल क
कुरीलकालवसनीजकुलचाल॥
भानवंसराकेसकल कु
नीपरनीरंकुसकनचुघकासं कु
कालकचुरहोइहींछीनमा हीं

कहौपुकारीषोरीमोहीना हीं
तुमहटकहुजोचहहुउवा रा
कहीप्रतापवलरोषहमा रा
लषनकहेउमुनीसुजसतुम्हारा।
तुम्हहीअछतकोवरनैपा रा
अपनेमुषतुम्हआपनीकरनी
वारअनेकभांतीवहुवर नी
नहिसंतोसतपुनीकछुकह हु
जनीरीसरोकीदुसहदुषसह हु
वीरव्रतीतुम्हधीरअछो भा
गारीदेतनपावहुसो भा

दोहा

सूरसमरकरनीकरहिःकहिनजनावहिआपु
वीद्यमानरनपाइरीपुःकायरकथहीप्रता पु

चौपाई

तुम्हतौकालहांकजनुला वा
वारवारमोहीलागीवोला वा
सुनतलषनकेवचनकठो रा
परसुसुधारीधरेउकरघो रा

अवजनीहिइहोसमोहीहोग
कइवानीबालकवधजो ११
बालचीलोकीवकृतमैवा चा
अवधीकुमारनीहारल्लासां चा
कौसीककहाकुमीऐकापराधु
बालहोसगनागनीऐनखा धु
करकुठारमैकाककलनको हि
आगीकापराधीगिरहो हि
उतरेहेतछोडंवीनमा रे
केवलकौसीकसीलतुम्हा रे
नतऐहीकाटीकुठारकठो रा
गरहीउरीनहोतेउअ्रमथोरा

दोहा

गाधीसुँनकहहीह्यहसीःमनीहहरीकरी
सुहः [illegible]उसमय
अजहुनवुझअवुझः चौपाइ
कहेउलखनमनीसीलतुम्हारा
कोनहीजनवीदीतसंसा रा
मानपीतहीउरीनलऐनी के

गरीनरहासोचवड्जी के
सीरीनहमरेमाथेका ठा
हीनचलीगएैछव्याजवकुचाठा
कावकानकुच्योहरीक्षावो सी
तरतहेठमैथइलीसो ली
सुनीकटुवचनकठोरसीधा ग
हायहायसबसलापका ग
श्रीरघुवरपरसुहेसावकुमो हि
चीपृवीचारीवचोलीपेद्दा हि
मीलेनकवकुसुकरनगा छ
हीजरहेवलघरहीकेचा छ
कानचीतकहीसबलोगापुकारे
रघुपतीसरऐनहीयसननेवारे

दोहा

सघनबनहारकाहतीसरीसः श्रीरघुवरकोपछी
सानःचाठतहेहीजलसमवचनःचोलरघु
सन्मानः चोपाइ
नाथकाउवालकपरछो ६

बाल ९६

193

सुधसुंदरामयकरीक्मलनको हु
जैोपैप्रलप्रलाछकरुकजा ना
तैकीवराचरीकैकैाइका ना
चोलत्तलरानहिजलकद्या हि
मस्वकाफुमलचीत्तललना हि
थरथरकांपहिंपानरना री
छोटकुमाराखोटमातीमा री
क्रीगृपती [illegible] सनीसुनीनीलम्ख्यानी
रीसत्तनजैरहोइवलहा नी
चोलरामहींहदनीहे य
च वै वीचारीयंयुलघुत्तो रा
मनमलीनततनसंहरकै से
वीसरसनराकनकचरजै से

दोहा

सुनीलछीमनवीलसेवहरीःनैनततेरराम
गरसमीगुवनेसकुचीःपरीहरिखानीचाम

चौपाई

कात्तीवीनीभ्रीडसीत्तलवानी
चोलेरामजोरीजगपा नी

सुनहुनाथतुम्हसहजसुजाना।
बालकबचनकरीएनहींकाना॥
बरैबालकएकसुभा ऊ
इनहींनसंतबीदुसहींका ऊ
तेहिंनाहिंकछुकाजबिगा रा
अपराधीमैंनाथतुम्हा रा
कृपाकोप बधंगोसां ई १८०
मोपीकरीअदासकीना ई
कहीअबेगीजेहीबीधीरीसजा ई
मुनीनायकसोकरीएउपा ई
कहामुनीरामजाइरीसकै से
अजहुंअनुजतवचीतैअनै से
एहीकेकंठकुठारनदी न्हा
तौमैंकाहकोपकरीकी न्हा

दोहा

गर्भस्रवहीअवनीप रवनीसुनीकुठारगती
घोरःपरसुअछतदेखौंजीअतःबैरीभूपकीसोर।१।

चौपाई

पालमू ८

194

चैनलायहैरीसखा ती
मोकुठाकुंसुलनीपचा ती
भेऐछचाभवीयीकीरछसुना ६
मोरेहिहऐकीपाकसीका ६
काजैदैछहुसहुसहसहा च
सुनीसैभोश्रीवीहसीसीरनापु।
चोछकीपाभलीकनकु ला
वोलतवचनहुरतजनकु ला
जोपेकीपाजरहीमनीगा ता
कोयभएतनरासुचीया ता
हेघुजनकहठवालकए ह
चीनवलतजजमपुरगु ह
चेगीकाहकीमकांखीनकोट।
हेसतवोरखैरनीपर्छं द
चीलसेसघनकहामुनीपाहीं
मंरहमांखीकतहंकोछना हीं

दोहा

परसरामतबरामप्रतीःबोलेऊत्नतीक्रोध
संभसरासमतोरीसठःकरसीहमारप्रबोध

चौपाई

बंधुकैहदुसंमततो रे
नुखुसबीनेकरसीकरजो रे
करपरीतोसुमोरसंग्रा मा
नहितोधाडुकहाछेवरा मा
छलतजीकरहीसमरसीवद्रोही
बंधुसहितनतमारौंतो ही
भ्रीगुपतीकहीकुठारउठाए
मनमसकांहीप्रामसीरना ए
गनहुलखनकरहमपररो सु
कतहुंसधाकुंतेवडहो सु
टेउजानीसंकासबका हु
चब्रुचंद्रमाग्रसेसीसरा हु
रामकहेरीसतजहुमनी सा
करकुठारकोआगहुसी सा
जेहरीसजाइकरीऐसोहुस्वामी

बाल ८५

195

मोहि जानी आपन अनुगामी

दोहा

प्रभु हि सेवक हि समर कस तजहु बीप्र बर रोष ॥
बेष बीलोके कहि से कछु बालकहु नहि दोष ॥ ५ ॥

चौपाई

देषी कुठार बान धनु धारी ॥
भइ लरीक हि रिस बीर बीचारी ॥
नाम जो पै तुम्ह हि न रची ॥ ८ ॥
बंस सुभाउ उतर ते हि दी ॥ ८ ॥
जौ तुम्ह अउते उ मुनी की नाई ॥
पद रज सीर सीसु धरत गोसांई ॥
छमहु चुक अनजानत के ॥
चाहि अ बीप्र उर कृपा घनेरी ॥
हम ही तुम हि सरी बरी कस नाथा ।
कहहु न कहां चरन कहं माथा ।
राम मात्र लघु नाम हमारा ॥
परसु सहित बड नाम तुम्हारा ॥

हेयुऐकगुनघनसहमा रे
नवगुनपमिपुनीततुम्हा रे
सवप्रकारलमातुम्हसनहारे
छमहुवीप्रुकापरावलमा रे

दोहा

चारवारमुनी[illegible]कहाःकहारामसबरा म
वोलेकखीगपतीसिनयह[illegible]ःतुहुंवंधुसमवाम

चौपाइ

वीपटहीरीजकाजनहीमोहीं
मैजसवीप्रसनाचौता हीं
चापसवासएकहुतीजा न
क्रोधमोएकातीवोएकीसान
समीवीमेंनचनरोगसहा ई
महामतीपनऐपसका ई
मैएहीपारसकारीयलहीं है
समएजनमाकोटीनकी है
मोरप्रनाछवीहीतनहीता रे

गाल९८

196

चोलीसीनीदरीवीप्रकेल्लो २

मंजेछचांपुहापवडाचा ॥ ७

कहमीतीमनहृजीतीजछा७।

रामकहामनीकहहूवीवां री

रीसल्मतीवरीसचुचुकहमारी।

पछुल्मातहीडटपीनाकपराना।

मैकहीहतकरोल्मल्मीमाना।

दोहा

जोहमनीहरहीवीप्रुघ १ सतसनहजी

गनाथाः तोकिससकोजगसुलटजे हिःलै

सवनवहीमाथ — चौपाई

हपहलजलपतील्लिहना ना।

रामवलकरीपाकहोछवलचुना॥

जोरनहीमेपाल्चारीको ६

लाहीसवनकालकीनाहो६

छश्रीतनयरीसमरसका ना।

कुसकसंकजेहीपांचुल्माना।

कहौं सुनाउ न कलही प्रसंसी
कालकार ही नरन रघुबंसी
वीप्रबंस के असी प्रभुता ई
अभै होए जो तुम्ही डेरा ई
सुनी म्रीदु गुढ बचन रघुपती के
उघरे पटल परसुधर मती के
राम रमापति कर धनु लेहू
खैंचहु [illegible] मोर मीटै संदेहू
देत चाप आपुही चली गएउ
परसुराम मन बीसमै भएउ

दोहा

जाना राम प्रभाउ तब: पुलक प्रफुल्लीत गात
जोरी पानी बोले बचन: प्रेम न हृदये समात

चौपाई

जै रघुबंस बनज बन भानु
गहन दनुज कुल दहन क्रीसानु
जै सुर बीप्र धेनु हीतका री

पत्र १९

117

जैमहमोहकोहम्रमहा री
चीनैसीलकरुनाक्रुनसाग र
जैतीचचूतोम्नतीनाग र ५५
सेवकसुखदसुभागसचम्रांग ।।
जैसरीरछुचीकोटीम्नानं ग ।।
कोकहामघऐकपुसं सा ।।
जैमैलसमनमानसहं सा ।।
म्नचीतचहतकेहैम्नदास ।।
कमहुछमामंहीरहोछम्रात ।।
कहीजैजैरघुकुलके नु
म्रीगुपतीगऐचनहीतपैहे नु
काचलऐकुटीलमहीपडपा ने
जांमतहकोऐगावहीपरा ने

दोहा

हेप्रनहीनकाहुकुमी: प्रत्नपावरघुहीकु ल
हरखेसुरनरनारीसव: मीटामोहम्नेएसु ल

चौपाई

म्नतीगमहीहेचाजनेवा जे

सचहीमनोहरमंगलसा जे
जुथजुथमीलीसुमुखीसुनै नी
करहीगानकलकोकीलवै नी
सुखवीदेहकरवरनीनजा ई
जनमदरीद्रमनहुनीधीपा ई
वीगतत्रासभैसीयासुखा री
जनुवीधुउदयचकोरकुमा री
जनककीन्हकौसीकहीप्रनाम।
प्रभुप्रसादधनुभंजेउरा मा
मोहीक्रीतक्रीत्यकीन्हदुहुभा ई
अवजोउचीतसोकहीअगोसां ई
कहमुनीसुनुनरनाहप्रवी ना
रहावीवाहचांपआधी ना
टुटतहीधनुभयेउवीवा हू
सुरनरनागवीदीतसवका हू

दोहा

तदपीजाइतुम्हकरहुअवः जथावंसव्योहा रु
वुझवीप्रकुलव्रीधगुरःवेदवीदीतआचा रु

चौपाइ

दुतअवधपुरपठवहुजा ई

गुरु १

198

ज्ञानहीनी परसरथ बोला ३
महीतराउ कहीन लेहीक्षीपाल।
पठऐ हुत बोलीते हीका ला।
चढ़ी महाजन सकल बोला ऐ
ज्ञाऽस वहीं साहसी एना ऐ
हाट बार मंही रस राखा सा।
नगर सवां रुच्चारी रूपा सा।
रुखी चले नीज नीजग्रह आऐ
पुनी परी परीचार क बोली पठऐ
रखरु यी सी थवी ताान वना ३
सी षरी चच न च लेस चुपा ३
पठऐ बोली गनी वीनना ना।
जे वीतान चौथी कुसमुजा ना।
चौथी हीये हीती नकीनकसं आ।
वीसं चेठ कनके रसीकेसं ना।

दोहा

हीतमनी नकेप चकल:पहमांगाकेकु ल
रखनाहे थी थीथी यमतीःमतीचीस्वीकरल ल

चौपाई

वेनछीत्तमनीमयसवकी न्हे
सालसपिरवपरहीनहीवी न्हे
कनककलीतकाहीवेलीवनाई
सवीनहीपैसपरनसोहाई
तेहीकेस्वीपच्छीवंह्वनाई
वीचवीचमकताहामसोहाई
मानीकमरकतकुलीसपीरोजा
चीत्केरीमचीस्वेसरोजा
कीएन्हीगवहरंगवीहंगा
गुंजहींकुंजहीपवनप्रसंगा
सुरप्रतीमाखंभन्हगाछीका छी
मंगलद्रवलीएसवठाछी
चौकेभांतीअनेकपुराई
सीयुरमनीमयसहजसुनाई
दोहा
सोरमपह्लवसुभगसुठीःकीएनीलमनीकोरी
हेममोरमरकतघवरफलसतपाटमयडोरी
चोपाई
रचेरुचीरचरचंदनवारे

चालु ५८

मनहोमनोमचुकंदसवां रे
मंगलकलसमनेचैना रे
धुजपताकपरचमरसोहा रे
हीपमनोहमनीमयना ना
जाइनवरनीवीसीचवीता ना
जेहीमंदकदसहीनीवैह हि
फोचरनेकासीमतीकचीके हि
दुलहारामजपगुनसाग र
सोचीतानतीलुसोकउजागर
जनकभवनकैसोभाजे सी
ग्रहग्रहप्रतीपुरहेसीकूतै सी
जेहीत रहततेहीसमैयनीहरी
तेहीलसचुलगा भवनदूसचारी
जोसमप्रहानीचग्रहसो हि
सोचीसोकीसुरनाएकमो हि

दोहा

चसैनग्रजेहीलछीकर एकपरनारीचखेव
तेहीपुरकीसोभाकहत सकुचीसारदासेव

चौपाइ

पहुंचेदूतरामपुरपाव न
हरखेनग्रबीलोकीसोहाव न
भूपदुआरतीन्हखबरीजना ई
दसरथन्रीपसुनीलीऐबुला ई
करीप्रनामतीन्हपातीदी न्ही
मुदीतमहीपआपुउठीली न्ही
बारीबीलोचनबाचतपा ती
पुलकगातआईभरीछा ती
रामलखनउरकरबरची ठी
रहीगऐकहतनखाटीमी ठी
पुनीधरीधीरपत्रीकाबांची
हरखीसभाबातसुनीसा ची
खेलतरहेतहांसुधीपा ई
आएभरथसहीतहीतभा ई
पुछतअतीसनेहसकुचा ई
ताततकांतेपातीआ ई

दोहा

कुसलप्रानप्रीयाबंधुदोउ:कहहुकहाहहींकेहि
देस:सुनीसनेहसानेवचन:बांचीवहुरीनरेस

चौपाई

चौपाई:

४००

सुनीपातीपुलकेदोउभ्रा — ता
अधीकसनेहसमातनगा — ता
प्रीतीपुनीतभरथकैदे — खी
सकलसभासुखलहेउवीसेखी
नवन्नीपदुतनीकटवैठा — रे
मधुरमनोहरवचनउचा — रे
भैयाकहहुकुसलदोउवा — रे
तुम्हनीकेनीजनएँखनीहारे
स्यामगौरधरधनुभा — था
वैयकीसोरकैसीकमनीसाथा
पहीचानहुतुम्हकहहुसुभा ऊ
प्रेमवीवसपुनीपुनीकेहराऊ
जाहीनतेमनीगएहलया — ई
तवतेंकाजसांचुसुधीपा — ई
कहहुवीदेहकवनवीधीजाने
सुनीप्रीयावचनछ्कामसुकाने

दोहा

सुनहुमहीपतीमकुटमनी : तुम्हसमधन्युनकोउ
रामलखनजाकेतनय : जोगवीचीलसनेहोउ

चौपाई

पुछनजोगनतनयतुम्हा रे
पुरुससींहतीहुपुरउजीआ रे
तीन्हकेजसप्रतापकेआ गे
ससिमलीनरवीसीतलला गे
तीन्हकहंकहीऐनाथकीमीची न्हे
देखीआरवीकीदीपकरली न्हे
सीऐसयंवरभूपअने का
समीटेसुभटएकतेए का
संभुसरासनकाहुनटा रा
हारेसकलभूपवरीआ रा
तीनीलोकमहंजेभटमा नी
सवकेसकतिसंभधनभा नी
सकैउठाइसुरासुरमे रू
सोउहीऐहारीगएउकरीके रू
जेहीकौतुकसीवसैलउठा वा
सोउतेहीसभापराभउपा वा

दोहा

तहांरामरघुवंसमनीःसुनीऐमहामहीपाल
भंजेउचापप्रयासवीनःजीमीगजपंकजनाल

चौपाई

गौरि॰ २

201

सुनीसरोसकल्त्रीग्रुनाएेकल्लाए
चख्रजलांतीतीनकुलांघ्वीरहीसाए
रैथीरामचलनीजंघनही नह
करीचरूचीनएगवूनचनकी नह
राजनतामल्लानलचलजे से
तिजनीधानलखनपुनीते से
कंपहींल्लपचीलोकत्तजा के
जीभीकरहरीकीसोकेत्ता के
हैवरेसीनवूचालकहा ७
ञ्जवूनीकांसीतरम्मचेनकोउ
हुतवचनरचनाप्रीयसा गी
प्रेमप्रतापचीररसपा गी
सभासमेतराउकनरा गे
हुतनहेनतीख्याचूरीला गे
कहीकनीतीतेमंहहीका ना
रंभवीचारीसवहीसखमा ना

दोहा

तवहींल्लपवसीस्स्कह॥ हीन्हींपत्रीकाजा ६
कथासुनाझरहीसवः साहरदृत्तचोला ६

चौपाई

सुनीबोलेगुरअतीसुषपा ई
पुरायपुन्यषकहमहीसुषदा ई
जीमीसरीतासागरमहीजा हीं
जद्यपीताहीकामनाना हीं
तीमीसुषसंपतीवीनहींबोला ऐ
धर्मसीलपहीजाहींसुभा ऐ
तुम्हगुरवीप्रधेनसुरसे वी
तसीपुनीतकौसील्यादे वी
सुक्रीतीतुम्हसमानजगमा हीं
भएऊनहैकोउहोनेऊना हीं
तुम्हतेअधीकपुन्यबडका के
राजनरामसरीससुतजा के
बीरबीनीतधर्मव्रतधा री
गुणासागरवरबालकचा री
तुम्हकहुसर्वकालकल्या ना
सजहुबरातबजाइनीसा ना

दोहा

चलेबेगीसुनीगुरबचन: भलेहीनाथसीरनाइ ॥
भूपतीगवनेभवनतब: दूतनवासदेवाइ ॥ १

चौपाई

बाल २२

702

राजासबरनीवासबुला ई
जनकपत्रीकाबाचीसुना ई
सुनीसंदेससकलहरखा नी
अपरकथासबभूपबखा नी
प्रेमप्रफुल्लीतराजहीरा नी
मनहुसखीनीसुनीबारीदबानी
मुदीतअसीसदेहीगुरना री
अतीआनंदमगनमहंता री
लेहींपरसपरअतीप्रीयपा ती
हीरदयलगाइजुडावहींछा ती
रामलखनकैकीरतीकर नी
बारहीबारभूपबरबर नी
मुनीप्रसादुकहीदुआरसीधाए
रानीन्हतबमहीदेवबोला ए
दीएदानआनंदसमे ता
चलेबीप्रबरआसीषदे ता

सोरठ

जाचकलीएहंकारीदीन्हीनीछावरीकोटी
बीधीःचीरजीवहुसुतचारीःचक्रवतीदसरथके

चौपाई

पुनीजनन्हनीछावरीदी न्हे

हेतसवकोखकाहुनहीकी हे
कहाचलेपहीरिपरना ना
हखीहकैगाकगहनीसा ना
समाचारसवलोगनपा ऐ
लागेघरघरहोनवधा ऐ
कहुनचारीहसकराउछा हु
जनकसुतारघुवीरवीका हु
सुनीसुभकथालोगअनुरा गे
सवग्रहगलीसंवारवला गे
जदपीअवधसदैससोहावनी ए
रामपुरीमंगलमयपाव नी
तदपीप्रीतिकीरीतसोहा ई
मंगलरचनारचीवना ई
धुजपताकपटचामरचा रु
छायापरमविचीत्रवजा रु
कनककलसतोरनमणीजा ला
हरीदुवदधीअछतमा ला

दोहा

मंगलमयनीजनीजभवन:लोगनरचेवना ई
वीथीनीसींचीचरसुगंधसव:चौकेचारुपुरय ई

पालर २३

203

चौपाई

जहंतहंजूथमीलीसबभामीनी
सजीनवसप्तसकलदुतीदामीनी
बीधुबदनीम्रीगसावकलोच नी
नीजसरूपरतीमानबीमोच नी
गावहींमंगलमंजुलबा नी
सुनीकलरवकलकंठलजा नी
भूपभवनकीमीजाइबखा नी
बीस्वबीमोहनरचेउबीता नी
मंगलद्रब्यमनोहरना ना
राजतबाजतबीपुलनीसा ना
कतहुंबीरीदबंदीउच्चर हीं
कतहुंबेदधुनीभूसुरकर हीं
गावहींसुंदरीमंगलगी ता
लैलैनामरामअरुसी ता
बहुतउछाहुभवनअतीथोरा
मानहुंउमगीचलाचहुंओरा ॥

दोहा

सोभादसरथभवनकीःकोकबीबरनैपार १
जहांसकलसुरसीसमुनीःरामलीन्हअवतार २

चौपाई

अपलजपुनीलीऐवोला ई
हयगयसुंदनसाजक्रा ई
वेगीचलकरधुवीरवरा ता
सुनतपुलकपुरद्वोछत्रा ता
भरतसकलसाहनीवोला ई
आएसुदीन्हमहीतउठीधा ई
रुचीरुचीजीनकतुरंगतीन्हसाजा
वरनवरनवरवाजीवीरा जा
सुभगसकलसुठीचंचलकर नी
हयपगयरतजरतखुखर नी
नानाजातीनजाहीवखा ने
नींदरीपवनजनुचाहतउडा ने
तीनसवचपललएकसवा रा
भरतसरीसवयराजकुमा रा
सवसुंदरसवलधनधा री
करसरचापतुनकटीभा री

दोहा

[illegible] ५

704

छरेछचीलेछेलसचःमृरसज्ञाननची न
जगपहचरकासधुरप्रतिःजेकसीकलाप्रवीन

चौपाइ

चांऐंचींहिंचीररनगा छे
नीकसीनऐपुरवोहेरठा छे
केरहींचतुरतुरंगत्ती नान।
रखहींसनीसनीपवुननीसाल।
रथसुणाथीनचीचीत्रचना हे
धजपताकमनीनिसनला हे
चंवरचामरकौंकीनीयनीकर हैं
मानजानसोनाकापहर हैं
सेवाकरनकगनीत्तहयहो त्ते
तेतीकरथनसुणाथीनजो त्ते
संहरसकलकालंन्त्रीत्तसो हे
जीन्हींचीसोकत्तमनीमनमो हे
जेजलचलहींथलहीकीना है
टापनवडेवेगीकरथीका है
कर्सिसरसचसाजचना है

रथसयारथीलीएबुला   इ

दोहा

चलीचलीरथवाहनगीःलागेजरनवरा   त

होतसगनसुंदरसकलःजोजेहीकाराजमा   त

चौपाइ

कलीतकरीवुन्हीपरीम्कावा   री

कहीनजाहीजेहीभांतीसंवारी

चलेमंस्तगजघंटवीरा   जे

मानहुसकलासावुनघनगा   जे

वाहनअपरअनेकबीधा   ना

सीवीकासुभगासुखासनजा   ना

तीन्हचलीचलेवीप्रवख्री   हा

जनुतनधरैसकलश्रुतीछं   हा

मागतसुतवंदीगुननाय   क

चलेजानचलीजोजेहीलाएे   क

भैसंकुरंरवुरीसलनवकुजा   ती

चलेवसुभरीकागतीतनां   ती

कोटीकवोवरीचलेकहा   रा

वीवीधवसुकोवरनेपा   रा

चलेसकलसेवकसमुदा   इ

नीजनीजसाजसमाजवना   इ

पत्र२०५

205

दोहा

सबकेउरनीर्भरहरषुः पुरीतपुलकसरी र
कबहींदेखीबेनैनभरीः रामलखनदोउबीर

चौपाई गाजहींगजघंटाधुनीघो रा
रथरवबाजहींसबहींओ रा
नीदरीघनहींघुर्मरहींनीसा ना।
नीजपराइकछुसुनीएनका ना।
महाभीरभूपतीकेद्वा रे
रजहोइजाइपषानपबा रे
चढीअटारीन्हदेखहींना री
लीएँआरतीमंगलथा री
गावहींगीतमनोहरना ना।
अतीआनंदुनहींजाइबखा ना।
तबसुमंत्रदुइस्यंदनसा जी
जोतेरबीहयनींदकबा जी
दोउरथरुचीरभूपपहींआ ने
नहींसारदपहींजाहींबखा ने
राजसमाजएकरथसा जा
दूसरतेजपुंजअतीभ्रा जा

दोहा

तेहींरथरुचीरबसीष्टकहँः हरषीचढाइनरेस

क्षापुचलेसंपदनसभूपीःहरगोरीगने स

चौपाई

सहितवसीस्रसोहलोपके से
सुरगरसंगपुरंहृजै से
करीकुसरीतिविहद्यीवीरा ढ
हेवीसवहीसवलांतीविना ढ
सुभीरीयामगरकाएसुपा ई
चलेमहीपतीसेसवजा ई
हरखेवीबुधवीलोकीचरा ता
वरषहींसुमनसुमंगलहा ता
भूएछकोलाहलपैहेंगयगा ने
व्योमचरात्तवाजनेवा जे
सुरनरनारिसुमंगलगा ई
सरससंगीचाजेसहना ई
घंटघंटीपहृतीघरहीनजा ई
सबकरहींपाएकेकहरा ई
करहींवीदुसककौतुक नाना।
हासकुसलकलागानसुजा ना।

दोहा

तुरंनचावहींकुंयरवरःचाजतश्रीहेगनीसा न
नागरनटचीतवहींचश्रीतःडीगहीनतालवीधान

बाल२:८

206

चौपाई

चलैंनचरनतत्वनीचरा ता।
मोहिसमानसंहारसुमरा ता।
चाराचारुबामहिसीलि ई
मतकसकलमंगलकहिरे ई
द्वाहिनकागसुखेनसोह पु।
बकुलहारासुसवकाकुंपा पु।
सानकुलचेहरीचीधीचवा रीं
सघटसवा[illegible]काचुचारना री
चोवाकीपिकीरीहासहवा पु।
सुरभीसनभवसीमुहिपीया पु।
श्रीगममलाकीरीहाहीकमा ई
मंगलगानजनहीनहेसा ई
खेमकरीकहकेमचीसे सी
स्यामावामसुतनपरे सी
सनमुसमाएहेहर्षीकमभीना।
कापुस्तकहुक्वीप्रपुवी ना।

दोहा

मंगलमयकल्यानमयःमनभीभातकलहाता र
जनसवसांचेहेनहितःमएहसगनएकचा र

चौपाई

मंगलसगुनसुगमसबता के
सगुनब्रह्मसुंदरसुतजा के
रामसरीसबरगुडबहिनसी ता
समधीदसरथजनकपुनी ता
सुनीकासब्याहसगुनसबना चे
कबकीन्हेवींव्हीहमसा चे
एहबीधीकीन्हबरातपधा ना
हैगजगाजहींहनेनीसा ना
कावुतजानीनभानकुसके तु
सरीतन्हीजनकबधाऐसे तु
बीचबीचबरखासबना ऐ
सुरपुरसरीससंपुहाछा हे
कासननेसैनबाबसनसोहा हे
पाबुहींसबनीजनीजमनला हे
नीतनतनसुखलखीकनकु दे
सकलबरातीनकमेंहीएक दे

दोहा

कावुतजानीवरातवरःसुनीगाहागोहनीसान
सजीगजारथपदचरतुरंगःलेनचलेकगवान

चौपाई

पात २१

207

कनककलसफलकोपरश्या रा
भाजनलसीतम्भनेकपुका रा
[illegible]रसुधासमसवपकवा ते
भातीन्भांतीनभिजाध्यधा ते
कलम्भनेकचरखदूसोहा दु
हरखीभिंस्तवनपठा दु ५
भषनवसनमहामनीना ना
सगन्ध्रीगाहयगयवहूवीधिजा ना
मंगलसगुनसुगंधसोहा हे
चकुतभांतीमहीपासपठा हे
ह्रषीचु[illegible]वाउपहाभ्मा पा रा
मरीभरीकांवुरीचलेकहा रा
भागावुनीकजवसीसवरा ता
उभ्मानेहपलकन्भेगा ता
हेसीवनावुसजीभ्मैंया ना
महीतवरातीन्हहनेनीसा ना

दोहा

हरखीपरखपरमीलनहीतः कच्छुकचलेवगमेल
जनम्मनंहरखमहूहूः मीलततचीहाउसवे ७

चौपाई

हरषी सभ नर सुंदरी गाव हीं
महीतरे वहुं डुली वजाव हीं
वस्तु सकल राखी न्रीप का गे
विनै कीन्ही तीन्ह क्ती कानरा गे
प्रेम समेत राउ सवली हो
म्ङ्ऽवक सीस जाचक न्हहीं हो
करी पुजा मान्नता वडा ई
जनवु से कन्चले सबु ई
वसन वीची वीच पांवडे परं हीं
देषी धन ऽधन मद परीहरें हीं
क्नती सुंदर हीं न्हे जनवा सा
जहं सव कहं सव भांती सोपा सा
जानी सीय वरात पुर क्ना ई
कछु नीज महीमा प्रगटी जना ई
हीस्के सभी रीस व सीधी वुला ई
म्प पकुन ऽ कारन पठा ई

दोहा

सीधी सव सीय क्ना ऐसु धरी ः गइ जहं जनवास
लीऐ संप्रदा सकल सव ः सर प्र ल्नोग वीला स

पाठ २८

चौपाई

नीजनीजचासचीलोकीचरा नी
सरसुखसकलसुखसवस्रा नी
चीत्रवृत्लेकंघुकोउनजा नी ७
सकलजनककारकाहींवसा ना
सीयमहीमारघुनाऐका जा नी
हरषेहीक्षेहतुपहीवा नी
पीतुकागमनसुनतहोउमा इ
हीस्येनजीकनंहसमा इ
सकुचनकहीनसकतगुरपां ही
पीतुहरसनलालचमनमा ही
वीस्रामीत्रवीनैएवडीरे था
उपजाउरसंतोसवीसे था
हरषीवंधुदोउहीस्थेलगा ऐ
पुसककांगकांवककजलच्छा ऐ
चलेजहांहसरएयजनवा से
मनहसरोवरफकेउपीका से

दोहा

त्रपचीलोकेजवहीमदीःकायुतसतनहसमेत

उठेहरखीसुयसीधुमहःचलेथाहसीले त

चौपाई

मनहीहंसतकीनमनी सा

चारवारपहरजवरीसीसा ॥

कैसीकराछलीऐछरला ३

कहीकासीसपुछीकुसला ३

पुनीहंडयुतकरतहोछमा ३

हेवीनीपतीछिरसुवनसमा ३

सुतहीऐलाइरसहरुयमे ८

प्रीतकसरीप्रानजनले ८

पुनीवसीरुपहसीरतीनके ॥८

प्रेममहीतमनीचुराछरला ९

चीप्रवीहवेहेहुकना ३

मनभावतीकासीसतीनपा ३

मारतसहानजकीनप्रना मा

लीऐछठाइलाइछरणमा ॥

हरखेलखनेरवीहोछमरा ता

मीलेप्रेमपरीपुंन[illegible]गा ता

दोहा

दोहा

पुरजनपरीजनजातीजनजाचकमंत्रीमी त
मीलेजथावीधीसवहीप्रभुपरमकृपालवीनीत

२०७

चौपाई

रामहिहेतुजिनजगजा नी
प्रीतीकीरीतीनजाइबखा नी
निपसमीपसोहेसुतचा री
जनतनधरीधरमादीकधा री
सुतनसमेतदसरथहीदे षी
मुदेतनगरनरनारीवीसे षी
सुमनवरसहींसुरहनैनीसा ना
नाकनटीनाचहींकरीगा ना
सतानंदअरुवीप्रसचीवग ण
मागतसूतवीदुषवंदीज न
सहीतवरातराउसनमा ना
आएसुमागीफीरेअगवा ना
प्रथमवरातलगनतेंआ ई
तातेंपुरप्रमोदअधीका ई
व्रह्मानंदलोगसवलह हीं
वढहुंदीवसनीसीवी[धी]सनकह हीं

चौपाई दोहा

राम सीय शोभा अवधि सुकृत
अवधि दोउ राज ॥
जहँ तहँ पुरजन कहहिं अस भा
षी नर नारि समाज ॥ राम राम

चौपाई

जनक सुकृत मूरति वैदे हि
दसरथ सुकृत राम धरे दे हि
इन सम काहु न सिव अवराधे
काहु न इन समान फल लाधे
इन सम कोउ न भयेउ जग मा हि
है नहिं कतहुं होनेउ ना हि
हम सब सकल सुकृत कैरा सी
भये जग जनमि जनकपुर वा सी
जिन्ह जानकी राम छवि दे खी
को सुकृती हम सरिस वि से खी
पुनि देखब रघुवीर विवा हु
लेव भली विधि लोचन ला हु
कहहिं परसपर कोकिल बै नी
एहि विवाह वड़ लाभ सुनै नी

बालकं

बडेभागवीधीबातबना ई
नैनअतीथहोइहैंदोउभा ई

दोहा

बारहिंबारसनेहबसःजनकबुलाउबसी या
210 लेनआइहहिंबंधुदोउःकोटिकांमकमनीया।

चौपाई

बीबीधीभांतिहोइहैपहुना ई
प्रीयनकहिकाअससासुरमा ई
जवतवरामलखनहिनीहा री
होइहहिंसबपुरलोगसुखा री
सखीजसरामलखनकरजोटा।
तैसइभूपसंगदुइ ढो टा
स्यामगोरसबअंगसोहा ए
तेसबकहहिंदेखीसयआ ए
कहाएकमैंआजुनीहा रे
जनबीरंचीनीजहाथसंवा रे
भरथरामहीकीअनुहा री
सहसालखीनसकहिंनरनारी
लखनसत्रूसूदनएकरू पा
नखसीखतेसबअंगअनू पा

मनभावहिमुखवरनीनजाहीं
उपमाकहुंत्रीभुवनकोउनाहीं

छंद

उपमानकोउकहंदासतुलसीकतहुंकवीको
वीदकहैं:वलवीनैविद्यासीलसोभासीधुइ
न्हसेएइअहैं:पुरनारिसकलपसारिअंचल
वीधीहीवचनसुनावहीं:व्याहीअहुचारीउ
भाइएहिपुरहमसमंगलगावहीं: — सोरठा —॥
कहहिपरसपरनारीं:वीलोचनपुलकतन॥ वारी
सखीसवकरववपुरारी:पुन्यपयोनीधीभूपदोउ

चौपाई

एहीवीधीसकलमनोरथकरहीं
आनंदउमगीउमगीउरभरहीं
जेनृपसीयस्वयंवरआए
देखीवंधुसवतीन्हसुखपाए
कहतरामजसवीसदवीसाला
नीजनीजभवनगएमहीपाला
गएवीतीकछुदीनएहीभांती
प्रमुदीतपुरजनसकलवराती
मंगलमूललगनदीनआवा

बालकं

211

हीमरीतुअगहनमाससोहा वा
ग्रहतीथीनखतजोगवरवा रु
लगनसोधीवीधीकीन्हवीचा रु
पठैदीन्हनारदसनसो ई
लगनजनककेगनकन्हजो ई
सुनीसकललोगन्हएहीवा ता
कहहींजोतषीआहियेवीधा ता

दोहा

धेनधुरीवेलावीमल:सकलसुमंगलमू ल
वीप्रन्हकेहेउवीदेहसन:जानीसगुनअनुकूल

चौपाई

उपरोहीतहीकहेउनरना हा
अतीवीलंबकरकारनका हा
सतानंदतवसचीवुवोला ए
मंगलसकलसाजीसवल्या ए
संखनीसानपंनवबहुवा जे॥
मंगलकलसगुनसुभसा जे
सुभगसुआसीनीगावहींगीत।
करहींवेदधुनीवीप्रपुनी ता
लेनचलेसादरएहीभां ती
गएजहांजनवासवरा ती

कोसलपतीकरदेखीसमाज

अतीलघुलागतीन्कहिंसुराज

रहेसमठंजवधारीपाठं

यहमनीपरानीसानहीघाउ

गहेपुकीकरीकुलवीधीराजा।

चलेसंगमनीसायुसमा जा।

दोहा

भागवीभवकावुधेसकर:दीषीस्त्रिवृम्हांदी

लागेसराहनसहसमष:जानीजन्मनीजवादी

चौपाई

सुरन्हसुमंगलकायुसजाना।

वरषहिंसुमनवजाव्हीसाना।

सीयव्रम्हांदीकयीवीवधयंथा।

चलेवीमानहीनानाज था।

प्रेमपुलकतनहियेंउछाहु

चलेवीलोकनरामवीआहु

देषीजनकपुरसुरअनुरागे

नीजनीजलोकसवहींलघुलागे।

गात्र२

212

चीनवुहींचक्रीत्तचीम्पीअवीताना।

रचनासकलम्मलोकीकनाना।

नागरनारीनरसपतीयां ना।

सघरसुधर्मसुसीलसुजा ना।

तीनहीं देखीसवसात्रुरना री।

मएेनयतजनुचीयुऊजीम्नारी।

ठी [illegible]वीर्थीम्नियेऊम्नचरजचासेयी।

नीजकरनीकरधुकातुंनेहे सी।

दोहा

सीवुसमझाऐहेयुसव:जनीम्नचरजमला हुं

हीरधेचीचारीहुधीयुधरी:सीघेरघुवीरवीमकहुं

चौपाइ

जीनहकरनामलेतजगामा हीं

सकलम्नामंगलमसनसा हीं

करतलहोहींपहारथचा री

तेहुसीऐरामकहौं[illegible]कामा री

एहीवीधीसंकसवैसमझा वी

पुनीम्नागेवचवसहचला वी

देखनकहँदेवसारथजा ना

महामोहमनपुलकितगा ता

साधुसमाजसंगमहिदे वा

जनतनुधरहिकरहिंसुखसेवा

सोभितसथसुभागसुतचा री

जनअपवरगसकलतनुधारी

मरकतकनकबरनबरजोरी

देखीसुरन्हभैप्रीतीनथो री

पुनीरामहिंबिलोकिहियँहरखे

न्रीपहीसराहिसुमनतिन्हबँखे

दोहा

रामउपनखसीखसुभगःवारहीवारनीहारी

पुलकगातलोचनसजलःउमासमेतपुरारी

चौपाई

केकीकंठदुतीस्यामलअं गा

तडितबिनिंदकबसनसुरं गा

ब्याहबिभूखनबिबिधबनाए

मंगलसबहीसभांतीसोहाए

बालक २ साहवीमलवीधुवहनसोहेन

नऐमनवलपजीवुलजावल

सकलमोलोकीकसंररत्ता १

न कहींजातमनुहिमनला १

घंधुमनोहरसोहहीसं ॥

जातनचावतचपलतरे ॥

राजकुंवरवावाजीनचावहीं

चंसपुसेसकवीरहसनावहैं

जेहतुंगपरमवीर जे

गतवीलोकीखगनाऐकवाजे

कमिनजाइसवजोतीसोलव।

वाजीवियुजनकामवना व।

छंद सो।

जनवाजीवेवुवनाइमनसोंजःपमहितकातीहहि

कापनेवचवलसपगनगतीःसकलमयुनवी।

मोहीहिजगमरातजीनजरावुजोतीसमोतीभ

नीमानीकसोःकींकींतीललामहसगामल

सीतवीलेकीसरनमनीठगेः—होम

213

प्रेममनसहीलखुलीनभवःचलतचाकछवी
पेवुःभयनीछआनतडौंववःजनवावरहिन
चाव़ चौपाइ

जेहिवरवाजीरामकसय़ा रा
तेहिसारदछनयरवेपा रा
संकररामनुपकनरा गे
वैनपंचहैसकतीप्रियेला गे
हरिहितसहितरामनवजो हे
रमासमेतरमापतीमे हे
वीरिवीरामछवीवीथीलखसो दे
कठैनयनजानीपछीता दे
सुरवेठाविहृत ढका हु
वीथीतेहेसोचनला हु
रामहीचीतवृसुरेससजा ना
गौतमश्रापुपमहितमा ना
हेयसकलसुरपतीहिसीहां हिं
कजपुरसमकोछना हि
महीतहेवुंगारामहीहे सी

बाल २९

२१४

ग

त्रिपसमाकुं हसवीसि ——— सी दंद

सतीकरसगाजसमानकुं हीसीः दुंदुभीवा
जहिघनीः वरखहिंसुमनसाहरखीकहिजे
जैजे [illegible] रघुकुलमनीः जेहिंन्मोतीजानी
चरातन्नायुतवाजनेवहुध्यामहिंः [illegible] सुन्कासी
सीवोलीपरीछनीहूमंगलसाजहिंः=दोहा
सजीकमारतीकानेकवीधीः मंगलसकलसपूरी
चलीमहीतपवीवानूकरनः गजगांमीनीवरना
ीः ——— चौपाई ———

वीधुवहनी श्रीगसागपकसोचवनी
सवनीजतनछपीरजनकुमोचनी
पहीखरनवरनवाची ॥
सकलवीभिधनसजेघवी ॥
सकलसुमंगलअंगवना ॥
करहीगानकलकंठलजा ॥
कंकनकीकीनीनेपुखाज हीं
चालवीलोकीकोमजसज हैं

चाजहिंबाजनवीवीथपुका रा
नककनुनागसुमंगलचा रा
सवुसारहापमाल्पया नी
जेसुपनीथसुचीसहजसेयानी
कपटनारिविवेषबना ई
मसिलिसकलरनीवृासहिजाई
करहिंगानकलमंगलचा नी
स्पवीथसुसवकाकुनजानी
छंद
कोजानकेहिआनंदबसप्रबब्रमक्बपुपरीय
नचली:आनंदफंदपीलोकीहुसकुसकव
हियेहिंएरधीतलद्ःकांलोजकांचकनां
बुछमगोसुकांगपुसकावलीआईःाहोहा
जोसुबलासीयेपातुमनःहेबीरामवरवेद
सोनसकहीकहीकलपसतसहस्ससारदा।
सेष चोपाई
नयेननीरहरीमंगलजा नी

पान २५

215

परीछनकरहिमुदितमनरा नी।
वेदवीहीतअरुकुलव्योहा रु
कीन्हभलीवीधीसवव्योहारु
पंचसवदधुनीमंगलगा ना।
पटपांवडेपरहिंवीधीना ना।
करीआरतीनिछावरीकरही हीं।
रामगवनमंडपतवकी हीं।
दसरथसहितसमाजवीरा जे
वीभववीलोकीलोकपतीला जे
समयसमयसुरवरसहिंफू ला।
७ सांतीपढहिंमहीसुरअनुकू ला।
नभअरुनगरकोलाहलहो ई
आपनपराजानीनहिको ई
५१ एहीवीधीराममंडपहिंआ ए
अरघदेइआसनवैठा ए

॥छं॥

वैठारीआसनआरतीकरि:नीरीषीवरुसुषपा।
यूहीं:मनीवसनभूषनवारीवारहिंनारीमंगल

गायहिंःब्रह्माहीसुरखरखीप्रवेसवनाइकौतु
केहवहिंःअवलोकीरघुकुलकमलरवीछवी
सुकलजीवनसेवहिंः —— दोहा ——
नाछवारीकोरटनटःरामतीव्छावरीपा —— ६
महितकसीसहिनाइसीरःसवनहिंसमाइ

—— चौपाइ ——

मीलेजनकदसरथअतीप्री ती
करिवैदीकलौकीकसवरी ती
मीलतमहादोउराजवीरा जे
उपमाखोजीखोजीकवीला जे
लहीनकतहुंहारीहीएमा नी
इनसमएइउपमाउरआ नी
समधीदेखीदेवअनुरा गे
सुमनवरखीजसगावनला गे
जगवीरंचीउपजावाजव ते
देखेसुनेव्याहवहुतव ते
५। सकलभांतीसमसाजसमाज ५
समसमधीदेखेहमआज ग
देवगीरासुनीसुंदरसां ची

216

गुरुमुख प्रीतीकलोकीकहुहैसीमा ची
हैतपायेंडेकमरचसोहा ऐ
सारकुंवरीमदकहीला ऐ

छंद

मनरूपचीलोकीचीर्चीचरचनाकचौंता
मनीमनलेःनीजपानजकुमजानसवक
हुंकानसीगासनधेरःकुसरसमारीसवसी
सपुजेवीनएकीकासीबलहीःकेंपसीक
हीपुजीप्रमप्रीतीकीरीतीतीनपरेकहीः।

दोहा

वामेहेयुकमहीकरीयःपुजेमहींमही स
हीयेहीव्याकासनसवहीःसर्वनेलेहीम। ८

सीसः चौपाई

चहुरीकीन्हींकोसलपतीपु जा।
जानीयुससमकावुनदु जा।
कीन्हीजोरीकरवीनैवड़ा दु
कहीनीजनापुपवीनवुचहुता।
पुजेनपतीसवेंवरा ती
समधीसमसाहारसवलो ती

क्तासनछवीतहीऐसवकाड़
कहीकाहमबऐकछछा ह
सकलसवपातज्ञनकसनमाती
हानमानवीनतीवावा नी
पी चाँरिकरहीसीपतीहीनराछ
जेजानहैंरघुवीरपुना छ
कपटवीप्रचाचेसवना ऐ
कैतुकेहयहींक्नतीसचुपाऐ
पुजेकेकेहवूसवजा ते
हीछेसक्तासनवीनपहिवाते

छंद

पहिचानकोकेहिजानसवहीक्तपानस
थीत्मोरिल्प्र:कानंहकंहवीलोकीहुलछ
न्घहीसीक्मनंहमई:सरलवीरामसज्ञा
नपुजेमानसीकिक्तौनहये:कवीलोकेसी
लसन्नावृप्रक्तकोवीवीवेमनपुमहीतन्नऐ

दोहा

रामचंद्रमवचंद्रछवि:सोचनचारुचकोर
करतपानसाद्रसफल:प्रेमप्रमोहनथोर

राम २१९

217

चौपाई

समधी लोकी बसी ह्यो लाई
साहस सतानेह सुनी न्या ई
चेगी कुंघूली न्मवन्मनकुजा ई
चले महीत मनन्माहसुपा ई
रानी सुनीछ परोहित वा नी
प्रमहीत सधिन्हसमेत सवा नी
चीप्रवधु कुलवृधिबोला ई
करी कुलरीती सुमंगलगा ई
नारि विधने सुखवाया मा
सकल सुलाय संनहीसुखामा
तीन कहिंहि बीसुखपावहिंनारी
चीनपहिंचानी प्रानतें प्यारी
चाख्यारस नमानहीरा नी
छमारमासा[illegible]सभजा नी
सीय सखी सिमाजवचना ई
कहीत मंडपहिं चली लेवा ई

छंद

चले लेवाइ सीत हीसखी सा ह सज्ज़ो हि सुमंगल
भामीनीः नवृ सत साजे सुंदरी सवमत कुं

जरगांभीनीःकलगांनसुनीसुनीध्यान
सुगाहींकांभकोकीलह्राजहैंःमंजीमनु
परकलीतकंकनतालगतीवरवाज हीं

दोहा

सोलत्तीवनीत्तावृंहमहंःसलजसोलघुनीसीरे
कवीललनागनमध्यननुःसुघमातीधकमतीरे

चौपाइ

सीधेसुसत्तावरनीनजा १
लघुमत्तिवकत्तमनोहरत्ता १
कावृत्तहेधीवरातीकसीता।
जंपयसीसवलांत्तीपुनीता।
सवहीमनहीमनकीन्हप्रनाम।
हेधीरामलछेपुरारीकों मी
हरवेहसराध्यसुतन्हसमेत ता
कहीनजाइछीरन्कानंहज ता
सुरप्रनामकीयारघुहीकुला
मंनन्कासीसप्रुनीमंगलमला।
नी गांनगीसानकोलाहलमारी

बाल २१८

218

प्रेमप्रमोदमगननरनारी
एहीवीधीसीयमंडपहीआई
प्रमुदीतसांतीपढहींमुनीराई
तेहीअवसरकरबीधीब्यवहारू
ॐ दुहुँकुलगुरसबकीनअचारू

छंद

आचारकरीगुरगोरीगनपतीमुदीतबी
प्रपुजावहीं: सुरप्रगटपुजालेहींअसी देही
सअतीसुखपावहीं: मधुपर्कमंगलद्रब्य।
जोजेहीसमयमुनीमनमहुँचहैं: भरेकन
कोपरकलससोहि लीये परीचारकरहैं
कुलरीतीप्रीतीसमेतरबीकहीदेतसबसा।
दरकीयो: सीयरामअवलोकनीपरसपर
प्रेमकाहुनलखीपरै: मनबुधीबरबानी
अगोचरप्रगटकबीकैसेंकरैं: दोहा
होमसमयतनुधरीअनलु: अतीसुखआ
हुतीलेहीं: बीप्रबेषधरीबेदसब: कहीबी
बाहबीधीदेहीं: चौपाई
जनकपाटमहीषीजगजानी

श्रीऐमातुकीमीजाइय़बाली
सुजससुकीतसषसंहरता२
सवसमेरीचीधीरवावता२
समछजानीभनीचरकवीता२
सुनातसुकासीवीमासला२
जनकवामहीसीसोहसुनैना।
हीमीगीरीसंगवनीजनुमैंना।
कनककलसमनीकोपसूरे
सुचीसुगंधमंगासजलपु २
नीनकरीमहीतरावूकपराती
धेरामकेकमणोका नी
पछहीवेहपु नीमंगलचा नी
गगनसुमनकीकवृसरनाती
चहुवीधींसोकीहंपतीकवरागे
पांएपुनीतपषारनला गे
छंद
लागेपषारनपांयपंकजप्रेमतनपुलकावली

बाल २९

(217)

नननगरगाननीसानजैधुनीछम
गीजनचाहहीसीचली:जेपहसोछजमतो।
जन्मारीछासचेहपुचीराजहीं:जेसकीत्त
सनीजसचीमलताम्बसकलकसमल
म्माजहीं:जेपरसीमनीवनीत्तालहीगती
रहीजोपातकमऽ:मकरंहचीनकोसेक
सीरसुचीताकवुधीसरवारवऽ:करीमधु
पमनमनीजोगीजननजेसेहकमीमतगती।
लैहै:तेपहपधारतलामपम्मानजनकजे
मैसवकैहैं:चाकुंपरीकरतलजोरीसाधाच।।
जसेछकुलग्याकैहैं:म्मघोपानीगाहनवी
लोकीचीधीसुरमनजमसुनीम्मानेहमौ।।
सधमलहसहहवीहपतीपुलकतनहलस
चोहीएं:करीलोकचिहुवीधानकन्याह।
नकैपकवनहीएं:हीमवंतजोमीगीरी
जामेहसहीहरीहीम्रीघसाहाहऽ:तीमीज
नकपमहीसीयसमरपीवीसुसकलकी
रतीनहकोकीचानेवीहहकीवीहहंमरती जो।

सांपरीःकरीहोमवीधीपूरगांठीजोरीहोन
लागीलांवरीः —— दोहा ——
जैधुनीवंदीवेदधुनीःमंगलगाननीसान
सुनीहरखहींवरखहीविवीधुघसुरतरुसुमन
सुजान —— चौपाई ——
कुंअरकुंअरीकलभांवुरीदे ही
नैनलाभसवसादरलें ही
जाइनवरनीमनोहरजो री
जोउपमाकछुकहोंसोथो री
रामसीयसुंदरप्रतीछा हीं
जगमगातीमनिखंभनमां हीं
मनहुमदनरतीधरीवहुरू पा
देखतरामवीआहअनू पा
दरसलालसासकुचनथो री
प्रगटतदुरतवहोरीवहो री
भएमगनसवदेखनीहा रे
जनकसमानअपानवीसा रे
प्रमुदीतमुनीनभांवरीफेरी

गीत्रै

नीभ्रमसहीतसचरीतीनीचेरी
रामसीयसीरसेहुरे हैं
सोभाकहीनजानीवीधीकेहैं
कनूनपरागजलजूल्परीनीके
सीसीकि[illegible]कहीलोलकमीके ५
चहूरीवसी[illegible]हीनोंल्यनसासन
चारुलहीनीचैठेएकल्पासन

छंद

वैठेचरासनरामजानकीमुदीतमनहसर
थल्लएः ननपुलकेपुनीपुनीहेसीकपनै
सुख्कीतसरत्तनपलनएः नीसीलवूलरहा
उछाहुरामवीवाहुल्पासचहीकहाःकेहीभ्भो
तीवरनीसीपतासनाएकेएकमंगलमहा
तवजनुकपाछवसीहरल्पाएसुब्याहसाज
संयुगीकेःभांनडीधानकीरतीछरमीला
कुंअरीलेकरीकेःकुसकेतुकन्याप्रथमनो
गनसीलसुखसोभामय[illegible]वरीतीप्रीती

२

समेतकरीसोव्याहुतिन्ह्रोपमरातेहैं
जानकीरघुनगीनीसकलसुहीसीमे
मनीजानीके:सोजनकहीन्हाव्याहीलध
नहींसकलवीधीसनमानके:जेहीनाम
भ्रुतकीरतीसलोचनीसुमुखीसवगुन।
आगरी:सोहेरीपुसुहहहीन्हपतीरुपसी
लछनागरी:अनरुपवरदुलहीनीपरस
पालधीसकुचीहीएहरखहीं:सवमहीप
सुंहप्तासराहहींसमनसुरागनख्वाखहीं।
सुंहीसीसंहरवरन्हसहसवएकसेकराजहीं
जनजीयभीचारीरेअनपस्थावीलन्हसही
तवीराजहीं: —— दोहा ——
महीतनुअनपधपतीसकलसुत:चधुनसमेत
नीहारी:जनपाएमहीपालमती:कीयजल
सहीतकलचारी: —— चौपाई ——
जसरघुवीरव्याहवीधीवरनी
सकलकुअरव्याहेतीहीकारनी

पाल २२१

221

कहीनजाइकक्षुहाएँलु पी
रह्याकनकमनीमंडकपु री
केयूसबबसनबीचीत्रपरोरे
मोतीमांतीबहुमोलनथोरे
गजरथतुरंगहासक्सजहा सी
धेनकालंक्षीत्रकामदुहा सी
वस्तुअनेककरीअकोमीलेख।
कहीनजाइजानहिजेहीहे खा।
लोकपालक्कधुलोकीसोहाले
तीनलक्षधुधपतीसबसुसमाने
होनहजाबककहीजोजेहीआवु।
उवरासोजनवुासहीआा वु।
तबककपजोरीजनककपथोरुपाने
बोलेसबबरातसनमा नी
छंद
सनमानीसकलबरातआहारहाननवीनैबरु।
इकै:प्रमहीतमहामनीग्रीहबैहेपुनीपुमलजासै

सीरनाऽऽइसुमनाऽऽसवसनकहा
करसंपुटकीऐः स्रसोधुचाहतन्नागुसी
युकीतोषजलकंजलीहीऐः करजोरीन
नकवहोरीसीयुसमेतकोसलपथसोः वे
लेमनोहरवैनसानोसनेहसीससलाऐ
सोः संनवंथराजनगावुरेहमवेऽक्कवसव
वीथीनऐः ऽहराजसाजसमेतसेवकजा
नीवृवीनग्रंथलऐः ऽहहरीकापरीखा
काकरीपालवीकननामऽः क्रपराघछ
मीऐचोलीपठऐचहुनाहमठोहऽः पुनी
मानकुलमुषनसकलसनमान
नीथीसमधीकीऐः कहीजात नहीवी
नतीपरसपग्रेमपरीपुरंनहीऐः धीह
रिकागनसुमनवरखहीराछनवासहै
चलेः ऽहक्रानीनयथुनीयेहथुनीनन्नग
रकौतुकहलभलेः गवसुखीमांगलगान
करतमनीसमायसुपाऽवेः ऽलहरहु
हिनीसहीतसुंहीचलीकोहवाल्याऽके

होम

बाल२२२

222

पुनीपुनीरामहीचीतइसीयेःसकुंचतीम
नसकुचैनःऊरतमनोलछीनछचीःप्रेमपी
यासेनैनः ———— चौपाइ ————
स्यामसरीरसुभायेसोहावनी
सोभाकोटीमनोजलजावनी
जावकजतपदकमलसोहाये
मुनीमनमधुपरहतजहंछाये
प्रीतपुनीतमनोहरधोती
हरतीवालरवीदामीनीजोती
कटीकींकीनकलसुत्रमनोहर
बाहुवीसालवीभुघनसुंदर
पीतजनेउमहाछवीदे
करमुद्रीकाचोरीजनले
सोभसब्याहसाजसबसाजे
उरआयेतसबभुषनराजे
पीयरउपरनाकांखासोती
दुहुंचरनलगेमनीमोती
नैनकमलकुंडलकलकाना।
बदनसकलसौंहरनीधाना।

सुंदरश्रीकुरीमनोहरना सा
मायतीलकनचीरतानीधा॥
सोहतमौरमनोहरना थ ख॥
मंगलमयमकुतामनीगोथे

छंद

माथेमहामरगीमौरमंजलकांगसवकीतन्यो।
रही:पुरनारीसुरसुंदरीवरहवीलोकीसव
चीनतोरहीं:मनीवसनभूषवनवारिका
रतीकरहीमंगलगावहीं:सुरसुमनवरषहीं
सूतमागधवंदीसुजससुनाहीं:कोहवरही
कनेकवरकुंवरीसुवासीनहीसुखपाइकै
अतीप्रीतीलौकीकरीतीलागीकरनमंगलगाइकै
लहकौरीगौरीसीखावतरामहीसीयसनीसा
रदकेह:रवीवासहांसवीलासरसवसज
नकोकलसवकहें:जीनजानीमतीमहहे
धीप्रीमरतीसरूपनीधानकी:चलतीनल
जवली [illegible] वीलोकतवीएहवसलरहजाल
की:कौतुकवीनोदप्रमोद [illegible] मन [illegible] कहे

बाल २२३

223

जातहिंकलनीःचरकुंवरीसुंहरसकल
सखीलेयुरजनवासहिचलीःत्तहिसम
यसखीएकसीसनहंतहंनगरनलकनदं ६
महाःचीरंजीवहुजोरीचारसोमहीतमन
सबहिकहाःजोगीकुसोधमनीसेहुचीलो
कीपुलकइंकुलीहलीःचलीहरखीचरवीप्रसु
ननीजननीजनलोकुमेंनैनैनैरघुकुलमनी॥

दोहा

सहितवधुटीनकुंवरसबःतबआएपितु
पासःसोभामंगलमोदभरीःउमगीजननज
वास

चौपाई

पुनीजेंवनारभइबहुभांती ती
पठएजनकबोलाइबराती ती
परतपांवडेबसनअनूप पा
सुतनसमेतगवनकीएभूपा।
सादरसबकेपाएपखारे रे
जथाजोगपीढनबैठारे रे
धोएजनककअवधपतिचारा॥

सीलसनेहजाइनहीबर ना
चरुरीरामपदपंकजयो ऐ
जेहरहिहृदयकमलसमहोगो ऐ
तीनीउंभाइरामसमजा नी
धीऐस्परनजनककीजपा नी
कासनउचीतसवहीक्षोपहीले
चोलीसुपकरीसवली हे
साहरखगेपरनपनवा रे
कनककीलमयपानसंवा रे

दोहा

सुपोहवसुएनीसुपीःसुंहरसुषाहपुनी त
कनमंहसवकहंपासोःचतुरसुजावीती
तः

चौपाई

पंचकपुरी करिजेंवुनसा गे
गारामनसुनीक्षुतीकनगा
ज्ञोतीक्षनेंपेंकया ते
सुयासरीसनहीजाइबखानो॥
पासनयगेहुकाम्सजा ना
वीजनचीवीधीनामकोजा ना

चारीभांतीभोजनअनुरागा दि
ऐकऐकवीधीवरनीनजा दि
षटरसचारिवीजनवकुल्मां ती
ऐकऐकरसअनगनीतजा ती
जेंवतहेहींमधुरसुधा री
दैदैनामपुरुषअरुना री
समयसोहावनीगारीचीरा जा
हसतराघुसुनीसहीतसमा जा
ऐहीवीधीसबहीभोजनकीन्हां
आदरसहीतआचवनदीन्हां

दोहा

देइपानपुजेजनकःदसरथसहीतसमा ज
जनवासहीगवनेमुदीतःसकलभूपसीरताज

चौपाई

नीतीनुतनमंगलपुरमां हीं
नीमीषसरीसदीननजामीनजा हीं
बडेभोरभुपतीमनीजा गे
जाचकगुनगनगावनला गे
देषीकुअरवरवधुनसमे ता

कौसीकहिजातमोहमनजे ता।
प्रातक्रीयाकरिगेगुरपा हीं
महाप्रमोदप्रेममनमा हीं
करीप्रनामरामकाज्जो री।
वोलेगीराकामीयेमनचो री।
तुम्हरीक्रीपासुनहम्मबीरा जा।
नएळक्माजमोरपुरराका जा।
काचसचवीप्रवुलागोसां ई
देहुधेनसचल्लांतीसोहा ई
सुनीगुरकरीमहीपालचडा ई
पुनीपठएमनीवृंहवुला ई

दोहा

वामदेवकस्यदेवरीषी:वालमीकजावा ली
क्ताऐमनीचरनीकरतव:कौसीकाहीतपस।
ली:

चौपाई

हंप्रनामसचहीन्वौंकी न्हे ५
पुजीसप्रेमवरासनदी न्हे
चारीलक्छघ्रघेनमगा ई
कामसुरलीसमसीलसोहा ई
सचवीधीसकलम्कालंक्रीतकीन्हीं

225

चौपाई

महीतमहीपमहीरिपुनहीं नही

कजवीनैवकुपीधीनरना हु

लहीछकाजुजगजीवनला हु

पाइकसीसमहीसकन हो

लीएवोलीपुनीनाचकवी हा

कल्कपसनमनीहयोगैयसाहे ल

हीएवुहीकचीरवीकुलतंर ल

चालपकजगायतगनगा था।

जैजैजेहीनकुसना था।

एहीवीधीरामवीवाहउछा हुं

सकहीनवरनीगीराकहीनाह

दोहा

पारवारकैसीकचारन: सीसनाऊकहीराउ

हसवससमनपजतुव: कीपाकसाखप्रनाउ

चौपाईजनकसनेहसीलकरतु ती

त्रीपसवलोतीसराहीवीभुती

हीनछठीचीहाकायुधपतीमाग।।

रासहीजनकसहीतकाकरा गा।

नीतनतनकाहरकसीका है

हीनप्रतीसकसमांतीपहूना है

नीतीनवुनगारकानंहछया हु
हसाथगवुनसोलाइनका हु
चकासीवुसवीतैऐहोमां ती
जनसनेकरजवंधेवरा ती
कौसीकसत्तानेसतवजा ई
कहीवीहेरवीपहीसमह्य ई
रवावुहसरथकहरवाऐसुहे हु
जहपीयजाडीनसकहुसने हु
रवलेहीनाथकहीसचीवुवोला९
कहीजेजीवुसीसतीकहनाऐ

दोहा

रवावुयनाथचाजाचलनःभीतीएकरहु
जनावुःभऐप्रेमवससचीवुसवःचीप्रस
रवासहाछः

चौपाई

पंचासीसुनीचलहींचए ती
चुहुजचीकलपारसपरवा ती
ससगवुनसुनीसवचीलसाने
मनहुसाहुसरासीजसकुचा ने
जहंतहंरवावुत्तवसेवरा ती

वातरे

220

महंतहेसीयचलीवहुभांती
पीचीधीभांतीमिष्टापकवा ना
भोजनसाजनजाइवषा ना
अगीलगीचसुकांडकाहा रा नेक
पठजनकसुकानेकसुआरा
तुंगलाबाथसहसपचो सा
सकलवाोनकानसी सा
मस्तसहसहससींधुनसा जे
जीलहैंहैवीहीसीकुंजरलोजे
कनकवसनमनीलगीलरीजा ना
महीषीधेनुवसनवीधीना॥

दोहा

दाइजकाभीतांनूकहीकहींहिनवीहेहयाहेरी
जोलवलोकतलोकपतीःलोककसंप्रदाथोो॥

चौपाई

सवसमाजइहीभांतीवना ई
जवकुलवंयपुरहीनपठा ई
चलहीवरातसुनतसवरा नी
वीकलमीनागनजनवीनपानी

पुनीपुनीसीयहींगोहकरीलहीं
हहींकासोससीषापनीहि हीं
होइहसंततपीयहींपीया ।।
चीरकहींवातकासीसहमारी
सासुससुरसेवाकरहु ।।
पतिरुखलखीआयसुअनुसरेहु
कतीसनेंवससखीसिया ती ६
नारीधर्मसीखवहींमृदुवानी
८ [illegible]हासकलकुंवरीसमझ्हा ६
रानीकहवारवारभला ६
वहुरिवहुरिभेंटहींमहता ।।
कहब्वीरंचीरचीकत्तना ।।
श्रीहेवीधीकीनजनमीजगमाहीं
पराधीनसपनेहुसुखना हीं
दोहा
नेहीकायुसरभाउसहीतःरामभानुकुलकेतु
चलेजनकमंदिरमुदीतःवीदाकरायनहेतु
चौपाई
चारिउभाइसुभाइसोहा ए
नागरनारीनरहेषनधा ए

पात्र २२

227

कोउकहचलनचहत्तैकाछ
कीनचीहेहचौघकासा ज
लेहनैनमृगीगपनीहा री
प्रीयपाहलैलपसत्तचा री
कोजानैकेहासकीतसवानी
नैनन्मतीथकीनेहचौघीकानी
मानसींधैजीमीपाइपीछे सा
सुपजसौजनमककृषा ना
भ पावनृीकीहरीपहजे से
नकारहासनहमकहत्तै से
नीरीषीरामसोमाचिरथर हु
नीजमनीकनीमरत्तीमणीकरहु
हीचीधीसवहीनैनकलहेता
गयेकुंवरसवराजनीकेता

दोहा

उपसींधुसवचंपूजीःहरषीउठेभनघास
कहींछावरीकारत्तीःमहंमहैतमनसा
सः ली चौपाइ

हेषीरामछचीकात्तीकानरागी
प्रेमचीवसपुनीपुनीपरसागी

रहीनलाजप्रीतीउरछा ई
सहजसनेहबरनीनहींजा ई
भाइनसहीतउबटीअन्हवा ए
छरसअसनअतीहेतजीमा ए
बोलेरामसुअवसरजा नी
सीलसनेहसकुचमयबा नी
राउअवधपुरचाहतसीधा ए
बीदाहोनहमइहांपठा ए
मातमुदीतमनआइसुदे हु
बालकजानीकरबनीतने हु
सुनतबचनबीलखेउरनीवा सू
बोलीनसकहींप्रेमबससा सू
हीदयेलगाइकुंवरीसबली न्हीं
पतीनसौंपीबीनतीअतीकीन्हीं

छंद

करीबीनैंसीयेरामहींसमरपीः जोरीकरपुनीपु
नीकहैः बलीजाउंतातसुजानतुमकहंबीदीत
गतीसबकीअहैः परीवारपुरजनमोहींराज
हींप्रानप्रीएसीयजानबीः तुलसीससीलस

वातिरै

नेहलीयमिनीजनकंकीकीनिमानयोनासेएठ
तुमपरीपुरनकाम: ज्ञानसीरोमनीआयुप्रीए
जनगुनगाहककाराम: होयहललनकननायेतस

चौपाई

असकहिरहियरनगहिरा नी
प्रेमपंकजनगीयसमा नी
सुनीसनेहसानीवरवा नी
चकुचीथीरामसासुसनमा नी
रामचीहीमागतकरजो री
कीन्हप्रनामबहोरीचहो री
पाइआसीसवहुरीसीरुवां ई
आइनसहीतचले [illegible]पुरा ई
मंजमधुरमृत्तीरंकया नी
आइसनेहसीथलसबरा नी
नी पुंथीरजधरीकुंवरीकंका री
चाखवाएनैंटहींपहत्ता री
पहुंचावुनहींकीरीमीलहींवहोरी
अैंटीपारसपा [illegible] प्रीतीनथोरी
पुनीपुनीमीलतसखीनबीलगाई

बालवछजीमीथिलदेश़ा ई

दोहा

प्रेमवीविसनरनारीसब: सषीनसहितरनवास

मानहुकीनबीदेहपुर: करुनाबीरहनीवासु स

चौपाइ

सुकसारीकाजानकीज्या ऐ

कनकपींजनराषीऐछ ऐ

व्याकुलकहइकहावैदे हीं

सुनीधीरजपरीहरइनके हीं

भऐबीकलषगम्रीगऐहीभांती

मनुजदसाकैसेकहीजा ती

बंधुसमेतजनककत्तवआ ऐ

प्रेमउमगीलोचनजलछा ऐ

सीऐबीलोकीधीरताला गी

रहेकहायज्ञातपमिवीरा गी

लीन्हराऊसंगलाजा न की

मीटीमिमहाभरजारहज्ञान की

समहायतसवसचीयसया ने

बीनब्बीबारकानकनकूसरजाने

बाल२२७

वारवारसुतउरला — ए
सजीसुंदरपालकीमगा — ए

दोहा

प्रेमवीवसपरवीरासवः जानीसुलगननरेस॥
कुंअरी[illegible]चढाइपालकीन्हः सुमीरीसीधीगनेस॥

चौपाई

बहुबीधीभूपसुतासमुझा — ई
नारीधर्मकुलरीतीसीखा — ई
दासीदासदीएवहुते — रे
सुचीसेवकजप्रीयसीयके — रे
सीयचलतव्याकुलपुरवा — सी
होइसगुनसुभमंगलरा — सी
भूसुरसचीवसमेतसमा — जा
चलेसंगपहुचावनराजा — ॥
गजरथवाजीवरातीनसा — जे
सुनीगहगहेवाजनेवा — जे
दसरथवीप्रवोलीसवली — न्हे
दानमानपरीपुरनकी — न्हे
चरनसरोजधुरीधरीसी — सा।

भरीतमहीपतीपाइ्कासी सा

मुभीरीगजाननकीन्हपयाना ना

मंगलमलसगुनलऐना ना

दोहा

सुप्रसुनचायमहाहरषीःकरहींकौ५छरागात

चलेअवधपतीअवधपरमहीतवजाइनी

सानः —— चौपाई

दीपकरीवीतैएमहाजनकै

साहसकलमागतेरे रे

भयनवसनवाजीगजाहीदे

प्रेमपोखीठाछेसवकी दे

वारवारघुरियघुलीना थी

कीरिसकरामहीभैरा थी

चहुदीवहीकौसलपतीकहई

जनकसुभवसकीरनचह ई

पुनीकहीअवपतीवचनसोहाए

कुरीएमहीपदुरीवडीन्हा ए

बालक॰

230

राउवहोपीअत्तरीलरेठा ७
प्रेमप्रवाकुवीसोचनवा ७
नवचीरहवोलेकरजो री
वचनसनेहसुधाजनवो री
कौकवनचीटीचीनेवना ९
महाराजमोहीहीन्हीवरा ९

दोहा

कौसलपतीसमसधीसुजानजनकसमानसव
भांतीः मीलनपरसपरःचीनैकरतीःप्रीती
नहीहैंससमाती

चोपाइ

मनीमंडलहीजनकसीरनावु
ममासीरवाहसवहीसनपावु।
साहरपुनीमीरेनीजभा ता
रूपसीलगननीधीसवभ्रात।
जोरीपंकरहपानीसोहा ए
वोलेवचनप्रेमजनजा ए
रामकरोकेहीभांतीप्रसंसा।

मनीसमेंहेसमनमानसहंसा।
करहींजोगजोगीजेहीलागी॥
क्रोधमोहममतामदत्यागी॥
व्यापकब्रह्मअलखअवीनासी।
चीदानंदनीरगुनगुनरासी॥
मनसमेतजेहीजाननबानी।
तरकीनसकहींसकलअनुमानी॥
महीमानीगमनेतकहीकहई॥
जोतीहुंकालएकरसरहई॥

दोहा

नैनबीषैमोकहंभयेउः सोसमस्तसुखमूल।
सबलाभजगजीवकहुंःभयेईसअनकूल॥

चौपाई

सबहीभांतीमोहीदीन्हबडाई।
नीजजनजानीलीन्हअपनाई॥
होहीसहजसहसपरहसख।
करहीकल्पकोटीकअरीलेखा।
मोरभागपराउरगुनगाथा॥

पत्र २३९

केहीमासकहीसुनहुरघुनाथ।
मैकछुकहौंएकबलभो रे
तुम्हरीहुहुसनेहसुठोथो रे
चारवामगोकरजो रे
मनपरिहैचरनजनीम्हारे
सुनीचरवचनप्रेमजनपोहै
पूरनकामरामपरितो है
करीवखानेससुरसनमा ते
पीतुकौसीकचसीरसमजाते
चीनतीविकृतनरथसनकोहि।
मीलीसप्रेमपुनीतसीवहोहि।

दोहा

मीलीलबनरीपसहनहीं: हीनहीकासीसमहीस
ज्ञेएपरसपरप्रेमवस: कहीकहीनावहींसीस

चौपाइ

चारीचारीकरीवीनैचरा १
रघु[illegible]पतीचलेसंगसबनाथ २

जनकगेहकैसीकपहजा ई
चरनेरजसीरैनहिला ई
सनमुनीसवाइसनतो रे
कगामनीकथ्यप्रतीतमनभोरे
जोसबसजनमृत्योकपत्तीचहैं
करतमनोरथसकुचतमनहि
सोसबसजनसमुझलमनमोहिंस्वामी
सवसीधीतवहरसनकानगामी
कीनहीचीनैपुनीपुनीसीरनाई
कहिरैमहीसमनसीखपा ई
चलीचरातनीसानवजा ई
भईतनकोरीचडसनसमहाई
रामहीनीरखीग्रामनरना री
पाइनैनकलहूहोहीसुखारी

दोहा

वीचवीचवरवासकीः मगलोगनसुखरेस
कनचुयसमीपपुनीतहीनःपहुंचीकाइजनेस

चौपाई

पत्र २३२

232

बजेनीसानपनववाजा जे
भेरीसंखधुनीहयगयगा जे
झांझबीनडीमडीमीसोहा इ
सरसरागबाजहींसहना इ
पुरजनआवतजानीबरा ला
भरीतसकलपुलकावलीमा ला
+ नीजनीजजनआवतनावपाता ला +
नीजनीजसुंदरसदनसवा रे
हाटबाटचौहटपुरद्वा रे
गलीसकलअरगजासींचा इ
जहंतहंचौकेचारुपुरा इ
बनाबजारनजाइबखा ना
तोरनकेतुपताकबीता ना
सकलपुगफलकदलीसा ला
रोपेबकुलकदंबतमा ला
लगेसुभगतरुपरसतधर नी
मनीमयआलबालकलकर नी

दोहा

चीचीधीम्मांत्तीमंगालसकलसः ग्रहग्रहरचेस
यांरीःसुरयुम्हाहीसीहांहींसवःरवुवापरी
नीहारीः —— चौपाई

भपलवुनत्तेहीक्कवुसारसोहा
रचनाहेंवीमरह्नमनमो —— हा
मंगलसगनमनोहरत्ता —— ई
रीधीसोधीसुवसमप्रहासोहाई
जनछ्काहसवसहजसोहाए
त्तनयरीधरीहसारथग्रहम्नाए
हेवनहेत्तुरामचैहे —— हीं
कहहुलालसाहोइनके —— हीं
जथजथभीलीचलीसुम्नासीनी
नीजछ्वीनीहरहमहनवीलासीनी
सकलसुमंगालसजैम्नार —— ती
गावहींजनवहुवेषम्नार —— ती
भपतीलवुनकुसाहसहो —— ई
जाइनवरनीसमयसुबसो —— ई

बाल ३

233

कौसीलादीराममहता री
प्रेमबीवसतनदसाबीसा री

दोहा

दीएदानबीप्रन्हबीपुलःपुजीगनेसपुरारी
परमुदीतपरमदरीद्रजनःपाइपदारथचारी

चौपाई

मोदप्रमोदबीवससबमाता।
चलहीनचरनसीथलभैगाता।
रामदरसहीतअतीअनुरागी।
परीछनसाजेसजनसबलागी।
बीबीधीबीधानबाजनेबाजे
मंगलमदीतसुमीत्रासा जे
हरदीदुबदधीपलवफु ला
पनपुंगफलमंगलमु ला
अछतअंकुरोचनलाजा
मंजुलमंजरीतुलसीबीरा जा।
छोहेपुरटघटसहजसोहा ए
मदनसकुनजनुनीडबनाए

सगुनसगंधनजाइबखा नी
मंगलकलससजमसिखरानी
रचीअमारतीचहुवीथीनाना
महीतकरहीकसमंगलगाना॥

दोहा

कनकथारभरीमंगलनीःकमलकरलीदै
मातःचलीभईतपरीछनकरनःपुलकी
प्रफुलीतगातः —— चौपाई

धुपधुमनभमेचकभए ॥
सावनघनघमंजनठए ॥
सुरतरुसमनमालसुखरखहीं
मनहुबलाककावलीमनकरषहीं
मंजुलमनीमयबेहलेया रे
मनहुपांकरीपचोपसवा रे
प्रगटहीदुरहीअटनपरभामीनी
चारुचपलजनुदमकहीदामीनी
दुंदुभीधुनीघनगरजहींघोरा
जाचकचातुरचातकमो रा

रास ३६

सरसगंधसुचीबरषहिंचारी
सुखीसकलसबपुरनरनारी
समयजानीगुरआएसुदीन्हा।
पुरप्रवेसरघुकुलमनीकीन्हा।
सुमीरीसंभगीरीजागनराजा
मुदीतमहीपतीसहीतसमाजा।

दोहा

होहिंसगुनबरषहिंसुमनःसुरदुंदुभी
बजाइःबीबुधबधुनाचहिंमुदीतःमंजल
मंगलगाइः

चौपाई

मागधसूतबंदीनटनागर ।।
गावहिंजसतीहुंलोकउजागर
जैधुनीबीमलबेदबरबानी
दसदीससुनीऐसुमंगलखानी
बीपुलबाजनेबाजनलागे
नभसुरनगरलोगअनुरागे
बनेबरातीबरनीनजाई
महामुदीतमनसुखनसमाई

पुरवासीनत्तवरायजहारे

देषतरामभईल्लएसुषा रे

करहुनीछावरीमनीगनचीरा

वारीवीलोचनपुलकसरीरा

आरत्तीकरहीमहीत्तनरनारी

हरषहींनीरीषीकुंवरवरचारी

सीवीकासत्लगाइहारीउचारी

देषीहुलहीतीहोहींसुषा री

दोहा

ऐहीवीधीसवहींहेत्तसुषः आएराजदुवार

मुदीतमातुपरीछनकरहीः वंधुनसमेतनीहार

चौपाई

करहीआरत्तीवारहीवा री

प्रेमप्रमोदुकहैकोपा री

भुषनमनीपटनानाजा ती

करहीनीछवरीअगनीतभांती

वंधुनसमेतदेवीसुतचा री

पत्र २३५

235

परमानंदप्रगानमहता री
पुनीपुनीसीयरामछबीदेषी
प्रहीतसकलजगजीवनलेष
सषीसीयभषपुनीपुनीचाही
गानकरहीनीजसुकीतसरा ही
चरषहीमनक्षानहीछीनेहू
नाचहीगावहीलावहीसे वा
देषीमनोहरचारीउजो री
सारदउपमासकलढको री
हेतवनहीनीपटलघुलागी
एकरकरहीअपकानरा गी

दोहा

नीगमनीतीकुलरीतीकरीः अरघपावडे
देतः वधुनसहीतसुतपरछीसवः चलीले
रावनीकेत ॥

चौपाइ

चारीसींघासनसहजसोहाए
जनुमनोजनीजहाथबनाए

तीनपरकुंवरकुंवरीवैठारे
साहरपांइपूनीतपषा रे
धुपदीपनैवेद्यवहवीधी ।।
पुजेवरहुलहिनीमंगलनीधी
वारहीवारआरतीकर हीं
चींजीनचामचामरसीरछहीं
वस्तुअनेकनीछावरीहो हीं
प्रेमप्रमोदमागधसो हीं
पायापमितंमुजनजो गी
आश्रीतसहीजनसंततरो गी
जनमंककजनपारसपा वा
आंयहीलोचनलालसोलावा।
सुकचहनजससारदआ ई
मानहुसमयसरजैयपा ई

दोहा

ऐहीसवतैसतकोरीजनः पावहींमातआ
नंदः आनंनसहीतवीवाहीघरः आएरघु
कुलचंदः —— दोहा

236

लोकरीतीजननीकरहीःवरदुलहीनी
सकुचाहीं:मोरचीनोहचीलोकीवर
राममनहींमसकाहीः —चौपाई
देवपीतरपुजेवीधीनीके
पुजीसकलवासनाजीके
सवहीवंदीमागहिवरदा ना
नाइनसहीतरामकल्पाना
अंतरहीतसुरआसीखहेहीं
महीतमातुअंचलभरीलेहीं
भूपतीवोलीवरातीलीन्हीं
जानवसनभूषनहीन्हीं
आएसुपाइराखीउरराम हीं
मुदीतगएसवनीजनीजधमहीं
पुरनरनारीसकलपहीराए
घरघरवाजनलागीवधाए
जाचकजननाचूहीजोइजो इ
प्रमुदीतराउदेहीसोइसो इ
सेवकसकलवजनीयनाना।

पुरनकीऐहानसनमा ना

—— दोहा ——

देहीअसीसजहारसबःगावहींगनगन
गाथःतबगनलसुसहितग्रहःगवनकी
न्हनरनाथः —— चौपाई ——

जोबसीसकानसासनहीन्हा।
लोकवेदबीधीसाहरकी न्हा
भसुरलीरहेसीसबरा नी
साहरउठीलाजवस्ना नी
पाऐपसारीसकलक्तनवारे
पुजीलीबीधीधीलपजीमाऐ
क्त्राहरदानप्रेमपरीपो खे
हेतक्तासीसचलेजनतो खे
चहुबीधीधीकीन्हगाधीसुतपूजा।
नाथमोहीसमधन्यनहु ना
कीन्हप्रसंसानृपतीन्ह री
रानीन्हसहीतलीन्हपगधूरी
क्तीचारन्नवृनहीन्हचेसा सु
मनजोगावृतरहन्त्रीपरनीचासु

गालस्ती

237

पूजेगत्रपहकमलबांहो ॥
कीनक्योतेभरप्रीत्तीनथोरी

दोहा

वंधुनसहीतकुमारःसुनीहीसहीतमहीस
पनीपुनीवंदहतगुस्चानःहेतक्रासीसमुहीस

चौपाइ

वीतेकीनहीधक्तीकनृपगे
सुतसंपुह्रहासीसवक्ता ॥
बेगमागीमतीनाथकलीन्ह।
क्रासीसवाहवक्रतवीहा न्हो ॥ ४॥
उरधरीरामहीसीयसमेत ॥
हरषीकीनगगवुनबीकेत ॥
वीपुवधुसवक्रपवोला ॥
चौ[illegible]चाक्रमघनपहीरा ॥
वहुरीवुलाइसुक्रासीनीलीन्हें।
रचीरचीचारीपहीरावनदीन्हें।
नेगीनेगजोगसवले हीं।
रुचक्रातनृपक्रपुनदीहे हीं।
प्रीयपाहुनेपुज्यजेजा ते

अपतीन्हलीन्हांतिसमा ते
हेतुहेतरघुबीरखीवा हु
चारसीप्रसंनप्रसंन्यप्रसंसी ॥७॥

दोहा

चलेतीसानवजाइसकःनीजनीजपुरसबपाइ॥
कहतपरसपररामजसःप्रेमनहृदियसमाइ॥

चौपाई

सबबीधीसबहीमहीतनरनाहु॥
रहाहृदियअनरीपुरीजना हु
जाहेरनीवासतहांपगुधा रे
सहीतवधुटीककुंयरीनीहारे
दीऐगोहकरीमोहसमेता ॥
कोकहीसकहीअनरेउसपजे ता॥
वंधुसप्रमगोहवैठा री
वारवाहीसेकरखीहुला सी
हियसमाजमहीतरनवा स
सवकेउरअनतहकीऐवास
कहीउअपजीमीलऐचीवाहु
सुनीसुनीरामसहीतसवका हु

बाल २३८

मनौंराग जागन सी सवरा ॥
प्रीती रीती संप्रहासो हा ॥
चहुवीथी मिलपल्लीटजौ मधरली
रानी सब प्रम हीत सनी करनी

दोहा

सुतन समेत न नाहं द्वोपि पुः बोली लीए बु
ग्याती: भोजन की मुख्यतक चीथी: चपी
पान्य गइ राती: — चौपाई

मंगल गानक दिंव स्नामीनी
भए सुख मलम नोहम्ज जामीनी
कीचै पान सब का हुपा ॥ ६
(कीक सुगंध मचीन छुवी छाए ॥
राम हीहे वीरजाए सुपा ॥
बीनती जल पुन चले सीरना ॥
प्रेम प्रमोस्थीनो हृद्य रा ॥
समय समाज मनोहरता ॥
कहीन सकही सत्त साखसए
वेहथीरं वीमहे सागने ॥
सोमैक हौंक वुन चीथीवर नी

अंमीनागासीरखरहीकीयानी
लीपसवन्नांतीसवहीसनभानी
कहीत्रीहुवचनवोलाग्यानी
चंपुलरिकीनीपरधरऐका १
याबहुतैनपलककीना २

दोहा

नरीयाग्नीनछनीहवसःसैनकारायहूजा १
त्रासकहीगीवीसवामग्रहःशामचरनचीतला २
चौ॥ अपवचनसुनीसहजसोहाए
जडीतकनकमनीपलैंगडसाए
सुभगसुरभीपयफैनसमाना।
कोमलकलीतसुपेतीनाना।
उपवरनावरबरनीनजा १
स्रगसुगंधमनीमंहीरमा २
रतनदीपसुठीचारुचंदो वा
कहतनवनैजानजेहीजो वा
सेजरचीरघुवीरामउठा ए
प्रेमसमेतपलंगपौढा ए
अग्यापुनपुनपाइनही हीं

बालि २३८

239

नीजननीजसेजसैनातीन्हकीन्हीं
देखीसुमभन्नीदुमंजलाण ना।
कहेसुप्रेमवचनसवमाता।
मागजानलयाचुनीमारी
केहीवीतातताँदुकामा री

ची दोहा

चोरनीसाचरवीकरकरःसमरागनेनहीं
काहुःमोरसलिहसहायकीमीःखहसमा
रीचसुवाहुं

चौपाई

मनीप्रसादवलीतातमुम्हारी
इसम्हलेकैरवैरहा री
मखरमयारीकीन्हिहुम्हा ३
गुरुप्रसादसववीद्याआपा ३
मनीतीयेतरीलागातपग्धुरी
कीरतीरहीलयुतलनीपु री
कमठपीठपवीकठीनकठेरा।
न्रीपसमाजमहसोयुंयनुतेरा।
चारप्राचीतेजससजानकीपाई
काएभयुजनव्याहीसवन्माई

ch

सकलमनमानुषकामतुम्हारे
केवलकौसीककृपासुधारे
आजसुफलजगजनमहमारा
देखीतातबीधुबदनतुम्हारा
जेदीनगएतुमहीबीनुदेखे
तेबीरंचीजनीपारहीलेखे

दोहा

रामप्रतोषीमातुसबकहीबीनीतबरबैन
सुमीरीसंभुगुरबीप्रपदकीएनींदबसनैन

चौपाई

नींदबदनसोहसुठीलो ना
मनहुसाँझसरसीरुहसो ना
घरघरकरहीजागरनना री
देहीपरसपरमंगलगा री
पुरीबीराजतराजतरज नी
रानीकहहीबीलोकहुसजनी
सुंदरबधुन्हसासुलैसो ईं
फनीकनजनुसीरमनीउरगोई
प्रातपुनीतकालप्रभुजा गे

बाल २५

240

अरुनचुडवरवोलनला गे
वंदीमागधगुनगनगा ए
पुरजनद्वारजोहारनआ ए
वंदेविप्रसुरगुरपीतुमा ता
पाइअसीसमुदीतसवभ्राता॥
जननी सादरवदननीहारे
भुपतीसंगद्वारपगुधा रे

दोहा

कीन्हसोचसवसहजसुचीःसरीपुनीतनहाई
प्रातक्रीयाकरीतातपहीं:आएचारीउभाई

चौपाई

भुपवीलोकीलीएउरला ई
वैठेहरषीरजायसुपा ई
देखीरामसव सभाजुडा नी
लोचनलाभअवधीअनुमानी
पुनीवसीष्टमुनीकौसीकआए
सुभगआसननमुनीवैठाए
सुतनसमेतपुजीपदला गे
नीरषीरामदोउगुरअनुरागे॥

कहहिंबसीष्टधर्मइतीहासा।
सुनहिमहीससहीतरनीवासा।
मुनीमनअगमगाधीसुतकरनी
मुदीतबसीष्टबिपुलबीधीबरनी
बोलेबामदेउसबसांची
कीरतीकलीतलोकतीहुंमाची।
सुनीआनंदभयेउसबकाहु
रामलखनउरअधीकउछाहु

दोहा

मंगलमोदउछाहनीतःजाहिंदीवसएहीभांती।
उमगीअवधअनंदभरीःअधीकअधीकअधीक
अधीकाती।

चौपाइ

सुदीनसोधीकलकंकनछोरे
मंगलमोदबीनोदनथोरे
नीतनवसुखसुरदेखीसीहाहिं
अवधजनमजांचहिंबीधीपाहिं
बीस्वामीत्रचलननीतचहहिं
रामसप्रेमबीनयबसरहहिं
दीनदीनसयगुनभूपतीभाउ

बालकां

हेबीससराहीमनमनीरा ॥
भागतवीहाराउन्हनतय ॥ गे
सततनससमेत ठाठीमैन्हा ॥
नाथसकलसेप्रहात्तुम्हारी ॥
मैसेवकसमेतसुतनारी ॥
करवसहालरीकनपाछोलु ॥
हरसतनेहतरहवमनीमो ॥ हुं
न्हसकहीराउसहीतसुवरानी ॥
पारेनचरनमसब्लवतवानी ॥
हीतन्हासीसवीप्रवलन्मोती ॥
चलहीवप्रीतीरीतीकहीजाती ॥
रामसप्रेमसंगसवचला ॥ इ
न्हाऐसपाहुकीरेपहुंचा ॥ इ

दोहा

रामनपन्नपतीनीत्ति: व्याहन्छाहन्हनं
जातसराहतमननहीमनः मदीतगाधीकुलवंद

चौपाइ

वामेहुराघुकुलगरज्जा ॥ नी
वहरीगाधीसुतकथावखानी

१०५१

सुनीमुनीसुजसमहींमनराउ

चरनतस्नापवनपुंन्यप्रभा उ

चहरेलोगाज्ञायसुलए उ

सुतनसमेतव्यापतीग्रहगए उ

जहंतहंरामव्याहसुधीधीमा॥

सुजसपुनीतलोकतीहुछाय॥

क्नाएव्याहिरामघरजब तै

वसेक्नानंदक्नवधसवतवतै

प्रभ्नवीवाहजसभ्नैउछाहु

सकहीनवरनीगीराक्नहीनाहु

कवीकुलजीयनपावनजानी

रामसीयेजसमंगलखानी

तेहीतेमैकछुकहावखानी

करनपुनीतहेतुनीजवानी

छंद

नीजगीरापावनकरनकारनरामजसतुलसीकेह्यो सी

रघुवीरचरीतक्नपारवारीधीपारकवीकौनेलहेउ॥

उपवीतव्याहउछाहमंगलसुनीजेसादरगावही

बालकं

वैदेहीरामप्रसादतेजनसर्वदासुखपावहीं

सोरठ

सीयरघुवीरवीवाहजेसप्रेमगावहिंसुनहीं
तीनकहुसदाउछाहुमंगलायतनरामज
सु॥ इतिश्रीरामचरित्तमानसेसक
लकलीकलुषवीधवंसनेवी
मलसंतोषसंपादीनीनाम
प्रथमसोपानवालकांडसम
पुरणासमाप्तंओंहरीशी
लीयापंडीतजनसोंवीनतीमो
रीइहलखोंफुरजेवसवज्ञो
री॥हस्तसीत्तमो[illegible]नवासके
लीषीजंबुमेमहीनासावन
संवत् १८६८ ॥रामरामसीता।
रामरामरामसीतारामरामराम